



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

CK  
६.७.८५

सं. 173]

No. 173]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल ६, १९८५/चंद्र १६, १९०७

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 6, 1985/CHAITRA 16, 1907

इस भाग में भिन्न तृष्ण संख्या वाली है जिससे इस यह असाधारण संकलन के रूप में  
रहा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

### दिल्ली विकास प्रधिकरण

नई दिल्ली, ६ अप्रैल, १९८५

### आर्थिक सूचना

का. आ. २८९(अ) :—दिल्ली २००१ के परियोग और शहरी विकास के  
नये आयामों को व्याप्ति द्वारा केंद्रीय सरकार का दिल्ली की सुधृत  
योजना में नियन्त्रित विकास संशोधन करने का प्रस्ताव है, जिहे एतद्  
द्वारा जनता की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, यदि किसी  
व्यक्ति को प्रस्तावित संशोधनों के संबंध में कोई आपत्ति हो अपना वह  
सुनाए देना जाहसा हो सो वह अपनी आपत्ति/मुद्राव लिखित रूप में इस  
सूचना की तिथि से ३० दिन की अवधि के अन्वर संचिद, दिल्ली विकास  
प्रधिकरण, विकास मीमांसा, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली को भेज सकता  
है। आपत्ति अपना मुद्राव देने वाले व्यक्ति को अपना नाम और पुरा  
पता भी देना चाहिए।

### संशोधन

(1) अध्याय १ के शीर्षक "भूमि उपयोग व्यान" के स्थान पर  
नियन्त्रित पाठ सहित "विकासभीमियों, योजना मानक और  
भूमि उपयोग व्यान" प्रतिस्थापित किया जाए।

### धैर्य एवं उप-सौन्दर्य धराता :

महानगर के विकास के नियोजन को उसकी सीमाओं में सीमित नहीं  
किया जा सकता। यह पर्याप्त रूप से प्रभाव डालता है और बाहु घटनाओं,  
विशेष रूप से नियन्त्रित वातावरण से प्रभावित होता है। व्यापक वृद्धि  
से दिल्ली का प्रभाव सारे भारत पर है और यज्ञानी के रूप में  
समस्त विश्व पर। एक अन्य स्तर पर दिल्ली जो उत्तरी भारत के समस्त  
व्यापक क्षेत्र में केंद्रीय महत्व का स्थान प्राप्त है। १९४७ से, जब  
भारत को आजादी मिली है तबसे यह प्रभाव बन्दूत: दूरी और प्रभाव  
के मामले में बढ़ता जा रहा है।

दिल्ली के विकास की उत्पत्ति द्वारा हुए शहरीकरण में निहित है जो  
रोजगार बाजाने के लिए अत्यन्त भूत्यकूपी अवसर प्रदान करता रहा है  
और विशिष्टिकरण के लिए आधार की व्यवस्था करता रहा है तथा  
जिसने विनियोग एवं सहायक सेवाओं की उत्पादकता में वृद्धि की है।  
इन लक्षित अम बाजारों जिनकी व्यवस्था भारतों द्वारा ही की जा सकती  
है, की आवश्यकता है जो उत्पादन के बदलते हुए स्वरूपों के अनुकूल हों।

बढ़ते हुए प्रवास के कारण दिल्ली का विकास दूरसंचार से हो रहा है  
यथापि विनाशकीय विषय में भारतों के तेसे श्री उदाहरण है जो दिल्ली से  
भी देज गति से बढ़ रहे हैं किन्तु शहर का जितना और विस्तार होता  
है उसमें ही भूमि, आवास विवरण एवं अनिवार्य आधारिक संरचना की

व्यवस्था एवं प्रबन्ध की समस्याएं भी और व्यापिक जटिल होती जाती हैं यदि अध्यंतर शहर के इस विस्तार के माग को अब शहरों-छोटे किन्तु गतिशील शहरों की शुद्धिका में व्यवस्थित कर दिया जाए तो यह छोटी-छोटी वस्तियों के लिए शक्ति के स्तरों के साथ-साथ "अध्यंतर शहर" के लिए राहत होगी।

#### संतुलित शेत्रीय विकास :

दिल्ली में बहु संक्षय में लोग उत्तर प्रवेश, हरियाणा, पंजाब एवं राजस्थान राज्यों से आते हैं। प्रवास की वर्षानान रेंज प्रति वर्ष 1.6 लाख व्यक्तियों से अधिक है। शहरीकरण एवं प्रवास के संबंध में रोजगार सर्वत करने के संबंध में दिल्ली के लिए एक निश्चित प्रतिबंधक नीति की आवश्यकता है। इस नीति की मुख्य निर्देशक-रेखाएं निम्नलिखित होंगी :—

- (1) दिल्ली में केंद्रीय सरकार के केवल ऐसे नये कार्यालय स्थापित किए जाएं जो प्रत्यक्ष रूप से भारत सरकार के मंत्रालयों का कार्य करते हों।
- (2) दिल्ली में सार्वजनिक लोकों के उत्तरान कार्यालयों की स्थानान्तरित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए तथा जहाँ तक व्यवहार्य हो वहाँ तक सार्वजनिक लोकों के उपकरणों के नये कार्यालय उनके संक्षिप्ताक लोकों में दिल्ली से बाहर स्थापित किए जाने चाहिए।
- (3) दिल्ली में औद्योगिक विकास को छोटे पैमाने की इकाइयों पर और बेकार सीमित किया जाना चाहिए जिसमें कुण्डलता की आवश्यकता हो लेकिन मानव-प्रकृति एवं ऊर्जा की कम आवश्यकता हो और जो अशोकारक एवं स्वच्छ हों तथा दिल्ली की अर्थव्यवस्था के लिए बड़े पैमाने पर उपयोगी हों।
- (4) उद्योगों तथा वितरक व्यापार में रोजगार की सीमित करने के लिए विशिक एवं विशीय उपाय अपनाएं जाने चाहिए।

इस संवर्धन में, संतुलित शेत्रीय विकास के लिए केंद्रीय सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी शेत्र योजना बोर्ड अधिनियम, 1985 अधिनियमित किया है। राष्ट्रीय राजधानी शेत्र योजना बोर्ड एक योजना द्वारा राष्ट्रीय राजधानी शेत्र (रा.या.शे.) के लिए भव्य राज्य-क्षेत्र दिल्ली और निकटवर्ती राज्यों में प्रयासों का समन्वय करेग, जिसमें संघ राज्य-क्षेत्र दिल्ली के अतिरिक्त हरियाणा, रु० प्र० और राजस्थान के कुछ भाग सम्मिलित हैं। दिल्ली पर पड़ने वाले दबाव को समाप्त करने और क्षेत्र का जलवी विकास करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी शेत्र में ठीक कार्यवाही करने और केंद्रीय सरकार और उपकरणों के कार्यालयों, औद्योगिक इकाइयों तथा वितरक बाजारों की अवस्थिति के लिए बानावरण उत्पन्न करके उचित आदायिक संरचना की व्यवस्था हाता संभव काउन्टर भेंटेदूस की व्यवस्था करने की आवश्यकता होगी।

#### दिल्ली महानगर शेत्र (वि.म.शे.)

संघ राज्य-क्षेत्र दिल्ली की देहलीज की वस्तियों की प्रक्रियाधीन विकास परियोजनाओं का दिल्ली और उसके उप क्षेत्र अधिक दिल्ली महानगर शेत्र पर अप्रत्यक्ष प्रभाव अनिवार्य रूप से पड़ता है जिसकी पुनः परिवर्तित किया गया है और उसमें संघ राज्य-क्षेत्र दिल्ली, नोएडा नियन्त्रित क्षेत्र, गुडगांव, बासुरुगढ़, कुण्डली और हरियाणा की दिल्ली रिज का विस्तार सम्मिलित है। इस प्रकार दिल्ली महानगर शेत्र का क्षेत्र 3,182 बर्ग किलोमीटर (वर्ग कि.मी.) होगा।

नियोजन के उद्देश्य से संघ राज्य शेत्र दिल्ली सहित दिल्ली महानगर शेत्र को एक शहर के रूप में माना जाना चाहिए। इस योजना में परिवहन और रिज की परिमाण जैसे कुछ महत्वपूर्ण पहचानों को विस्तृत रूप से व्यक्त किया गया है। दिल्ली महानगर शेत्र के संतुलित विकास के पूर्ण हित में नियोजन के कार्य केन्द्र और यात्रों से परामर्श

करके तथा राष्ट्रीय राजधानी शेत्र बोर्ड के पूर्ण नियंत्रण और नियंत्रण में नगर एवं प्राम नियोजन संगठन (टी.सी.पी.बो.) की सीधा जाता चाहिए।

#### जनसंख्या और रोजगार :

1971—81 के दशक में दिल्ली की शहरी जनसंख्या 4.69% वार्षिक वृद्धि की दर से बढ़ी है। भारी जनसंख्या भारी जनसंख्या भारी जनसंख्या भारी उनके शहरी शेत्रों में मिल जाने से प्रभावित हुई है। मध्य जनसंख्या वृद्धि की गहरी दरें जानी रुही हो वर्ष 2001 तक शहरी जनसंख्या 144.26 लाख और भारी जनसंख्या 5.27 लाख हो जाएगी। अधिक संतुलित शेत्रीय विकास पर विचार करते हुए संघ राज्य-क्षेत्र दिल्ली की जनसंख्या की विस्तृत रूप में रखा गया है :—

(लाख में)

दिल्ली शहरीकरण योग्य सीमाओं-2001 की जनसंख्या 121.73

दिल्ली शहरीकरण योग्य सीमाओं से बाहर 2001 की जनसंख्या

6.37

योग 128.10

जनगणना के अनुसार दिल्ली हेतु पिछले दो दशकों की सहभागिता दर (कार्यवाही जनसंख्या-कुल जनसंख्या × 100) है :—

वर्ष	शहरी	भारी	भारी
1971	30.21	26.62	
1981	31.93	28.49	

विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के बढ़ने से 2001 हेतु सहभागिता दर संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली की शहरीकरण योग्य सीमाओं से बाहर शहरी शेत्रीय दर 35% और दिल्ली के क्षेत्र में 33% के रूप में होनी चाहिए। इसमें अस्थायी अधिक जन संख्या सहित 49.08 लाख के कुल अम बन की वृद्धि होनी जो कार्य करने के लिए दिल्ली जाने हैं किन्तु शहर में नहीं रहते। विभिन्न आर्थिक व्याङ्कों में श्रम बन की निर्भारित करा गया है :—

भव्य राज्य क्षेत्र दिल्ली-2001 के लिए प्रशेषित शमशन

श्रम	शहरी सीमाओं में नीमाओं में बाहर	योग	
1	2	3	4
कुल	13 (0.30)	59 (30.00)	72 (1.80)
विनियमित			
(1) मन्दसापना—	1071 (25.00)	39 (20.00)	1110 (24.80)
शब्द			
(2) गैर संस्थापना	214 (5.00)	6 (3.00)	220 (4.90)
नियमित			
व्यापार एवं नाणिज्य	227 (5.30)	4 (2.00)	231 (5.10)
बांध			
विनियमित			
विनियमित	964 (22.50)	12 (6.00)	976 (21.80)

1	2	3	4
परिवहन	488	16	504
	(11.40)	(8.00)	(11.30)
अन्य सेवाएं	1306	61	1367
	(30.50)	(31.00)	(30.50)
प्रतिशतता	4283	197	4180
	(100.00)	(100.00)	(100.00)
अस्थायी अमंत्रित	428	..	428
योग			4909

शहरी सीमाओं में अन्य सेवाओं के खण्डों का और विभाजन निम्नलिखित क्रम में किया गया हैः—

क्रमांक	अमिक	
	(000 में)	(प्रतिशतता)
फेन्ड्री सरकार	316	22.00
अर्द्ध-सरकारी	384	26.70
विली प्रशासन	153	10.60
स्थानीय निकाय	241	16.80
निजी	343	23.00
योग	1437	100.00

यदि बर्तमान प्रवृत्तियां जारी रहीं तो औद्योगिक भेदों में दिल्ली में बहुत अधिक अमंत्र (लगभग 37%) होने की संभावना है। राजधानी का कार्यालय मंत्रिमंडल बनाने रखने के लिए यह आवश्यक होगा कि पहले

सुधारे गए उपायों के साथसे से औद्योगिक रोजगार को सीमित किया जाए।

#### दिल्ली शहरी भेद—2001

संघ राष्ट्रसेवक का कुल धोकफल 148,639 ट्रैक्टेयर (हेक्ट.) है। इसमें से 44,777 ट्रैक्टेयर भेदों को इससे पूर्व भोजना में निवारित शहरी-करण योग्य सीमाओं में सम्मिलित किया गया था। फिलहाल इस भेद में लगभग 54.5 लाख शहरी जनसंख्या निवास करती है। ये शहरी जनसंख्या 1981 की जनगणना में नगरों के रूप में घोषित 17 अस्तियों और नज़कगढ़ तथा नरेला में रहती हैं। वर्ष 2001 तक 122 लाख शहरी जनसंख्या को बसाने के लिए दो प्रकार की योजना की सिफारिश की गई है; (1) 1981 तक घोषित शहरीकरण योग्य सीमाओं में बोक की जनसंख्या असांत की अमंत्र को बढ़ाना और (2) जहां तक आवश्यकता हो वहां तक बर्तमान शहरीकरण योग्य सीमाओं का विस्तार करना।

बर्तमान शहरीकरण योग्य सीमाओं में भेद की बगाने की अमंत्र निम्नलिखित पर निर्भर करती हैः—

- (1) आवासीय विकास टाइप और उनकी अधिक समाप्ति-अमंत्र।
- (2) आवासिक संतरन-धौतिक एवं सामाजिक की उपलब्धता/सम्भाष्यता।
- (3) रोजगार एवं किन्नर अमंत्र एवं सम्भाषन।
- (4) परिवहन तंत्र अमंत्र।

अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ है कि वर्ष 2001 तक दिल्ली शहरी-सेक्षन-81 की शहरीकरण की सीमाओं को विवेक सम्मत रूप से फैनाकर और बनता में चुने हुए संशोधन करके लगभग 82 लाख जनसंख्या को बसाया जा सकता है। ये 40 लाख की शहरी प्रस्तोत्रमें बसाया जा सकता है। डिवीजन-या विभाजन नीचे दिया गया हैः—

#### प्रकारिक विस्तार संक्षिप्त दि. ग्र. अंक 81 में जनसंख्या

सुधार योजना के जनगणना 1981 विभागीय अनुसार प्रस्तावित-2001

#### बनोक्त

ए	3,22,600	6,22,207	4,20,460	4,20,460
सीमात्त सम्भाष्यता	3,98,200	5,67,804	6,30,000	6,19,200
बी	3,87,685	5,30,547	7,50,800	7,12,055
सी	6,34,100	4,96,058	7,54,685	7,03,510
सी	9,69,270	10,28,794	17,89,300	16,38,080
एफ	8,27,125	8,22,200	12,78,425	11,91,840
जी	9,03,175	8,68,277	14,89,600	13,69,100
एच	9,20,485	5,12,687	13,65,270	15,97,900
योग	52,62,640	54,53,574	89,78,540	82,52,145

अपने दो दशकों में राजधानी की दृष्टि की प्रभावी रूप से व्यवस्था रहने के लिए 40 नाश जनसंघों को बसाने के लिए विली शहरी दोष 81 को लगभग 24,000 ट्रैक्टेयर तक बढ़ाने की आवश्यकता है जो लगभग 82 नाश की जनसंघों को मुश्यवस्थित रूप से बसा सकती है। शहरों के संतुलित विकास के सन्दर्भ में वर्ष 2001 तक बढ़ाई गई समय अवधि में विभिन्न विकास कार्यों के लिए आवश्यक भूमि का समय-समय पर अविहृण किया जाएगा। अब तक 4,000 ट्रैक्टेयर (अनुमानित) भूमि वि.र.थे.-81 को शहरी सामाजिकों में सम्मिलित की गई है। इस प्रकार नाशग 20,000 ट्रैक्टेयर भूमि को शेष आवश्यकता होगी।

निम्नलिखित तरीके से शहरी विस्तार भूमि को अनुमानित विभिन्न रूप उपयोगों में विभागित किया जाएगा:—

भूमि उपयोग	भूमि का %
आवासीय	45-55
व्यापकार्थिक	3-4
औद्योगिक	6-7
मनोरंजनात्मक	15-20
सार्वजनिक एवं अर्द्ध-सार्वजनिक सुविधाएं	8-10
परिवासन	10-12

शेल्टर:—

शेल्टर परिवार की अनिवार्य आवश्यकता होने के अतिरिक्त आर्थिक एवं कल्याण दोनों के विचार से विकास में भी अत्यन्त महत्वपूर्ण है। अधिकांश परिवारों के लिए आवास मायद पारिवारिक बचत प्रयासों का मुक्त उद्देश होता है। तस्वीरों से बचाव के अतिरिक्त आवास स्वरूपता, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य कल्याणकारी सेवाओं और आम अर्जन करने के अवसरों तक पहुंचने की व्यवस्था करता है जो अधिकतम उत्पादकता और निम्न आय के परिवारों के अर्जन को आगे बढ़ाता है। आरी मात्रा में कम उपयोगिता आगे अम की उपलब्धता से कम लागत पर आवास को उत्पादनकारी बनाया जा सकता है।

दक्षता एवं समता :

आवास का रोजगार, सामाजिक सेवाओं और अन्य शहरी क्रियाकलापों से इन स्थानिक संबंध हैं। शेल्टर के स्वप्न में इसकी प्रत्यक्ष आवश्यकता के अतिरिक्त आवास स्तरी और बच्चों के कल्याण, सार्वभौमिक प्रारम्भिक शिक्षा, प्रीइ-शिक्षा को हटाने, और सार्वजनिक वितरण प्रणाली का प्रसार करने जैसे पहलुओं के सामाजिक परिवर्तन करने आगे मायद के रूप में कार्य कर सकता है। आवास नीति शहरी दोनों की दक्षता एवं समता को प्रभावित करने के लिए मुक्त उपकरण के रूप में कार्य कर सकती है।

आवासीय घटक :

परिवारों की आवश्यकता को पूरी तरह से पूरा करने के लिए शेल्टर में निम्नलिखित आवश्यक घटक होने चाहिए:—

- (1) स्थान—बरेली क्रियाकलापों हेतु पर्याप्त हो।
- (2) आधारिक संरचना
- प्रौद्योगिक-जल, विजली, तरल एवं ठोस कूड़ाकरकट का निपटान।
- सामाजिक-शैक्षणिक स्वास्थ्य, मनोरंजनात्मक एवं अन्य सुविधाएं
- (3) स्थिति—कार्य-स्पल शैक्षणिक एवं अन्य सुविधाओं के परिवहन के सुवृद्धि में
- (4) कार्यकाल—सुरक्षा, आवश्यकताओं के अनुकूल किरणशारी स्थानिक
- (5) सामाजिक-आर्थिक
- अनुकूलता सामाजिक रूप से अनुकूल पहुंच एवं उपलब्धि के अनुसार आर्थिक रूप से अनुकूलता।

आवास की आवश्यकता :

फिलहाल शहरी विली में लगभग 11.5 लाख गृहस्थ विभिन्न आवासीय योजनाओं-पुनर्वास आवासकार, भूखंडीय, बहु पारिवारिक, अनधिकृत, गविंश, परम्परागत एवं अन्य योजनाओं में रहते हैं। अगले दो दशकों में लगभग 13 लाख गृहस्थों को और दृष्टि हो जाएगी। सभी परिवारों के लिए उचित आवास की व्यवस्था करना—योजना का मुख्य विषय है। वर्तमान आवासों के दोनों के संरक्षण सुधार और पुनर्जीवन के साथ-साथ नये आवासीय क्षेत्रों के विकास दोनों पर ही बल दिया जाना चाहिए।

फिलहाल लगभग 3.0 लाख आवासों की कमी का अनुमान लगाया गया है जिसमें (1) आवासकार एवं आवश्यक हूए दोनों में आवासों को बढ़ाकर रहने वाले परिवार और (2) जिन आवासों को बदलने की तुरंत आवश्यकता है सम्मिलित है। अगले दो दशकों (1981—2001) में लगभग 16.2 लाख नई आवासों इकाइयों की आवश्यकता होगी जिनमें 5 वार्षिक अंतरालों में विभाजित किया गया है जो नीचे दिया गया है:—

आवश्यक नए आवास	प्रति वर्ष और वर्ष
'000	'000
1981—86	323
1986—91	379
1991—96	434
1996—2001	483

अध्ययन पर आधारित ऐसी व्यवस्था का विभिन्न एजेंसियों का सांकेतिक प्रतिशत निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:—

आवासीय प्रकार	भूमि विकास	निर्माण एजेंसी	आवास का %
स्लम	स्लम	स्लम	
आवास	विभाग	विभाग	3
व्यक्तिगत भूखंडों पर आवास	मुक्त भाग पहुंच से विकसित	व्यक्तिगत परिवार	17
नियोक्ता आवास	भैंसीय सरकार, दिल्ली प्रशासन, स्थानीय निकाय	भैंसीय सरकार, दिल्ली प्रशासन, स्थानीय निकाय	4
नियमित इनफिल	व्यक्तिगत	व्यक्तिगत	8
सामाज्य आवास			
(ए) स्वल एवं सेवाएं	आवास एजेंसी	व्यक्तिगत	23
(बी) निर्माण एवं अधिकारी	परिवार	आवास एजेंसी	
कृप से निर्माण आवास	सहकारी	परिवार	43

विली में आवासीय सहकारी समितियों में, जो सार्वजनिक और प्रार्थित के बीच व्यापी जोड़ है काफी सफलता प्राप्त की है और उन्हें और अधिक प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। भूखंडीय आवास पर व्यक्तिगत आवास लाभ सहकारी समितियों को भी प्रारम्भ किया जा सकता है। आवासों के स्थानिक क्षेत्रों में

इस छेणी हेतु पूर्वक परिवारों को सांस्कारिक वित्त के विकास को आवश्यकता होती है।

आंशिक रूप से निर्मित भू-उड़ाव आवास—नयी संकलना :—

1962 में योजना लागू होने से पूर्व सामान्य जनता के लिए आवास 2 परिवारों के भूखंडीय विकास के रूप में उपलब्ध था। 1962 में इस योजना में इसके साथ-साथ बहुपरिवार (समूह) आवास का प्रस्ताव किया गया था। हाल ही में वो परिवार की योजना जारी विकास के लिए दूसरे तल पर दोसरे परिवार की इकाई को अनुमति दी गई है जिसे सामान्यतः "बहुताती" तल के रूप में जाना जाता है। वर्तमान आवासीय योजनाओं के सर्वेक्षणीय/अध्ययन से सकेत निम्नता है :—

- (1) सम्बन्ध समय तक अधिकांश योजनाहुत विकास केवल पहली मंजिल तक रहता है और इस प्रकार सामान्यतः प्रति भूखंड एक से दो परिवार (लगभग 7 व्यक्ति) इसमें रहते हैं।
- (2) समग्र भारतीय विजाहन में समूह आवास भूमि का बहुत सीमान्त गहर उपयोग करता है।
- (3) निर्मित आवासों को प्राथमिकता है।

आवासों का निम्नलिखित से भी संबंध है :— (1) खंड करने का सामर्थ्य (2) भूमि उपयोगिता की कुशनता (भूमि उपयोग प्रबलता) (3) स्थानता (भारतीय भूमि का सामाजिक वितरण) (4) लोकोत्तोष विवार-धाराएँ। सामान्य आवास का सबसे उपयुक्त प्रकार से 70 से 80 वर्ग मीटर (वर्ग मी.) तक के भूखंडकृपक भूखंडों पर अधिक रूप से निर्मित आवास होता।

प्रत्येक भूखंडामी को स्थान की दूरी से 80 वर्ग मी. से 120 वर्ग मी. का आवास प्राप्त होता। पूर्वक भूखंड होने के कारण हमका निर्माण खर्चों में किया जा सकता है। जैसा कि खंड करने का सामर्थ्य हो। आंशिक रूप से कमजोर वर्ग हेतु तल एवं सेवाओं और सेवा कर्मियों के मामले में कम से कम 32 वर्ग मी. के भूखंडों पर एकत्र परिवार के आवासों की व्यवस्था की जा सकती है जिसमें पूर्वक स्नानागार और सीधालय होता।

इस प्रकार के आवासों द्वारा 350-400 व्यक्ति प्रति हेक्टेयर (व्य. प्र. है.) का कुल आवासीय भवत्व प्राप्त किया जा सकता है, और शहर के स्तर पर 180-200 व्य. प्र. है. का समग्र भवत्व संभवित है। अब भी उच्च सकल आवासीय घनत्व सीमान्त रूप से यात्रा/भूमि के अनुपात को बढ़ा रहा है और इसे विशेष स्थितियों में ही निर्धारित किया जाना चाहिए। उत्पत्ता के लिए यह देखा जा सकता है कि 1961-81 के दौरान योजना में निर्धारित सकल आवासीय भवत्व बहुत कम था; निर्धारित औसत सकल आवासीय घनत्व 187 व्यक्ति प्रति हेक्टेयर और समूर्ध शहर स्तर का घनत्व लगभग 100 व्यक्ति प्रति हेक्टेयर था।

संस्कृत किए गए रूप में सामान्य सार्वजनिक आवास के मुख्य भाग के लिए सहरी भूमि के स्थायर्सेंट वितरण के लिए व्यवस्था की जा सकती है। केवल आवास के छोटे भाग की ही 3 परिवार भूखंडों के रूप में किया जा सकता है जिनका आकार 150 वर्ग मी. से 250 वर्ग मी. तक होता और वे भू-परिवार के आवास होते। आवासीय भूखंड सीमित संख्या में (1% से कम) 350 वर्ग मी. तक हो सकते हैं।

आवासीय छेणों में योजनावाद निर्मित उपयोग प्रारम्भ करना चाहिए होगा। आवासीय योजनाओं में बुकान/परेलू उद्योगों के लिए पूर्तात्मक और आवास के प्रथम या उससे ऊपर के तल पर अधिक्रेत्र निर्मित उपयोग के लिए विशेष कप से भूखंडों के समूह का आरक्षण भी रखना चाहिए।

संरक्षण, पुनर्जीवन एवं पर्यावरणीय सुधार :

परंपरागत छेणों के मामले में संरक्षण एवं पुनर्जीवन आवश्यक होता है और वर्त्तमान निर्मित छेणों पुनर्वास कालोनियाँ, और भारतीय गांवों में पर्यावरणीय उन्नयन और सुधार की आवश्यकता होती है।

परंपरागत आवास का भवाधिक महत्वपूर्ण भाग भारतीय का शहर है किसी समय जो एक मुन्द्र शहर था वह अब एक अध्यवस्थित वित्त प्रस्तुत करता है। भारतीय का शहर शाहजहांबाबु सुविस्तृत महानगर का एक अध्यंतर क्षेत्र बन गया है जिसमें केंद्रीय व्यापार जिला स्थापित है। वर्ष 1961 तक भारतीय का शहर शाहजहांबाबु में जग्सांबाबा बहुत धनी हो गई किंतु तब से आवासीय उपयोग बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उपयोग में परिवर्तित हो गए हैं। यीं दो गई तालिका देखें :—

स्थान	जनसंख्या लाखों में			
	1951	1961	1971	1981
भारतीय का शहर	3.81	4.20	4.09	3.62
	(+ 10.24)	(-2.62)	(-11.49)	
योजना विक्रीजन				
"ए"	5.38	6.30	6.80	6.22
	(+ 20.81)	(+ 4.62)	(-8.52)	

कौष्ठकों के आकड़े दशकों के अंतर के प्रतिशत को प्रभाट करते हैं।

भारतीय के शहर के परंपरागत छेण के लिए विशेष व्यवस्था की आवश्यकता है। निम्नलिखित उपायों की विकारिण की गई है :—

(1) हानिकार और अतरनातक उद्योगों और व्यापार को स्थानान्तरित करना और नैर-आवासीय कार्यकलापों को सीमावद्ध करना।

भारतीय के शहर में अस्त, रसायनों और जलवस्त्रोल सामग्री का उपयोग करने वाली औद्योगिक इकाईयाँ और प्लास्टिक, रेसिन आदि के व्यापार हैं जो हानिकार एवं लकड़नाक हैं। इस क्षेत्र की सर्वसे पहले आवश्यकता यह है कि ऐसे उद्योगों और व्यापारों को प्राथमिकता के आधार पर विस्तृत औद्योगिक छेणों और इन व्यापारों के लिए विशेष कप से निर्धारित छेणों में स्थानान्तरित किया जाना चाहिए।

भारतीय के शहर के पर्यावरणीय सुधार के लिए (1) योक-गोकों को थोक एवं भंडारण छेणों में और डेवरियों को ग्रामीण उपयोग जोन छेणों में स्थानान्तरण करने की आवश्यकता है। योक फल एवं सभी मार्किट अर्थात् कूल संडी को भी स्थानान्तरित किया जाना चाहिए। 1961-81 की अवधि में भारतीय के शहर में योक व्यापार और क्षम्य व्यावसायिक कियाकलापों में तेजी से बढ़ि दृष्ट है। इस बात का पूरा लकड़ा है कि कहीं थोक समय में संपूर्ण भारतीय का शहर पूर्णतः व्यावसायिक क्षेत्र में परिवर्तित न हो जाए जिससे भारतीय परंपरा का एक महत्वपूर्ण छेण पूरी तरह से बष्ट म हो जाए। सर्वेक्षण व्यावसायिक कियाकलापों को स्थानान्तरित और पुनः स्थापित करना भी संभव नहीं होगा किंतु यह भी अस्तित्व महत्वपूर्ण है कि व्यावसायिक कियाकलापों की अवधि ज्ञान स्तर तक सीमित किया जाना चाहिए। अध्याय-2 में विकास संशिदा के खंड 9 को देखें।

भारतीय के शहर में लगभग 1.6 लाख व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रतिष्ठान हैं। 1961-81 की अवधि के दौरान भारतीय के शहर में व्यावसायिक उपयोग चारी भाष्यती के उत्तर में योक व्यापार हेतु,

चांदनी चौक के उत्तर में सामान्य व्यापार एवं वाणिज्य हेतु और लाजपतराय मार्किट के नूटकर व्यापार केन्द्र तथा सीमित था। फिलहाल व्यापार और वाणिज्य क्रियाकलाप व्यावहारिक रूप से चार दीवारी के शहर के समस्त आवासीय क्षेत्रों में अनुचित रूप से प्रविष्ट हो गए हैं। भवनों की आर्मिनिक वृद्धि के 240.69 हेक्टेयरों में से 98.34 हेक्टेयर अर्थात् 40% का व्यावसायिक एवं औद्योगिक उपयोग होता है। संरक्षण को कार्यान्वयित करने के लिए बर्तमान स्तर तक गैर-आवासीय क्रियाकलापों को परिसीमित करना नितान्त आवश्यक है।

#### (2) भौतिक एवं सामाजिक आधारिक संरक्षनों का उल्लंघन :

यद्यपि चार दीवारी के शहर के संपूर्ण भागों में जल आपूर्ति को लाहौर और सीधर लाहौर उपलब्ध है, फिर भी कभी लगभग 25% आवासों को नगरपालिका की जल आपूर्ति और लगभग 50% आवासों को सामरपालिका के सीधर कर्नेशन उपलब्ध नहीं है।

चार दीवारी के शहर में अनिवार्य रूप से जल-आपूर्ति और सीधर कर्नेशन की व्यवस्था करना आवश्यक होता। शहर के सभन रूप से निर्मित इस भाग को साफ रखने के लिए भाग पर पाइपों अथवा छेदों आवि से निकलने आवे पानी के बहाय को रोकने के लिए दण्डात्मक कार्यवाही प्रारम्भ की जा सकती है। कटरों का पुनर्विकास करके सामाजिक आधारिक संरक्षन की व्यवस्था की जा सकती है।

#### (3) मातायात एवं परिवहन, प्रबंध एवं विनियम :

चार दीवारी के शहर में धोर्मा गति वाला यातायात चडे ऐसाने पर है जिसके लिए चावडी बाजार, चांदनी चौक, आदानव मार्ग और आसफ अली रोड जैसे मार्गों पर द्राममार्ग को पुनः प्रारम्भ करना उचित होगा।

द्राम मार्गों के प्रारम्भ होने पर अजमेरी येट और लाल किले पर पारिंग गैर-राजी की व्यवस्था करनी आवश्यक होगी द्रामों का प्रारंभ करने के अतिरिक्त यातायात के नियंत्रण के लिए नियन्त्रित उपायों को प्रियान्वित किया जाना है।

(क) दो मुख्य सड़कों अर्थात् दिल्ली गेट व कलमीरी गेट के बीच की सड़क और दूसरी मोरी गेट व रेलवे स्टेशन के सामने से गुजरने वाली कोडिया पुल के बीच वाली सड़क पर बसों और मोटरकारों को अनुमति दी जाए।

(ख) उपर्युक्त (क) में दी गई सड़कों से कारों को चार दीवारी के शहर में आने की अनुमति न दी जाए और वे नियन्त्रित स्थानों पर खड़ी की जाएं।

(ग) दोरी गेट और अजमेरी गेट पर दो माल-टर्मिनलों का विकास किया जाएगा जहां से भाल को हुल्के-द्रूकों अथवा टैम्पो से से जाया जाएगा। इन टर्मिनलों से भाल को चार दीवारी के शहर में उम्मे गंतव्य स्थलों तक बैटरी से लाने आवे लाहौरों से से जाया जाएगा। पश्चिमों द्वारा जलाए जाने वाले समस्त लाहौरों के उपयोग पर रोक लगा दी जानी चाहिए।

#### (4) ऐतिहासिक भवनों का संरक्षण एवं जीवंद्वारा :

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा चार दीवारी के शहर में 411 ऐतिहासिक स्मारक स्थल एवं भवन बताए गए हैं। इनमें से लाल किले (32 स्मारक) और जासा मर्लिंज भवित्व के बीच 42 स्मारक ही नुस्खित हैं। चार दीवारी के शहर के पुनर्निर्माण के दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा बताए गए सभी स्मारकों और प्राचीन धार्मिक भवनों की उचित रूप से व्यवस्था की जानी चाहिए।

#### (5) आवासीय क्षेत्र का पुनर्जीवन :

फिलहाल लगभग 568 हेक्टेयर के कुल क्षेत्र में से 180 हेक्टेयर क्षेत्र आवासीय उपयोग के अंतर्गत आता है। जिसमें से केवल 145 हेक्टेयर

आवासीय उपयोग के लिए जैविक विकास के रूप में है। धोन का शेष भाग या तो भीपनियोशिक शासन में पुनर्विकसित किया जा चुका है अथवा आवासीय के अतिरिक्त अन्य उपयोगों में परिवर्तित हो चुका है। अगर यहां यांत्रिक आवासीय धोन के रूप में जैविक विकास के 145 हेक्टेयरों को पुनर्जीवन देना संभव ही जाए तो इनका कम महत्व न होगा।

भवनों की प्रसंरागत विशेषता और जैवी को व्याप में रखते हुए पुनर्जीवन दिया जाना चाहिए। सामान्य आवासों के लिए विद्यमान वास्तु-कलात्मक ढांचे के अनुसार मरम्मत की अनुमति दी जाए। कविजों को पुनर्जीवन के लिए कटरों का पुनर्विकास किया जाए और यहु-सुविधाजनक भवनों की व्यवस्था की जाए।

समग्र परियोग में, चार दीवारी के शहर के संरक्षण को सफल बनाने हेतु वर्तमान आवासीय विशेषता के संरक्षण में शहर के बर्तमान ढांचे और गहरी एवं मार्ग-दृश्य की विशेषता को व्याप में रखा जाना चाहिए।

चार दीवारी के शहर का विस्तार :

पहाड़गंग, सदर बाजार और रोपनाराय रोड जैसे धोन मुख्यतः निश्चित भूमि उपयोग वाले प्राचीन सघन निर्मित क्षेत्र हैं। इन क्षेत्रों में यातायात की भोड़-भाड़, अपर्याप्त भौतिक एवं सामाजिक आधारिक संरचना, बूले स्थानों का अवाव की बहुत गंभीर समस्या है। आधारिक संरचना के न्यूनतम स्तर की व्यवस्था करने के लिए इन क्षेत्रों में संरक्षी काट-छाट करने की आवश्यकता होगी। इन क्षेत्रों की शहरी नवीकरण योजनाओं से योजना-पंत के रूप में संरक्षी काट-छाट धारा भौतिक और सामाजिक-आधारिक उपलब्धियों प्राप्त होनी चाहिए। धोन व्यापार के लिए अपेक्षित आवश्यक आधारिक संरचना की व्यवस्था करके सदर बाजार की धोन मार्किट को वहीं पुनर्विकसित किया जा सकता है।

पुनर्वास कालोनियां: पुनर्वास कालोनियां की तात्कालिक आवश्यकता व्यक्ति लक सेवाएं अर्थात् पानी, सीदर और विजारी हैं। कर्नेशन जोड़ने वाली लाहौरों के उपलब्ध न होने अवधा विस्तीर्ण अहजनों के कारण बहुत से क्षेत्रों में तत्काल नियमित मल-ज्वरस्था करना संभव न होगा। ऐसे मालों में व्यक्तिगत अवधा सामुहिक आधार पर द्वितीय-विधि द्वारा कम लागत वाली स्वच्छता-प्रणाली अपनाई जानी चाहिए। संबंधित सरकारी विभागों और आवासीय एजेंसियों के सामाजिक कार्यों को पूरा करने के लिए जो गैर-सरकारी मंगठन प्रोड शिक्षा केंद्रों, शिशु सदन, बालवाड़ियों और इसी प्रकार की संस्थाओं की स्थापना करने के लिए आगे आते हैं उन्हें प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। आय बढ़ाने के लिए परिवारों की सामर्थ्य बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किया जाना चाहिए। इन वस्तियों में अवधा उनके निकट उत्तिव व्यवस्था की जानी चाहिए और उसकी परिवीक्षा की जानी चाहिए।

अनियक्त कालोनियां: प्रत्येक योजनाबद्ध विकास के लिए नियन्त्रण की आवश्यकता होती है जिसका इस शहर में इस प्रकार के ही रहे भवन-निर्माण क्रियाकलाप में अभाव प्रतीत होता है। शहर में विद्यमान लगभग 600 से अधिक अनियक्त कालोनियां जिन पर नियमन के लिए विचार किया गया है, इसका परिणाम है। इन कालोनियों में विद्यमान भौतिक पर्यावरण के मिन्न स्तर में सुधार लाने के लिए नियमन का बर्तमान तरीका सहायक सिद्ध नहीं होगा। भौतिक और सामाजिक आधारिक संरचना का सुधार करने के लिए अनियक्त कालोनियों में मकान मालिकों को सोसायटियों का गठन करने के लिए कहा जाना चाहिए और इन सोसायटियों को सभ्य समूह के सुधार हेतु योजनाएं सेकर आने आना चाहिए। इससे कारों की वर्तमान स्थिति में सुधार जाने की सम्भावना है।

शहरी गांव: इस सभ्य शहरीकरण योग्य सोमाओं में 106 गांव हैं। इसके विस्तर होने के कारण शहरी क्षेत्र में गांव और गांव भी सम्मिलित होते हैं। शहरी गांवों से इस वस्तियों की जीवन पौर्णतः विद्य है जो अब शहरी यातावरण में गिर रही है और नियोजन एवं विकास प्रक्रिया में इसकी संवेदन-भीत्र व्यवस्था करने की आवश्यकता है। इन वस्तियों को आवृद्धिक सेवाएं और सुधाराएं दी जानी चाहिए और उनकी परंपरागत सांस्कृतिक गैलियों को भी पुष्ट किया जाना चाहिए।

लुटियन की नई दिल्ली : नई दिल्ली का आवासीय क्षेत्र विशेषतः राजपत्र के दक्षिण क्षेत्र का बहुत सुन्दर पर्यावरण है। फिलहाल इस क्षेत्र में आवासीय इकाईयों को अलग करके वहे आवासीय भूदण्ड भी हैं। अपने वर्तमान रूप में शहर के मध्य-भाग में यह बहुत कम बनता बाला अद्वितीय क्षेत्र है।

इस क्षेत्र के पुनर्विकास हेतु क्षेत्र को पुनः संरचना और पर्यावरण का संरक्षण करने का दृष्टि से नई दिल्ली पुनर्विकास समाजकार समिति के द्विजाइन समूह द्वारा कई विषयों का अध्ययन किया गया। इस अध्ययन को और परिष्कृत किया जाएगा ताकि इस क्षेत्र को बृक्ष जटित विशेषता में बाधा न पहें। सिविल लाईन क्षेत्र के लिए भी इसी प्रकार का अध्ययन किया जाना चाहिए।

सामान्यतः वर्तमान सभी विकसित आवासीय क्षेत्रों का एक-एक करके पर्यावरणी सुधार (1) वृक्षारोपण एवं भू-भूषण निर्माण (2) आधारिक संरचना को व्यवस्था—भौतिक एवं सामाजिक और उचित व्यवस्था करना जहाँ इसका अधार है (3) स्थार्थीय निवासियों द्वारा अंत तक एक के बावजूद एक आधारिक संरचना के प्रबंध की संभाष्यता द्वारा करना आवश्यक होगा।

#### कार्यक्रम

#### उद्योग

फिलहाल लगभग 46000 औद्योगिक इकाईयाँ हैं। 10 कामगारों से कम वाली 77% और 10 से 20 कामगारों के बीच वाली 16% इकाईयाँ हैं। 2001 तक औद्योगिक इकाईयों के संक्षेप लगभग 93,000 तक बढ़ जाएगी। औद्योगिक क्षेत्र में अमंत्रक का प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है। पिछले तीन दशकों और इसमें से भी सर्वाधिक पिछले पांच वर्षों में शहर की औद्योगिक संरचना में पर्याप्त परिवर्तन होता है। निम्नलिखित दो प्रकार के वर्तमान उद्योगों के लिए आधार का आवश्यकता है जिनका बहुत तेज़ी से विकास हुआ है।

#### (1) इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रोनिक्स

#### (2) रबड़, प्लास्टिक एवं पेट्रोलियम-उत्पाद

विद्यमान विनियमों के अनुसार बड़ी संक्षेप में वर्तमान उद्योग नॉन-कान्कार्मिंग रूप में स्थित होंगे और ये आवासीय और आवासाधिक उपयोग जोनों में स्थित हैं। इस प्रकार शहर में उद्योगों के कान्कार्मिंग/नॉन-कान्कार्मिंग और सार्वजनिक अनुकूलता के क्षेत्र में अध्ययन किया गया है।

अनुबंध-3—उद्योगों का वर्गीकरण में निर्धारित गतों के अनुसार विभिन्न उपयोग जोनों में नई औद्योगिक इकाईयों की अनुमति होगी। विभिन्न उद्योग जोनों में विद्यमान औद्योगिक इकाईयों के लिए निम्नलिखित सिफारिशों ही जाने से।

(क) अनुबंध-3 क में निर्दिष्ट किए गए प्रकारों के अधिकतम 5 कामगारों और 1 किलोवाट पावर वाले उद्योग आवासीय क्षेत्रों के अनुकूल हैं और उन्हें जारी रखने की अनुमति दी जाए। आवासीय क्षेत्रों में इस प्रकार के नये उद्योगों को भी अनुमति दी जा सकत है।

(ख) अनुबंध-3 छ में निर्दिष्ट किए गए प्रकारों के औद्योगिक इकाईयों और 20 अध्यवा उसमें अधिक कामगार वाले अथवा आवासीय और अनौद्योगिक उपयोग जोनों में अनुकूल नहीं हैं। इन्हें तत्काल स्थानांतरित किया जाना चाहिए। (अधिकतम अवधि 5 वर्ष)

(ग) अनुबंध-3 ष, ग, घ, च—में निर्दिष्ट किए गए प्रकारों मिलु अनुबंध-3 के अनुसार नॉन-कान्कार्मिंग 10—19 कामगारों वाले औद्योगिक इकाईयों को आवासीय और आवासाधिक उपयोग जोनों में अनुकूल रहने दिया जाए और हम अवधि के बावजूद पुनः स्थापना का बूझ अवसर देते हुए पांच वर्षों के बावजूद पुनर्गठन किया जाना चाहिए। अनुबंध 3 के अनुसार केवल अनु-

कूल गयों औद्योगिक इकाईयों को आवासीय अथवा आवासाधिक उपयोग जोनों में अनुमति दी जानी चाहिए।

(घ) अनुबंध-3 ष, ग, घ, च, व, थ में निर्दिष्ट किए गए प्रकारों किन्तु अनुबंध-3 के अनुसार नॉन-कान्कार्मिंग 9 कामगारों तक की औद्योगिक इकाईयों को आवासीय और आवासाधिक जोनों में अनुकूल रहने दिया जाए और इस अवधि के दौरान उन्हें पुनर्स्थापन का पूरा अवसर देते हुए 10 वर्षों के बावजूद पुनर्गठन किया जाना चाहिए। “ग” की इकाईयों के बावजूद अवधि स्थापित की गई है।

(ज) अनुबंध-3-म में विए गए प्रकारों की औद्योगिक इकाईयों को संभव राज्य-क्षेत्र, दिल्ली में अनुमति नहीं है।

दिल्ली में 82 जल प्रमुखियां करने वाली औद्योगिक इकाईयाँ हैं। इन इकाईयों को निस्सार के स्रोत द्वारा हेतु पृथक/संयुक्त प्रबंध करने चाहिए। लगभग 30% इन इकाईयों को तत्काल औद्योगिक क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जाना चाहिए जो अन्य क्षेत्रों में स्थित हैं।

उचित सर्वेक्षण और मूल्यांकन करने के बावजूद निम्नलिखित औद्योगिक समूहों के लिए औद्योगिक क्षेत्र की पुनर्विकास योजनाएं तैयार की जानी चाहिए। पर्यावरण के उपयोग करने के बावजूद जो औद्योगिक इकाईयों उपयोग जोन में नियमित और अनुरूप हों उन्हें नियमित किया जा सकता है।

(1) आनन्द पर्वत

हल्का औद्योगिक क्षेत्र

(2) शाहदरा

हल्का औद्योगिक क्षेत्र

(3) समपुर बालन

विस्तृत औद्योगिक क्षेत्र

प्रत्येक औद्योगिक इकाई का नियमन उसके अपने गुणों के आधार पर होंगा। इन योग्यनाओं का नियमन करने समय पटेश्वर, बा निर्णय किया जा सकता।

विद्यमान औद्योगिक इकाईयों के लिए उपर्युक्त सिफारिशों ही जाने से।

(क) लगभग 5,000 औद्योगिक इकाईयों को जो उत्पातकारक, ज्ञानिकर और खतरनाक प्रकार की हैं, उन्हें पांच वर्षों में नियोजित औद्योगिक क्षेत्रों में स्थानांतरित करना होंगा।

(ख) लगभग 25,000 औद्योगिक इकाईयों को औद्योगिक उपयोग द्वारा हेतु निर्धारित किए जाने वाले शहरी प्रक्षेत्रों में भूवृत्त दिए जाएंगे और 5 व 10 वर्षों के बावजूद स्थिति का सर्वोत्तम बनाना किया जाएगा।

(1) हल्के उद्योग—वैनिटि फैक्ट्री एवं सेता उद्योग

आंडेलालान, जी. टी. रोड पर विस्तारित, ज्ञानिकर के निकट, डा. सी. एम., आनंद पर्वत, कलि नगर, पूसा संस्थान के निकट।

(2) हल्के उद्योग—मेवा केन्द्र (अनुबंध 1 देखें)।

(3) हल्के औद्योगिक संग्रहालय

मोनिया खान, गढ़जावानाग, जिल्हामिल, साहिरपुर, कलिनगर, आनन्द पर्वत, जी. टी. रोड (गाहड़या), कैणोपुर, बदरपुर, गुलाबी बाग, हिंदुस्तान प्रोफेसर भोजपुर, औद्योगिक क्षेत्र, मधुरा रोड, नारायणा, दिल्ली; दुध योग्यन, बर्जा युद्ध, लालें रोड, जी. टी. रोड, मोता नगर, भारत सरकार मुद्रणालय, रोडक रेलवे लाईन का उत्तर और शोहिरी (पांकेट)

(4) विस्तृत औद्योगिक संग्रहालय

निला, भोजना, नजफगढ़ रोड, मायापुर, चौहतक रोड, पटपड़गंग, ज़हारीगुरी का विकास, मदर लेयरो, समग्रपुर बालन।

बागें दो दसकों में औद्योगिक इकाईयों की बढ़ती हुई आवश्यकता को पूरा करने के लिए शहरी एक्सटेंशनों में 16 नये हल्के औद्योगिक क्षेत्रों (कुल क्षेत्र लगभग 15.53 हेक्ट.) का विकास करने की आवश्यकता होगी। प्रत्येक औद्योगिक क्षेत्र में निविष्ट प्रकारों हेतु लगभग प्रति 20 हेक्ट वाली 5 इकाईयों तक की औद्योगिक संपदाएं (लघु औद्योगिक संपदा इकाईयों हेतु) होंगी।

समूह-1

(क) सूत, सूती-वस्त्र, ऊन, सिल्क एवं  
सियेटिक फाइबर, सूती-उत्पाद  
(ख) फार्मिंग, जड़नार अन्य उकड़ी  
एवं बागाज के उत्पाद

11 औद्योगिक संपदा इकाईयों  
प्रत्येक

समूह-2

(क) इलेक्ट्रिकल एवं इलैक्ट्रॉनिक यंत्र  
(ख) चमड़ा एवं लोमचम्ब उत्पाद रबड़,  
पलारिंड्रिक एवं पेट्रोलियम-उत्पाद

समूह-3

धातु एवं धातु-उत्पाद, मिश्रधातु,  
मक्कान, उपकरण, परिवहन के उप-  
करण, एवं पुर्जे क्षया विषय  
उत्पाद।

पौष यू. आई. ई. निविष्ट औद्योगिक क्रियाकलापों हेतु अर्थात् दो पू. आई. ई. प्रत्येक (1) खाद्य और (2) रसायन एवं रासायनिक उत्पादों के लिए होंगी। सड़क को धूल से बचाने के लिए लगभग 100 मीटर की हरित पट्टी द्वारा सभी और से खाद्य की पू. आई. ई. को पूरी तरह से अलग रखा जाएगा। कम्प्यूटर उद्योग के लिए एक पू. आई. ई. का विकास किया जाएगा।

दिल्ली शहरी क्षेत्र 81 में जिन निविष्ट प्रकारों के उद्योगों को अनु-  
मति दी गई है ये नीचे दिए गए हैं:

औद्योगिक क्षेत्र

अनुमति दिए गए उद्योगों के  
प्रकार

1. नारेंग रोड	खाद्य-उत्पाद
2. बजौरगुरु	समूह-1
3. नारायणा केजी-1	समूह-2
4. नारायणा केजी-2	समूह-1
5. जी. टी. करनाल रोड	समूह-1

जिन हुके व विस्तृत औद्योगिक क्षेत्रों में किसी निविष्ट प्रकार का विवरण नहीं किया गया है उन्हें इन जोनों में अनुमति प्राप्त सभी प्रकार के उद्योगों की स्थापना के लिए उपयोग किया जा सकता है।

शहरी एक्सटेंशन में विस्तृत औद्योगिक क्रियाकलापों को दो स्थितियों में लगभग 265 हेक्ट. में सीमित रखा जाएगा। इन क्षेत्रों का उपयोग मुख्य तीर से विद्यमान प्रतिकूल औद्योगिक इकाईयों की स्थानान्तरित करने और बुल तर्फ औद्योगिक इकाईयों की स्थापना के लिए किया जाएगा।

व्यापार एवं बाणिज्य

फुटफर व्यापार

विपणन क्षेत्र बहुत महत्वपूर्ण है और ये शहर की लाभ उत्पन्न करते हैं। इन क्षेत्रों में दिन-न्यूनिट का व्यापकारी की आवश्यकताओं के गाथ-  
साथ आकस्मिक एवं आवेगशाल खरीददारी की आवश्यकताएं भी पूरी होती हैं।

पाहिए। दिल्ली शहर में अनौपचारिक क्षेत्र बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जिसका पुर्वांगन किए जाने की आवश्यकता है। यह क्षेत्र जो कि रोजगार का संजीव है, उचित व्याधारिक संरचना के अन्तर्बाद में कम उत्पादकता कर पाता है। अनौपचारिक क्षेत्र को मिलाकर सक्रिय विपणन क्षेत्रों का संर्जन करना संभव है।

दिल्ली दिल्ली में 18.25 हेक्टार प्रति हजार अनुसंधान की दर से लगभग एक लाख फुटकर तुकाने हैं। विभिन्न आकार और विशेषता वाली ये दुकानें पूरे शहर में फैली हुई लगभग 100 मार्किटों में स्थित हैं। सड़कों के किनारे और जनता के अन्य उपानामध्ये केन्द्रों पर इन विपणन क्षेत्रों में लगभग 1.39 लाख अनौपचारिक क्षेत्र की कुलकर्ता इकाईयों (छत रहित) भी बहुत रही हैं। दिल्ली में साप्ताहिक मार्किटों की परंपरा यही है और फिल्ड्हाल 8,000 दैनिक विपणन स्थानों सहित 95 साप्ताहिक मार्किट स्थल (1 लाख की अनुसंधान हेतु 1.8 साप्ताहिक मार्किट) है। ये मार्किट एक सप्ताह में एक स्थान पर कार्य करती है और उच्चमी सप्ताह के विश्व-विश्व दिनों में विश्व-विश्व स्थानों पर आते-आते रहते हैं। फुटकर विपणन केन्द्र, पालिका बाजार—शहर का अत्यधिक फैशन परस्पर अवधा यह कहे कि समस्त उत्तरी भारत में अद्वितीय एक उपनगरीय क्षेत्र के अस्थायों केन्द्रों से यिन्हीं हैं। लगभग 28 लाख की अतिरिक्त अनुसंधान के लिए दिल्ली शहरी क्षेत्र 81 में 44,200 फुटकर तुकान (लगभग 26 वर्ग मीटर की भौतिक क्षेत्र वाली तुकान) की आवश्यकता होगी।

शहरी दिल्ली में फिल्ड्हाल लगभग 38.8 लाख वर्ग मीटर का व्यावसायिक कार्यालय स्थान है। अतिरिक्त रोजगार के लिए दिल्ली शहरी क्षेत्र 81 में 24.72 लाख वर्ग मीटर, और शहरी एक्सटेंशन में 28.44 लाख वर्ग मीटर स्थान की आवश्यकता है।

उपकरणों और सिनेमा, होटल आदि से संबंधित क्रियाकलापों के कार्यालयों के लिए अपेक्षित विपणन व्यावसायिक कार्यालयों और आवश्यक सुविधाओं को स्थान देने के लिए सामान्य रूप से व्यावसायिक क्षेत्रों की पांच तरला प्रणाली को अपनाया जाना है।

नम	नाम	लाख प्राप्त करने वाली अनुसंधान
1. केन्द्रीय व्यापार जिला (उप-केन्द्रीय व्यापार जिले सहित)	शहर	(उप शहर सहित)
2. जिला केन्द्र	4,00,000 से 7,00,000 लक्ष	
3. मामुकायिक केन्द्र	60,000 से 1,00,000 लक्ष	
4. स्थानीय बाजार	15,000 से 20,000 लक्ष	
5. सुविधा बाजार	5,000 से 6,000 लक्ष	

केन्द्रीय व्यापार जिला :

शहर और अद्वितीय स्तर पर कार्यालय व्यावसायिक केन्द्रों की अवधास में केन्द्रीय व्यापार जिले (के. व्या. जि.) शिवर पर हैं। केन्द्रीय व्यापार जिले के रूप में कार्य कर रहे वर्तमान क्षेत्र हैं:—

- (1) पुराना शहर
- (2) आसक अली रोड
- (3) कनटैक्ट प्लेस एवं उमका विस्तार (महानगर शहर केन्द्र)
- (4) करील बाग

पुराना शहर, आसक अली रोड और करील बाग अब विशेष विनियमों के रूप में पश्चात्पन्न क्षेत्र के बाग हैं।

और विकास मंडिता में विशेष विनियमों के अनुगार इनका विकास किया जाएगा। कनटैक्ट प्लेस और दैसके विस्तार का महानगर शहर केन्द्र की अनुमोदित विकास योजना के अनुसार विकास किया जाएगा वर्षों के दूसरे कियाकलापों के विशेषज्ञताएं दिजाइन का अध्ययन किया जाए।

## उप-केन्द्रीय व्यापार ज़िला :

2001 तक उप-नगरीय स्तर पर दो उप केन्द्रीय व्यापार ज़िले—एक यमुनापार क्षेत्र में और दूसरा शहरी एक्सटेंशन में विकास हेतु प्रस्तावित है। इन्हें नीचे दी गई भूमि के नियन्त्रण के अनुसार विकासित किया जाएगा।

शाहदरा शहरी एक्सटेंशन  
(क्षेत्र हैक्टेयरों में)

1. योक स्वामार	10.0	—
2. फुटकर व्यापार	13.3	17.0
3. कामीशिय	6.6	17.0
4. सेवा केन्द्र	2.0	3.0
5. होटल	2.0	6.0
6. मास्ट्रिक बैंक	2.0	4.0
7. जन मुविकाएं	2.5	6.0
8. दूसरे स्थान (डिजाइन हेतु लोकशीलन)	9.6	13.0
योग	48.0	66.0

1981 की जनगणना के अनुसार ममुनापार क्षेत्र की जनसंख्या एक मिलियन से अधिक है। 2001 तक उप-केन्द्रीय व्यापार ज़िला लगभग 17 लाख जनसंख्या की आवश्यकता की पूर्ति करेगा और प्रायस्तिकता के आधार पर इसका विकास किया जाना चाहिए।

## ज़िला केन्द्र :

तीन ज़िले केन्द्र धर्मात नेहरू प्लेस, राजेन्द्र प्लेस और शीकाजी कामा प्लेस लगभग पूरी तरह से विकसित किए जा चुके हैं और तीन अन्य अर्धांत जनकपुरी, लकड़ी नगर और शिवाजी प्लेस का विकास किया जा रहा है। मण्डेवाला का मुख्य भाग 1982 से पूर्व ही विकसित हो गया था और फिलहाल उसके बाएँ भाग का विकास किया जा रहा है। इन ज़िला केन्द्रों हेतु भूमि नियन्त्रण नीचे दिया गया था।

ज़िला केन्द्र	क्षेत्र हैक्टेयरों में
नेहरू प्लेस	38.20
राजेन्द्र प्लेस	9.31
शीकाजी कामा प्लेस	14.16
जनकपुरी	14.97
लकड़ी नगर	12.95
शिवाजी प्लेस	22.60
मण्डेवाला	12.97

नेहरू प्लेस में 4 हेक्टेयर क्षेत्र जो 1961—81 की अवधि के दौरान सरकारी कार्यालयों के लिए प्रस्तावित किया गया था। अब 30% क्षेत्रेज और 75 प्लॉटों एवं रेशों (एफ ए. आर.) के अनुसार उसका विकास फुटकर विपणन स्थल के रूप में करने की सिफारिश की गई है।

उपर्युक्त सात ज़िला केन्द्रों के अतिरिक्त 2001 तक निम्नलिखित तालिका में दिए गए क्षेत्र के कार्यक्रम के अनुसार 20 अन्य ज़िला केन्द्रों का विकास करने की आवश्यकता होगी।

## ज़िला केन्द्रों—2001 हेतु भूमि की आवश्यकताएं

## भूमि हैक्टेयरों में

क्रम सं.	ज़िला केन्द्र	योक	फुटकर	कार्यालय	सुविधाकेन्द्र	होटल	मास्ट्रिक	मुविका	भू-दृश्य	योग
दिल्ली शहरी क्षेत्र- 81										
1. सरकेत	—	6.2	7.2	—	2.0	—	2.5	4.6	23.0	
2. रोहनक रोह	10.0	5.9	2.0	—	2.0	—	2.5	5.6	28.0	
3. पर्सिय लिहार	—	4.3	3.6	—	—	—	2.5	2.6	13.0	
4. बजीरपुर	5.0	7.8	7.5	—	2.0	—	2.5	6.2	31.0	
5. शार्लीमार भाग	—	4.0	2.0	—	—	—	2.0	2.0	10.0	
6. जहारीर पुरी	—	6.9	7.8	—	2.0	—	2.5	4.8	24.0	
7. लैबर पाम	—	4.7	2.0	—	2.0	—	2.5	2.8	14.0	
8. दिल्लीद मार्डन	—	2.0	2.3	—	2.0	—	2.5	2.2	11.0	
9. पूर्वी यमुना नहर	—	3.0	4.01	—	—	—	2.5	2.4	12.0	
10. शाहदरा	—	3.2	2.0	—	—	—	2.0	1.8	9.0	
11. मयूर लिहार	—	2.8	5.5	—	2.0	—	2.5	3.2	16.0	
12. रोमिंग	10.0	11.0	7.0	1.5	2.0	2.0	2.5	9.0	45.0	
13. मंगोल पुरी	—	4.9	4.4	1.0	2.0	2.0	2.5	4.2	21.0	
14. औरंगाबाद रोह	—	4.9	2.0	1.0	2.0	2.0	2.5	3.6	13.0	
उपयोग	23.0	71.6	59.9	3.5	20.00	6.0	34.0	55.0	275.0	
ग्राही विस्तार	40.0	91.1	93.6	9.8	12.0	12.0	15.0	64.5	342.0	
(अद्य ज़िला केन्द्र)	65.0	162.7	153.5	13.3	32.0	18.0	49.0	123.5	617.0	

## सामुदायिक केन्द्र (सा. के.) :

विल्सो शहरी क्षेत्र में 82 और शहरी एक्सटेंशन में 40 सामुदायिक केन्द्र हैं। विषयन के परम्परा के पैटर्न पर भारा-विषयन के रूप में सड़कों के फिनारे शहरी एक्सटेंशन में सामुदायिक केन्द्रों के प्रसार किए जाने का प्रस्ताव है। युआरोपन का तान या आर पंक्तियों से विषयन को मुख्य मार्ग से अलग रखा जाएगा और रेलवे पार्किंग पट्टियों की व्यवस्था की जाएगी। इनमें से कुछ सामुदायिक केन्द्र समाकलित प्रकार के होंगे।

1961—81 की अवधि के द्वारा सामुदायिक केन्द्रों को व्यवस्था मुख्य तौर से फृटकर बाजार, व्यावसायिक और व्यावसायिक कार्यालयों के लिए की गई थी। फल व सभी व सेवा एवं मरम्मत की दुकानों की आवश्यकताओं को भी समाकलित किया जाना चाहिए। शहरी एक्स्टेंशन के सामुदायिक केन्द्र और जिनका विल्सो शहरी क्षेत्र 81 में विकास नहीं किया गया था उनका विकास समुदाय की आवश्यकताओं की पूरा करने के लिए निम्नलिखित तालिका में दिए गए मानदण्डों के आधार पर किया जाएगा:—

प्रोग	फृटकर एवं व्यावसायिक	एक्स्टें सभी मार्किट	सेवा एवं मरम्मत केन्द्र
<b>विल्सो शहर क्षेत्र 81</b>			
—भूमि प्रति 1000 व्यक्ति वर्ग मी. में	4.37	3.61	1.7
—ओपचारिक दुकानें प्रति 1000 व्यक्ति	3.23	2.68	0.30
—अनौपचारिक दुकानें प्रति 1000 की आबादी पर	1.79	1.07	0.60
—अन्य उपयोग		सिनेमा, कार्यालय	फृटोल पम्प, विशुत उप-केन्द्र कार्यालय
<b>शहरी एक्स्टेंशन</b>			
—भूमि प्रति 1000 व्यक्ति वर्ग मी. में	5.42	4.53	2.2
—ओपचारिक दुकानें प्रति 1000 व्यक्ति	3.65	2.95	0.40
—अनौपचारिक दुकानें प्रति 1000 व्यक्ति	2.13	1.18	0.80
—अन्य उपयोग		सिनेमा, कार्यालय, होटल	फृटोल पम्प, विशुत उप- केन्द्रनोदाम

## स्थानीय बाजार एवं सुविधाजनक बाजार

इन्हें भूमि उपयोग नक्शे पर अंकित नहीं किया गया है और उन्हें लै-मार्ट प्लानों में इनित किया जाएगा और निम्नलिखित मानदण्डों पर विकसित किया जाएगा:—

## (क) स्थानीय बाजार:

प्रोग	फृटकर एवं व्यावसायिक	फल एवं सभी केन्द्र मार्किट	सेवा एवं मरम्मत केन्द्र
<b>विल्सो शहरी क्षेत्र 81</b>			
—भूमि प्रति 100 व्यक्ति		238 वर्ग मी.	183 वर्ग मी.
—ओपचारिक दुकानें प्रति 1000 व्यक्ति	3.36	2.41	0.30
—अनौपचारिक दुकानें प्रति 1000 व्यक्ति	1.88	0.96	0.60
—अन्य उपयोग		कार्यालय	विशुत उप-केन्द्र
<b>शहरी एक्स्टेंशन</b>			
—भूमि प्रति 1000 व्यक्ति		261 वर्ग मी.	195 वर्ग मी.
—ओपचारिक दुकानें प्रति 1000 व्यक्ति	3.70	2.45	0.40
—अनौपचारिक दुकानें प्रति 1000 व्यक्ति	2.20	0.98	0.80
—अन्य उपयोग		कार्यालय	0.42

## (क) सुविधाओं का बाजार

प्रोग	फुटकर दुकानें	फल एवं सज्जों को बुकाने
दिल्ली शहरी शेव. 81 :		
—भूमि प्रति 1000 व्यक्ति	171 वर्ग मी.	171 वर्ग मी.
—ओपचारिक दुकाने प्रति 1000 व्यक्ति	3.48	3.08
—अनोपचारिक दुकाने प्रति 1000 व्यक्ति	2.34	1.54
शहरी एक्सटेंशन		
—भूमि प्रति 1000 व्यक्ति	228 वर्ग मी.	228 वर्ग मी.
—ओपचारिक दुकाने प्रति 1000 व्यक्ति	4.70	4.10
—अनोपचारिक दुकाने प्रति 1000 व्यक्ति	3.25	2.05
		1.20

फल एवं सज्जों, सेवा एवं मरम्मत जैसी कम लेन-देन वाली दुकानों पर विशेष व्यापार देने की आवश्यकता है। पिछले दो दशकों में हमारे से अधिकांश अनाधिकृत तरिके से बढ़ी है। इस स्थिति को जारी रहने से रोकने के लिए इन दुकानों के लिए व्यावसायिक केन्द्रों में भूमि नियत की गई है और सेवा केन्द्रों के लिए दिल्ली शहरी शेव. 81 में भूमि उपयोग भव्यों में विशिष्ट धोरों का भी निर्धारण किया गया है।

## थोक व्यापार :

दिल्ली में थोक मार्किटों में सामग्री 24,600 थोक दुकानें और प्रतिष्ठान हैं। वस्तुओं का व्यापार करने वाली लगभग 12,000 दुकानों (प्रति 1000 जनसंख्या के पीछे 2.21 की दर से) की वास्तविक रूप से गणना की गई है। अधिकांश थोक मार्किट पुरानी दिल्ली के मध्य में धने वाले द्वारा भाग में स्थित है और उनकी स्थापना 19वीं शताब्दी के अंत में धौर 20वीं शताब्दी के पूर्व में हुई थी। माल के संचलन के सर्वेक्षण से प्रकट हुआ है कि कूल भाने वाले यातायात (उप मार्ग वाले यातायात को छोड़कर) में से 25 प्रतिशत का गन्तव्य स्थल दिल्ली का "पुराना थोक" है।

थोक मार्किट 27 मुख्य वस्तुओं का व्यापार करती है। दुकानों की संख्या दूर साधारित सबसे अधिक थोक व्यापार वाली थोक और वाली-वाला में कपड़े और कपड़े की वस्तुओं का होता है। इसके बाद फसलों गेट थोक दुकानों में शाफियों के पूजों और मशीनों का व्यापार होता है। कमवार अन्य थोक वस्तुएँ हैं—फल एवं सज्जियाँ (प्राजाशुर मार्किट), हार्डवेयर और भवन निर्माण सामग्री (चावड़ी बाजार और नई सड़क), वाण-वस्तुएँ (खारी बावली) और लोहा एवं इस्पात (नारायण)।

आधुनिक थोक मार्किटों का विकास करने के लिए इनमें भावा काम्प-सेक्सों का एकीकरण किया जाना चाहिए जहाँ पर वेहतर वातावरण वे थोक व्यापार अधिक सफलतापूर्वक चल सके। समाकलित थाई-काम्प-शैवस के मूल कार्य है :-

- (1) सेक्सीय एवं अंतरा-शहरी थाई के संचलन हेतु सुविधाएँ प्रदान करना।
- (2) भावा-प्रकार के अदला-व्यवस्था सहित मार्ग में थाई के लिए सुविधाएँ प्रदान करना।
- (3) सम्भारण एवं अंडार-सुविधाएँ प्रदान करना और इन स्पसों को लोहा एवं इस्पात और भवन निर्माण सामग्री, हार्डवेयर, प्लास्टिक, चमड़े और पी. बी. सी. स्वर्यालित मोटरों के पूजों व मशीनों, फल एवं मर्जी जैसे विशिष्ट धोरों से जोड़ा।

(4) मोटर गाड़ियों की सफाई-धुनाई, रहन-सहन एवं खान-पान, वाली वाहनों के लिए पार्किंग, रेस्टोरेंटों और काम्पलैक्स से सम्बन्धित अन्य कार्यों की व्यवस्था करना।

समाकलित थाई-काम्पलैक्स क्षेत्रीय और महानगर स्तर पर कार्य करते हैं। मध्यम आकार वाला स्थानीय थोक मार्किटों को हम काम्पलैक्स से फुटकर बाजारों का वितरण करने की आवश्यकता होती है। इस प्रकार को स्थानीय मार्किटों को पूरे शहर में फैलाने की भी आवश्यकता है। इनमें पार्किंग, मरम्मत एवं मेवा सुविधाएँ हानी चाहिए और या तो उन्हें व्यावसायिक केन्द्रों से मिलाया जा सकता है व्यवसा संचालन के बृक्ष चुने हुए जोड़े वाले स्थानों अथवा सीमाओं पर व्यापक से व्यवस्था को जा सकता है।

दो स्तरों पर विकेन्द्रीकरण को प्रोत्सङ्ख देने के लिए शहर के विभिन्न भागों में उचित स्थानों पर नयी थोक मार्किटों के विकास किए जाने की आवश्यकता है:-

- (1) सेक्सीय वितरण, और
- (2) स्थानीय व स्थानीय वितरण।

विद्यमान विकास थोकों के मामले में, जो थोक मार्किट अंतर्राज्य प्रहृति को है जैसे—स्लास्टिक एवं पी. बी. सी. का सामान, रसायन, लकड़ी व देट्रोलियम एवं इसके उत्पाद—उन्हें इनके लिए विशिष्ट रूप से निर्धारित धोरों में स्थानान्तरित किया जाना चाहिए।

पुराने शहर में यातायात के सुगमतापूर्वक आवागमन के लिए थोक मार्किटों, सभी अनाधिकृत अतिक्रमों, सड़कों/नरकारों भूमि पर फैले प्रक्षेपों की हटायाँ जाना चाहिए और वो वे तेज़ चलने वाले वाहनों को केवल सीमित प्रवेश करने हेतु व्यवस्था की जानी चाहिए। वर्तमान मार्किटों में थोक व्यापार के क्रियाकलाप के और विस्तार पर पूर्णतः रोक लगाइ जाए।

## नई मार्किटों के लिए विशिष्ट प्रस्ताव

(क) दिल्ली के मुख्य प्रवाश मार्गों पर भव्यारण एवं द्रुक ट्रैमिनलों की सुविधाओं सहित क्षेत्रीय वितरण मार्किटों/सेक्सीय थोक व्यापार मार्किटों का विकास किए जाने का प्रस्ताव किया गया है जोकि नीचे विद्या दिया गया है।

- (1) पूर्व में पटपहांज के निकट और लोनों रोड पर;
- (2) विशिष्ट में मदमगुर खाद्य के निकट;
- (3) विशिष्ट-पश्चिम में शहरी एक्सटेंशन में;
- (4) उत्तर में शहरी एक्सटेंशन में।

विभिन्न स्थानों पर विभिन्न वस्तुओं के लिए आवश्यक भूमि का विभाजन नीचे दिया गया है।

क्रम सं.	वस्तु	स्थान						
		पुर्व पट्टपांडियज रोड	दक्षिण लोनी मदनपुर बाबाद	पश्चिम झहरी एस्मटेंडेन	उत्तर शहरी एस्मटेंडेन	जून क्रेट		
<b>(क) भण्डारण सहित मार्किट</b>								
1.	मूत एवं सूत के उत्पाद	9	—	28	26	—	7	70
2.	स्वयं चालित मोटरों के पुर्जे व मशीनरी	13	—	—	11	—	20	44
3.	फाल एवं सज्जी	—	20	9	24	—	—	53
4.	हाईवेर व भवन निर्माण सामग्री	5	13	18	12	—	5	53
5.	लोहा एवं इस्पात	5	—	10	5	—	5	25
6.	खाद्यान्न	11	—	9	—	8	5	33
7.	ई. लकड़ी	18	19	23	16	—	37	113
							(समयपुर)	
8.	प्लास्टिक, चमड़ा व पी. बी. सी.	10	—	—	—	—	10	20
	यीग	71	52	97	94	8	89	411
<b>(ज) ट्रक टर्मिनल</b>		60	—	50	50	4	55	218
	<b>महायोग</b>	131	52	147	144	12	144	630

योक व्यापार में विकेन्द्रीयकरण लाने के लिए दिल्ली महानगरीय क्षेत्र के शहरों में विशेष रूप से विस्तृत स्थान यांत्री नहीं मार्किट स्थापित होनी चाहिए जैसा नीचे दिया गया है :—

(1) गाजियाबाद	लोहा एवं इस्पात
(2) फरीदाबाद	मोटरों के पुर्जे व मशीनरी और लोहा एवं इस्पात
(3) गुरुगांव	मोटरों के पुर्जे व मशीनरी और भवन-निर्माण सामग्री
(4) कानपुर	फल एवं सज्जी, ई. लकड़ी और भवन निर्माण सामग्री
(5) लोनी	भवन निर्माण सामग्री और इमारती लकड़ी

दूसरे सेव की यही योक मार्किट हेतु अन्वाया/सहारनपुर उचित स्थान है।

(ब) क्षेत्रीय व स्थानीय वितरण मार्किट :

वस्तुतः दिल्ली एक महानगरीय भाग है किन्तु यह शहरों का एक समूह बन गया है। दिल्ली योक मार्किटों के रूप में यारह क्षेत्रीय व स्थानीय योक मार्किटों का विकास करने की सिफारिश की गई है। ये मार्किट मूल्यतः क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुसार उत्पादों के लिए होनी चाही फि निम्नलिखित तालिका में दिया गया है।

वस्तु	योक व्यापार की बुकाने (हेक्टेयर)	
1	2	3
1. कानपुर, स्टेशनरी व पुस्तके	1317	7.30
2. जनलल मर्चेट	1207	13.30
3. साईकिल, टायर एवं द्रूब	917	5.00
4. इलेक्ट्रिकल	904	5.00
5. रसायन	815	12.00
6. रेडी-सामग्री	712	7.90
7. चमड़ा, लोम चम्बे, खाल एवं उन	645	7.00
8. अन्य धातु के उत्पादन	598	9.90
9. अन्य खाद्य वस्तुएं	513	9.60
10. रेडियो टेप व उपकरण	466	2.50
11. सर्वर्ये व अंगूर प्रसाधन की वस्तुएं	449	2.50
12. फरीदाबाद एवं जुहानार	413	6.00
13. सूखे मेवे व मसाले	330	5.80
14. काकड़ी व बर्टन	317	5.00
15. घड़ी व बर्सें	154	0.80
16. दबाईयाँ	76	0.40
17. अन्य विकित्सा सम्बन्धीय वैज्ञानिक-उपकरण	62	0.60
18. अन्य वस्तुएं	618	0.40
<b>योग</b>	<b>10513</b>	<b>107.00</b>

क्षेत्रीय व स्थानीय मार्किटों का प्रस्ताव किया गया है जो निम्नवत् है:-

(क) दिल्ली शहरी क्षेत्र 81

(2001 में जनसंख्या 82 लाख)

पुर्व

(1) उप-क्षेत्रीय व्यापार ज़िला (शहरी)

दक्षिण

(2) ओष्ठला

पश्चिम

(3) रोहतक रोड ज़िला केन्द्र

(4) गिराऊ प्लेस ज़िला केन्द्र

उत्तर

(5) बजीरपुर ज़िला केन्द्र

(6) रोहिणी ज़िला केन्द्र

(7) शहरी एक्सटेंशन

(40 लाख की जनसंख्या हेतु प्रत्येक 10 हेक्टेयर वाली 5 मार्किट)

रेल और एल. पी. जॉ. गेस का अण्डारण

सधन रूप से बते हुए क्षेत्र में स्थित होने के कारण शहरीज़िलों द्वारा जनगण 13 किलो मीटर दूर बेवरा और दीक्षिणीक्षेत्रों के बीच स्थानान्तरित किया जाना चाहिए। जो पैट्रोल, डीजल और एल. पी. जॉ. गेस के लिए मुख्य भण्डारण स्थल होगा। जहाँ तक सम्भव हो वहाँ तक शहरीज़िलों के बत्तमान एल. पी. जॉ. संयंक को गोप्त्व स्थानान्तरित किया जाना चाहिए।

विज्वासन जो कि दिल्ली हवाई अड्डे के निकट विद्यमान एक तेल टर्मिनल है उसे इस उद्देश्य हेतु पहले से आवंटित क्षेत्र में अन्तर्विद्य किया जाना चाहिए। अधिक से अधिक इसे बत्तमान टर्मिनल और दिल्ली हवाई अड्डे को सोमा के बोर्ड में पड़ा हुई भूमि को मिलाकर लगभग 8 हेक्टर तक प्रसार करने को अनुमति दी जाए। विज्वासन पेट्रोल के भण्डारण का प्रमुख द्वियों होगा।

अग्रवे दशक के आरम्भ अधिकृत 1991 में दिल्ली-ज़म्बाला रेलवे स्टेशन पर होलम्बी कलां के निकट तीसरे मुख्य तेल टर्मिनल स्थल का विकास किया जाना चाहिए। इस स्थल का 8 किलो मीटर की पाईप लिंक ड्राइव बत्तमान तेल पाईप लाईन से जोड़ा जा सकता है। यह भण्डारण-द्वियों मुख्य रूप से पैट्रोल और एल. पी. जॉ. के लिए होगा।

सहक पर आधारित दो एल. पी. जॉ. द्वियों पहला विक्षणी परिवहनी दिल्ली में पूर्वी आगरा नदी के निकट भड़क सं. 13 पर और दूसरा उत्तर में भड़क सं. 50 के किनारे, का विकास किया जाना प्रस्तावित है। आगरा नदी स्थल का विकास तत्काल किया जा सकता है।

रेलवे सार्विंग की व्यवस्था करके बद्रपुर वर्गीय पावर स्टेशन के साथ जुड़ा हुआ लगभग 10 हेक्टर भैंड्र वाला स्थल केवल डीजल हेतु विकसित करना उचित होगा।

क्षरकारी कार्यालय

पिछ्ले दो दशकों में 4.36 प्रतिशत की औसत वृद्धि की दर से दिल्ली में विद्युत आवंजनिक शेत्र का रोजगार 5.42 लाख (अधिकृत कुल

शम्बल का 27.92 प्रतिशत) है और भीष्म इमारा विभाजन किया गया है।

रोजगार (लाख में)	औसत वार्षिक वृद्धि दर (1961-81)
केन्द्रीय सरकार	3.26
अद्यन्तरकारी	1.41
दिल्ली प्रशासन	0.58
स्थानीय निकाय	1.17

अद्यन्तरकारी रोजगार चौकान वालों द्वारा से बढ़ रहा है। शहर में 24.8 प्रतिशत केन्द्रीय सरकारी प्रतिष्ठानों के मुख्य कार्यालय और 22.6 प्रतिशत सम्पर्क कार्यालय है। इसके साथ-साथ क्षेत्रीय धोक व्यापार दिल्ली में आने के लिए आकर्षित करने वाले मुख्य शेत्र हैं। पिछ्ले दो दशकों के आकड़े संकेत देते हैं कि केन्द्रीय सरकार का रोजगार समस्त भारत की जनसंख्या (0.47 प्रतिशत) के नियम समानुपात में है। हालांकि दिल्ली के भाग में केन्द्रीय सरकार के 1961 के रोजगार के कुल के 6.8 प्रतिशत से 1981 में 7.14 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है।

दिल्ली में केन्द्रीय सरकार के केबल ऐसे नवे कार्यालय जो प्रत्यक्ष रूप से भारत सरकार के मंत्रालयों का कार्य करते हों और प्रतिष्ठानों के केबल सम्पर्क कार्यालय ही स्थानान्तरित किए जाने चाहिए। राष्ट्रीय राजधानी शेत्र के लिए के रूप में क्षेत्रीय नगरों और काउन्टर मेम्ब्रेटों में अद्य सरकारी रोजगार को विकेन्द्रिय सम्मत रूप से वितरित करने की आवश्यकता है।

क्षेत्रीय स्तर और उप क्षेत्रीय स्तर पर संतुलित विकास करने के लिए केन्द्रीय सरकार और अद्य सरकारी प्रतिष्ठानों में रोजगार को परिसीमित किया जाना चाहिए। 1981-2001 के बीच सार्वजनिक धोक में विकास दर का अनुमान लगाया गया है जो नीचे दिया गया है :

रोजगार (2001 लाख में)	औसत वार्षिक वृद्धि दर (1981-2001)
केन्द्रीय सरकार	3.16
अद्यन्तरकारी	3.84
दिल्ली प्रशासन	1.53
स्थानीय निकाय	2.41

दिल्ली में अद्य सरकारी रोजगार हेतु कम वृद्धि द्वारा प्रस्तावित करने के बावजूद भी इस क्षेत्र में कुल रोजगार 1995 के आसपास केन्द्रीय सरकार के रोजगार से आगे निकल जाएगा। वर्ष 2001 हेतु प्रस्तावित 3.16 लाख केन्द्रीय सरकार के रोजगार की व्यवस्था निम्नलिखित स्थानों पर रिंग रेलवे के साथ की गई है। इससे परियहन प्रणाली को सदृश मिलेगी और केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को काम पर जाने में सुधार-पूर्वक यात्रा करने में भी सदृश मिलेगी।

क्षेत्र देवट, में	रोजगार
1. आई.एस.ए.	4.00
2. सफवरजग रेलवे स्टेशन	54.00

सरकारी कार्यालयों के लिए साकेत में 20 हेक्टर क्षेत्र निर्धारित किया गया है जहाँ एक बड़े केन्द्रीय सरकार के आवासीय कार्यालय का विकास किया गया है। जबकि बेन्द्रीय सरकार के कार्यालयों के लिए विशिष्ट स्थान का निर्धारण किया गया है पर अद्य सरकारी कार्यालयों में व्यावसायिक

केन्द्रों अवृत्ति सामुदायिक केन्द्रों, जिला केन्द्रों और केन्द्रीय व्यापार जिलों में स्थान किया जाएगा।

दिल्ली प्रशासन के अधिकारी कार्यालय पुराने सचिवालय में स्थित है जो कि एक ऐतिहासिक इमारत है और उसका संरक्षण किया जाना चाहिए। पुराने सचिवालय के साथ लगे हुए बेरक क्षेत्रों का पुनर्विकास दिल्ली प्रशासन के अतिरिक्त बायालियों को स्थान देने के लिए किया जाएगा।

फिल्हाल जिला अधालतें एक स्थान अर्थात् तीस हजारी में स्थित हैं। 4 और स्थानों पर जिला अधालतों को और सम्बद्ध दिल्ली प्रशासन और वि. वि. प्र. के कार्यालयों को स्थान देने के लिए भूमि निर्धारित की गई है।

(1) साकेत जिला केन्द्र के सभीप	7 हेक्ट.
(2) उप केन्द्रीय व्यापार जिला शहरवार के सभीप	3 हेक्ट.
(3) बाह्य रिंग रोड और परिवहनीय यमुना नदी का अंतर्क्षेत्र	3 हेक्ट.
(4) एक्षिण-परिवहन (ए. ए.) में जिला केन्द्र के सभीप	3 हेक्ट.

बस्तुतः स्वानीय निकायों के रोजगार और दिल्ली प्रशासन के रोजगार का मुख्य भाग सार्वजनिक एवं अद्वारार्थजनिक सुविधा वाले क्षेत्रों में स्थापित होगा। नगर निगम का नया सुदृश्यालय रामलीला मैदान के सामने सरकुलर रोड पर प्रस्तावित नगर केन्द्र के स्थान पर स्थापित किया जा सकता है।

#### परिवहन

दिल्ली पांच रेल लाईनों और नो सड़कों को जोड़ने वाला स्थल है जिनमें से पांच राष्ट्रीय राजमार्ग हैं। जब तक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के रिंग नगरों की संरचना करने के मजबूत उपाय नहीं किए जाते और क्षेत्रीय रेलवे और सड़क के संयोगन का विकास नहीं किया जाता जो कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में विकास हेतु बातावरण का सर्जन करेगा, तब तक वर्तमान परिवहन प्रणाली का अधिसरण दिल्ली में अव्यवस्थित स्थितियां उत्पन्न करेगा। महानगरीय क्षेत्र के भीतर दिल्ली शहरी क्षेत्र का हांचा विशिष्ट स्थिति वाला है क्योंकि संघ राज्य-क्षेत्र के इवं-गिरं दो नगरों के प्रक्रियाधीन अधिकारी कार्यकारी और विकास कार्यों का इस शहर पर गहरा प्रभाव पड़ता है। पूर्से, दिल्ली शहरी क्षेत्र के स्तर पर, अधिकारी केन्द्रीय व्यापार जिलों के आकार, विस्तार और कार्यों के कारण गम्भीर समस्या हैं जिन्हें दिव्यांगीकृत करने की आवश्यकता है।

#### भ्रंतरा-नगरीय यात्री आवागमन

अब तक दिल्ली में परिवहन नियोजन का उद्देश्य शहरी परिवहन योजना की समस्या को बढ़ावार मार्ग और पूर्ति के अंतर को कम करना रहा है जो पिछले प्रवृत्तियों के प्रक्षेपण से ग्रसित थी। और जो स्वयंचलित यातायात के लिए सड़कों को बढ़ाती है। आपूर्ति की ओर तेजी से फैल रही थी। अधिकारी जनसंख्या की समस्याएं सार्वजनिक और सार्वजनिक जन परिवहन प्रणाली, पुराने शहर में आवागमन और पूरे शहर में ऐसा यात्रियों के आवागमन से सम्बन्धित हैं जिन्हें हल किया जाना है। शहर की परिवहन समस्याओं को हल करने के लिए स्वाक्षर्य वृद्धिकोण तकनीक और प्रौद्योगिकी दोनों में परिवर्तनीय रूप से और आपूर्ति रूप से नवोन प्रक्रिया पर आधारित होने की आवश्यकता है।

सभी विकल्पों और चयनों को दृष्टि से परिवहन-जीवि का मुनरेंठन एवं उसके क्रियाकलाप को पुनः संरचना करने की शहर की आवश्यकता है।

इस प्रकार परिवहन के लिए योजना के मूलभूत उद्देश्य हैं :

- (क) विवरणीय, सफल एवं आकर्षक बहु-मॉडल जल परिवहन-प्रणाली की स्थापना करना;
- (ख) सार्विकियों के सुरक्षित उपयोग हेतु स्थितियां उत्पन्न करना;
- (ग) स्थानांतरित यातायात के लिए योजित स्वर्वंशता की व्यवस्था करना;

(घ) सुरक्षित पैदल यात्री-आवागमन की व्यवस्था करना; और

(च) नाजुक क्षेत्रों की समस्याओं को हल करने के लिए नवीन प्रबल तकनीक को प्रोत्साहन देना।

पिछले दो दशकों के दौरान मॉडल-विभाजन में पर्याप्त परिवर्तन हुआ है। 1957 से भाड़े की बर्सों को मिलाकर सार्वजनिक परिवहन शायद मौद्देश द्वियों में 24.26 से 59.70 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। निस्संदेह दिल्ली परिवहन निगम (दि० प० नि०) की बर्सें प्रमुख सार्वजनिक परिवहन की प्रणाली हैं। 1969 के 0.466 प्रति व्यक्ति मॉडल द्वियों से 1981 में 0.722 तक की वृद्धि हुई है। वर्ष 2001 हेतु द्वियों का प्रत्रैपण है :—

कुल व्यक्ति द्विय	186.40 लाख
चाल-द्विय	69.77 लाख
यानीय द्विय	116.63 लाख

#### प्रस्तावित बहु-मॉडल परिवहन प्रणाली

पुराने दिल्ली, नई दिल्ली और नई विकास योजनाओं जैसे वर्तमान शहरी क्षेत्रों में उपलब्ध भीतिक रूपों को व्यापार में खलते हुए यह कहना ताकसंगत हीगा कि परिवहन का अक्षेत्र तरीका प्रभावी रूप से शहर की आवश्यकताओं को पूर्ति नहीं कर सकता। सदनुसार शहर के समग्र ढाँचे के लिए उचित बहुप्रकारीय प्रणाली निकालना और फिर उसे विभिन्न उप-संरचनाओं के साथ जोड़ना प्रस्तावित है। विवाहान शहरी क्षेत्रों के लिए कुछ चुने हुए गलियारों पर विद्युतीकृत रिंग रेल, वस परिवहन और हल्के रेल परिवहन चलाने पर विचार किया गया है।

#### रिंग रेल

विद्युतीकरण से पूर्व 1981 में रिंग रेल प्रतिदिन 9,000 यात्रियों को ले जाती थी। 1982 में एशियाई खेलों के दौरान इमका विद्युतीकरण किया गया था परन्तु विद्युत बहु-एक प्रूफिटों के प्रारम्भ होने के बाद वस्तुतः यात्री-आवागमन में कमी आई है। रिंग रेल द्वारा कम यात्री ले जाने के कई कारण हो सकते हैं परन्तु इसका एक कारण रिंग के साथ उपग्रे वाले क्षेत्र में आलोचनात्मक भूमि उत्पन्न है।

मुख्यतः निम्नलिखित क्षेत्रों में रिंग रेल के साथ भूमि उपयोगों का पुनर्गठन किए जाने की आवश्यकता है।

- (1) ग्रामपद पर्वत
- (2) आई. एन. ए. कालीनी
- (3) पूसा संस्थान
- (4) कीर्ति नगर

#### हल्का रेल परिवहन (ह. रे. प.)

ग्रन्तरा-शहरी यात्री आवागमन के लिए अन्य प्रस्तावित तरीका हल्की रेल है जो प्रति घंटे 20,000 यात्रियों तक ले जाने की क्षमता रखती है। भूमिगत तीव्र-परिवहन की तुलना में यह एक मध्यम क्षमता यात्री यात्री परिवहन प्रणाली है पर इसका लागत-सूचाक लगभग 1/10 है। यह शक्ते आवाया गाड़ियों में जलने वाले रेल यात्रों द्वारा विज्ञी से आगे बढ़ाती है। हल्की रेल-परिवहन को रेल प्रौद्योगिकी की अद्वितीय विशेषता से लाभ होता है; यद्यपि बहु-मॉडल निर्देशित है तथापि वह ग्रेड कार्सिंग रख सकता है और इसे गलियों में भी चलाया जा सकता है। हल्के रेल परिवहन में एक ही मार्ग पर तरीका प्रकार के मार्गदर्शकों को शेरर करने और उपयोग करने की क्षमता है और इससे निर्देशित प्रौद्योगिकी, उच्च धमता, उच्च अम-उत्पादकता और आरामदायक सवारी का लाभ भी है। इसके कम शेर शहर निकलने वाले द्वारे का अभाव और बेहतर मुरक्का रिकार्ड जैसी निष्पादन-विधेयताएं बर्सों को अपेक्षा पैदल-आतावरण को हल्का रेल परिवहन अधिक अनुकूल बनाता है। हल्की रेल प्रणाली वज्र प्रणाली का एक विकल्प है जहाँ उच्च धमता वाले आवागमन की आवश्यकता होती है। वर्ष 2001 तक वर्तमान शहरी क्षेत्र और शहरी

एक्सटेंशन में लगभग 200 किलो रोडर हल्की रेल-पटरी की आवश्यकता होगी। सिफारिश किए गए मुख्य गणितारे हैं :—

(क) वितेक विहार से विकास मार्ग, आई. टी. ओ., पंचकुंडिया रोड, पूर्णा रोड, राजेन्द्र प्लेस, पटेल रोड होते हुए नजफगढ़ तक।

मूरु रोडक रोड के माध्य-माध्य फैज रोड से जड़ीरा तक और पंचकुंडिया रोड, निक रोड, पूर्णा रोड, पटेल रोड और रिंग रोड नो जोड़ते वाले नसियारों में योजना अधिक के अंतिम भाग में आवागमन की अनुग्रहित प्रवर्तन होगी और इस भाग में भूमित ग्रम परिवहन प्रणाली की व्यवस्था करने हेतु अध्ययन किया जाए।

(ज) महरौली-बद्रपुर रोड से जी. टी. रोड (नई सड़ी मंडी) से होकर लालबद्दाहुर बाली मार्ग, मधुग रोड, प्रदीपनी मैदान, रिंग रोड, अ. रा. ब. अद्दा, शाम नाम मार्ग और माम रोड।

(ग) नजफगढ़ से जेम रोड और स्टेशन रोड होकर धीला कुम्हा तक।

(घ) पालम हवाई पड़डे से गुडगांव रोड, धीला कुम्हा, एस. पी. मार्ग, फैज रोड और याजपुर रोड होकर खंबर पाम।

(च) दिलशाद गार्डन से पूर्वी यमुना नदी, अ. रा. ब. अद्दे के मध्य पुल, माल रोड और रोहिणी को जाने वाली सड़क सं. 41 से होकर रोहिणी तक।

#### द्वाम

चार दीवारी के शहर के केन्द्रीय मध्यन क्षेत्र के लिए खुने हुए स्थानों अर्थात् चादी चौक, एस्प्लेन रोड, चावडी बाजार और आसक धीली रोड (10 कि. मी.) पर द्वाम को पुराने चलाने की सिफारिश की जाती है। इस क्षेत्र में द्वामों को परिवहन के निजी यात्रियों के प्रयोग पर रोक लगाकर और गाड़ी यात्रियों के स्थानों पर पारिंग की व्यवस्था करके चालू किया जाएगा। यह क्षेत्र के पुनर्जीवन और उसकी पर्यावरणीय जीवित में सुधार लाने के लिए आवश्यक होगा। द्वाम का चलन निम्नलिखित बातों पर प्रभारित होगा :

(क) चार दीवारी के शहर की विभिन्न सड़कों पर यातायात की विशेषताएँ धीरी गति पर यातायात के निरंतर प्रवाह को प्रशंसित करती हों। इन विशेषताओं के अनुकूल उच्च क्षमता और धीरी गति वाली विधि अर्थात् अधिक बारम्बारता बाली द्वामें उपयोगी मिल होगी।

(ख) स्थिर पटरी पर होने के कारण द्वाम बसों की आवश्यकता वारम्बारता को बनाए रख सकती है क्योंकि दो गाड़ियों के बीच गति को कम किया जा सकता है।

(ग) शाश्वतिक द्वामें अधिकार्यता घोर-प्रदृशण मुक्त है।

(घ) द्वामें प्रति घण्टे 10,000 व्यक्तियों को ले जा सकती है।

#### वस

विद्यमान वस परिवहन प्रणाली के वर्तमान रूट-पैटर्न का पुनर्गठन किया जाना अपेक्षित है क्योंकि वह पर्यावरणीय सड़कों की आवश्यकता केन्द्रीय क्षेत्र पर अधिक केन्द्रित है। इसी समय रिंग रेल की प्राकावरण बनाने के लिए वर्तमान रिंग रोड से बस परिवहन का जोर कम किया जाना चाहिए। इसके लिए प्रदृशयक सेवा की योजना बनाने और चालू करने की आवश्यकता होगी जो रिंग रेल को आवासीय द्वीपों से जोड़ेगी। दिल्ली के वर्तमान सड़क-जाल पर दिल्ली परिवहन निगम द्वारा चालौ जा रही सार्वजनिक परिवहन की बसों में अतिरिक्त बृद्धि करता, यादृनमंचलत के लिए उनकी सेवा का स्तर मुद्रारक्त जूँही इसकी आवश्यकता हो और प्रायमिकता के आधार पर हल्को रेल जैसी उच्च क्षमता वाली प्रणाली को प्रारम्भ करने की आवश्यकता है।

#### सार्विकिल

सार्विकिलों की समस्या को हल करने के लिए मुरक्किन आवारण की व्यवस्था करने हेतु बई उपाय हैं, (1) वर्तमान सड़क के जारी को समायोजित करके और 'नालौ' का उपयोग करके पूर्णक पूर्णक सार्विकिल मार्गों की व्यवस्था करना। सार्विकिल मार्ग ट्रैप-उत्तरावन और आकर्षण द्वीपों को धन्त्योजित करते हैं। (2) यातायात के गलियारों के गाँध-माध्य आंशिक स्तर से पूर्णक सार्विकिल मार्गों का प्रस्ताव किया गया है जहाँ वर्तमान भांतिक द्वितीयों कठिनाईयों उत्तरावन करती हों। (3) चार दीवारी के शहर, सदर बाजार और करोन बाजार जैसे प्रब्ल्यू विद्यमान द्वीपों में सार्विकिल-आवागमन के लिए द्वितीयों में यातायात-प्रवाह के उंचाओं द्वारा मुशार किया जा सकता है।

प्रस्तावित किए गए मुख्य सार्विकिल-मार्ग हैं :—

(क) महरौली-बद्रपुर रोड से आई. टी. ओ. तक (द्वितीय दिल्ली नाले और मधुग रोड से होकर) मार्ग की लम्बाई—लगभग 13 किलो मी.

(ख) जी. टी. रोड (शहदरा) से विकास मार्ग तक (पूर्वी मार्जिन-वांध के साथ)

मार्ग की लम्बाई—लगभग 5 किलो मी.

(ग-1) प्रीत विहार से विकास मार्ग (आई. टी. ओ.) होकर कनाट प्लेस तक

मार्ग की लम्बाई—लगभग 10 किलो मी.

(ग-2) परिचम पुरी/विकास पुरी से नजफगढ़ नाले, पटेल रोड, राजेन्द्र प्लेस, पूर्णा रोड और पंचकुंडिया रोड से होकर कनाट प्लेस तक।

मार्ग की लम्बाई—लगभग 16 किलो मी.

(घ) शहदरा से चांदी चौक तक (जी. टी. रोड और पुराने यमुना पुल के साथ-साथ)

मार्ग की लम्बाई—लगभग 5 किलो मी.

#### स्पातमक विभाजन

12 अग्नियन ट्रैप सगाने के लिए दिल्ली-2001 हेतु डांका स्पातमक विभाजन पर आधारित है जैसा कि नीचे दिया गया है :—

#### प्रकार

#### रेल

गम/द्वाम/हल्की रेल 8.57%

व्यक्तिगत तीव्र प्रकार 65.97%

किशोर पर लिए गए वृद्धार्थी प्रकार 12.26%

किशोर पर लिए गए धीरी गति वाले प्रकार 3.27%

सार्विकिल 0.65%

अंतर्ग-शहरी यात्री आवागमन 9.28%

#### रेल

दिल्ली महानगरीय शहर में तीन रेल टर्मिन रेल प्रारंभ शहर में बाहर जाने वाले लगभग 78 हजार यात्रियों के लिए व्यवस्था करते हैं जिसका विभाजन निम्न प्रकार है :—

दिल्ली जंक्शन 50,000

ई दिल्ली 25,000

निजामुद्दीन 3,000

सभी 33 स्टेटों पर ऐनिक यात्रियों सहित कुल आने और जाने वाले यात्रियों की संख्या लगभग 3,62,000 है, जिनके लिए व्यवस्था को जानी है (1,02,000 दैनिक यात्रों और 1,70,000 यात्री और कम दूरी वाले यात्री) 261 यात्रियों (137 लम्बी दूरी और 124 कम दूरी) अर्थात् राष्ट्रीय राजधानी द्वेष्ट्र के अन्दर वाली यात्रियों में आने-जाने हैं। दिल्ली में अंतः शहरी यात्री आवागमन लगभग 4 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से बढ़ रहा है। 2001 हेतु प्रक्षेपण इस प्रकार है :—

प्रतिदिन आने-जाने वाले यात्री (1981 का 185%)	672,000
दैनिक यात्री	354,000
लम्बी और कम दूरी वाले यात्री	318,000
कुल यात्रियों	480

उपर्युक्त यात्री-आवागमन को व्यवस्था करने महित दिल्ली महानगर और की आवश्यकता के लिए चार महानगरीय यात्री दर्मिनों का प्रस्ताव है।

- (1) यमुना-पार थेट्र—पूर्व में यमुना नदी के पार केन्द्रित जनसंक्षय की आवश्यकता पूरी करने हेतु। इससे उ. प्र. में नोएडा के भाग में आवश्यकताओं की पूर्ति होगी। इस थेट्र की जनसंख्या एक लिंगियन है जिसके 2001 में लगभग 1.7 लिंगियन हो जाने का अनुमान है।
- (2) ओखलाह-दक्षिणी दिल्ली की आवश्यकताओं की पूर्ति करने हेतु। यमुना-यमुल के ऊपर से गुज़रने वाली नोएडा की निकाने वाली लिंग-मङ्क द्वारा हो जाने के बाद इसे उ. प्र. में नोएडा के शेष भाग की आवश्यकताओं को भी पूर्ति होगी।
- (3) भरवान-दक्षिणी दिल्ली और प्रस्तावित शहरी एक्सटेंशन के भरवा की आवश्यकताओं की पूर्ति करने हेतु।
- (4) उत्तरी दिल्ली—प्रस्तावित शहरी एक्सटेंशन के भरवा की आवश्यकता की पूर्ति हेतु।

पहले दिल्ली मुख्य रेलवे स्टेशन सहित नई दिल्ली के लिए दूसरे प्रवेश द्वारा या प्रस्ताव किया गया था। दिल्ली मुख्य रेलवे स्टेशन के मामले में कुछ कठिनाईयों के कारण इसे कार्यान्वयित नहीं किया जा सका। अध्ययन के पश्चात् अब जात हुआ है कि दिल्ली मुख्य रेलवे स्टेशन को अन्तर्राजीय रेल अड्डे से नियाकर समाक्षित भड़क व नेल दर्मिन बनाकर इसे बनाना सम्भव है। दिल्ली इंजीनियरिंग कारोबार के स्थानोंकरण में उपरक्ष हृदि सूचि का उपयोग करके यह सम्भव होगा।

यथा

अन्तर्राजीय यन आवागमन हेतु प्रयोग निम्नलिखित है—

यात्री (दोनों ओर)	7,25,000
यन (दोनों ओर)	14,000

आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए चार नवे अन्तर्राजीय यन अड्डे विस्तृत किए जाने आवश्यक या महानगरीय रेलवे दर्मिनों के भीतर 10 हैक्टेर जाने होंगे। इसके अतिरिक्त धनिया के रासा में एक विशिष्ट यन दर्मिन का नियाकर किया जाना चाहिए।

यथा

बायू गरियादून नीति मम्बान्धों अनुसार पर्वटन एवं नागरिक उड़ावग मंदिरालय द्वारा की भई निकारियों के अनुनार निम्ननियुक्त दरों पर भारतीय अन्तर्राजीय विमान पत्तन प्राधिकरण ने अन्तर्राजीय हवाई यात्रियों और जहाजी माल, रेलवे द्वारा यात्रियों और जहाजी माल के लिए पर्याप्तता बनाई है।

वार्षिक वृद्धि	2001
दर	
अन्तर्राजीय यात्री	12.00% 163(लाख)
प्रवेश यात्री	12.00% 191(लाख)
अन्तर्राजीय जहाजी-माल	15.00% 6.4(टन)
रेल जहाजी-माल	12.50% 7.9(टन)

भारतीय अन्तर्राजीय विमान पत्तन प्राधिकरण ने वर्ष 2001 के परिप्रेक्ष्य में पानप हवाई अड्डे के विस्तार करने की योजनाएँ तिकाली हैं। अन्तर्राजीय विमान पत्तन के लिए लगभग 2260 हेक्टेयर भूमि का निर्वाचन किया गया है। शीघ्र आवागमन करने के लिए जाल की अवधिया करने के अन्तर्राजीय विमान पत्तन को शहर के अन्य भागों और राष्ट्रीय एक्सटेंशन से जोड़ा गया है।

माल-आवागमन

दिल्ली महानगरीय क्षेत्र में व्यावसायिक एवं जीवोंगिक किसानसाधों में पृष्ठ होने के कारण शहरी क्षेत्र के भीतर और उसके बाहर माल का आवागमन अव्यन्त यम्भीर और विकट हो गया है। दिल्ली से जाने वाले और आने वाले सफल वार्षिक भाड़े के आवागमन का लगभग 20 प्रतिशत रेल द्वारा और 80 प्रतिशत मङ्क द्वारा होता है। राष्ट्रीय स्तर पर भाड़े का 81.2 प्रतिशत रेल द्वारा और 17.8 प्रतिशत मङ्क द्वारा होता है।

रेल द्वारा माल-आवागमन

- (1) दिल्ली में आने वाले माल से लदे हुए डिल्ली की सप्ताह के एक दिन की औसत 1,000 से 1,050 है और दिल्ली महानगर थेट्र से लगभग 150 माल से लदे हुए डिल्ली बाहर जाते हैं। इस क्षेत्र में रेल द्वारा पक्काएं गए कुल माल के 25,000 टन प्रतिदिन होने का अनुमान है।
- (2) यह यिदि हुआ है कि रेलवे स्टेशनों के माल का 60 प्रतिशत का गत्यान्वयन पुराना शहर और इसके एक्सटेंशन अव्याप्त स्वर बाजार, मांतिया खाल, मण्डेवालान आदि है। फिलहाल माल जिन स्थानों पर उतरता है, वे नीचे लिए गए हैं :—

लोहा एवं इस्पात

तुगलकाबाद और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन

प्रायाल्म

सज्जी मण्डी, लाहोरी गेट, नई दिल्ली एवं दिल्ली लालिया रेलवे स्टेशन, तुगलकाबाद रेलवे स्टेशन

कल एवं मण्डी

नई मण्डी मण्डी, आजाद पुर रेलवे स्टेशन

ओरोंगिक कल्चा

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन

माल

शहर वर्ना रेलवे स्टेशन और शकुचली रेलवे स्टेशन

ईधन

शहर वर्ना रेलवे स्टेशन

मिमिट

शकुचली रेलवे स्टेशन

इससे स्पष्ट है कि अब भी यूरु मूल नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर उतरता है। इस रेल जो इस समय आगिंक रूप से माल लानेले जाने की योजने के क्षेत्र में प्रयोग की जा रही है, भूमि उपयोग की युक्तसंस्थापना के बाद यह उसे वर्ष 2001 तक पूर्णतः यात्रियों के आवागमन के लिए प्रयोग की गयी है। माल-आवागमन रेलवे वर्तमान शहरीकरण योग्य सीमाओं से बाहर और संकेत राज्य-क्षेत्र दिल्ली से बाहर रेल द्वारा माल-आवागमन की आवश्यकता पूरी करने के लिए दिल्ली-मण्डी रेलवे लाइन को दिल्ली-मौजाव रेलवे लाइन से जोड़ने वाली व्याविधि याइन की आवश्यकता होगी।

संष्कृत व्याख्या माला-प्रायोगिक :

मप्ताह के एक दिन जी औसत ने 17,500 रुप (जिनमें मे दो-तिहाई लखे हुए, और एक-तिहाई आर्थि हुए) खिन्नी गे जाने हैं जबकि जाने हैं। लखे हुए आने वाले दूकों में से 25% (लगभग 1650 रुप) दूक गहरे से आहर-आहर होकर बाहर जाने हैं। कुल दूकों व मे आमतः 50 प्रतिशत दूक वो स्थानों अर्थात् राष्ट्रीय राजमार्ग मे, 2 (बद्रपुर चंगी-चौकी) और राष्ट्रीय राजमार्ग मे, 24 (शाहवरा चंगी-चौकी) से गुजरते हैं।

मत्ताह के एक दिन भी श्रोमन में विभिन्न राजमार्ग पर ग्राने वाले दृकों का प्रवर्षण भव जैविक दिवा गरा है।

राजमार्ग	कि	प्राप्त यात्रे दूरी की संख्या	कल यात्रक प्रवाह का %
राष्ट्रीय राजमार्ग-२	1	1400	21.0
राष्ट्रीय राजमार्ग-२४	2	1332	20.00
राष्ट्रीय राजमार्ग-३	3	866	13.00
राष्ट्रीय राजमार्ग-१	4	833	12.50
राष्ट्रीय राजमार्ग-१०	5	466	7.00
पोर्ट-वर्टायर रोड	6	433	6.50
राष्ट्रीय राजमार्ग के प्रोटोकॉल			
अन्य मुक्त मरुके	—	1332	20.00

सर्वेत्रिग्नि-नियन्त्रणों ने यह भी स्पष्ट कुशा है कि धावक माल के 50% से प्रधिन का भाव पुराने दिनों से बढ़ाया जा रहा है। इपरे मूल समस्या उत्तरान दूरी है क्योंकि वाहर के विभिन्न गतिशीलताओं को माल बाहर भेजने के लिए माल का नदान पत्ता किया जाता है।

रेत और सड़क द्वारा माल-प्रवाहमत हेतु प्रमेण निकाजे गए हैं जो निम्न हैं—

	1981	2001
१. रेस		
३% प्रिकास-रर और वो दिन के संबद्ध की दर से प्रतिवित मात्र-वित्तियों की मंजूरी नियमके अनुरूप सुविधाएं नियंत्रित की जाएँ।	2100 5700	
२ सड़क	1981	2001
प्रतिवित रिकार्ड यहाँ थेव में आने वाले लदे दुएः वाहन और जाने वाले वाहन	11965	43194
प्रतिवित रिकार्ड यहाँ थेव में आने वाले वाहन	5627	20311
योग	17592	63505

समाजित भाषा-कास्यमैक्य

सहज और रेन द्वारा भारत-प्राचीनगमन के भवानकलन के नियंत्रण भारत-कानूनीकरण को विकासित की गई है। इसमें थोक साक्षिट, गोदावर, मध्यांत्र (द्रुष्ट) और रेन परिवर्तन टर्मिनेटरों में भारतीय वाक्यों में भारी वाक्यों के आवागमन को रूप किया जा सकते हैं। (व्यापार, और वाणिज्य के आन्तरिक योक्ता के अध्याय को भी देखें)।

भाषेकाम्पनैक्ष उन स्थानों पर स्थापित किए जाने चाहिए जहाँ वे दिनों से मैं आते थाले प्रविकाश सम्प्रद अंतीम भाल यातायान का वीच में रोह रहें। हम इन में दृढ़ते हुए भाषेकाम्पलेक्सों के स्थान निम्नलिखित रूप से दर्शा देंगे:

मदनपृष्ठ खात्र	(राष्ट्रीय राजमार्ग-2)
पटपटांज	(राष्ट्रीय राजमार्ग- 24)
तोनी नेर	(राष्ट्रीय राजमार्ग- 24)
का शी रोड	(राष्ट्रीय राजमार्ग- 1)
धरता	(राष्ट्रीय राजमार्ग- 8)

मध्य शहरी जिवों में सपनता को कम करने के लिए यह अनिवार्य है कि धरने दो इण्डों में फिर्किण वाइ-काम्पैक्सों का विकास किया जाए।

श्रीक बंदराव

उत्तरी क्षेत्र में युग्म बंदरगाह स्थापित करने का प्रस्ताव है। काफी समय से इस पर सरकार द्वारा विवार किया जाता रहा है। इस प्रकार के क्रियान्वय से व्यापक मम्पर्क स्थापित होगा और इस प्रकार हमसे बड़ी मंजूरी में दोजगाह के लिए वित्तियों का मर्जन हो सकेगा और उत्तरी क्षेत्र के भीतर तथा इसके दूर-पर्िद्वारा व्यापक यातायात बढ़ेगा। इस क्रियाकलाप-केन्द्र को राष्ट्रीय राजधानी थोड़े भूमि में संचर राजन्य-ओवर रिली में अधिक उपयुक्त रूप से स्थापित किया जा सकता है। प्रधानी रूप में कार्य करने के लिए इसको इसके क्षेत्र में युक्ति, पलबाग, रेवाड़ी और सोनीपत की ओरें बाली एक नई रेल लिंक की आवश्यकता होगी।

## महानगरीय परिषद्वन प्राधिकरण

महात्मार्थीय जहरों की परिवहन की समस्याएँ अनेक हैं। यह अनु-  
भव रहा है कि नियोजन, विकास प्रोग्राम विवरण करने के लिए बहु-मांडिल  
महात्मार्थीय परिवहन प्रणाली एक प्राधिकरण के भवीत रहनी चाहिए।  
तकनीकी स्पेशलिस्टों पर विली की बहु-मांडिल काम्पलेक्स परिवहन प्रणाली  
का संचालन करने के लिए राष्ट्रीय परिवहन नीति समिति द्वारा की गई  
निपारिश के अनुसार इल्ली को एक एकान्त प्रकल्प परिवहन प्राधिकरण  
की आवश्यकता है।

### आधारिक संरचना : भौतिक

इस भाग में जिन पहलुओं पर विवार किया गया है, वे हैं—(ए) जन-प्रापूर्ति, (बी) मोवरेज, (सी) पावर (डी) ठोस कूड़ा-करकट अवस्था श्रीर (ई) जल-निकास एवं जल सार्व बनाना ।

किसी भी बस्ती का जीवन स्तर उसमें उपलब्ध आधारिक भंस्तना की प्राप्तता, मुमांसा और गुणवत्ता पर अहृत भूमिका निर्भर होता है। जनसंख्या के द्रुत विकास के लिए जल, पावर, सीबरेज, जल-निकास और ठोस कूड़ा-करकट प्रवायं के संवर्धन की व्यापकता होती है। कामों की वर्तमान त्यक्ति का विश्लेषण करते हुए आधारिक संस्तना की समस्याएँ महानगरीय जीवन में संकट का कारण बन सकती हैं। सीबरेज और ठोस कूड़ा-करकट-प्रवायं तुलनात्मक रूप से आंतरिक मामले हैं, जिनमें जल-व्यापारी और पावर महित जल-निकास व्यापारीय मामले हैं। मांग को कम करने के लिए जनसंख्या के विस्तार पर पर्याप्त प्रतिवेदन लगाने के लिए पहले ही जोर दिया गया है। भौतिक आधारिक संस्तना की पर्याप्त व्यवस्था हेतु शीघ्र अरियम कार्यवाही और प्रश्नाद्वय करने के न्यूनतम प्रयास करने की व्यापकता होती।

जन्म-प्राप्ति, गीर्वारेज, पावर और ठोम कृड़े करकट की वर्तमान प्राप्तता और प्रत्येकित आवश्यकता को निम्नलिखित तालिका में निर्दिष्ट किया गया है :—

जल	*सीधरेज	पावर	टोस कू-
एम औ. सी. में	एम. जी. सी.	एम. इड्यू.	करकट टनों में प्रतिविन
1981 हेतु			
पृथ्वी निर्वाचित लक्ष्य	250	200	558
पर्याप्तता वाला कानून	496	397	650
वर्तमान उपलब्धता	303	118	—
			2058

ପ୍ରକଳ୍ପବଳ-2001

दिल्ली शहरी क्षेत्र-8। और इसमें शहरी प्रकारटेशन में भौतिक आधारिक संरक्षन की अनिवार्यता इस प्रकार होगी जो नीचे दी गई है :

आधारिक संरक्षन	अनिवार्य	दिल्ली शहरी संघ राज्य-क्षेत्र	दिल्ली में
आवश्यकता	क्षेत्र-8 में		
जल-आपूर्ति			
एम. जी. डी. में	671	366	305
सीबरेज			
एम. जी. डी. में	661	417	244
	(यदि जल की आपूर्ति 80 जी. सी. डी. * की दर की जाए)		
पानी			
एम. डब्ल्यू. में	1800	800	1000
ठोस कूड़ा-करकट प्रबन्ध,			
टन में प्रतिशत	4200	2200	2000

\* रेनेन प्रति अविक्षित प्रतिशत

अनिवार्य आवश्यकताओं के कारण दिल्ली शहरी क्षेत्र-8 के वर्तमान आधारिक संरक्षन की पूर्ण पुनः संरक्षन करने की आवश्यकता होगी, जैसा कि उपर्युक्त नामिका में दिया गया है ।

जल :

दिल्ली को कब्जे पानी के लिए यमुना नदी पर निर्भर रहना पड़ता है यद्यपि जल की आधिक पूर्ति यमुना पार क्षेत्र में गंगा नदी से की जा सकती है । उ.प्र. में ठिहरी बांध और विष्व तथा हिमाचल प्रदेश में लक्ष्मार और गिरी बांध के पूरे हो जाने पर 2001 तक दिल्ली के मुख्य जल के लिए जल की आवश्यकताओं की व्यवस्था कर सकेंगे । गोप की पूर्ति दिल्ली के सीबरेज जल का विनियम हस्तियाणा का कार्रक जी. आमकर्ता है ।

671 एम. जी. डी. की अविक्षित जल-आपूर्ति की व्यवस्था करने के लिए वर्तमान जल शोधक संयंत्रों को बढ़ाने और वर्ष 2001 तक उत्तर-पश्चिम में नये जल-आधारक-संयंत्र का निर्माण करने की भी आवश्यकता होगी जैसा कि नीचे दिया गया है ।

जल शोधक संयंत्र	वर्तमान अमना	संस्कृत अमना	संस्कृत कमना
	एम. जी. डी. में	एम. जी. डी. में	एम. जी. डी. में
	1981	1985	2001
चंद्राबल 1 व 2	90	90	150
बजीराबाद	80	80	150
हैदरपुर 1 व 2	50	100	150
शाहडगा	—	100	200
उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में	—	—	300
नये संयंत्र	—	—	—
ग्रोवना	6	—	—
नेनी कुएं	20	61	67
स्थानीय नलकूप	7	7	7
यांग	253	148	1024

363 निटर (80 मीन) प्रति अविक्षित प्रति दिन का दर से जल-आपूर्ति की आवश्यकता निकार्य गई है जिसका नाम दिया गया है ।

	पंथ, टी. सो. डी. * में
(1) घरेलू	225
(2) बौद्धोगिक, व्यावसायिक वर्ष	45,000 एल. टी. पच. ए. डी. **
सामुदायिक आवश्यकता	पर आधारित 47
(3) अग्नि-मुरझी	कुल जाग के 1% पर आधारित 4
(4) उद्यान	67,000 एल. टी. पच. ए. डी. पर आधारित 35
(5) अस्थाई आवाद और दूनावाग	
नथा बहे होटल जैसे विशेष	
उपयोग	52

\* निटर प्रति अविक्षित प्रतिदिन

\*\* निटर प्रति ड्रेक्टेशन प्रतिदिन

जिसे भा. अवार्द्ध य क्षेत्र में व्युत्तम जल-आपूर्ति 135 ल.टर (30 गैलन) प्रति अविक्षित प्रतिदिन होती ।

सीबरेज

पथविरर्ण य-प्रदूषण को नियंत्रित करने के साथ-साथ स्वस्थ जीवन स्थितियों को ज्ञाएँ रखने के लिए सीबरेज का शोधन करना अनिवार्य होता है । यह नोट किया गया है कि दिल्ली में सीबरेज-प्रणाली का वर्तमान अमना काफ़ी कम है क्योंकि नगरमा 70% वर्तमान जनसंख्या का नियमित घृनिसिपल न स्वरेज उपलब्ध नहीं है । यमुना नदी में बड़ना दूजा प्रदूषण भी सीबरेज शोधक सुधारित्रों के अभाव का एक मुख्य सकेतक है । एक उत्तरी और दूसरा पश्चिमी दिल्ली में 125 एम. जी. डी. अमना जाले वी नये सीबरेज शोधक संयंत्र बनाने के साथ-साथ वर्तमान शोधक संयंत्रों की क्षमता बढ़ावार 2001 में दिल्ली में तरल कूड़ा-करकट की व्यवस्था का जा सकेंगे जैसा कि नीचे दिया गया है ।

सीबरेज शोधक संयंत्र	वर्तमान	संस्कृत	गमनु
	अमना	अमना	अमना
	एम.जी.डी.	एम.जी.डी.	एम.जी.डी.
आंखला	66	128	150
केशोपुर	32	70	170
कोरमेश्वर	20	20	20
पिठाला	—	75	150
शाहडगा	—	60	160
उत्तरी दिल्ली में नया संयंत्र	—	—	155
पश्चिमी दिल्ली में नया संयंत्र	—	—	125
योग	118	353	900

जिन क्षेत्रों में तत्काल नियमित सीबरेज उपलब्ध नहीं है उनमें पृथक पृथक परिवार के लिए कम लागत की सफाई प्रणाली को कम होने के व्यवस्था के रूप में अपनाया जाना चाहिए । क्षेत्र को इस प्रकार में नियोजित किया जाना चाहिए कि उनमें सभी दूरी बाजी नियमित संवरेज की व्यवस्था का जा सके ।

## पावर

वर्ष 2001 में दिल्ली के पावर के आवश्यकता 3500 मीनाराट (एम. डब्ल्यू.) होने का अनुमान है। जलने हुए बायो-ग्रूप्पण, जल के अधिक और समस्यात्मक कोयला परिवहन के कारण विद्युती पावर उत्पादन करने का अपना वर्तमान असत्ता में संभित बृद्धि है कर सकते हैं। इसे दिल्ली से बाहर के ज्ञानूत्ति-स्त्रोतों पर आधिक रहता पहेजा। 1991 तक निम्नविद्युत नियन्त्रिता में विए थे ज्ञोतों के अनुसार पावर का आवश्यकता का पूर्ति होगा।

इसका पूर्ति के लिए पावर-बैच की योगता बनाई गई है जिसमें यमुना पार ज्ञोतों में बज़रगाद वांध के उत्तर में।

(2) बवाना के निकट पश्चिमो दिल्ली में और

(3) भरथन के निकट दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली में

400 के बी. के लान मुख्य विद्युत उपकरणों का व्यवस्था होगा। इसके पूर्ति उत्तर प्रिंड से होगा; तथा दिल्ली में अन्य पावर विनियंत्रण प्रणाली का पूर्ण इस पिछे से और वर्तमान 220 के बी. के यिन्हें होगा।

## ठोस कूड़ा-करकट :

ठोस कूड़े-करकट का प्रकृति और नियादान के रायिक पहलुओं पर विचार करते हुए ठोस कूड़े-करकट का अधिकांश मात्रा का सैनिटरी लैंडफिल्म में नियादान जाने का प्रस्ताव किया गया है। प्रस्तावित स्थल है—

स्थल का विवरण	धोत्र (हेक्टर में)
पश्चिमी दिल्ली में शून्याल गांव के निकट स्थल	26
रिंग रोड पर सराय काली गांव के निकट स्थल	20
उत्तर-पश्चिम में स्थल	58, 5
पश्चानाम धोत्र में गार्जापुर डेपर्टमेंट कार्म के निकट स्थल	52
वर्षमान लैंडफिल्म लिमाट्पुर के निकट स्थल	40
उत्तर-दिल्ली में गोपालपुर गांव के निकट स्थल	20
जहारीरपुरी के निकट स्थल	12

रिंग रोड पर सैनिटरी लैंडफिल्म का कार्य संतोषजनक रूप से किया जा रहा है फिर भी जल को प्रयोग से बचाने के लिए तल में जल-नियादान परतों की व्यवस्था करके इसका और अधिक सुधार किया जा सकता है।

इस समय वो कम्पोस्ट संयंव—एक विलंब नगर नियम और दूसरा आखिला मीवरेंज शोबन संयंव के पास स्थित है नई दिल्ली नगर पालिका द्वारा बलाए जाते हैं।

मझे एवं फल मार्किटों के कूड़ा-करकट में अधिक आर्यनिक वस्तुएं होने के कारण इसे इन कम्पोस्ट संयंव में उपयोग किया जाना चाहिए। कम्पोस्ट संयंव के लिए कोई और स्थल नहीं रखा गया है। इन कम्पोस्ट संयंवों के कार्य का 1992 में समझा की जानी चाहिए और यदि आवश्यकता हो तो ननियादित्वान किया जा सकता है।

अस्पतालों, बूचड़ानों, फल एवं सब्जी मार्किटों, डेपर्टमेंट कार्मों एवं पुरानो विलंब के धने बसे हुए ज्ञोतों के कूड़ा-नियादान में विशेष साक्षात्त्व की आवश्यकता है। अस्पतालों के कूड़े-करकट जिसमें हानिकारक मूष्यजंडीय होते हैं, को अलग से व्यवस्था का जाना चाहिए और उसे जला दिया जाना चाहिए। पश्चिमों के खतरे से बचाव करने के लिए वे हुए कूड़े-ज्ञोतों के रूप में विशेष साक्षात्त्वी वरतानी चाहिए और हावाई अड्डे के पांच किलोमीटर के भौमर बाले ज्ञोतों में कूड़े को ज्ञान हराया जाना चाहिए।

कूड़ेदानों, डलालों की आवश्यकता का पक्ष लगाने के लिए ठोस कूड़ा-करकट के निम्नविद्युत मानदण्ड अपनाए जाएँ।

(प्रति व्यक्ति प्रतिदिन)

नई दिल्ली नगर पालिका, धोत्र 0, 67 किलोग्राम सं. डा. दिल्ली नगर पालिका, धोत्र 0, 60 किलोग्राम सं. डा. जल-नियादान एवं जल-भार्ग व्यवस्थों।

जल नियादान:—जल-नियादान के दो पहलु बाद-नियंत्रण एवं बरसाती जल का नियादान है, जो परस्पर संबंधित है। विलंब में बरसाती जल

वार्ष	कर्म क्षमता
1983-83	1989-90
(एम. डब्ल्यू.)	(एम. डब्ल्यू.)
हेम स्थानीय उत्तरावन	176 236
बद्रपुर वर्षमल पावर स्टेशन	500 500
मिशनोपार मुगार वर्षमल पावर स्टेशन (उ.प्र.)	15 150
बैरा, सूल (उ.प्र.)	17 45
मुराव नगर (उ.प्र.) में बनाया जाने वाला	
न्यू मुगार वर्षमल पावर स्टेशन	— 500
योग	708 1431

1991 के बाद प्रभेपित पावर मान के अनुरूप विलंब के लिए पावर के ज्ञाती की व्यवस्था बरती होगी। इसी की निम्नविद्युत केंद्रों, मीनटर योग्यताओं से वाभ मिल सकता है जो इस समय नियन्त्रणाध न/विचाराध न है।

पावर संयंव	स्थापित क्षमता	स्थिति
रिंड उ.प्र. (वर्षमल)	1000	नियन्त्रण न
नरोग उ.प्र. (वार्षांकिक)	470	—वह—
नरेपा झोकारा (ग्रि.प्र.)		मी. ई. ए. बाय स्व. हुत (हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं बिहार व सरकार द्वारा संयुक्त रूप से किया जाना प्रस्तावित है।)
दुन्दुम्हाना (हाईड्रो इलेक्ट्रिक)	390	—वह—
(जम्मू एवं काश्मीर)		
दुरा हाईड्रो इलेक्ट्रिक यरि-योगता (जम्मू एवं काश्मीर)	480	—वह—
जम्मू हाईड्रो इलेक्ट्रिक परि-योगता (ग्रि.प्र.)	540	—वह—
दनकपुर हाईड्रो इलेक्ट्रिक परि-योगता (उ.प्र.)	120	—वह—
योग	3,000	एम. डब्ल्यू.

वर्ष 2001 तक 25,000 एम. डब्ल्यू. की लक्षित भाग का पूर्ण करने के लिए पावर विनियंत्रण छाँती की वर्तमान 220 किलो बोल्ट (के. वा.) पिछे से 400 के बी. यिन्हें में बढ़ाया जाने की आवश्यकता होगी।

और बाहु-नियंत्रण स्थानीय नहीं हैं अपितु शेष पथ है जिनमें हरियाणा और राजस्थान के शेष सम्मिलित हैं। नवकाल नाले और बड़ा पुनर्वाचन कुशक नाले जिनसे शहर शेषों में वरसास-जल बहता है, वे अधिकतम जन-बहाव का अधिकारी के द्वारा जल पुरं क्षमता से बहते हैं। वर्तमान गहर करण योग्य संभाजों के अधिकारित विस्तार से शेषों में तलाप बहन में पर्याप्त रूप से परिवर्तन होगा और इस प्रकार बहाव बढ़ेगा और वर्तमान नालों की नदा रूप देने और अधिकारित नालों का व्यवस्था करने का आवश्यकता होगा। प्राथमिकता के बाधार पर सहित बेसिन से बहाव के लिए विभिन्न में हरियाणा अधिकार रिल्यू में से होकर एक नदी मुख्य नाले का संभावना पर विचार करने का आवश्यकता होगा।

यमुना नदी का जल-मार्ग व्यवस्था :

समार के मुख्य महानभर य शहरों का नियंत्रण जैसे लंबन का टेस्स और वेसिन का सत के जलमार्ग का व्यवस्था का गढ़ है जो नदी-अंगों का विकास करने के लिए अधिकारित अधिकार प्रदान कर रहे हैं। यमुना नदी के मामले में संभावनाओं का गहराई से अध्ययन किया गया है और ऐसे उकित हैं कि नगरमण 550 मंडर का चाहाई और नगरमण 3,000 हेक्टेयर क्षेत्र में जल-मार्ग का व्यवस्था का जा मवत है जो नदी-अंग विकास के लिए उत्तम दृष्टि सकता है। केवल य जल एवं पानी अनुमतिवान केन्द्र, पुणे इत्यादि के लिए मौद्दस-परिवेश कर रहा है। इस अध्ययन के समाप्त हो जाने के बाद य शहर का विशेष महत्वपूर्ण परियोजना के रूप में वि. वि. प्रा. द्वारा नदी-अंग का विकास किया जाना चाहिए।

आवारिक संरचना—सामाजिक :

इस भाग में जिन पहलों पर विचार किया गया है, वे हैं—

- (क) स्वास्थ्य;
- (फ) शिक्षा;
- (ग) दूर संचार;
- (घ) सुरक्षा;
- (ज) अपनि; और
- (झ) वितरक सेवाएं।

स्वास्थ्य :

दिल्ली का स्वास्थ्य सुविधाओं का शहर जनसंख्या का आवश्यकताओं का पूर्ण करन, पड़ता है। इसके साथ-साथ ये शेष पथ मंदर्दी का दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि निकटवर्ती राज्यों से बहुत से लोग विलत में बेहुले स्वास्थ्य सुविधाओं का खोज में आते हैं। इस समय दिल्ली में 2.6 विस्तर प्रति 1000 जनसंख्या का दर से नगरमण 15,000 अस्पताल के विस्तर है।

स्वास्थ्य सुविधाओं का व्यवस्था में विभिन्न नियोजन डिव्यूजनों में भीगेलिक असेतुलन विद्यमान है। डिव्यूजन ई, जा और एव में प्रति हजार जनसंख्या के अनुपात केवल 1.043, 0.992 और 0.51 विस्तर हैं। इन नियोजन डिव्यूजनों पर अप्रता से ध्यान देने का आवश्यकता है।

पहले प्रस्तावित सामान्य अस्पताल और स्वास्थ्य केन्द्र के रूप में द्विन्यान-प्रणाली से स्वास्थ्य आवश्यकताओं सम्बंधी भाग का पूर्ण नहीं हुई। अतः अब छह-पाँच-प्रणाली का प्रस्ताव रखा गया है जैसा कि नीचे दिया गया है—

- (1) सामान्य अस्पताल 500 विस्तर
- (2) मध्यवर्ती अस्पताल (क) 200 विस्तर
- (3) मध्यवर्ती अस्पताल (ख) 80 विस्तर
- (4) पोलिक्लिनिक
- (5) नसिंग होम, बाल कल्याण एवं प्रशृति केन्द्र
- (6) औषधालय

स्वास्थ्य-सुविधाओं के नियोजन मानक नं. द्वारा गण गए हैं—

प्रति 1,000 जनसंख्या पर विफारित किए गए विस्तर-5

(क) सामान्य अस्पताल :

3 लाख का जनसंख्या के लिए	1 अस्पताल
क्षमता	500 विस्तरे
अस्पताल के लिए शेष	4.00 हेक्ट.
विद्युयाण आवास हेतु शेष	2.00 हेक्ट.
कुल शेष	6.00 हेक्ट.

(ख) मध्यवर्ती अस्पताल :

(अणि क)

1 लाख का जनसंख्या के लिए	1 अस्पताल
क्षमता	200 विस्तरे
अस्पताल के लिए शेष	2.07 हेक्ट.
अनिवार्य विद्युयाण आवास हेतु शेष	1.00 हेक्ट.
कुल शेष	3.67 हेक्ट.

(ग) मध्यवर्ती अस्पताल :

(अणि ख)

1 लाख का जनसंख्या के लिए	1 अस्पताल
क्षमता	80 विस्तरे, 20 प्रसूति विस्तरों को मिलाकर
अस्पताल के लिए शेष	0.60 हेक्ट.
विद्युयाण आवास हेतु शेष	0.40 हेक्ट.
कुल शेष	1.00 हेक्ट.

(घ) कुछ प्रेक्षण-विस्तरों महित पोलिक्लिनिक :

1.5 लाख का जनसंख्या के लिए	1 अस्पताल
शेष	0.20 से 0.30 हेक्ट. तक

(ज) नसिंग होम, बाल कल्याण एवं प्रशृति केन्द्र :

0.50 लाख का जनसंख्या के लिए	1 अस्पताल
क्षेत्र	0.20 से 0.30 हेक्ट. तक

(झ) औषधालय :

0.15 लाख का जनसंख्या के लिए	1 अस्पताल
शेष	0.08 से 0.012 हेक्ट. तक

उपर्युक्त के अनिवार्य विद्युयाण-सुविधाओं के लिए विधिष्ठ आवश्यकताओं के मामले में इनमें से एक स्थल का उपयोग किया जा सकता है जो भ. विधेय आवश्यकता के अनुकूल है।

शिक्षा :

आयु-वर्ष-प्रेक्षणों अंतर प्रथम संगत मामलों पर विचार करके विभिन्न स्तरों पर पर्याप्त शैक्षणिक सुविधाओं की व्यवस्था के लिए मानवाण्ड दिए गए हैं जिन्हें विस्तृत लेन्वाइट ज्ञान में अवश्य हो सुनिश्चित किया जाए। जिन व्याय वाम समुदायों के मामले में, नर्सी न्हूल के स्थान का उपयोग लिये सदृश के लिए किया जाएगा जिसे जनता, निःशी अवश्य स्वैच्छिक एजेन्सियों द्वारा आवाया जा सकता है। केन्द्रीय स्कूलों और पश्चिम स्कूलों को स्थान देने के लिए माहरी स्तर के समानित स्कूलों के लिए विधिष्ठ शेषों का आवश्यक विद्यालय किया गया है।



प्रशासनिक कार्यालय टेलीफोन केन्द्रों के भाग हो जाएंगे और उद्युक्तार भूमि के क्षेत्र को बढ़ावा जाएगा।

टेलीफोन केन्द्र के उद्युक्तारी/मामली आदि के लिए भवित्वार।

प्रायोगिक रूप से तक उचरी और दूसरा दक्षिणी दिल्ली में शहरी स्तर पर इसकी व्यवस्था होगी।

क्षेत्र

4.00 हेक्टर।

हृके भौतिक भौत्र में शहरी स्तर पर तापमात्रा 800 वार्ग मीटर के खंड-रक्षात्र और मरम्मत के लिए इसी व नार्थेश्वर की व्यवस्था की जानी है।

क्षेत्र

1.00 हेक्टर।

विभागों वाले तर्फाने।

(क) बुकिंग काउंटर—

1 लाख की जनसंख्या के लिए

1

नामुदायिक केन्द्र में स्थान की व्यवस्था की जानी है।

(ल) बुकिंग और वितरण कार्यालय—

6 साथ की जनसंख्याएँ लिए

1

कर्मी क्षेत्र

1700 वर्ग मी.

जिला केन्द्र में स्थान की व्यवस्था की जानी है।

डाक व्यवधारणः

(क) डिलीवरी रहित डाक घर का उन्नर—

10,000 से 15,000 तक की जनसंख्या के लिए

1

कर्मी क्षेत्र

60 से 85 वर्ग मी., तक

स्थानीय विषयन केन्द्र में स्थान दिया जाना है।

(ख) इनोवरी कार्यालय सहित मुक्त डाक घर—

3 लाख की जनसंख्या के लिए

1

क्षेत्र

600 वर्ग मी.

सामुदायिक केन्द्र/जिला केन्द्र में स्थान दिया जाना है।

(ग) मुक्त डाक घर और प्रशासनिक कार्यालय—

6 भाग की जनसंख्या के लिए

1

क्षेत्र

2500 वर्ग मी.

जिला केन्द्र में स्थान दिया जाना है।

मुख्याः ]

शहरी समुदाय दुलनाथक तप से ज्ञात होते हैं और वे मुख्य रूप से शुरुआती तप से लिए पुनिः पर निर्भर रहते हैं। इस समय दिल्ली में 66 पुलिस स्टेंड और 43 पुलिस नौकरियां हैं जिनकी व्यवस्था एक जाग की जनसंख्या के लिए एस याने की दृष्टि की जा रही है। पुलिस, जेल, नागरिक सुरक्षा और गृह रक्षा और अन्य के लिए नियोजन मानक विभाग वाले हैं।

पुलिसः

(क) पुलिस स्टेंडः

0.75 से 1 लाख की जनसंख्या के लिए

1

अनिवार्य रिहायशी जावाम नहिन क्षेत्र

1.15 हेक्टर।

नागरिक सुरक्षा वाले गृह रक्षा के लिए

0.05 हेक्टर, अनिवार्य

(ख) पुलिस चौकीः

0.4 से 0.5 लाख की जनसंख्या के लिए

1

अनिवार्य रिहायशी जावाम सक्रिय क्षेत्र

0.10 हेक्टर।

(ग) जिला कार्यालय और बटालियनः

10 लाख की जनसंख्या के लिए

जिला कार्यालय के लिए क्षेत्र

बटालियन के लिए क्षेत्र

कुल क्षेत्र

1

0.80 हेक्टर

4.00 हेक्टर

4.80 हेक्टर,

(घ) पुलिस लाइनः

उत्तरी, दक्षिणी, पश्चिमी और पूर्वी दिल्ली

प्रत्येक हेतु

1-1.

क्षेत्र

4.00 से 6.00

हेक्टर, तक

(ज) जिला जेलः

10 लाख की जनसंख्या के लिए

1

क्षेत्र

10.00 हेक्टर,

नागरिक सुरक्षा और गृह रक्षा : --

(क) गृह रक्षाः

जानकारी

(1) दिल्ली शहरी क्षेत्र-81 के भीतर 20

लाख की जनसंख्या के लिए

1

(2) पश्चीम एक्सटेंशन में 10 लाख की जन-

संख्या के लिए

1

क्षेत्र

1.00 हेक्टर,

(ख) गृह रक्षक—जिला स्तर 10 लाख की जनसंख्या

1

क्षेत्र

2.00 हेक्टर,

(1) दिल्ली शहरी क्षेत्र-81 के भीतर 20

लाख की जनसंख्या के लिए

1

(2) शहरी एक्सटेंशन में 10 लाख की जन-

संख्या के लिए

1

अग्नि : --

दिल्ली अग्नि शमन सेवा दिल्ली और सामाजिक राज्यों के भागों में मनुष्यों की अग्नि, मकान गिरने, धूर्घटनाओं और अन्य आपत्तियों से बचाने का कार्य करती है। इस समय दिल्ली में 18 अग्नि शमन केन्द्र हैं।

दिल्ली शहरी क्षेत्र-81 में 20 और शहरी एक्सटेंशन में 19 अग्नि 39 और अग्नि शमन केन्द्रों की आवश्यकता होती है। अग्नि अग्नि शमन लाखों और पानी की टकियों की व्यवस्था करने के लिए जल-आपूर्ति सहित कार्यक्रम का सम्बन्ध लिए जाने की आवश्यकता है।

भवन उप-विधियों अधिकारी प्राप्तिकरण के विभिन्नमें में की गई अवस्था के अनुसार गृह-मंजिले भवनों के लिए, विशेष अग्नि शमन सेवा की आवश्यकता है। दिल्ली अग्नि शमन सेवा को बहु-मंजिले भवनों में आग धूर्घटनाओं के मामले निपटाने के लिए पूरी तरह से संज्ञित करना चाहिए। विकास योजनाएँ ऐसार करने से समय संचयन और सिमिट घोटों में अग्नि शमन आवश्यकताओं के लिए पहुँचने का मार्ग सुनिश्चित किया जाए।

2 लाख की जनसंख्या के लिए 1 से 3 कि.मी. के भौतर 1 अग्नि शमन केन्द्र अपवाह उप-अग्नि शमन केन्द्रों की व्यवस्था की जानी है। अग्निवार्य रिहायशी आवाम महिला अग्नि शमन केन्द्र हेतु

क्षेत्र

1.00 हेक्टर,

अग्निवार्य रिहायशी आवाम सहित उप-अग्नि शमन केन्द्र हेतु

क्षेत्र

0.60 हेक्टर,

## विनायक सेवाएँ : —

दृष्टि, दिल्ली में यार्केजनिक एजेन्सियों द्वारा 7.30 लाख सीटर की वर्तमान पूर्ति की जाती है। 2.32 लाख की पूर्ति दिल्ली दूरध्य योजना द्वारा और 1.97 लाख की पूर्ति भवर एंगरी द्वारा की जाती है। दृष्टि के लिए वर्तमान प्रभार रार्टफ्रेम केन्द्र 9.75 लाख सीटर प्रतिदिन तक मौजित है जबकि 2001 तक की आवश्यकताएँ लगभग 15 लाख सीटर प्रतिदिन होती। डेसरी-ड्यूग हेतु दिल्ली सेवा राज्य क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक नशकगढ़ रोड के पश्चिम में और द्वारा जी. टी. रोड पर 15—15 हेक्ट. बाले दो स्कॉलों की आवश्यकता होती।

## एल.पी.जी. गोदारण परं विनायक :

1981 की 11.45 लाख कनेक्शनों की आवश्यकताओं के मुकाबले में इन्होंने 3.22 लाख एल.पी.जी. कनेक्शन हैं और 100% परिवार इसे देना चाहते हैं। 2001 में 24.35 लाख होने का अनुमान है।

ओवरना भवित्व में जालभग 10,000 परिवारों को गेस बेंज का प्रयोगनालय कार्यक्रम पहले ही जाल किया जा चुका है। वर्तमान और प्रस्तावित सोवित जीवन संघर्षों की दैस का उपयोग बरेंग और अन्य कर्ता संघर्षों आवश्यकताओं के लिए किया जा सकेगा।

उपर्युक्त विनायक मुक्तियाओं के निदोग्न भानक नीचे लिए गए हैं :—

तराव पेट्रोलियम गैस एल.पी.जी. गोदारण

40,000 की जनसंख्या के लिए 1 गैंग गोदारण

अमता

500 सिलिन्डर

अपरा

8,000 एल.पी.जी.  
के कि. ग्रा.

क्षेत्र

5200 दर्ग. मी.

(20 मी. × 26 मी.  
चौकीदार की हट सहित

स्थिरा

जीर्णोगिक क्षेत्र अथवा  
सेवा केन्द्र में

1981—2001 में उपर्युक्त भानकों के आवार पर मामाजिक आधारिक संरक्षण की अभियन्त्र आवश्यकता विस्तारित तात्त्विक में साकेतिस की गई है।

## अनिवार्य आवश्यकता

2001

मामाजिक आधारिक संरक्षण	दिल्ली	गढ़री	योग
	शहरी क्षेत्र 81	एक्सटेंशन	
1	2	3	4
जिला			
पर्टिशन ब्लू	298	762	1060
नीतिशर्त बेंकेन्डरी स्कूल	217	508	725
समाजिक ब्लू	58	85	143
मायानद ब्लू	23	38	60
लकड़े द्वारा ज्ञा केन्द्र - 4	3	9	12
विहार रसायन केन्द्र	2	1	3

	1	2	3	4
स्थान :				
गोपन्य इमारात	9	12	21	
मध्यवर्ती अमानाल—ख	59	39	98	
नमिंग होम	110	76	186	
अन्य :				
पुलिस स्टेशन	28	38—51	66—79	
अग्नि शरण केन्द्र	20	19	39	
जिला जैल	3	5	8	
मुख्य डाक घर	20	6	26	
टेलीफोन केन्द्र	6	9	15	
विमानमार्ग नारा कार्यालय	9	5	14	
एल.पी.जी. गैम्स-गोदारण	64	85	149	

## गुवाहाटी सेवा केन्द्र :

हाप्तर सेलेशनी, प्राईमरी रहन, औषधालय जैसी निम्न स्तर की अनिवार्य सुविधाओं की अवस्था लेशाइट ब्लॉकों में की जाएगी किन्तु कालेंग, अस्ताल, पुलिस स्टेशन जैसी उच्च स्तर की सुविधाओं की अवश्यक योजना-स्तर पर की जाएगी। चूंकि इन सुविधाओं के लिए पृष्ठक स्थान की व्यवस्था करना संभव न होगा अतः दिल्ली शहरी क्षेत्र—81 के भीतर डाकालय क्षेत्रों में दो समूहों अथवा अधिक इकाइयों में सुविधा केन्द्र की संकलना नैयार की गई है और इन क्षेत्रों को सुविधा केन्द्रों के रूप में विकसित किया जाएगा। अपेक्षित सामाजिक आधारिक संरक्षन की व्यवस्था करने के लिए भूमि उपयोग प्लान पर हम प्रकार के 61 सुविधा केन्द्र निर्धारित किए गए हैं। इसी तरह अतिविस्तर सरमत यी दुकानों, सविस-बुकानों, गैस गोदारों को स्थान देने के लिए सेवा केन्द्रों को भूमि उपयोग प्लान में निर्धारित किया गया है।

(अनुमंदि 1 शेषें)।

## पर्यावरण

जी.जी.की उल्लंघन गुणवत्ता के लिए भौतिक पार्य भानाजिक पर्यावरण का सूजन करना इस योजना का मुख्य सदृश्य है। शहर के पर्यावरण की मूल्य विवेषणाएँ हैं :—

- (1) पारिस्थितिक, प्रकृति-संरक्षण और पार्क।
- (2) पाहुड़ी डिजाइन।
- (3) शहरी परम्परागत सम्पत्ति का संरक्षण।
- (4) सामुदायिक जीवन।
- (5) स्वास्थ्य, सुरक्षा और सुविधा हेतु शर्तें।

## प्राकृतिक विशेषताएँ :

प्राकृतिक परिस्थितिक-प्रणाली को अनाएँ रखने के लिए बहुत मुख्य प्राकृतिक विशेषताओं के संरक्षण का अत्यन्त महत्व है। दिल्ली की दो मुख्य प्राकृतिक विशेषताएँ रिज और यमना नहीं हैं। दिल्ली की रिज को अवाकनी पर्वत-अंगूष्ठाओं की शैल-दृश्यांश के स्वप्न में परिभाषित किया गया है जो उत्तर में विश्वविद्यालय से दक्षिण में भेंच राज्य-क्षेत्र और उसमें बाहर तक फैली हुई है। केन्द्रीय रिज क्षेत्र जो कि नई विल्लों का निस्सा है, को योजना नहीं दिल्ली राजधानी के विकास के समय इसके समाविलित भाग के रूप में पड़वई नुटियन द्वारा तैयार की गई थी। कीकर और बबूल जैसे देशी प्रकार के देशी लगाकर इस क्षेत्र को इसके प्रार्थन गोरक्षपूर्ण रूप में छोड़ दिया गया है।

इस योजना 1962 में महरोंगी के निकट दक्षिणी केन्द्रीय रिज के और फैलाव का निर्धारण करती है। हालांकि दिल्ली में रिज के

हिस्से सुन हो चुके हैं। अब उपलब्ध कुल रिज क्षेत्र लगभग 2,777 हेक्ट. है, जिसे निम्न रूप में विभागित किया गया है :

उत्तरी रिज	87 हेक्ट०
खेल-कूद रिज	864 हेक्ट०
दक्षिणी केन्द्रीय रिज (महाराष्ट्र)	626 हेक्ट०
दक्षिणी रिज	6200 हेक्ट०

इस प्रकार यसाई गई रिज का अन्यत्तम मावधान से संरक्षण किया जाना चाहिए और उसमें लग्नातम गुप्तिम भू-दृश्य करके देशी प्रकार के वृक्ष भगाएं जाने चाहिए।

इस समय यमना भृत्य में जाय प्रदूषण का स्तर बहुत ऊंचा है जो कि मुख्य औद्योगिक शेत्रों के अण्डेशित सीधर और फूड-करकट से होता है। नदि की माफ रखने के लिए जल प्रदूषण अधिनियम को सज्जे में लागू करने का आवश्यकता है। नदि की यथा प्रस्तावित अन-मार्ग ध्वनस्था से नदि-धर्य का सुधार करने में और अधिक मदद मिलेगी।

#### वायुप्रद स्थान :

इस समय दिल्ली, शहरी क्षेत्र-४ में शहरी स्तर पर दिल्ली में 4,335 हेक्ट. भैत्र में विभिन्न पार्क हैं और लगभग 1,677 हेक्ट. भैत्र विकास के लिए उपलब्ध है। शहर में इन्हिस के विभिन्न कालों मुगलकाल के रोशनारा और कुदसिया बाग, ब्रिटिशकाल का लाल कटोरा गाउंत और स्वासन्नपोत्तर काल का बुद्ध जग्नने पार्क के 20 मूँह जिसे पार्क हैं। शहरी स्तर पर 7 वर्ग मी. प्रति व्यक्ति की दर से 6,012 हेक्ट. का जिला पर्यावरणीय पार्क-भैत्र आनंदित है।

योजना के कार्यान्वयन के दौरान मनोरंजनात्मक शेत्र का लगभग 34% अन्य उपयोगों में लगाया गया है।

जिस जिला पार्कों का विकास किया जा चुका है वे अन्यत्तम सोकप्रिय हैं और अनका ध्यापक रूप से विशेषकर अवकाश दिनों में उपयोग किया जा रहा है। दिल्ली, शहरी क्षेत्र-४ उपलब्ध जिला पार्क के 1,677 हेक्ट. भैत्र का विकास प्राथमिकता के आवार पर किया जाना चाहिए। खेल-कूद के शेत्रों को नीति के अनुसार इस भैत्र के भाग की खेल-कूद के क्रियाकलालों के लिए विकसित किया जाने की आवश्यकता है।

दिल्ली शहरी क्षेत्र-४ के र्वतर मनोरंजन के लिए निम्नलिखित विशेष क्रियाकलाप भैत्र के विकास का प्रत्याय है।

(क) प्रत्येक 4 हेक्ट. वाले अनिवार्य विशेष वाले पार्क (शैक्षिक रेट बाल पार्क की प्रकार बाले)	7
(ख) प्रत्येक 5 हेक्ट. वाले वाले यातायान प्रणिक्षण पार्क	8
(ग) पिकनिक हट	5

जिला पार्क शेत्रों के लगभग 30% को वन भूमियों के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। स्थानीय स्थितियों के अनुकूल वृक्षों के प्राप्तिक प्रकार अनुबंध 1क में दिए गए हैं।

नवी विकास कालों में 15,000 को जनसंख्या के लिए कम से कम 1.5 हेक्ट. के प्रतिवेदी पार्क में फूल वाले पौधे और साड़ियों लगाई जानी चाहिए ताकि वर्ष भर रोनां आनन्दवालक वातावरण बनाई रहे।

शहरी एप्सटेशन में जयन्त्र भूमध्य हो मुख्य वायुप्रद स्थानों के रूप में कार्य करने और अधिकारी ल परियों वो आकर्षित करने तथा सूखम जलवाय में सुधार करने के लिए जनसंकारियों (झांसों) का विकास किया जाए। डिजिटलैंड के पैटर्न पर तुगलकाबाद/लालों गराय के निकट एक विशेष मनोरंजनात्मक भैत्र का विकास किया जाना चाहिए। शहरी

एप्सटेशन में 8 वर्ग मी. प्रति व्यक्ति की दर से जिला-पार्क होने विशेष पार्क भैत्र सम्मिलित होने जैसा कि नीचे दिया गया है :

विशेष वाल पार्क	4
( १ हेक्ट० बाले )	4
( ३ हेक्ट० वाले )	4

#### खेल-कूद जिलाकल्प :

व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेल-कूद बहुत महत्वपूर्ण है। योजना में रामस्त आयु-शरीरों के लिए खेल और खेल-कूद के शेत्रों के विकास पर उचित और दिया जाना है। एग्जाइ के दौरान निमित अवधा नवें हृत खेल-कूद ईडिडम राज्य और अन्नार्जित खेल-कूदों को आवश्यकताओं के पूर्ति करें। हृतके अनिवार्य विभिन्न स्तरों पर खेल कूदों के लिए शेत्रों का विकास निम्न रूप भैत्र होता :

#### दिवंजनक स्थेल-कूद केंद्र :

जनसंख्या का आकार 10-12 लाख

भैत्र 20 हेक्ट०

जिला खेल-कूद केंद्र जनसंख्या का आकार भैत्र 1 से 1.5 लाख

4 हेक्ट०

निकटवर्ती खेल-कूद भैत्र सजनसंख्या का 15,000

आकार भैत्र 1.5 हेक्ट०

आवासीय इकाई खेल-कूद भैत्र :

जनसंख्या 5,000

भैत्र नम्बर

#### पुनःवृक्षारोपण :

दिल्ली के पार्कों में अधिकांश वृक्ष पैसे हैं जो प्रार्पणी पूरी जीवन-धर्वधि पूर्ण कर रहे हैं। यह विशेष रूप से नई दिल्ली के पार्कों, मड़कों और बंगालों वाले वृक्षारोपण के विषय में मध्य है। वे वृक्ष कभी 1910 में सायाए गए थे और ये जीवन अवधि (70 वर्ष) के अंतिम चरण में हैं। पर्यावरण को बनाए रखने के लिए इन शेत्रों में यक्षीय प्रक्रम के रूप में इन वृक्षों को प्रतिस्थापित करने के लिए पुनःवृक्षारोपण किया जाना चाहिए।

#### शहरी डिजाइन :

शहरी ईमारों और गलियों, संचार और अप्योगिताओं की प्रणाली, कार्य, परिवहन, प्रवकाश के स्थानों और अन्य स्थानों का एक समुच्चय है। इन तस्वीरों का कार्यान्वयन रूप से भीर मुद्रण रूप की दोनों दृष्टियों से प्रक्रम का अवधे करना शहरी डिजाइन का सार है। 17वीं शताब्दी के शाहजहांवाल और लूटियन की नई दिल्ली के निर्माण शहरी रूप के अतिरिक्त विल्ली महानगर समय के माध्यमात्र लोगों का यठन-हैन समूह बनता जा रहा है और अमरत्य होता जा रहा है।

धार दीवारी के शहर शाहजहांवाल में कछ शहरी प्रकार के विशेषताएं हैं। जामा मस्जिद एक प्रभावित करने वाली ईमारत है जो पहाड़ी के चोटी पर स्थित है और शहर के अन्य ईमारों से रूप और पैमाने दोनों की दृष्टि से मिल है। चोटीने और परिवेशी के योजना इन प्रकार बनाई गई थी कि एक और तो वह व्यावसायिक केंद्र के रूप में कार्य करे और दूसरे और लाल जिला और फेहड़पुर मस्जिद की महत्वपूर्ण ईमारों से दोनों और अंतिम स्थानों पर एक विशेष दृश्य प्रस्तुत करे। मूटियन की नई दिल्ली के मामले में केंद्रीय परिवेशी के योजना के रिज और यमुना नदी के बीच अविभिन्नता बनाए रखने के लिए भू-वृत्तांकित विस्तार के रूप में कल्पना की गई थी। इस विस्तार के माध्यमात्र राष्ट्रपति भवन और हॉटिया बेट के नोडल पाइटों में आर्थर्यजनक व्यापार गुणवत्ता और और संसार के

महरी डिजाइनों में सबसे उत्कृष्ट उदाहरणों में से एक है। यथापि यह नई दिल्ली को राम लंगाम मैदान और सीमा से भौतिक रूप से पुराने शहर से अलग किया गया था तब यह चामुच रूप से संस्कृत भवन, कनाट प्लेम और जामा मस्जिद की इसी शुरियों से जुड़ी हुई थी।

बात में किए गए विकासकारों में न तो शहरी स्पष्ट पर और न ही दृश्य संबंधी विशेषताओं पर उचित ध्यान दिया गया। मुख्य योजना के ढांचे में नवे विकासकार्य विभिन्न उपयोगों के लिये भूमि के विभाजन के प्राधार पर अधिक प्राधारित हैं और इनमें स्थानिक गुणों का अभाव है। सभी सड़कों वाले यह शहरी स्तर की ही अवधारणा स्थानीय स्तर की हो वे मात्र सूखों का विभाजन करते हैं और वे स्थान के समर्थन की प्रविच्छिन्नता को प्राप्त करने में असमर्थ हैं। वर्तमान शहरी रूप जीवनिंग और उपचिकित्त विधियों का परिणाम है। इस बात को पुण्डि में कनाट प्लेस एक्सटेंशन एक उदाहरण है जहां शहरी डिजाइन के ढांचे के प्रभाव में अवांछनीय परिवर्तन हो गए हैं। तक संगत रूप से ढांचे में वे परिवर्तन समय को प्रवृत्ति और चिल्प वैज्ञानिक विकास के अनुकूल हैं। तथापि मई ईमारतें और स्थान के ढांचे पुराने ढांचों से विलुप्त प्रतिकूल हैं और इसका परिणाम अस्त-स्वस्त और नगण्य रूप रेखा से है।

उम्मीदियों के लिए विकेपूर्ण आवार तक पहुंचने के लिए जो ढांचे को प्रभावित करती है तिन्ह का अध्ययन किया गया:

- (1) प्राकृतिक और निर्मित पर्यावरण महत्व के क्षेत्र
- (2) शहर का दृश्य-समाकलन
- (3) शहरी परम्परागत सम्पत्ति का संरक्षण एवं परिरक्षण और
- (4) ऊंची ईमारतों और बड़े पैमाने की शहरी परियोजनाएँ—  
रिहायशी, व्यावसायिक औद्योगिक आवि के लिए नीति।

प्राकृतिक और निर्मित पर्यावरण के महत्वपूर्ण क्षेत्र।

प्राकृतिक पर्यावरण की महत्वपूर्ण विशेषताएँ हैं:

- (क) यमुना नदी
- (ख) रिंग

निर्मित पर्यावरण के लिए इन छेत्रों का निर्धारण किया गया है जो इस प्रकार है:

- (क) शाहजहांबाद—चार दीवारी का शहर
- (ख) लुटियन की नई रिली।
- (ग) प्राचीन बस्तियाँ
- (घ) ऐतिहासिक स्मारक और उद्यान
- (च) प्रशंसनी-स्थल, चिह्नित आवि जैसे अभिकल्पित पर्यावरण
- (छ) शिलों में प्रवेश मार्गों और अन्य महत्वपूर्ण मार्गों के साथ यात्रे क्षेत्र
- (१) गणतंत्र दिवस परेड मार्ग
- (२) दिल्ली हवाई अड्डे से राष्ट्रपति भवन तक और वहां से राजधानी तक बी.आई.पी. मार्ग
- (३) सड़क प्रवेश मार्ग
- (४) रेल प्रवेश मार्ग
- (५) हवाई दृश्य

दृश्य—समाकलन

सीधरे की दृष्टि से विल्सों में बहुजातीय उत्पादन सहित रूप रंग, आकार और गठन की व्यापक विविधता विद्यमान है। दृश्य-समाकलन की व्यवस्था सम्प्रबतः उन दृश्यों का निर्धारण करके की जा सकती है जो शहर को भौतिक रूप से समाकलित करते हैं। रिंग रोड और रिंग रेल जन-आवागमन के दो महत्वपूर्ण कारोड़ों हैं जिनका उत्पादन सभी नियोजन डिविजनों द्वारा किया जाता है।

इन दो आवागमन के कारीबीरों में दृश्य-गुणवत्ता और समाकलन के अतिरिक्त आवाम को अंजित करने की भांति है। रिंग रोड और रिंग रेलवे के अध्ययन और प्रस्तावों को सङ्केताभिवितों भूदृश्यकल गली-व्यवस्था चुने हुए स्थानों पर शहरी फार्मों के निर्धारण और अनुनर्व ईमारतों को हटाने के लिए सूचबद्ध किया जा सकता है। विभिन्न अवसरों पर नियोजित शहर के विभिन्न भागों के समाकलन के दो अन्य महत्वपूर्ण तर्फ हैं:—

### (1) बनस्पति अर्थात् वृक्षारोपण—

'नई दिल्ली' की विशेषता को महानगर के अन्य भागों में जारी रखना और बुले स्थान को जीक्षा (2) मुख्य परिस्थितिक विशेषताओं अर्थात् रिंग और यमुना नदी और गहर में टेके में बहने वाले वर्षाती नालों की सामंजस्यपूर्ण व्यवस्था।

शहरी परम्परागत सम्पत्ति का संरक्षण 1916 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किए गए सर्वेक्षण में 1321 ऐतिहासिक स्मारक स्थल और ईमारतें बताई गई थीं। इनमें से केवल 81 स्मारकों को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण अधिनियम के अन्तर्गत संरक्षित स्मारकों के रूप में घोषित किया गया था। इनका अध्ययन किया जा चुका है और इन्हें प्लान में भी इंगित किया गया है ताकि लै-आउट प्लान बनाते समय उचित समाप्तेन बेतु इन्हें नियोजित किया जा सके।

मुख्य स्मारकों के भागों में भी उनके चारों ओर ईमारत बनाने पर कोई नियंत्रण नहीं है यह आवश्यक है कि स्मारकों के चारों ओर के कुछ मेरें में ऊचाई जानी के संबंध में ईमारों पर नियंत्रण रखा जाना चाहिए और स्मारक के विस्तार का ध्यान भी रखा जाना चाहिए।

चार दीवारी के शहरी रंग का संरक्षण।

चार दीवारी के शहरों में आकृतियों और डिजाइन तत्वों की व्यापक श्रृंखला है जिनका संरक्षण किए जाने की आवश्यकता है। शाहजहांबाद में लाल किला जामा मस्जिद शहर की दीवार और प्रवेश द्वार, चांदनी चौक का परिदृश्य, आर्म-दृश्य मोहल्ले और कट्टरे जैसी महत्वपूर्ण ऐतिहासिक ईमारतें हैं। ये सभी तत्व जीवन शैली के दृश्यों हैं जो विल्सों के किसी अन्य भाग में नहीं मिलते।

चूंकि चार दीवारी के शहर में बहुत बड़ी संख्या में ईमारों टॉटी-स्टॉटी अवस्था में हैं अतः महत्वपूर्ण स्मारकों और आस्त-शिल्पीय शैली रूप रेखा और मार्ग-दृश्य का संरक्षण करते हुए चार दीवारी के शहर की ईमारों का पुनर्निर्माण/नवीकरण संवेदनशीलता पूर्वक किया जाना चाहिए। विभिन्न स्थानों पर शाहजहांबाद की शहरी दीवार नष्ट हो रही है और कभी दीवारों तथा द्वारों की मरम्मत और संरक्षण और दीवार तथा द्वारों की मरम्मत और संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए। आटोमोबाइलों के पुनः स्थापित करके चांदनी चौक के बाजार को पुनः सजाया जा सकता है। चार दीवारी के शहर की सड़कों और गलियों का पेटर्न इसकी शहरी विशेषता का मेरुदण्ड है। यदि समय परिमेय में संरक्षण सफल हो जाए तो वर्तमान रूप में शहर के ढांचे को बनाए रखना अनिवार्य होगा और परम्परागत रिहायशी व्यवस्था के संरक्षण में शहरी और मार्ग-दृश्य की विशेषताओं का ध्यान रखना होगा। चार दीवारी के शहर के भीतर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा बताए गए स्मारकों, स्थलों और प्राचीन धार्मिक ईमारतों का जीणोंद्वारा संरक्षण किया जाना चाहिए और उन्हें नष्ट होने वेने की अनुमति महीनी वी जानी चाहिए।

ऊंची ईमारों के लिए नीति

ऊंची ईमारों के संबंध में बहुमात्र नीति विभिन्न उपयोग जौनी में ईमारों की ऊंचाई के प्रतिबंध पर आधारित है जो शहरी फार्म

पर विचारण-विमर्श करने के लिए उत्तरवायी रही है। जिसे केन्द्रों के अतिरिक्त दिल्ली शहरी थोल 31 अत्यधिक विकसित है और उत्तरमें थोड़ा सा धैर्य बाका हुआ है। फिर भी वीं सहायतापूर्ण क्षेत्रों अवधि वार दीवारी के शहरों और इसके एक्सटेंशन तथा राजपथ के विशिष्ट, लुटियन की नई दिल्ली के थोल में ऊंची ईमारतों पर प्रतिक्रिया लगाने अवधिक हाहिए। शहरी डिजाइन योजना के बिना रिहायशी और सांस्थानिक क्षेत्रों में किसी नई ऊंची ईमारत को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। शहरी एक्सटेंशन के मामले में ऊंची ईमारतों और विशिष्ट शहरी डिजाइन परियोजनाओं के लिए थोलों का निर्धारण किया जाएगा। विकास संहिता विभिन्न उपयोग जानों में ईमारतों की अधिकतम ऊंचाई को निर्दिष्ट करती है।

#### सामुदायिक जीवन

**मूलतः** शहर वस्तुओं, सेवाओं और विचारों के विनियम का स्थान है। शहरों में अनायास होने की प्रवृत्ति भी मिलती है। रिहायशी क्षेत्रों की सुविचारित भौतिक डिजाइन सामुदायिक जीवन का सर्जन करने में सक्षम ही सकती है। इसी तरह से व्यावसायिक क्षेत्रों, सांस्कृतिक केन्द्रों और उनकी रिहायशी क्षेत्रों में समाकलित करने के लिए डिजाइनों में लोगों को मिलते के लिए अधिकाधिक अवसरों का सर्जन किया जा सकता है। मनोरंजनात्मक क्षेत्रों के लिए लोगों के एक्सित होने और अलगाव के आनन्द प्राप्त करने के दोनों स्थानों की आवश्यकता है। वेर राशि तक भाहर में सक्रियता रखने के लिए कुछ व्यावसायिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों को देर रात्रि तक खुला रखा जाना चाहिए।

#### मामाजिक और सांस्कृतिक नंस्थान :

मामाजिक और सांस्कृतिक सांस्थानिक क्षेत्र शहर के स्पन्दन केन्द्र हैं। दिल्ली के मध्य भाग में मंडी द्वारा दो और सुविकासित सामाजिक और सांस्कृतिक संस्थान हैं और कुछ सामाजिक सांस्कृतिक संस्थान केन्द्रीय परिदृश्य के साथ-साथ बन गए हैं। राष्ट्रीय महाल के संस्थानों के लिए योजना में जनपथ से प्रारम्भ होकर और राष्ट्रीय स्टेटियम तथा पुराने किले के अंत तक और अधिक क्षेत्र का निर्धारण किया गया था। इस क्षेत्र को इस भाग पर बल देते हुए रोके रखा गया कि शास्त्रीय के बदलने तक यदि क्षेत्र के किसी भाग का उपयोग न भी किया जाए तो भी इस क्षेत्र को इस कियाकलाप के लिए आवश्यक रहने दिया जाना चाहिए। नगर काम्पलेक्स जिसका निर्धारण दिल्ली नगर नियम के कार्यालय के लिए भारा सुन्दरी क्षेत्र के निकट किया गया था, उसमें भी सामाजिक और सांस्कृतिक संस्थानों के लिए भी स्थान होगा। दिल्ली शहरी थोल 31 में पूर्व निर्धारित क्षेत्रों के अतिरिक्त सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थानों के लिए लगभग 64 हेक्ट. भूमि निर्धारित की गई है।

बड़े हुए और अंतर सहित फैलते हुए शहर के लिए शहरी एक्सटेंशन में लगभग 80 हेक्टर वाले एक और महानगर केन्द्र की आवश्यकता होगी। इस केन्द्र में सामाजिक और सांस्कृतिक संस्थानों अवधि, विदेशी, संग्रहालयों, पुस्तकालयों, प्रदर्शनियों आदि का एक और प्रावृत्ती स्तर का काम्पलेक्स होगा।

शहरी एक्सटेंशन में प्रति एक मिलियन जनसंख्या के लिए जिला स्तर के त्रुट्य एवं नाट्य स्कूलों, कलाओं, विदेशी, व्यावसायिक तथा प्रदर्शनियों, दीर्घालियों और अन्य प्राज्ञार के संस्थानों को जगह देने के लिए लगभग 15 हेक्टर का नामाजिक-सांस्कृतिक केन्द्र होना चाहिए। रिहायशी क्षेत्रों में लगु ममुरांगों को सामाजिक और सांस्कृतिक आवश्यकताओं के लिए बहुद्देशीय सामुदायिक हालों का निर्माण किया जाना चाहिए।

#### सुरक्षा एवं रुक्षिया

जल प्रदूषण : दिल्ली में यमुना नदी के विस्तार में ऊंचे स्तर का जल-प्रदूषण है। अध्ययन के आधार पर केन्द्रीय जल प्रदूषण नियन्त्रण एवं नियारण बोर्ड ने निम्नलिखित सिफारिश की हैः—

(1) उच्चमात्र सोबेज प्रणाली द्वारा पर्याप्त प्रदूषण जल का जोखन करने के लकड़गढ़, बड़पुला, तुगलकाबाद यमुनाशाहर वि. न. नि., सेन नसिंग होम, यहारानी बाग और कालकाली के नालों में सूखित जल के बहाव का विद्या-परिवर्तन करना ताकि केन्द्रीय जल प्रदूषण नियन्त्रण एवं निकारण बोर्ड द्वारा निर्धारित किए गए भल नियारण मानकों के अनुसूचि नालों का भलनियाप हो जाए। “ईप शॉपिट ऐरेशन प्रोटोकॉल” द्वारा नाले के मुहाने पर दूषित जल का जोखन भरने के प्रयास किए जाने चाहिए।

जब तक उपर्युक्त प्रदूषण नियन्त्रण-वैद्यनार्थ स्थापित नहीं हो जाती तब तक कम से कम 5 नालों अवधि लकड़गढ़, बड़पुला, यमुना-पार वि. न. नि., सेन नसिंग होम और यहारानी बाग का क्लोनिंग करण प्रारम्भ किया जा सकता है।

(2) सीबरेज प्रणाली का विस्तार और सीबरेज की व्यवस्था रहित क्षेत्रों में वैकल्पिक रूप से कम नागर की सफाई-व्यवस्था।

(3) 1977 में केन्द्रीय जल प्रदूषण, नियन्त्रण और नियारण बोर्ड द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार 82 जल प्रदूषण करने वाले उद्योग हैं जो प्रतिविवर 2.5 किलो स्टिलर या उत्तरे अधिक भलनियासार उत्पन्न करते हैं। प्रदूषण-कारकों के सीबरेज प्रणाली में जाए से पूर्व इनका शोधन करने के लिए इन उद्योगों को सामूहिक रूप से अध्या पृथक रूप से जैसा भी अवश्यक हो का प्रबन्ध करता अनिवार्य किया जाना चाहिए।

**बायु प्रदूषण** :—हाल ही के अनुमान के अनुसार लगभग 55,000 औद्योगिक इकाईयां और विभिन्न प्रकार के 8, 4 लाख बाहर और तीन वर्षन पावर स्टेशन ऐसे हैं जो संयुक्त रूप से दिल्ली के बानावरण को प्रदूषित करते हैं।

केन्द्रीय जल प्रदूषण, नियन्त्रण एवं नियारण बोर्ड द्वारा किए गए अध्ययन के आधार पर निम्नलिखित छह क्षेत्रों को बायु (प्रदूषण-नियारण एवं नियन्त्रण) अधिकारियम, 1981 के अन्तर्गत ‘प्रदूषण नियन्त्रण क्षेत्रों’ के रूप में घोषित किया गया है।

1. लकड़गढ़ रोड	2. लारेंस रोड	3. बड़ी-तुपर
4. कांति नगर	5. डो-पाल-पाल-प्रोजेक्ट	6. भोती नगर।

केन्द्रीय जल प्रदूषण, नियन्त्रण एवं नियारण बोर्ड के अध्ययन के आधार पर यह सिफारिश की जाती है कि समस्त ऐसोल बाहरों के कानून मोनो-आमसाहार और हाईड्रो-कार्बन के तरों की जमस: 3 और 100 पी.पी. एम से कम जाने के लिए वर्सों और अन्य भारी बाहरों के धूए के घनत्व को कम करके मार्तिय प्रदूषण-नियन्त्रण करने को प्राप्तिकरता दी जानी चाहिए।

‘भी’ और बद्रपुर धर्मन पावर स्टेशनों को स्थिर विभूत भवक्षेपकों से प्रदूषण नियन्त्रण काष्ठानों में उपयुक्त बनाया जाना चाहिए।

**शोर प्रदूषण** :—सामान्यतः यह कहा जा सकता है कि दिल्ली में यातायात और औद्योगिक कियाकलापों के बहुमे के साथ-साथ शोर के स्तर में वृद्धि हो रही है। शोर का अध्य कारण नाउड-स्पैकरों का अंदाधुंष्ट प्रयोग है। शोर की समस्याओं को रोकने के लिए सुमारा गए कुछ नियोजन नियंत्रण हैं :

(1) शोर उत्पन्न करने वाले उद्योगों और मोटर-कार्बंशालाओं (अनधिकृत) को रिहायशी क्षेत्रों में तुरन्त नियन्त्रित किया जाना चाहिए।

(2) मुच्च बड़वांगों के साथ बाले तरे विकास-कार्पों के मामले में हुक्म बदल होनी चाहिए और इन क्षेत्रों का उपयोग व्यावसायिक कियाकलाप के विकास के लिए भी किया जा सकता है।

(3) प्रस्तावन :—मुच्च सहकों से लगभग 30 मी. के गहन गतिरोध के बाहर होने चाहिए। **पुर्वटनार्थ** :—1981 में दिल्ली की सहकों पर 4854 बुर्डेटनार्थ हुई जिनमें से 1072 बुर्डेटनार्थ गतक थीं। 61% गतक

दुर्घटनाओं के परिक्रिया पैदल यात्री और साईकिल यात्री थे। यातायात की दुर्घटनाओं को कम करने के लिए निम्नलिखित योजना और अन्य उपायों का मुकाबला विधा गया है:

(1) शहर में ट्रक-संचालन को हटोत्तराहित करना; (2) पृथक साईकिल सार्ग और पैदल यात्री-आवागमन; (3) सड़क-ज्यामिति में सुधार और सड़कों पर विशेषकर दौरानों पर पर्याप्त रोणी; और (4) यह एवं प्रबंध द्वारा सड़क-प्रनुशासन।

मुगमना:

पैदल अधिकार्य यातायात के उपलब्ध साधनों से योग्यता समय में पूर्ण कर शहरी क्रियाकलापों में भाग लेना शहरी वातावरण की सुविधा है।

निष्पत्ति किए गए मानक है:

	प्रधिकरण	भ्रमनानि
	दूरी	समय
	(कि.मी.)	(मिनट)
शिशु गृह संरक्षण स्कूल (निकटतम)	0.30	5
प्राइमरी स्कूल (निकटतम)	0.80	10
	(0.50)	
हायर सेकेन्डरी स्कूल (निकटतम)	1.50	20
	(1.00)॥	
ट्रैट सॉट	0.30	5
	(0.20)	
पार्क	0.80	10
	(0.50)	
प्रतिवेशी पार्क और खेल-कूट घोड़ा	1.60	20
	(1.00)	
	0.80	10
बस स्टाप	(0.50)	

नियोजन के उद्देश्य से डिजाइन हेतु सीधी दूरी वही होगी जैसी कि कोष्ठकों में दी गयी है।

ऊर्जा:

महानगरीय जहरों में परिवहन संबंधी विशेष आवश्यकताओं और तुलनात्मक रूप से परिष्कृत भार्यिक क्रियाकलापों और जीवनन्स्तर से संबंधित प्रधिक जहरों का उपयोग भी होने के कारण छांटे और मध्यम आकार वाले व्यवस्थापनों और ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में ऊर्जा का भ्रष्टिक उपयोग होता है। विकासशाली देशों में ऊर्जा-व्यवस्था के साथ-साथ ऊर्जा के संरक्षण के स्तर को ऊपर उठाने के बोहरे उद्देश्य के लिए अनिवार्य रूप से ऊर्जा के कार्य-कुलतापूर्वक उपयोग और नवीकरण स्रोतों के उपयोग की आवश्यकता होती है।

परिवहन

जहरों में ऊर्जा-व्यवस्था का एक मुख्य कारण परिवहन है। यह अस्त्वत प्राप्तव्येयनक है कि दिल्ली में प्रतिदिन दिल्ली परिवहन निगम की बसों की प्रावागमन की दूरी पृथ्वी से चंद्रमा तक की दूरी के बेत हुए के बराबर योजना में यानीय विधियों द्वारा कार्य एवं एवं विश्वा के फेरों को बढ़ाने के लिए सफल भूमि उपयोग परिवहन सम्बन्ध बनाने हेतु इस मामले में अध्य रखे गए हैं ताकि डिविजनों के भीतर परिशोधन नीति का कार्यान्वयन किया जा सके। प्रस्तावित भूमि उपयोग परिवहन प्रणाली डिविजनों के भीतर लगभग 70 प्रतिशत फेरों का परिशोधन किया जाएगा।

भूमि उपयोग यात्रा: अध्ययन से माझम हुआ है कि दिल्ली में जिल्ली 1962 में प्रस्तावित बनल के लगभग हुमने शहरी क्षेत्रों का विकास करना संभव है। 1962 में प्रस्तावित भूमि उपयोग यात्रा के मानकों पर 122 लाख प्रतीक्रिया जनसंख्या को नगमन 1.2 लाख ट्रैक्ट, में बढ़ाया जाएगा। जो कि मध्य राज्य क्षेत्र, दिल्ली के क्षेत्र का 90 प्रतिशत है। प्रध्ययन के

प्रधार पर 122 लाख प्रतीक्रिया को लगभग 0.7 लाख हैटे, में बढ़ाया जाना प्रस्तावित है। इस तरीके से परिवहन में ऊर्जा के उपयोग में लगभग 20 प्रतिशत की कमी होगी। जनसंख्याएँ में व्यक्तिगत द्वात परिवहन साधनों में उपयोग की गई प्रति किलोमीटर प्रति व्यक्ति ऊर्जा का लगभग 10 प्रतिशत उपयोग होता है। योजना में यिए गए प्रावधानों के कार्यान्वयन के बाद 2001 तक ऊर्जा की अनुबर्ती व्यवस्था करने के लिए वैयक्तिक द्वात साधनों के फेरों के 4.7 प्रतिशत को जन-परिवहन में व्यवस्था आएगा। साईकिल का तरीका अव्यधिक ऊर्जा संरक्षक है अतः पृथक साईकिल मार्गों से शहर में साईकिलों के आवागमन में सुविधा होगी।

भवन-विनियोग: सूर्य के संपर्क में भवनों को उचित रूप से अनुकूल बनाकर ऊर्जा का संरक्षण करना संभव है जिसे भवनों की डिजाइनों और ले-प्राइटों के लिए मार्ग नियंत्रण के रूप में स्वोकार किया जा सकेगा। इसके साथ ही अधिकार्य शहरी क्रियाकलापों को कम ऊंचाई (4 मंजिलों तक) में रिहर्ट किया जाना चाहिए।

नवोत्पाद एवं अनुसंधान: अव्ययन और अनुसंधान के आधार पर योजना आयोग ने ग्रामीण क्षेत्र के लिए पर्वन-चक्की वायो-ट्रैस संयंत्रों के प्रयोग की और ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए सौर जल ताप प्रणाली और मिट्टी के सेल वाले उक्त और गैस उपकरण चूल्हों के प्रयोग की सिफारिश की है। हाल के वर्षों में कई संगठन ऊर्जा का संरक्षण करने के लिए नवोत्पाद का कार्य कर रहे हैं। जिससे शहरी क्षेत्र में एक से अधिक सेक्टर के प्रभावित होने की संभावना है। योजना कार्यान्वयन अवधि के दौरान इसको मार्गीटर करना अस्त्वत अभिवार्य होगा।

विशेष क्षेत्र

विकास के उद्देश्य से चार दीवारी के शहर और इसके एक्सटेंशन तथा करोल बाग और 2800 हेक्टर, के बोच वाले क्षेत्र को विशेष क्षेत्र के रूप में निर्विस्त किया गया है। इस क्षेत्र को सामान्य विनियमों के आधारों पर विकसित नहीं किया जा सकता है। इस क्षेत्र के लिए विशेष विनियम बनाए गए हैं और उन्हें विकास संहिता में सम्मिलित किया गया है। चार दीवारी के शहर के मामले में इसका उद्देश्य इस क्षेत्र में और अधिक व्यवसायीकरण और औद्योगीकरण को विनियोगित करने के लिए क्षेत्र को हानिकारक और जलसंरक्षक उद्योगों व व्यापारों को हटाना और इसके अतीत के गोरब को पुर्जीकृत करना है।

चार दीवारी के शहर के अतिरिक्त करोल बाग ने भी पिछले कुछ वर्षों में निजी विशिष्टता अर्जित की है। वस्तुतः व्यावसायिक क्रियाकलाप जो चाहीदी और के दोनों और लाजपत राय मार्किट से प्रारंभ होते हैं वे करोल बाग में रोड के रूप में चरमोत्तम पर हैं। शहरी स्तर के फुटकर व्यावसायिक केन्द्र के रूप में करोल बाग का महत्व पर्याप्त रूप में स्वृप्त अनुब्रव होता है। व्यापक रूप से फैले हुए इस व्यावसायिक क्रियाकलाप का केन्द्र अजगत जो रोड मार्ग वाजार है। उन्नित विकास संश्लिष्ट हो गया है हालांकि खरीदारी की सुविधाओं की लोकप्रियता हमेशा बढ़ती रही है जिसे मेरा बनाए रखता है। इस विषयाने क्षेत्र को मुख्य समस्या इसकी भूमि की तुलना में अपर्याप्त पाकिंग सुविधाएँ हैं।

यह सुधार दिया जाता है कि अजगल जो रोड के जंडाजन से टैक्सी रोड तक इसके संधि-स्थल तक देश बंधु गुप्ता रोड के दोनों ओरां खरोवारी के पैदल-चौक में परिवर्तित कर दिया जाए। रामबाज रोड, देशबंधु गुप्ता रोड, सुखदारा रोड तथा टैक्सी रोड के इंदौरीगढ़ व सरत्खी मार्ग और जावै समाज रोड पर यातायात पर प्रतिबंध रखेगा। आर्य समाज रोड सहित अजगल जो रोड के मोड़ पर निरंतररसा के लिए दोनों ओर विवर सहित सड़क के नीचे अधिक उपर से पैदल-आवागमन ब्रेंजी में विभक्त होगा। पैदल चौक के नीचे अजगल जो रोड पर पाकिंग होता है।

विशिष्ट उपयोग जोनों के रूप में अकिंग जीव को विकास संहिता में दिए गए विनियमों के अनुसार विकसित किया जा सकेगा। प्लान में इंगित किए गए विशेष क्षेत्र के अधिक भाग के मामले में उनकरण के रूप में

संरक्षी काट-छोट सहित शहरी सर्वोक्तरण की योजनाएँ गोप्त्र ही आरम्भ को जानी चाहिए।

#### ग्रामीण क्षेत्र

दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्र का भव्य भूत्युगर के इर्व-गिर्व रसे श्रोते के कारण विशेष महत्व है। संघ राज्य-क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों के परिवारों का समीप-दर्शी दर्जनों के ग्रामीण क्षेत्रों के परिवारों को तुलना में शिक्षा और आय का स्तर अधिक ऊंचा है। यह क्षेत्र प्रवासियों को भी आकर्षित कर रहा है। ग्रामीण विल्ली के 20% परिवार मुकुरः सुरियोग और उ. प्र. के प्रवासी परिवार हैं। इस क्षेत्र में योग्यता रूप से उच्च स्तर को आधारिक संरचना और शहर के साथ अच्छे सड़क-संयोजनों की व्यवस्था किए जाने की आवश्यकता है।

विकास केन्द्र: जनसंख्या संयोजनों और विकास-वर के आधार पर मुख्य स्वास्थ्य सुविधाओं और मार्किटों की स्थापना के लिए पांच गांव निर्दिष्ट किए गए हैं। सभु स्तर की स्वास्थ्य सुविधाओं, स्कूलों और ग्रामीण उद्योग की स्थापना की कामियों को पूरा करने के लिए यह अग्र ग्रामीण व्यवस्थापन निर्दिष्ट किए गए हैं, जिनके अप्रैर निम्नवत् हैं:

बजेतावरपुर: अस्पताल, स्वास्थ्य केन्द्र, औषधालय, पशु-चिकित्सालय, ग्रामीण औद्योगिक क्षेत्र और व्यावसायिक केन्द्र।

बवाना: स्वास्थ्य केन्द्र, ग्रामीण औद्योगिक क्षेत्र और व्यावसायिक केन्द्र।

मझौदा कला: अस्पताल औषधालय, पशु-चिकित्सालय, ग्रामीण औद्योगिक क्षेत्र और व्यावसायिक केन्द्र।

ठांसा: औषधालय, ग्रामीण औद्योगिक क्षेत्र और व्यावसायिक केन्द्र।

ठांबला: अस्पताल, पशु-चिकित्सालय, ग्रामीण औद्योगिक क्षेत्र और व्यावसायिक केन्द्र।

जगतपुर: औषधालय और ग्रामीण औद्योगिक क्षेत्र।

घोमा: औषधालय और ग्रामीण औद्योगिक क्षेत्र।

कुतुबगढ़: औषधालय और ग्रामीण औद्योगिक क्षेत्र।

जैसली: औषधालय और ग्रामीण औद्योगिक क्षेत्र।

पितराऊ: औषधालय और ग्रामीण औद्योगिक क्षेत्र।

चुम्बन हेड़ा: औषधालय और ग्रामीण क्षेत्र।

सिनेमा, बाजार, बैंक, डाकघर, सहकारी भंडार आदि को स्थान देने के लिए प्रत्येक व्यावसायिक केन्द्र लगभग 3 हेक्ट. का होगा। जिन उद्योगों को ग्रामीण औद्योगिक क्षेत्रों में अनुपत्ति दी जानी है वे अनुबंध तीन ज में दिए गए हैं।

इन महत्वपूर्ण व्यवस्थापनों को जोड़ने वाली निम्नलिखित सड़कों के विस्तार की जड़ाने की आवश्यकता होगी:

(क) जी. टी. रोड से बजेतावरपुर	29 कि. मी.
जी. टी. रोड से बवाना तक	
नजफगढ़ से हांसा तक	
(ख) घोमा से बवाना तक	15 कि. मी.
बवाना से कुतुबगढ़ तक	
नजफगढ़ से मझौदा कला तक	
(ग) मझौदा कला से रोहतक रोड तक	15 कि. मी.
नजफगढ़ से हांसा तक	
(घ) नजफगढ़ से चुम्बनहेड़ा तक	20 कि. मी.
नजफगढ़ से डांसा तक	
कंबलवला से कुतुबगढ़ तक	
रोड नं. 50 से बजेतावरपुर तक	

प्रत्येक पृष्ठक व्यवस्थापन जल-पूर्ति और अग्र सुविधाओं आदि में सुधार की आवश्यकता होगी। सार्वजनिक अवासीय समितियों के साधारण से सूमिहीनों के लिए आवास हेतु कार्य हाथ में लेने की आवश्यकता है। जेवरी विकास के लिए (1) नजफगढ़, और (2) जी. टी. करनाल रोड के निकट दो स्थल निर्दिष्ट किए गए हैं। शहरी क्षेत्र के तुदाहू रूप हन डेवरी कासीनियों में बदले जाने चाहिए।

ग्रामीण उपयोग जौन में यूनाइट 1 हेक्ट. में कार्य हाऊस स्थापित किए जा सकेंगे। ये फूलों, करों, लड्डों, मूर्गी-पालन आदि के लिए विकसित किए जा सकेंगे।

आधुनिकीकरण और भाहर का रूप:

इस युग से शहर में (1) सभापन परिवहन और संचार प्रणाली (2) सम्मेलन और प्रदर्शनी केन्द्र (3) आगंतुकों के अरामदायक रूप से रहने के लिए तुकानों से अडावित मार्ग और मनोरंजन पार्क तथा स्थान होने चाहिए। इन सब की व्यवस्था में शहर का रूप उसको युग-प्राचीन परिपंचांग एवं संस्कृती और अगंतुकों व इसके निवासियों का इसके प्रति संहृदयिता होना चाहिए।

शहर के लिए आधुनिक परिवहन प्रणाली आरामदायक और उच्चस्तर की सेवा सहित स्पष्ट रूप से मंत्रोत्तमक होनी चाहिए। शहरी परिवहन प्रणाली में बहुत से नवोत्पादों ने स्थान ग्रहण कर लिया है। इस मामले में प्रौद्योगिकी का अंतरण बहुत अधिक उपयोगी होगा। अग्रल उपलब्ध स्तर पर टेलीकॉन सेवा की व्यवस्था करना संभव नहीं है पर योड़े समय में शहर समकालीन मानकों का संचार प्रणाली की व्यवस्था करने में समर्प हो जाएगा। सेवा की कोटि में सुधार लाने के लिए टेलीकॉन लाईनों की सुमिगत केविल विधान अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

इस समय विल्ली में एक सम्मेलन केन्द्र अर्थात् विज्ञान भवन है जो अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के लिए व्यक्ति का केन्द्र हो गया है और उसे दुश्मन करना आवश्यक नहीं है। राष्ट्रीय स्तर पर एक और सम्मेलन केन्द्र एशियाई खेत गांधी के निकट विकसित किया जाना चाहिए। प्रस्तावित सम्मेलन केन्द्र के साथ विज्ञान विल्ली में समकालीन 'विषयन कापलेक्ष के लिए एक स्थल निर्दिष्ट किया गया है। अत्यरिक्तीय प्रदर्शनीयों के लिए प्रदर्शनी स्थल अर्थात् प्रगति मैदान मली-भांति स्थित है।

विल्ली तेजी से विकासशील विषय की केन्द्र बनती जा रही है। शहर में विकासशील देशों की योजना और विकास संबंधी समस्याओं पर मुख्य रूप से विचार करने के लिए एक नया विकासनियोंज उच्चतर विद्या संस्थान प्रारम्भ किया जा सकता है। विकास संबंधी समस्याओं में अनुसंधान एवं प्रयोगशाला के साथ-साथ हस्त प्रकार के संस्थान में नये खेतों अपरूप कलाएँ, परिस्थिति की पर्यावरण आनुवांशिकी कंप्यूटर विज्ञान और अन्य के विशिष्टी-कृत विधान होने चाहिए।

इस बात पर बन देने की आवश्यकता है कि शहर का आधुनिकीकरण अंशिक रूप में न हो बल्कि समग्र रूप में हो कुछ खेतों में संवित कार्य-विधानों के रूप में न हो अपितु निर्णय करने की अधिकारिता के रूप में हो। शहरी विकासकालों अपर्याप्त आवास व्यावसायिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों और सार्वजनिक सुविधाओं के समस्त खेतों के विकास में दीर्घ अवधि की क्षमता, भविष्यवादी दृष्टिकोण और जीवन की उच्च कोटि को बनाए रखने के लिए स्वस्थ पर्यावरण पर बन दिया जाना चाहिए।

विल्ली का यह विषय रूप है। यह भारत की राजधानी है। इसमें समाजियों का एतिहास निश्चित है। इसके भागों में नई विल्ली के बृहद दृष्टि और याह-जहांवाद की व्यापारित करने वाली गतियां हैं। आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में रहन-सहन के बातावरण की व्यवस्था करने हुए और राज्य एवं अधिकारियों को कारंते हुए अपने आकार के साध्यम से और अधिक अवधि के साथ समग्र रूप से अपने कार्यकलालों के माध्यम से शहर की अपना रूप अवधि प्रतिबिन्दित करना चाहिए।

## भूमि उपयोग प्लान

विभिन्न बंडों के लिए प्रतिपादित नियमों संबंधी राज्य क्षेत्र विली के भूमि उपयोग पैटर्न में स्पष्ट की गई हैं। विकास पर नियंत्रण रखने के लिए क्षेत्रों को विकास संहिता निर्दिष्ट 37 उपयोग जीवों के रूप में नामित किया गया है। इन 37 उपयोग जीवों का मोटे तौर पर आवासीय व्यावसायिक, विनिर्माण, मनोरंजनात्मक, परिवहन, उपयोगिता, सूरक्षाई, सांवर्जनिक एवं अद्युत्सारीजनिक और कृषि एवं जल विकास नामक भूमि उपयोग की नींवों में वर्गीकरण किया गया है। इन उपयोग जीवों का विकास विकास संहिता में निर्दिष्ट विनियमों के अनुसार किया जाएगा।

## विशेष क्षेत्र प्लान:

पुराने नियमित क्षेत्रों और विशेष प्रकार की समस्याओं वाले कुछ अन्य क्षेत्रों का दिली विकास संहिता में दिए गए समान्य उपयोग जीव विनियमों के अनुसार विकास करना संभव नहीं है। विकटतर्वी विशेष उपयोग क्षेत्रों संहिता ऐसे क्षेत्रों को 'विशेष क्षेत्र' का नाम दिया गया है। इस क्षेत्र के विकास के लिए एक अलग प्लान तैयार किया गया है। इस क्षेत्र के अन्वर विकास विकास संहिता में इन क्षेत्र के लिए गए विशेष विनियमों के अनुसार किया जाएगा।

## जोनल (डिवीजन) प्लान

संघ राज्य-क्षेत्र विली को 15 जीवों (डिवीजनों) में विभाजित किया गया है। प्रत्येक जीव (डिवीजन) का अनुमानित क्षेत्रफल सीधे दिया गया है:—

जीव का नाम	अनुमानित क्षेत्रफल हेक्टेयरों में
(क) पुराना शहर	1159
(ख) शहरी एक्सटेंशन (करोल बाग)	2304
(ग) सिविल लाइंस	3959
(घ) नई विली	6855
(च) यमुना पार	8797
(छ) विधिनी विली-1	11958
(ज) परिवारी विली-1	11865
(झ) उत्तरी-परिवारी विली-1	5677
(ट) विधिनी विली-2	15178
(ठ) परिवारी विली-2	12056
(ड) परिवारी विली-3	22979
(ड) उत्तरी-परिवारी विली-2	8213
(त) उत्तरी परिवारी विली-3	15851
(थ) यमुना नदी	6081
(व) उत्तरी विली	15707

जोनल (डिवीजन) योजनाओं में आवासकानुसार योजना की नीतियों का व्यूह दिया जा सकता है और वे लै-आउट प्लान और मूल्य योजना के बीच कहीं का कार्य कर सकती है। इस योजनाओं को विली को मुख्य योजना (संशोधन हेतु यथा-प्रस्तावित) के अधिसूचित होने के सुरक्षा बाद प्रकाशित किया जाएगा और उसकी प्रास्तिकता वही होगी जो विली की मुख्य योजना की होगी। विकास योजनाएं/लै-आउट प्लान जिनमें उपयोग परिसर निर्दिष्ट किए जाएंगे जैसा जैसा (डिवीजन) योजनाओं के अनुरूप होंगे।

(2) अध्याय 2 के पार्श्वके "जोनिंग एवं सब-डिवीजन विनियम" के स्थान पर निम्नलिखित पाठ सहित "विकास संहिता" प्रतिस्थापित किया जाए।

## प्रस्तावना

इस संहिता का उद्देश्य योजना में निहित विकास नीतियों और भूमि उपयोग प्रस्तावों के अनुसार भूमि के सर्वाधिक उपयुक्त विकास की व्यवस्था करके विली के लोगों के जीवन को और बेहतर बनाना है।

यह एक मुव्यवस्थित संहिता है जिसके द्वारा दो स्तरों पर उपयोग कार्य-क्लाप (उपयोग) का निर्णय किया जाएगा (1) उपयोग जीवों को उपयोग परिसर (लै-आउट) में बदलना और (2) उपयोग परिसर में उपयोग कार्य-क्लाप के लिए अनुमति देना। संहिता में उपयोग जीव और उपयोग परिसर के बीच क्रियोवैकरण किया गया है।

## संहिता का प्रबन्धन

भूमि उपयोग प्लान की व्यवस्था के अनुसार संघ राज्य-क्षेत्र विली का विकास करने के लिए निम्नलिखित का अनुपालन किया जाना आविष्टः

खण्ड 1.0 नाम विस्तार, आरम्भ और उद्देश्य

1(1) इस संहिता को विकास संहिता कहा जाए।

1(2) इसके अन्वर्ग समस्त संघ राज्य क्षेत्र विली आएगा।

खण्ड 2.0 परिमाणाधार

जब तक कि संदर्भ में अस्थाय अवैधा न हो, इस संहिता में—

2(1) उपयोग जीव से अविभैत है—

खण्ड 5.0 में कहीं गई व्यवस्था के अनुसार ग्रहीर कार्यों के किसी एक विशेष प्रभावी उपयोग के लिए क्षेत्र

2(2) उपयोग परिसर से अविभैत है—

किसी एक उपयोग जीव के बहुत से सम डिवीजनों में से एक, जिसे किसी विशेष मुख्य उपयोग या कार्य-क्लाप के लिए लै-आउट प्लान को तैयार करने समय नामित किया जाएगा और उसमें अनुसूच 1 में दिए गए उपयोग परिसर शामिल हैं।

2(3) लै-आउट प्लान से अविभैत है—

मात्र उपयोग परिसरों की आकृति और साइजों को निर्दिष्ट करने वाला सब-डिवीजन प्लान।

स्पष्टीकरण:—

प्रत्येक उपयोग जीव का किसी विशेष उपयोग जीव के अन्वर्ग आने वाले क्षेत्र की व्यापकता के अनुसार एक या एक से अधिक लै-आउट प्लान ही सकते हैं और उसके विपरीत ही भी सकता है।

2(4) जोनल विकास प्लान से अविभैत है—संघ राज्य क्षेत्र विली के जीवों (डिवीजनों) में से किसी एक के लिए प्लान, जिसमें नामांजिक आधारिक संरचना, पाली, खुले स्थानों और परिवासन पद्धति की व्यवस्था से सम्बन्धित विस्तृत सूचना होगी।

2(5) भूमि उपयोग प्लान से अविभैत है—वह प्लान जिसमें सर्व उपयोग जीव निर्दिष्ट किए गए हों, जैसा कि खण्ड 2(1) में परिभाषित किया गया है।

2(6) विशेष क्षेत्र से अविभैत है—

वह क्षेत्र जो प्लान में इस प्रकार नामित किया जायेगा।

2(7) आवासीय क्षेत्र में मृ. वृ. ई. जिला केन्द्र, समुदाय केन्द्र, स्पार्निंग बर्व वदार्ड और सुविधा बर्व वदार्ड शामिल हैं।

खण्ड 3.0 उपयोग जीव और उपयोग परिसर के संस्थापना

3(1) संघ राज्य-क्षेत्र विली को 37 उपयोग जीवों में विभाजित किया गया है, जैसा कि खण्ड 4.0 में उल्लिखित है।

3(2) प्रत्येक उपयोग जोन अनुसूची-1 में निर्दिष्ट 136 उपयोग परिसरों में से उपयोग परिसरों को आवश्यक संभावा में शर्तों सहित या शर्तों के बिना उप विभाजित किया जाएगा।

3(3) प्रत्येक उपयोग परिसर को निर्धारित 136 उपयोगों/उपयोग कार्य-कलापों में से विशेष उपयोगों/उपयोग कार्य-कलापों के लिए शर्तों सहित या शर्तों के बिना अनुमति दी जाएगी।

3(4) विधि के अनुसार प्राधिकरण या किसी अन्य स्थानीय प्राधिकरण द्वारा पहले से अनुमोदित ले-आउट व्हान इस मंहित के अन्तर्गत अनुमंदित माने जाएंगे।

3(5) जिस क्षेत्र का कोई अनुमोदित ले-आउट व्हान नहीं है, उस पर जोनल विकास व्हान की व्यवस्था द्वारा नियंत्रण होगा।

3(6) सर्विस व्हानों और व्यक्तिगत आवासीय एवं औद्योगिक व्हानों के ब्लानों, जो सम्बन्धित स्थानीय प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत किए जाएंगे, को छोड़कर शास्त्री ले-आउट व्हान और विलिंग व्हान प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित किए जाएंगे।

#### खण्ड 4.0 नामित उपयोग जोन

आवासीय, व्यावसायिक, विनिर्माण, मनोरंजनात्मक, परिवहन, उपयोगिता, मरकार, सार्वजनिक एवं अद्वा-सार्वजनिक और हाथि एवं जलनिकाय नाम के 9 ब्लानों में कोईकुन उपयोग जोन होंगे। 37 उपयोग जोन निम्नलिखित हैं :—

##### (क) आवासीय

4.01 आर. डी. अवस्था सहित आवासीय क्षेत्र (ग्रामीण जोन के अन्तर्गत आने वाले गांवों सहित)

##### 4.02 आर एक विदेशी मिशन

##### (ग) व्यावसायिक

4.03 सी-1 खुदरा खरीदारों सामान्य व्यापार एवं बाणिज्य

4.04 सी-2 धांक मालगोदाम, श्रीतागार और तेल लिपो

4.05 सी-3 होटल

##### (ग) विनिर्माण

4.06 एम. 1 हूल्के एवं सेवा उद्योग (फैटेन समूह उद्योग सहित)

4.07 एम. 2 विस्तृत उद्योग

(घ) मनोरंजनात्मक

4.08 पी 1-ओपोय पार्क

4.09 पी 2-जिला पार्क

4.10 पी 3-खेल मैदान स्टेडियन और खेल कूद काम्पलेक्स

4.11 पी 4-ऐतिहासिक स्मारक

##### (च) परिवहन

4.12 टी-1 विमान पत्तन

4.13 टी-2 रेल टर्मिनल

4.14 टी-3 रेल परिवाहन

4.15 टी-4 बस टर्मिनल एवं लिपो

4.16 टी-5 ट्रक टर्मिनल

4.17 टी-6 सड़क परिवाहन

##### (छ) उपयोगिता

4.18 यू. (पी) शाधन संचयन भार्टि

4.19 यू. 2 संचरण

(प्रोधन संचयन भार्टि)

4.20 यू.-3 विद्युत (पावर हाउस, सबस्टेशन आदि)

4.21 यू.-4 कूजा-करकट (सैनिटी लैण्ड फिल भार्टि)

4.22 यू.-5 नाला

##### (ज) सरजरी

4.23 जी-1 राष्ट्रपति सम्पदा और संसद भवन

4.24 जी-2 सरकारी कार्यालय

4.25 जी-3 सरकारी भूमि (उपयोग अनिवार्य)

##### (झ) सार्वजनिक एवं अद्वा-सार्वजनिक

4.26 पी एम 1 अस्पताल

4.27 पी एम 2 शिक्षा एवं अनुसंधान (विश्वविद्यालय तथा विशेषकृत शैक्षणिक संस्थाओं सहित)

4.28 पी एम-3 सामाजिक एवं सांस्कृतिक

4.29 पी एम-4 पुलिस मुख्यालय तथा पुलिस लाइन

4.30 पी एम-5 अमी शमन केन्द्र और मुख्यालय

4.31 पी एम-6 संचार

4.32 पी. एस.-7 रेलवाह तथा दफ्तर

4.33 पी.एस.-8 धार्मिक

##### (क) हाथि एवं जल निकाय

4.34 पी-1 व्हाट नर्सरी

4.35 पी-2 हरित पट्ट

4.36 पी-3 ग्रामीण जोन (आवासीय लोकों के रूप में गांव)

4.37 पी-4 नदी एवं जलनिकाय

##### खण्ड 5.0 नामित उपयोग परिसर

136 उपयोग परिसर हीं, जिन्हें अनुसूची 1 में नामित किया गया है।

उपयोग परिसरों के नाम के ही 136 उपयोग/उपयोग कार्यकलाप होंगे।

##### खण्ड 6.0 उपयोग जोनों का अवस्थिति तथा सीमाएं

6(1) 37 उपयोग जोनों में से कोई भी एक और एक या एक से अधिक स्थानों पर अवस्थित श्री सकता है, जैसाकि भूमि उपयोग व्हान में दिखाया गया है।

6(2) उपयोग जोनों का विभिन्न पाकेटों की सीमाएं सड़कें, रेलवे ट्रैक, नाले आदि जैसी विशेषताओं द्वारा भूमि उपयोग व्हान में पर्याप्त भौतिक गति देने वाली भूमि उपयोग व्हान में निर्दिष्ट किया गया है।

##### खण्ड 7.0 उपयोग परिसर का अवस्थिति और सीमाएं

7(1) प्रत्येक उपयोग परिसर का अवस्थिति और सीमाएं ही हामी जाएंगे, जो सड़कें, नाले जैसी महत्वपूर्ण विशेषताओं या अन्य भौतिक विशेषताओं के अनुसार ले आउट में निर्दिष्ट होंगी।

7(2) किसी भी कारण से उपयोग परिसरों का अवस्थिति, सीमाओं और मुद्द्य उपयोग के किसी परिवर्तन का अनुमोदन के बाद ले-आउट व्हान में सन्मिलित किया जायेगा।

##### खण्ड 8 विनियम

8(1) उपयोग जोनों का उपयोग परिसरों में उप विभाजन : इन विनियमों का उद्देश्य आवासीय और औद्योगिक उपयोग जोनों के लिए ले-आउट व्हान लेयर करने के लिए मार्गदर्शन करना है। इन विनियमों में सुविधाओं की व्यवस्था के मानदण्ड, परिवाहन पद्धति और भू-दृश्य मानक शामिल हैं। जल-प्राप्ति, संवर्जन, जल निकास आदि जैसी

भौतिक आधारिक संरचना की व्यवस्था के इन ले-आउट प्लानों के अनुरूप में तेज़ सर्विस प्लानों पर नगरपालिका उपविधि लागू होगी। आवासीय और औद्योगिक कों छोड़कर शेष उपयोग जोन के एक हृत प्लान होगे, जिन पर सम्बन्धित विलिंग नियन्त्रण में द्वारा नियंत्रण किया जाएगा।

**स्वर्णकरण :** एक हृत प्लान रूढ़िक रूपमें मिलता है, क्योंकि एक हृत प्लान में विनियम मारे प्लाटों के लिए ही और उपविभाजन विकास उद्देश्य के लिए किए गए हैं।

(क) आर. डा.—आवासीय उपयोग जोन:

आवासीय उपयोग जोन का उपयोग परिसर में उपविभाजन और वाव में ने-आउट प्लानों का अनुमोदन निम्नलिखित मानकों से नियंत्रित होगा:—

1. आवासीय भेज में भू-खण्डण और समूह आवास द्वारा प्रकार का विकास ही सकता है। भू-खण्डण विकास के मानमें में दो बगों के आवासीय प्लाट काटे जा सकते हैं:— (1) एक परिवार इकाई (प्लाट साइज—32 से 80 व. मी. तक की रेज) और (2) तीन परिवार इकाई (प्लाट साइज—150 से 350 व. मी. तक की रेज) समूह आवास के मानमें में, प्लाट का व्यूनतम साइज 2,000 व. मी. होगा।

2. 15,000 जनसंख्या के आवासीय प्रतिवेश के लिए अपेक्षित आधारिक संरचना की व्यवस्था निम्नलिखित मानदण्डों के अनुसार होगी। किसी भी आवासीय सब डिवीजन प्लान में आधारिक संरचना के लिए व्यूनतम आवधित भेज प्रति व्यक्ति 11.00 व. मी. की दर से होगा।

क्रम उपयोग परिसर सं०	इकाईयों की संख्या	इकाई भूमि (हेक्ट० में)	कुल भूमि भेजफल (हेक्ट० में)	कुल भूमि भेजफल (हेक्ट० में)
1	2	3	4	5

(क) शिक्षा :

1. नर्सरी स्कूल	6	0.08	0.40
2. प्राइमरी स्कूल	3	0.40	1.20
3. सेनियर सेकेन्डरी स्कूल	2	1.60	3.20

(ख) स्वास्थ्य :

4. नर्सिंग होम/हिस्पेचिन्सरी	2	0.10	0.20
------------------------------	---	------	------

(ग) खरीदारी :

5. सेता केन्द्र सहित स्थानीय खरीदारी (मेवा)	1	0.46	0.46
6. मुक्तिधा खरीदारी	3	0.11	0.33

(घ) अन्य समुदाय सुविधा :

7. मिल्क बूथ	3	0.015	0.045
8 भार्मिक	3	0.04	0.12
9 ग्रन्थालय कक्ष	3	0.066	0.198
10. नमुदाय भवन एवं पुस्तकालय	1	0.20	0.20

(ङ) गोनेंट्रेन

11. टाट-नाट	--	--	3.00
12. पार्क	--	--	4.50

1	2	3	4	5
13. ब्लै भेज	--	--	2.25	

(छ) उपयोगिता :

14. ओवर हैड टैक (जहां आवश्यक हो)	--	--	0.25	
15. विशृंख सब-स्टेशन 1 के बीं (जहां आवश्यक हो)	2	0.046	0.092	
16. टिपहिंग स्कूलर एवं टैक्सी स्टैंड	1	--	0.05	

पार्क और ब्लै भेज निम्नलिखित प्रकार से वितरित किया जाएगा:—

- (1) टाट-नाट-प्रति व्यक्ति 2.0 व. मी. की दर से ।
- (2) पार्क प्रति व्यक्ति 3 व. मी. की दर से, 1.50 हैक्टेयर के व्यूनतम साइज का एक पार्क ।
- (3) प्रति व्यक्ति 1.50 व. मी. की दर से, 1.50 हैक्ट. के साइज का, एक स्थान पर—ब्लै भेज ।

3. परिवासन पद्धति के सम्बन्ध में आवासीय प्रतिवेश का नियोजन निम्नलिखित मानकों द्वारा नियंत्रित किया जाएगा:—

(1) आवासीय प्लाटों के आगे सामान्यतः खुला स्थान होगा, जिसमें पैदल आवागमन के लिए व्यूनतम 12 भीटर (मी.) औड़ा स्थान भी शामिल है। प्लाटों के आगे आवश्यकतामुख्य गाड़ियों के आवागमन के लिए 12 मी. के मार्गाविकार (आर डब्ल्यू) की सड़क भी ही सकती है। समूह के अन्वर परिवासन जाल की व्यवस्था इस प्रकार की जाएगी कि औड़ी भी प्लाट गाड़ियों के आवागमन के निकटस्थ स्थान से 6.5 मी. से अधिक दूरी पर नहीं होगा।

(2) खुले स्थान वाले आवासीय प्लाटों के आगे 1.5 मी. औड़ा पैदल रास्ता होगा। उचित अनुमाप रखने और धोयक का अनुभव कराने के लिए खाली स्थानों के प्रवेश एवं निर्गम द्वारा कम कर के 6 मी. रखे जाएं।

(3) अन्य मर्मी गाड़ियों को गाड़ियों के आवागमन के सङ्कुक के साथ बने विशेष पार्किंग स्थानों पर खड़ा करने की पारवर्द्ध लगाई जाएगी।

4. भू-दृश्य के सम्बन्ध में आवासीय प्रतिवेश का नियोजन निम्नलिखित मानकों द्वारा नियंत्रित किया जायेगा:—

(1) आवासीय प्लाटों के आगे के खाली स्थान को प्रति 100 व. मी. एक पैड की दर से पैड लगाकर उचित रूप से भू-दृश्यांकित किया जायेगा।

(2) आवासीय प्रतिवेश में गाड़ियों की राज़िकों के दोनों ओर 6 मी. के व्यूनतम पर छोटे-छोटे पैड होंगे। पार्किंग क्षेत्र में प्रति दो कारों के स्थान के लिए एक पैड की दर से पैड लगाए जाएंगे।

(3) आवासीय प्रतिवेश में पाकों के विभिन्न स्तरों पर प्रति 125 वृक्ष की दर से वृक्षारोपण होगा।

5. 50 वर्ग मी. से कम के प्लाटों सहित निम्न आदर्श भू-दृश्य विकास निम्नलिखित मानकों द्वारा नियंत्रित किया जाएगा:—

- (1) मनोरंजन में सम्बन्धित भेज 6.43 हैक्टेयर होंगे।
- (2) प्लाटों के आगे व्यूनतम 8 मी. औड़ा हैड का खुला स्थान होगा, जिसमें पैदल चलने का रास्ता भी शामिल है।

(3) खुले स्थान वाले आवासीय प्लाटों के आगे 1.0 मी. औड़ा पैदल रास्ता होगा और खुले स्थान का प्रवेश एवं निकास द्वारा 4.0 मी. औड़ा हैड का होंगा।

## (ब) एम-1 हूले एवं सेवा उद्योग उपयोग जोन :

भ्रौद्योगिक उपयोग जोन का उपयोग परिसर में उप-विभाजन और उसके बाद भ्रौद्योगिक सम्पदा के लिए ले-आउट प्लानों का अनुमोदन निम्नलिखित भानकों द्वारा नियमित किया जाएगा :—

1. भ्रौद्योगिक ज्ञेन का विकास व्यक्तिगत उद्योगों के भू-ब्लॉड य विकास के तरों के से किया जाए। भ्रौद्योगिक सम्पदा का कुछ भाग फैलेटेड समूह उद्योग के लिए उपयोग किया जाए। फैलेटेड समूह उद्योग के लिए एटाट का न्यूततम साइज 2000 व. मी. होगा। ले-आउट प्लान ने निर्दिष्ट करने के लिए भू-ब्लॉड य विकास के लिए एटाट साइजों के विभिन्न वर्ग निम्नलिखित तालिका के अनुसार होंगे :—

क्र. सं.	प्लाट के साइज (व. मी.)	प्लाटों का वितरण	संसूचक
1	2	3	4
1.	30 से 50 तक (दुकान उद्योगों के लिए)	25 प्रतिशत	
2.	100 तथा 200 तक	4.5 प्रतिशत	
3.	200 से अधिक और 500 तक	25 प्रतिशत	
4.	500 से अधिक और 1000 तक	5 प्रतिशत	

2. 20,000 नियोजक साइज को भ्रौद्योगिक सम्पदा के लिए भ्रौद्योगिक विकास के लिए अपेक्षित सुविधाओं की व्यवस्था निम्नलिखित तालिका के अनुसार की जाएगी। भ्रौद्योगिक उप-विभाजन प्लान में सुविधाओं की व्यवस्था के लिए आरक्षित भू-ततम लेवलफल प्रति कामगार 2.05 व. मी. होगा। भ्रौद्योगिक सम्पदा में नियोजन कुल लेवलफल का प्रति हेक्टेयर 300 कामगार की वर से निकाला जाएगा।

क्रम सं.	उपयोग परिसर	लेवलफल हेक्टेयर में
1.	उप-प्रविन शमन केन्द्र	0.6
2.	पुलिस स्टेशन	1.00
3.	समुदाय केन्द्र (भ्रौद्योगिक सम्पदा के लिए अपेक्षित अनिवार्य सुविधाओं को समायोजित करने के लिए)	1.00
4.	विधुत सब-स्टेशन (जहां आवश्यक हो)	0.50
5.	ट्रक, ट्रैम्स, ट्रैक्सी और टिपहिया गाड़ि के लिए पार्किंग ज्ञेन	1.00

3. जल प्रदूषित करने वाले उद्योगों के मामले में मल निस्पारी को नियमित संचारों में छोड़ने से पहले उसका सामान्य शोधन संयंत्र में शोधन किया जाएगा।

4. परिवालम पद्धति के मामले में भ्रौद्योगिक सम्पदा को निम्नलिखित मार्ग-निर्देशों के अनुसार योजनाबद्ध किया जाएगा।

(1) भ्रौद्योगिक सम्पदा के अन्दर कोई भी सड़क 22.00 मी. के मार्गधिकार से कम की न होगी।

(2) सर्विस लेन का आवश्यकता नहीं होगी।

5. भू-बूथ के मामले में भ्रौद्योगिक सम्पदा को निम्नलिखित मार्ग-निर्देशों के अनुसार योजनाबद्ध किया जाएगा।

(1) भ्रौद्योगिक सम्पदा में पाकी/बफरों के रूप में भू-बूथ के लिए न्यूततम 12 प्रतिशत लेवल होगा।

(2) भ्रौद्योगिक सम्पदा के प्रत्येक सड़कों के बीचों और लगभग 10 मी. के अन्तराल पर बृक्ष लगाए जाएंगे। पाकिंग बीचों में प्रति दो पाकिंग स्पॉट एक बृक्ष की वर से बृक्ष लगाए जाएंगे।

(3) पाकी और परिषीय बफर में प्रति हेक्टेयर 150 वृक्ष की वर से बृक्षारोपण किया जाएगा।

## (ग) एम-2 विस्तृत उद्योग उपयोग जोन :

भ्रौद्योगिक उपयोग जोन का उपयोग परिसर में उप-विभाजन और उसके बाद भ्रौद्योगिक सम्पदा के लिए ले-आउट प्लानों का अनुमोदन निम्नलिखित भानकों द्वारा नियमित किया जाएगी।

1. भ्रौद्योगिक ज्ञेन का विकास व्यक्तिगत उद्योगों के भू-ब्लॉड य विकास के तरों के से किया जाए। भ्रौद्योगिक सम्पदा का कुछ भाग फैलेटेड समूह उद्योग के लिए उपयोग किया जाए। फैलेटेड समूह उद्योग के लिए एटाट का न्यूततम साइज 2000 व. मी. होगा। ले-आउट प्लान में निर्दिष्ट करने के लिए भू-ब्लॉड य विकास के लिए एटाट साइजों के विभिन्न वर्ग निम्नलिखित तालिका के अनुसार होंगे।

क्रम सं.	प्लाट के साइज (व. मी.)	प्लाटों का संसूचक वितरण
1.	400 और 1000 तक	80%
2.	1000 से अधिक	20%

2. सुविधाओं की व्यवस्था के लिए न्यूततम आरक्षित लेवल प्रति कामगार 2.55 व. मी. की वर से होगा। भ्रौद्योगिक सम्पदा में नियोजन कुल लेवलफल का प्रति हेक्टेयर 160 कामगार की वर से निकाला जाएगा। 20,000 नियोजन साइज की भ्रौद्योगिक सम्पदा के लिए निम्नलिखित सुविधाओं की व्यवस्था होंगी।

क्रम सं.	उपयोग परिसर	लेवलफल हेक्टेयर में
1.	उप-अग्निशमन केन्द्र	0.6
2.	पुलिस स्टेशन	1.0
3.	समुदाय केन्द्र (भ्रौद्योगिक सम्पदा के लिए अपेक्षित अनिवार्य सुविधाओं को समायोजित करने के लिए)	1.0
4.	विधुत सब-स्टेशन (व. स. स्ट.) (जहां आवश्यक हो)	1.1
5.	ट्रक, ट्रैम्स, ट्रैक्सी और टिपहिया गाड़ि के लिए पार्किंग ज्ञेन	1.0

3. जल प्रदूषित करने वाले उद्योगों के मामले में जल निस्सार को नियमित संचारों में डालने से पहले उसका सामान्य शोधन संयंत्र में शोधन किया जाएगा।

4. परिवालम पद्धति के मामले में भ्रौद्योगिक सम्पदा को निम्नलिखित मार्ग-निर्देशों के अनुसार योजनाबद्ध किया जाएगा।

(1) भ्रौद्योगिक सम्पदा के अन्दर कोई भी सड़क 3.2 मी. से कम मार्गधिकार की नहीं होगी।

(2) सर्विस लेन आवश्यक नहीं होगी।

5. भू-बूथ के मामले में भ्रौद्योगिक सम्पदा को निम्नलिखित मार्ग-निर्देशों के अनुसार योजनाबद्ध किया जाएगा।

(1) भ्रौद्योगिक सम्पदा के लिए भू-बूथ के लिए पाकी बफर के रूप में लेवलफल का न्यूततम 8 प्रतिशत होगा।

(2) भ्रौद्योगिक सम्पदा के अन्दर सड़कों के बीचों और लगभग 10 मी. के अन्तराल पर बृक्ष लगाए जाएंगे। पाकिंग बीचों में बृक्ष प्रति दो पाकिंग स्पॉटों के लिए एक बृक्ष की वर से बृक्ष लगाए जाएंगे।

(3) पाकी और परिषीय बफर में बृक्षारोपण प्रति हेक्टेयर 150 वृक्ष की वर से बृक्ष किया जाएगा।

8(2) उपयोग जोनों में उपयोग परिसरों की अनुमति

(क) पांच महत्वपूर्ण उपयोग जोनों में जुने हुए उपयोग परिसरों की अनुमति

क्रम सं.	उपयोग परिसर	आरडी	उपयोग जोन			
			सी 1	सी 2	एम 1	एम 2
001	आवासीय प्लाट-सूख्ख्यीय आवास	पी	एनपी	एनपी	एनपी	एनपी
002	आवासीय प्लाट समूह आवास	पी	एनपी	एनपी	एनपी	एनपी
004	आवास एवं कार्य प्लाट	पी	एनपी	एनपी	एनपी	एनपी
007	होस्टल					
	(1) संस्थाओं से सम्बद्ध होस्टल	एनपी	पी	एनपी	एनपी	एनपी
	(2) संस्थाओं से असम्बद्ध होस्टल	पी	पी	एनपी	पी	एनपी
008	गेट हाउस, गोटिंग हाउस तथा लोर्जिंग हाउस					
	(1) सरकारी, सार्वजनिक एवं प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी गेट हाउस	पी	पी	एनपी	एनपी	एनपी
	(2) अन्य सभी	एनपी	पी	पी	पी	एनपी
016	सुविधा खरीदारी	पी	एनए	एनए	एनए	एनए
017	स्थानीय खरीदारी केन्द्र	पी	एनए	एनए	एनए	एनए
019	थोक व्यापार	एनपी	एनपी	पी	एनपी	एनपी
020	भण्डारण, गोदाम एवं भण्डारार					
	(1) अज्ञलनशील	एनपी	एनपी	पी	पी	पी
	(2) ज्वलनशील (विस्फोटक सामग्री से सम्बन्धित शिरियमों के अनुसार)	एनपी	एनपी	पी	पी	पी
021	शीलांग तथा बर्फ केन्द्र	एनपी	एनपी	पी	पी	पी
022	गैस गोदाम	एनपी	एनपी	पी	पी	पी
023	मुख्य टेल डिपो तथा एल पी जी रिफिलिंग संयंक्त (विशेष उपयोग के रूप में)	एनपी	एनपी	पी	एनपी	एनपी
025	व्यायासायिक कार्यालय	एनपी	पी	पी	एनपी	एनपी
028	सिनेमा	एनपी	पी	पी	पी	पी
035	सर्विस केन्द्र	एनपी	पी	पी	एनए	एनए
036	औद्योगिक प्लाट—हूल्के एवं सेवा उद्योग	एनपी	एनपी	एनपी	पी	पी
037	औद्योगिक प्लाट—विस्तृत उद्योग	एनपी	एनपी	एनपी	एनपी	पी
063	बरा टर्मिनल	पी	पी	पी	पी	पी
064	बस डिपो तथा बर्कशाप	एनपी	एनपी	एनपी	पी	पी
072	अस्पताल (200 बिस्तरों तक)	पी	पी	एनपी	एनपी	एनपी
073	स्वास्थ्य केन्द्र (30 बिस्तरों तक)	पी	पी	एनपी	एनपी	एनपी
074	नसिंग होम	पी	पी	एनपी	एनपी	एनपी
081	प्राइमरी स्कूल	पी	एनपी	एनपी	एनपी	एनपी
082	सीनेन्टरी स्कूल	पी	एनपी	एनपी	एनपी	एनपी
083	सीनियर सीनेन्टरी स्कूल	पी	एनपी	एनपी	एनपी	एनपी
084	एकीकृत स्कूल	पी	एनपी	एनपी	एनपी	एनपी
085	एकीकृत आवासीय स्कूल	पी	एनपी	एनपी	एनपी	एनपी
086	कालिज	पी	एनपी	एनपी	एनपी	एनपी
088	समाज कल्याण केन्द्र					
	(1) आडिटोरियम गृहित	एनपी	पी	एनपी	एनपी	एनपी
	(2) आडिटोरियम नहित	पी	पी	एनपी	एनपी	पी
099	आडिटोरियम	एनपी	पी	एनपी		एनपी
107	घामिक परिसर	पी	एनपी	एनपी	एनपी	एनपी

पी : परमिटेड (अनुमति दी)। एनपी : नाट परमिटेड (अनुमति नहीं दी)। एन ए : नाट एप्लीकेबल (साधू नहीं)।

(क) पांच महत्वपूर्ण उपयोग जोनों में द्वितीयक उपयोग परिमरणों की अनुमति

क्रम सं.	उपयोग परिसर	आरडी	उपयोग जोन		एम 1	एम 2
			सी 1	सी 2		
003	आवासीय फ्लैट					
	(1) नमूह आवास के भाग के रूप में	पी	एनपी	एनपी	एनपी	एनपी
	(2) प्रथम तल पर और उस से ऊपर	एनए	पी	एनपी	एनपी	एनपी
003	आवासीय परिसर-विशेष थेट्र	एनए	एनए	एनए	एनए	एनए
006	बिदेशी मिशन	पी	एनपी	एनपी	एनपी	एनपी
007	धर्मशाला	पी	पी	एनपी	एनपी	एनपी
010	बरातधर	पी	पी	एनपी	एनपी	एनपी
011	रेन बसेरा	पी	पी	पी	पी	पी
018	साप्ताहिक बाजार					
	(1) विद्यमान अवस्थितियाँ, यदि यातायात परिवाहन में वाधा न हो, उम समय तक जब तक इन क्षेत्रों का नामित उपयोग के लिए उपयोग न हो।	पी	पी	पी	पी	पी
	(2) काम के घटों को छोड़कर केवल शेष समय के दौरान साप्ताहिक बाजारों के लिए उपयोग किए जाने वाले व्यावसायिक केन्द्रों में पारिंग और अन्य खुले स्थान।	एनपी	पी	एनपी	एनपी	एनपी
024	जंक यार्ड	एनपी	एनपी	पी	पी	पी
027	मोटर गैरेज एवं वर्कशाप	एनपी	पी	पी	पी	पी
034	फ्लैटड समूह उद्योग	एनपी	पी	पी	पी	पी
039	शैक्षणिक प्लाट-उद्योग विशेष टाईप	एनपी	एनपी	एनपी	पी	एनपी
058	रेलवे गाड़ी गोबाम	एनपी	एनपी	पी	पी	पी
077	नैदानिक प्रयोगणाला	पी	पी	एनपी	एनपी	एनपी
078	स्वैच्छिक स्वास्थ्य सेवा	पी	पी	एनपी	एनपी	एनपी
080	नसरी एवं किन्डरगार्डेन स्कूल	पी	पी	एनपी	एनपी	एनपी
087	व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान	पी	पी	पी	पी	एनपी
089	अनुमधान एवं विकास केन्द्र	पी	पी	पी	पी	पी
090	पुस्तकालय	पी	पी	एनपी	एनपी	एनपी
091	तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र	पी	पी	एनपी	पी	एनपी
093	मंगी, नृथ और नाट्य प्रशिक्षण केन्द्र	पी	पी	एनपी	एनपी	एनपी
095	मोटर चालन प्रशिक्षण केन्द्र	एनपी	पी	एनपी	एनपी	एनपी
096	बाल यातायात पार्क	पी	पी	एनपी	एनपी	एनपी
097	संप्रहारालय	पी	पी	एनपी	पी	एनपी
098	प्रवर्षनी केन्द्र एवं चिकित्साला	पी	पी	एनपी	पी	एनपी
100	खुला शिगेटर	पी	पी	एनपी	एनपी	एनपी
101	समुदाय भवन	पी	पी	एनपी	एनपी	एनपी
103	सांस्कृतिक एवं सूचना केन्द्र	पी	पी	एनपी	एनपी	एनपी
104	सामाजिक तथा सांस्कृतिक संस्थान	पी	एनपी	एनपी	एनपी	एनपी
106	अनाथालय	पी	एनपी	एनपी	एनपी	एनपी
108	योग केन्द्र, भवन, आध्यात्मिक और धार्मिक प्रशस्त्र केन्द्र	पी	एनपी	एनपी	एनपी	एनपी
130	प्लांट नसरी	पी	पी	एनपी	एनपी	एनपी

(क) 2 उपयोग परिमर जो सभी पांच महत्वपूर्ण उपयोग जोनों (आर. डॉ., सी. 1, सं. 2, एम 1 तथा एम 2) में अनुमति है।

खुदग, मरम्मत एवं कार्मिक सेवा दुकान (केवल व्यावसायिक केन्द्रों में), विक्रय बूथ, बैंक, रेस्टोरेंट (केवल व्यावसायिक केन्द्रों में), होटल (केवल व्यावसायिक केन्द्रों में) और अन्य आवासीय थोकों में, जहां बिल्डिंग प्लान स्वैच्छक विशिष्ट थोक और एक ए.आर. के अनुमान होटल बिल्डिंग के लिए स्वैच्छक लिए गए हैं।

पार्क, खेल-मैदान, इन्डोर गेम्स हाल, टीरने का तालाब, मनोरंजन कक्ष।

मानव सुक कराने का कार्यालय (केवल व्यावसायिक केन्द्रों में), रेलवे बुकिंग कार्यालय (केवल व्यावसायिक केन्द्रों में) सहक परिवहन बुकिंग कार्यालय (केवल व्यावसायिक केन्द्रों में) पाकिंग, ट्रैक्स। एवं तिपहिया स्टेंड-मार्जिनिक उपयोगिता परिसर।

केन्द्रीय मरकारी कार्यालय (केवल व्यावसायिक केन्द्रों में) स्थानीय मरकारी कार्यालय (केवल व्यावसायिक केन्द्रों में) मरकारी उपक्रम कार्यालय (केवल व्यावसायिक केन्द्रों में)।

इम्पोरेटर, टीरने लिए (केवल व्यावसायिक केन्द्रों में), शिष्यगृह एवं दिवस देखभाल केन्द्र, व्यावसायिक तथा मर्मिक प्रणिक्षण केन्द्र (केवल व्यावसायिक केन्द्रों में), पुलिस चौक, पुलिम स्टेशन, अनिश्चयन चौक, अनिश्चयन केन्द्र, डाकघर, डाकतार कार्यालय तथा ट्रैक्सी-फोन केन्द्र।

(क) 3 उपयोग परिसर सभी पांच महत्वपूर्ण उपयोग जोनों (आर. डॉ., सी. 1, सं. 2, एम 1, तथा एम 2) में जिनके लिए अनुमति नहीं दी जाएगी।

मोटर, ड्राइव-इन-लिनेपा।

प्राईवीगिक परिसर निस्मारक उद्योग

आउटडोर गेम्स स्टेडियम, इन्डोर गेम्स स्टेडियम, शूटिंग रेज, चिल्ड्रिंग पर, पक्षी शरण स्थान, बानस्पतिक उद्यान यिहोकृत पार्क।

मैदान, नागरिक उद्योग स्थल।

फ्लाईग कलब

अन्तर्राष्ट्रीय गम्मेलन केन्द्र, न्यायालय, मरकारी भूमि (उपयोग अनिवार्य), खेल कूद प्रणिक्षण केन्द्र, बेला स्थान, सुधारालय, जिला बटालियन कार्यालय, मिलिल रेखा तथा होम-बार्ड, न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला, जैन, बड़ा/प्रधान डाकघर, आवासीय एवं दूरदर्शन केन्द्र, ट्रांसमिशन टावर, उपग्रह एवं दूर संचार केन्द्र, वेदधारा तथा मानसम कार्यालय, घब्बुमि, एम्बान, कविस्तान, विद्युत वाहगृह।

कलोद्यान, अन डेयरी कार्म, पांडु फार्म, सूधर-बाज़ा, फार्म हाउस और ग्रामीण केन्द्र।

(ख) शेष उपयोग जोनों में उपयोग परिसरों की अनुमति।

आर.डॉ. यिदेशी मिशन

विद्यालय, मिशन, आवासीय प्लाट-समूह आश्रम (केवल मिशन कर्मचारियों के उपयोग के लिए), अतिथिगृह, स्थानीय य खर्चदारी, बैंक, भनोरंजन कलब, स्थानीय केन्द्र, एक कून, आवासीय स्कूल, सांस्कृतिक एवं सूचना केन्द्र, पुलिस चौक, अनिश्चयन चौक, और डाक-तार कार्यालय।

पी 1—खेलीय पार्क

खेलीय पार्क, आवासीय फैनेट (पहरा एवं निगरानी स्टाफ के लिए) पिकनिक हट, पार्क, शूटिंग रेज, चिल्ड्रिंग पर, पक्षी शरण स्थान, बानस्पतिक उद्यान, स्थानीय मरकारी कार्यालय (रख रखाव), खुला य यियेटर, पुलिस चौक, अनिश्चयन चौक, फलोद्यान, प्लाट नर्सरी तथा बन।

इस उपयोग जोन की प्रत्येक संरचना अस्थाई प्रकार की होगी।

पी 2—जिला पार्क

जिला पार्क, आवासीय फैनेट (पहरा एवं निगरानी तथा रख-रखाव स्टाफ के लिए), खेल-मैदान, तैरने का तालाब, भनोरंजन कलब, बाल यातायात पार्क, चिल्ड्रिंग कून पार्क मैदान, राष्ट्रीय स्मारक, पर्क; शरण स्थान, बानस्पतिक उद्यान और चिल्ड्रिंग।

पी 3—खेल-मैदान, खेल-कूद काम्पलेक्स खेल-मैदान,

खेल-मैदान, आउटडोर स्टेडियम, इंडोर गेम्स स्टेडियम, इंडोर गेम्स हाल, टीरने का तालाब, मनोरंजन कलब, आवासीय फैनेट (पहरा एवं लोजिंग हाउस, रेस्टोरेंट, बैंक, स्थानीय मरकारी कार्यालय (रख-रखाव) पुस्तकालय, खेल-कूद प्रणिक्षण केन्द्र, आउटोरियम, पुलिस चौक, अनिश्चयन चौक, डाकतार कार्यालय और स्थानीय केन्द्र (विसाइयों तथा संबंधित कर्मचारियों के लिए)।

टी 5—ट्रक टर्मिनल

ट्रक टर्मिनल, मोटर गैरेज तथा वर्कशाप, खुदरा एवं मरम्मत दुकान, रेन-बैसेस, बोर्डिंग हाउस, बैंक, रेस्टोरेंट, सड़क परिवहन बुकिंग कार्यालय।

जी 2—मरकारी कार्यालय

केन्द्रीय मरकारी कार्यालय, स्थानीय मरकारी कार्यालय, गरकारी उपक्रम कार्यालय, अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन भवन, न्यायालय, सरकारी भूमि (उपयोग अनिवार्य), व्यावसायिक कार्यालय (केवल व्यावसायिक केन्द्रों में), खुदरा एवं मरम्मत दुकान, बैंक, रेस्टोरेंट, पहरा एवं निगरानी, विक्रय बूथ, इंडोर गेम्स हाल, डिस्ट्रेसरी, पुस्तकालय, संस्कृतिक एवं सूचना केन्द्र, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थान, आउटोरियम, पुलिस चौक, अनिश्चयन चौकी तथा डाक-तार कार्यालय।

पी एम—1 अस्पताल

अस्पताल, स्थानीय केन्द्र (परिवार कल्याण केन्द्र सहित), नर्सिंग होम, हिस्टोरीय क्लॉनिक, नैदानिक प्रयोगशाला, स्वैच्छिक स्वास्थ्य सेवा, आवासीय फैनेट तथा आवासीय प्लाट-समूह आश्रम (स्टाफ एवं कर्मचारियों के लिए), होस्टल (मेडिकल कालिज के छात्रों और स्टाफ के लिए), धर्मशाला, रैन-बैसेस, खुदरा एवं मरम्मत की दुकान (केवल व्यावसायिक केन्द्रों में) बैंक, रेस्टोरेंट, इंडोर गेम्स हाल, मनोरंजन-कलब, टीरने का तालाब, पुस्तकालय, कालिज (चिकित्सा व्यवसाय जैसे), न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला, पुलिस चौकी, अनिश्चयन चौक, और डाक-तार कार्यालय।

पी एम 2—णिका तथा अनुसंधान

विश्वविद्यालय तथा विशेष कृत शैक्षणिक संस्थान, कालिज, नर्सिंग तथा किड्सर्टान स्कूल, एक कून आवासीय स्कूल, णिमगृह एवं विद्यास देखभाल केन्द्र, अनुसंधान सभा विकास केन्द्र, पुस्तकालय, सभाज कल्याण केन्द्र, आउटोरियम, खुला य यियेटर, स्वास्थ्य केन्द्र, खेल-मैदान, आउटडोर स्टेडियम, इंडोर गेम्स हाल, शूटिंग रेज, टीरने का तालाब, मनोरंजन-कलब, बानस्पतिक उद्यान, तारामंडल, चिल्ड्रिंग पर, शरण स्थान, आवासीय प्लाट-समूह आश्रम (स्टाफ और कर्मचारियों के लिए), होस्टल (छात्रों के लिए), अस्पिन-गृह सुविधा, खर्चदारों, बैंक, संग्रहालय, अनिश्चयन चौकी, पुलिस चौकी और डाक-तार कार्यालय।

पी एम 3—सामाजिक और सांस्कृतिक

सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थान, प्रत्यार्थीय सम्मेलन भवन, संग्रहालय, प्रवणी केन्द्र, चिकित्सा, आहारोरियम, खुला य यियेटर, समुदाय भवन, सांस्कृतिक एवं सूचना केन्द्र, आवासीय फैनेट (केवल पहरा तथा निगरानी स्टाफ), होस्टल, इंडोर गेम्स हाल, मनोरंजन-कलब, तारामंडल, पुस्तकालय, पुलिस केन्द्र, अस्पिन-गृह तथा डाक-तार कार्यालय।

## पी एस 4—पुलिस मुख्यालय तथा पुलिस साईंस

पुलिस मुख्यालय, पुलिस चौकी, पुलिस स्टेशन, जिला बटानियन कार्यालय, सिविल रक्षा एवं होम-गार्ड, न्यावालयिक विज्ञान प्रयोगशाला, जेल, अग्निशमन चौकी, आवास य प्लाट-भूखंड य एवं समूह आवास, होस्टल (स्टाफ तथा कर्मचारी), अग्निधिनगृह, बैंक, सुविधा बर्केंटिंग, मोटर गैरेज तथा वर्कशाप, रेस्टोरेंट, खेल-मैदान, हॉटेल गेम्स स्टेडियम, इंडोर गेम्स हाल, मूटिंग रेज, तैरने का तालाब, मनोरंजन-बलब, अस्पताल, स्वास्थ्य केन्द्र, डिसेंसरी, स्थैनिक स्वास्थ्य सेवा (रेह-कास जैसी), नर्सरी तथा किडरार्टन स्कूल, एकीकृत आवासीय स्कूल, पुस्तकालय, अग्निशमन चौकों तथा डाक-मार। कार्यालय।

## पी एस 5—अग्निशमन केन्द्र तथा मुख्यालय

अग्निशमन केन्द्र, अग्निशमन चौकी, आवासीय फ्लैट (स्टाफ कर्मचारियों के लिए), होस्टल (स्टाफ के लिए), प्रतिधिनगृह, सुविधा बर्केंटिंग, बैंक, मोटर गैरेज तथा वर्कशाप, रेस्टोरेंट, खेल-मैदान, हॉटेल गेम्स हाल, तैरने का तालाब, मनोरंजन बलब, स्वास्थ्य केन्द्र, प्राह्मणी स्कूल, पुस्तकालय तथा डाक तार कार्यालय।

## पी एस 6—संचार

उपग्रह तथा दूर संचार केन्द्र, ट्रांसमीशन टावर, बेतार केन्द्र, टेलीफोन केन्द्र, आकाशवाणी तथा दूर-दृश्य एवं वेद्यशाला तथा मीसम कार्यालय, अग्निशमन चौकी, आवासीय फ्लैट (पहरा एवं निगरानी के लिए)।

## ए 1—प्लाट नर्सरी

प्लाट नर्सरी आवासीय फ्लैट (पहरा एवं निगरानी तथा रख-रखाव के लिए)।

ग्रामीण जोन

ग्रामांश केन्द्र, फलोवान, प्लाट नर्सरी, बन, निस्सारक उद्योग।

(ख) 1 निम्नलिखित उपयोग जोनों में उपयोग परिसरों को अनुमति पर नियंत्रण उपयोग जोन के विवेप कार्य द्वारा होगा।

सी-3 होटल, पी-4 एंटिहाइक स्मारक, टी-1 विमान पत्तन, टी-2 रेल टर्मिनल, टी-3 रेल परिवालन, टी-4 बस टर्मिनल एवं डिपो, टी-6 सड़क परिवालन, यू-1 जल, यू-2 सीवरेज, यू-3 बियुत, यू-4 कूका-करकट, यू-5 नाये, जो-1 राष्ट्रपति मंपवा तथा संसद भवन, जो-3 सरकारी भूमि (उपयोग प्रतिधारित), पी एस-7 शबवाह एवं कप्रिस्टान, पी एस-8 धार्मिक, ए-2 हरित पट्टी और ए-4 नदी एवं जल निकाय।

(ख) 2 पार्क, पार्किंग, टैक्सी एवं तिपहिया स्टैंप और सार्वजनिक उपयोगिता परिवार को सभी उपयोग जोनों में अनुमति दी गई है।

8(3) उपयोग परिसरों में अनुमति

उपयोग/उपयोग कार्य-क्लावा:

आवासीय प्लाट (001)

## समूह 1

इस समूह के अंतर्गत 1962 के बाद विकसित भूखंडीय आवासीय क्षेत्र आसा है और भूखंडीय आवासीय क्षेत्र भी आते हैं, जहां व्यावसायिक अनधिकार प्रयोग नगण्य हो (इन जीवों की सूची अनुबंध 2 में दी गई है)। आवासीय विकास टाइप और उपयोग अनुमति दोनों मामलों में परिवर्तन प्रभार को अन्तर्राय द्वारा प्राधिकरण द्वारा निर्धारित की जाएगी।

आवास, जीवों का व्यावसायिक परामर्शी कार्यालय, वास्तुकार एवं इंजीनियर, चार्टरिट लेखापाल, डाक्टर तथा अन्य व्यवसायियों को निम्नलिखित शर्तों के साथ;

(1) संस्थापना के अंतर्गत क्षेत्र 30 वर्ग मी. या कुर्सी क्षेत्र का 25% जो भी कम हो, उससे अधिक नहीं होगा।

(2) संस्थापना केवल आवासीय इकाई के निवासी द्वारा चलाई जाएगी।

## समूह 2

इस समूह के अंतर्गत "पुनर्वासी" भूखंडीय आवासीय क्षेत्र और व्यावसायिक व्यापन सहित अन्य भूखंडीय आवासीय क्षेत्र, पुनर्वासी आवासीय क्षेत्र तथा शहरी गांव आते हैं। (इन क्षेत्रों की सूची अनुबंध 2 में दी गई है) आवासीय विकास टाइप द्वारा और उपयोग अनुमति क्षेत्रों मामलों में परिवर्तन प्रभार को अन्तर्राय द्वारा प्राधिकरण द्वारा निर्धारित की जाएगी।

निम्नलिखित शर्तों सहित आवास, खुबरा, मरम्मत, कार्मिक सेवा दुकान:—

(1) केवल निवासी मंजिल पर संस्थापना के लिए अनुमति दी जाएगी और वह आवासीय इकाई के निवासी द्वारा चलाई जाएगी।

(2) संस्थापना का क्षेत्र 15 व. मी. या निवासी मंजिल के आवृत्त क्षेत्र का 25% जो भी कम हो, से अधिक नहीं होगा।

निम्नलिखित शर्तों सहित घरेलू उद्योग (अनुबंध 3 में दी गई सूची)

(1) संस्थापना की अनुमति केवल निवासी मंजिल (\*) पर दी जाएगी और वह आवासीय इकाई के निवासी द्वारा चलाई जाएगी।

(2) संस्थापना का क्षेत्र 30 व. मी. या कुर्सी क्षेत्र का 25% जो भी कम हो, से अधिक नहीं होगा।

निम्नलिखित शर्तों सहित धिशुगृह और दिवस देखभाल केन्द्र, नर्सरी एवं किडरार्टन स्कूल, संगोत-नृत्य एवं नाट्य प्रशिक्षण केन्द्र, सिलाई, कार्वाई तथा बुनाई प्रशिक्षण केन्द्र:

(1) संस्थापना की अनुमति केवल निवासी मंजिल पर दी जाएगी और वह आवासीय इकाई के निवासी द्वारा चलाई जाएगी।

(2) संस्थापना का क्षेत्र 30 व. मी. या निवासी मंजिल के आवृत्त क्षेत्र का 25% जो भी कम हो, उससे अधिक नहीं होगा।

व्यवसायी परामर्शी कार्यालय:

वहीं जो समूह 1 में दिए गए हैं।

## समूह 3

अनधिकृत नियमित आवासीय क्षेत्र

(अनधिकृत नियमित कालोनियां)

इस वर्ग के अंतर्गत आवासीय को छोड़कर अन्य उपयोगों के लिए अनुमति विभिन्न क्षेत्रों के विस्तृत अध्ययन के आधार पर प्राधिकरण द्वारा दी जाएगी।

आवासीय विकास टाइप और उपयोग अनुमति दोनों के लिए परिवर्तन प्रभार की अन्तर्राय द्वारा प्राधिकरण द्वारा निर्धारित की जाएगी।

आवासीय-प्लाट—समूह आवास

(002)

आवासीय प्लैट, कर्मकालनरी की खुदरा दुकान, नर्सरी तथा जनरल बैर्नेट, पुस्तकों एवं स्टेशनरी, कैमिस्ट, नाई, लॉडरर, दर्जी, सम्पादि (प्रयोक के लिए 15 व. मी. तक क्षेत्र—निवासी मंजिल पर) शिशुगृह तथा दिवस देखभाल केन्द्र (50 व. मी. तक के क्षेत्र सहित निवासी मंजिल पर)।

आवासीय प्लैट

(003)

आवास, व्यावसायिक परामर्शी कार्यालय (जैसा आवासीय प्लाट के समूह 1 में दिया गया है)

खुबरा, मरम्मत तथा कार्मिक सेवा दुकान

(012 से 014)

खुबरा दुकान; मरम्मत दुकान; कार्मिक सेवा दुकान।

(\*) इस सहित में निवासी मंजिल का प्रभिग्राम प्राउंड फ्लॉर से है।

## थोक व्यापार (019)

थोक दुकान; गोदाम एवं भण्डार; व्यावसायिक कार्यालय  
(पहली या उससे ऊपर की मंजिल पर कुल तल क्षेत्रफल के 25% तक प्रतिबंधित)।

## व्यावसायिक कार्यालय (025)

व्यावसायिक कार्यालय; खुदरा एवं कार्मिक सेवा दुकान; रेस्टोरेंट; बैंक, डाक तार कार्यालय।

## ओद्योगिक ब्लाट—हल्के एवं सेवा उद्योग (036)

अनुबंध 3 में दी गई सूची के अनुसार हल्के एवं सेवा उद्योग; प्रशासनिक कार्यालय, सेल्स आउटलेट।

## आवास एवं कार्य ब्लाट (004)

आवास, निवाली मंजिल के खोले को खुदरा दुकान, अरेलू उद्योग और कार्मिक सेवा दुकान के कार्य स्थान के रूप में प्रयोग किया जाए।

## आवासीय परिसर—विशेष घोट (005)---

## विशेष क्षेत्र विनियमों के अनुसार

## विवेशी मिशन (006)

विवेशी मिशन और संविधित मुविधाई

## होस्टल, गेस्ट हाउस, बोर्डिंग हाउस तथा लोर्जिंग हाउस (007 एवं 008)

होस्टल, गेस्ट हाउस, बोर्डिंग हाउस एवं लोर्जिंग हाउस, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी.), नाई एवं लांडरर की कार्मिक सेवा दुकानें; सोफ्ट ब्रुक तथा स्नैक स्टाल (15 व. मी.)।

## धर्मसाला (009)

धर्मसाला; नाई एवं लांडररकों कार्मिक सेवा दुकानें; सोफ्टब्रुक तथा स्नैक बार (15 व. मी. तक)

## बारात घर (010)

बारातघर; सोफ्ट ब्रुक एवं स्नैक बार (15 व. मी. तक)।

## रैन-बैसरा (011)

## रैन-बैसरा

## विक्रय बूथ (015)

## विक्रय बूथ

## मुखिया खरीदारी (016)

खुदरा, मरम्मत और कार्मिक सेवा दुकान; रेस्टोरेंट, कलानिक।

## स्थानीय खरीदारी (017)

खुदरा, मरम्मत एवं कार्मिक सेवा दुकान; व्यावसायिक कार्यालय; अनुबंध 3 के अनुसार उद्योग; नैवालिक प्रयोगशाला; अर्तीनिक एवं पोली-क्लीनिक, रेस्टोरेंट, सोफ्ट ब्रुक एवं स्नैक स्टाल, डाकघर तथा बैंक एक्स-डेशन काउंटर।

## साप्ताहिक बाजार (018)

साप्ताहिक बाजार; अनौपचारिक खुदरा व्यापार; सोफ्ट ब्रुक एवं स्नैक स्टाल (सभी संरचनायें या तो अस्थायी होंगी या बल्ली-फिरती जल्दाह में केवल एक दिन के लिये)।

## भण्डार, गोदाम एवं भण्डारार (020)

भण्डार, गोदाम एवं भण्डारार, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), थोक नियम, प्रशासनिक एवं विक्रय कार्यालय।

## शीतागार (021)

शीतागार, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), प्रशासनिक कार्यालय।

## गैम-गोदाम (022)

गैम-गोदाम, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), केयर टेकर कार्यालय।

## तेल डिपो (023)

तेल एवं गैस डिपो, आवासीय फैस्ट (पहरा एवं निगरानी तथा रेखरब्राव स्टाफ के लिये), प्रशासनिक कार्यालय।

## जंक घास (024)

जंक घास, पहरा एवं निगरानी आवास, विक्रय कार्यालय।

## बैंक (026)

बैंक पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), व्यावसायिक कार्यालय, कैटीन।

## मोटर गैरज तथा वर्कशेप (027)

मोटर गैरज एवं वर्कशेप, खुदरा दुकान (पुर्जे), सोफ्ट ब्रुक एवं स्नैक स्टाल।

## सिनेमा (028)

सिनेमा, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी.), प्रशासनिक कार्यालय, सोफ्ट ब्रुक एवं स्नैक स्टाल, खुदरा दुकान तथा व्यावसायिक कार्यालय।

(कुल तल क्षेत्रफल का 20% तक)।

## ड्राइव-इन-सिनेमा (029)

ड्राइव-इन-सिनेमा, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी.), प्रशासनिक कार्यालय, रेस्टोरेंट, सोफ्ट ब्रुक एवं स्नैक स्टाल।

## पैट्रोल पम्प (030)

पैट्रोल पम्प, सोफ्ट ब्रुक एवं स्नैक स्टाल, आटोमोबाइल मरम्मत दुकान।

## रेस्टोरेंट (031)

## रेस्टोरेंट।

## होटल (032)

होटल, खुदरा एवं कार्मिक सेवा दुकान तथा व्यावसायिक कार्यालय—कुल तल क्षेत्रफल का 5% तक प्रतिबंधित।

## मोटर (033)

## मोटर।

## फैलेट समूह उद्योग (034)

अनुबंध 3 की श्रेणी क, ख, ग, घ तथा घ में विष. गण उद्योगों की अनुमति दी जाएगी, लेकिन शर्त यह है कि इन उद्योगों से निम्नलिखित की प्रधिकता न हों:-

(1) कम्बन; या

(2) डोस या तरल बेकार पदार्थ; या

(3) कच्चे माल/तैयार माल का आना-जाना।

इन कारकों का निर्वाचन प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा।

पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक)

## सर्विस केंद्र (035)

खुदरा, मरम्मत एवं कार्मिक सेवा दुकान, अनुबंध 3 के अनुसार सर्विस केंद्र में उद्योग की अनुमति, गैम-गोदाम, व्यावसायिक कार्यालय।

विस्तृत उद्योग प्लाट (037)

अनुबंध 3 में दी गई सूची के अनुसार विस्तृत उद्योग, प्रणालीनिक कार्यालय, मेल्स आउटनेट, आवासीय फैलैट (रख-रखाव स्टाफ के लिए), पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक)।

शौचालिक परिसर—निस्मारक उद्योग (038)

निस्मारक उद्योग

शौचालिक प्लाट—उद्योग विशेष टाइप (039)

उद्योग विशेष टाइप, प्रणालीनिक कार्यालय, मेल्स आउटनेट।

पार्क (040)

पार्क, सोफ्ट ड्रिक एवं स्नैक स्टाल

(1.0 हेक्ट. और उससे अधिक ध्वेत्रफल के पार्क पर)

खेल मैदान (041)

खेल मैदान।

आउटडोर स्टेडियम, इन्डोर गैम्स स्टेडियम तथा शॉट्ट रेज (042, 043 तथा 044)

स्टेडियम, स्थानीय सरकारी कार्यालय (रख-रखाव), पहरा एवं निगरानी, आवास (20 व. मी. तक), आवासीय फैलैट (रख-रखाव स्टाफ के लिए), खुदगा दुकान, रेस्टोरेंट।

इन्डोर गैम्स हाल (045)

इन्डोर गैम्स हाल, सोफ्ट ड्रिक एवं स्नैक स्टाल।

तैरने का तालाब (046)

तैरने का तालाब, पहरा एवं निगरानी वथा रख-रखाव स्टाफ आवास, रेस्टोरेंट।

मनोरंजन क्लब (047)

मनोरंजन क्लब, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), आवासीय फैलैट (रख-रखाव स्टाफ के लिए), तैरने का तालाब, इन्डोर तथा आउटडोर गैम्स सुविधाएं।

ऐतिहासिक स्मारक (048)

ऐतिहासिक स्मारक।

गण्डीय स्मारक (049)

मकबरा, समाधि और अन्य स्मारक, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), सोफ्ट ड्रिक एवं स्नैक स्टाल, पुस्तक एवं नस्कीर काड़ दुकान।

चिड़ियाघर तथा बानसपनिक उद्यान, पक्षी शरण स्थान, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), आवासीय फैलैट (रख-रखाव स्टाफ के लिए), खुदगा दुकान, रेस्टोरेंट।

विशेषीकृत पार्क मैदान (050)

मार्बजिनिक सभा मैदान, नार्वेजिनिक रास्कोंधन पार—पीठ, सोफ्ट ड्रिक

एवं स्नैक स्टाल।

तागमेंडल (054)

तागमेंडल, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), कैफेटेरिया।

पिकनिक हट (055)

पिकनिक हट।

फ्लाईंग बल्ब (056)

फ्लाईंग बल्ब और 0.47 में विद्या गया गव।

कार्यालय एवं बुकिंग कार्यालय (057)

कार्यालय एवं बुकिंग कार्यालय, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक)।

रेलवे भाड़ा गंदाम (058)

रेलवे भाड़ा गंदाम, केपर टैकर कार्यालय, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक)

रेलवे बुकिंग कार्यालय, तथा सड़क परिवहन बुकिंग कार्यालय (059 एवं 060)

रेलवे श्रीर सड़क परिवहन बुकिंग कार्यालय, भण्डार।

पार्किंग (061)

पार्किंग।

ट्रैक्सी एवं तिप्पहिया स्टैण्ड (062)

ट्रैक्सी एवं तिप्पहिया स्टैण्ड।

बस टर्मिनल (063)

बस टर्मिनल, सोफ्ट ड्रिक एवं स्नैक स्टाल, प्रणालीनिक कार्यालय, अन्य कार्यालय।

बस डिपो (064)

बस डिपो, बर्केजप, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), सोफ्ट ड्रिक एवं स्नैक स्टाल, प्रणालीनिक कार्यालय।

सार्वजनिक उपयोगिता परिसर (065)

आंबरहेड टैक, आंबरहाराउंड टैक, आकर्मीजेशन पॉइंट, सेप्टिक टैक, सीबरेज पर्म्पिंग स्टेशन, सार्वजनिक शौचालय एवं मूलालय, विद्युत गम्ब-स्टेशन, ड्लावर एवं उस्टेशन, धौधोधाड़।

केन्द्रीय सरकारी कार्यालय, स्थानीय सरकारी कार्यालय तथा सार्वजनिक उपकरण कार्यालय (066, 067 तथा 068)

केन्द्रीय सरकार, स्थानीय सरकार तथा सार्वजनिक उपकरण कार्यालय, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), कैमिस्ट की खुदगा दुकान, पुस्तक एवं स्टेशनरी, उपभोक्ता भंडार (भूमि तल पर प्रशेषक के लिए 15 व. मी. तक)।

कैन्टीन, बैंक एक्सटेंशन काउंटर, डाकबर प्रैक्टिस्टेशन काउंटर।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन केन्द्र (069)

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन केन्द्र, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक),

आवासीय फैलैट (रख-रखाव स्टाफ के लिये), रेस्टोरेंट, बैंक, डाक-तार कार्यालय, पुस्तकालय, प्रदर्शनी केन्द्र।

न्यायालय (070)

न्यायालय, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), कैन्टीन, कैमिस्ट एवं स्टेशनरी की खुदगा दुकान (प्रत्येक के लिये 15 व. मी. तक), पुस्तकालय, प्रणालीनिक कार्यालय बैंक, डाक-तार कार्यालय, पुस्तकालय, बैंकों के चैम्बर।

सरकारी भूमि (071)

(उपयोग ग्रन्थालयित)

उपयोग ग्रन्थालय

ग्रन्थालय (072)

प्रम्पनाल, आवासीय फैलैट (कम्बलारी एवं सेवा कार्मिक), गांम्यानिक होस्टल, मैटिकल कालिज, खुदरा दुकानें (कल्पनशनरी, ग्रोगरी एवं जनरल मर्चेंट, पुस्तकें और एसेनरी, कैमिस्ट, नाई, लॉडरर, बड़ी)।

स्वास्थ्य केन्द्र तथा निगम होम (073 तथा 074)

स्वास्थ्य केन्द्र, निगम होम, पहरा एवं निगरानी आवास (प्रथेक के लिये 20 व. मी. तक) कैमिस्ट की दुकान (प्रथेक के लिये 15 व. मी. तक)।

डिसेंसरी (075)

डिसेंसरी, सोफ्ट ड्रिक एवं स्नैक स्टाल।

कैटीनिक (076)

कैटीनिक।

नैदानिक प्रयोगशाला (077)

नैदानिक प्रयोगशाला, सोफ्ट ड्रिक एवं स्नैक स्टाल।

स्टैचिल राजस्थान सेवा (078)

स्टैचिल राजस्थान सेवा, पहरा एवं निगरानी आवास (21 व. मी. तक), प्रगासनिक कार्यालय, डिसेंसरी कैल्टीन।

शिशुगृह तथा दिवस देवभान केन्द्र (079)

शिशुगृह तथा दिवस देवभान केन्द्र, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक)।

नर्सी एवं किंडरगार्डेन स्कूल (080)

नर्सी एवं किंडरगार्डेन स्कूल, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक)।

प्राइमरी स्कूल (081)

प्राइमरी स्कूल, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी.), पुस्तके एवं स्टेशनरी दुकान (15 व. मी. तक), सोफ्ट ड्रिक एवं स्नैक स्टाल।

सैकेन्डरी, मीनियर सैकेन्डरी तथा एसीफ्लू स्कूल (082, 083 एवं 084) सैकेन्डरी, मीनियर मैकेन्डरी तथा एकीफ्लू स्कूल, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), पुस्तके एवं स्टेशनरी तथा कैमिस्ट दुकान (15 व. मी. तक), सोफ्ट ड्रिक एवं स्नैक स्टाल, कैल्टीन, बैंक प्रक्रमटेशन काउंटर, आडिटोरियम, इच्छोर गैम्स हाल, सैरने का नालाब, डॉक्टर काउंटर सुविधा।

एलीक्ट्र आवासीय स्कूल तथा कालिज (ठारवनाधिक कालिज महिन) (085 एवं 086)

स्कूल एवं कालिज, आवासीय फैलैट (रब-रखाव स्टाफ के लिये), सांस्थानिक होस्टल, प्रथेक 15 व. मी. लेवल की खुदरा दुकानें (कल्पन-शनरी, सोपरी एवं जनरल मर्चेंट, पुस्तके एवं स्टेशनरी, कैमिस्ट, नाई, लॉडरर, सच्ची (कैल्टीन, बैंक प्रक्रमटेशन काउंटर, आडिटोरियम, इच्छोर गैम्स हाल, सैरने का नालाब, डॉक्टर काउंटर सुविधा।

ब्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान (087)

ब्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), होस्टल, (केवल सरकारी केन्द्रों के मामते में), पुस्तके एवं स्टेशनरी दुकान, (15 व. मी. तक), कैल्टीन पुस्तकालय।

समाज कल्याण केन्द्र (088)

समाज कल्याण केन्द्र, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), कैल्टीन, प्रश्नानी एवं कैम्स काउंटर।

ग्रन्तुंधान एवं विकास केन्द्र (089)

ग्रन्तुंधान एवं विकास केन्द्र, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), आवासीय फैलैट (रब-रखाव स्टाफ के लिये), होस्टल, कैल्टीन, बैंक प्रक्रमटेशन काउंटर, पुस्तकालय, डॉक्टर काउंटर सुविधा।

पुस्तकालय (090)

पुस्तकालय, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), कैल्टीन, प्रदर्शनी, एवं चित्रगाला, आडिटोरियम।

तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र (091)

तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र, आवासीय फैलैट (रब-रखाव स्टाफ के लिये), पुस्तके एवं स्टेशनरी तथा कैमिस्ट की दुकानें (प्रथेक के लिये 15 व. मी. तक), कैल्टीन, बैंक प्रक्रमटेशन काउंटर, आडिटोरियम, डॉक्टर काउंटर सुविधा।

ब्यावसायिक एवं साधिकारी प्रशिक्षण केन्द्र (092)

ब्यावसायिक एवं साधिकारी प्रशिक्षण केन्द्र, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), कैल्टीन।

सारीत, नृत्य और नाट्य प्रशिक्षण केन्द्र (093)

सारीत, नृत्य एवं नाट्य प्रशिक्षण केन्द्र, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), कैल्टीन, आडिटोरियम।

ब्लैक-फूल प्रशिक्षण केन्द्र (094)

ब्लैक-फूल प्रशिक्षण केन्द्र, आवासीय फैलैट (रब-रखाव स्टाफ के लिये), खुदरा दुकानें (कल्पनशनरी, गोपरी, एवं जनरल मर्चेंट), होस्टल, बैंक, डॉक्टर-घर, कैल्टीन, इच्छोर एवं आउटडोर स्टेडियम, तैरते का तालाब, ब्लैन मैदान।

मोटर इंजिनिंग प्रशिक्षण केन्द्र (095)

मोटर इंजिनिंग प्रशिक्षण केन्द्र, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), सोफ्ट ड्रिक एवं स्नैक स्टाल।

बाल यातायान पार्क (096)

बाल यातायान पार्क, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), सोफ्ट ड्रिक एवं स्नैक स्टाल, संप्रादलय, आडिटोरियम।

मंप्रहालय, प्रदर्शनी केन्द्र एवं चित्रगाला, आडिटोरियम एवं खुला चियेटर (097, 098, 099 एवं 100)

संग्रहालय, प्रदर्शनी केन्द्र एवं चित्रगाला, आडिटोरियम एवं खुला चियेटर, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), कैल्टीन।

ममुदाय हाल (101)

ममुदाय हाल, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), सोफ्ट ड्रिक एवं स्नैक स्टाल।

मेला मैदान (102)

मेला मैदान, आवासीय फैलैट (रब-रखाव स्टाफ के लिये), प्रश्नानी केन्द्र (प्रकृति में प्रस्तुती), रेस्टोरेंट, मांफ एवं स्नैक स्टाल, पुलिस चौकी, अग्नि-एक्सन चौकी, बैंक प्रक्रमटेशन काउंटर सुविधा, डॉक्टर काउंटर सुविधा।

सांस्कृतिक एवं सूखना केन्द्र (103)

सांस्कृतिक एवं सूखना केन्द्र, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), होस्टल, कैल्टीन, बैंक प्रक्रमटेशन काउंटर सुविधा, आडिटोरियम (वैदेन की अमना 500 तक), पुस्तकालय, प्रश्नानी एवं चित्रगाला।

मामाजिक एवं सास्कृतिक संस्थान (104)

मामाजिक एवं सास्कृतिक संस्थान, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), सोफ्ट ड्रिक एवं स्नैक स्टाल, रेस्टोरेंट, कैल्टीन, बैंक एक्स-टेशन काउंटर सुविधा, आडिटोरियम, पुस्तकालय, मंगात, नृत्य एवं नाट्य प्रशिक्षण केन्द्र, संग्रहालय, प्रश्नानी केन्द्र तथा चित्रगाला।

मुधारालय एवं भ्रान्तालय (105 एवं 106)

मुधारालय एवं भ्रान्तालय, आवासीय फैलैट (रब-रखाव स्टाफ के लिये), होस्टल, कार्मिक मेवा दुकान (15 व. मी. तक)।

धार्मिक परिवर्त भवन (107)

- (1) मन्दिर
- (2) मन्जिद
- (3) चर्च
- (4) गुरुदारा
- (5) सिनागांग
- (6) आश्रम
- (7) स्नान-धाट
- (8) गोशाला
- (9) दरगाह
- (10) धर्मीय डिस्पैसरी एवं पुस्तकालय

योगा केन्द्र, भनन, आध्यात्मिक एवं धार्मिक प्रवचन केन्द्र (108)

योगा केन्द्र, भनन, आध्यात्मिक एवं धार्मिक प्रवचन केन्द्र, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), होस्टल, सोफ्ट ड्रिंक एवं सैक्स्टाल।

पुनिंग चौकी (109)

पुनिम छोकी।

पुलिस स्टेशन (110)

पुलिस स्टेशन आवासीय फैलैट (रख-रखाव स्टाफ के लिए)।

जिला पुलिस कार्यालय एवं सिविल रक्षा तथा होम गार्ड (111 एवं 112)

जिला पुलिस कार्यालय एवं सिविल रक्षा तथा होम गार्ड, आवासीय फैलैट (रख-रखाव स्टाफ के लिए), होस्टल, खेल मैदान।

स्थायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला (113)

स्थायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला।

जेल (114)

जेल

अग्नि-शमन छोकी (115)।

अग्नि-शमन चौकी

अग्नि-शमन केन्द्र (116)

अग्नि शमन केन्द्र, आवासीय फैलैट (रख-रखाव स्टाफ के लिए), होस्टल (कम्बन्चार्टिंगों के लिए), सर्विस बर्केशाप।

डाकघर, डाक-तार कार्यालय एवं बड़ा डाकघर (117, 118 तथा 119)

डाकघर, डाक-तार कार्यालय एवं बड़ा डाकघर, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), फैल्टीन।

टेलीफोन केन्द्र (120)

टेलीफोन केन्द्र, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक) फैल्टीन।

रेडियो एवं टेली-विज्ञन केन्द्र (121)

रेडियो एवं टेली-विज्ञन केन्द्र, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक), होस्टल, फैल्टीन, पुस्तकालय।

ट्रान्समीशन टावर (122)

ट्रान्समीशन टावर, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक)।

वायप्रह एवं तूर-मंजिद केन्द्र और वैधानिक तथा मौसम कार्यालय (123 एवं 124)

उपग्रह एवं दूरसंचार केन्द्र और वैधानिक तथा मौसम कार्यालय, आवासीय फैलैट (रख-रखाव स्टाफ के लिए), फैल्टीन, अनुसंधान प्रयोगशाला।

शबाधान भूमि, शमशान, कविस्तान तथा विष्णुन दाहगृह, लकड़ी, फूलों और मुंहित सामग्री की खुदरा दुकानें, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक)।

फलोधान (129)

फलोधान, पहरा एवं निगरानी तथा रख-रखाव स्टाफ आवास (20 व. मी. तक)। सभी संरचनाएं अस्थायी प्रकार की होंगी।

नसरी (130)

नसरी, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक)।

सभी संरचनाएं अस्थायी प्रकार की होंगी।

वन (131)

वन।

डेवरी फार्म (132)

डेवरी फार्म, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक)। सभी संरचनाएं अस्थायी प्रकार की होंगी।

पोल्ट्री फार्म (133)

पोल्ट्री फार्म, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक)। सभी संरचनाएं अस्थायी प्रकार की होंगी।

सुप्ररक्षा (134)

सुप्ररक्षा शेड, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक)। सभी संरचनाएं अस्थायी प्रकार की होंगी।

फार्म हाउस (135)

फार्म हाउस, पहरा एवं निगरानी आवास (20 व. मी. तक)। सभी संरचनाएं अस्थायी प्रकार की होंगी।

ग्रामीण केन्द्र (136)

ग्रामीण केन्द्र, खुदरा दुकान, मरम्मत दुकान, कार्मिक सेवा दुकान, साप्ताहिक बाजार, बैंक, व्यावसायिक कार्यालय, सिनेमा, रेस्टोरेंट, स्थानीय, मरकारी कार्यालय, डिस्पैसरी, कर्मानिक, नैदानिक प्रयोगशाला, अस्पताल, सीनियर सैकेलरी स्कूल, पुस्तकालय, ममुदाय भवन, पुलिस छोकी, अग्नि-शमन चौकी, डाक-घर

टिप्पणीयां :

(1) पार्क, पार्किंग, सार्वजनिक सुविधाएं, सार्वजनिक उपयोगिता सभी परिसरों में अनुमत है, जहाँ आवश्यकता हो।

(2) परिसरों को मिलाने के भागों में संबंधित उपयोग अनुमत है।

(3) यदि उच्च क्रम के उपयोग परिसर अनुमत हों, तो उसी क्रम के निवेदन क्रम के उपयोग परिसर भी अनुमत होंगे। उदाहरण के लिए, यदि पुलिस स्टेशन अनुमत है तो उसके स्थान पर पुलिस चौकी की अनुमति दी जा सकती है।

(4) जो संरचना एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाई जा सकती हो या हटाई जा सकती हो, जैसी भी स्थिति हो, वह स्थायी संरचना मानी जाएगी।

8 (4) उपयोग परिसरों के अंदर भवन / भवनों के लिए नियन्त्रण :

इन विनियमों का उद्देश्य उपयोग परिसरों के अंदर भवन/भवनों के लिए नियन्त्रण की व्यवस्था करना है। भवन का आयतन अनुमत तक क्षयरेज, कार्पो-प्रेटरिल अनुपात तथा अधिकतम उच्चाई द्वारा निर्धारित किया जाता है। लागू भवन उपयोगिक के अंतर्गत आने वाली और उसके द्वारा नियन्त्रित आंतरिक व्यवस्था को छोड़कर तहाना, सेटबैंक, पार्किंग मानक और भवन अनुमति के लिए सम्बद्ध अन्य पहलूओं जैसे उपबंधों के

न-प्रथा नियंत्रण निर्धारित किया गए हैं। ये शिविरम् प्रावासीय, व्यवसायिक, निवासीय, तरकारी और सावंतवानिक एवं वर्षा-नारेजनिक उपयोगों के महत्वपूर्ण उपयोग परिसरों के लिए बनाए गए हैं। गेव उपयोग परिसरों की किला विशेष मामले में व्यावरिक आवश्यकताओं और अन्य संविधान तदनुरूपों के भावार पर प्राधिकरण द्वारा जारी की जाएंगी।

ऐतिहासिक स्मारकों और भवनों के इर्द-गिर्द के विकास पर इस प्रकार से नियंत्रण किया जाएगा जिससे उनका मृश्व और बढ़े। विद्यमान विकास में आवासीय प्लाटों पर अनुबंध 4 में दिए गए शिविरम् लागू होंगे।

कुछ परिसरों के लिए पार्किंग भावनों की सिफारिश की गई है। जहाँ इनकी व्यवस्था नहीं होगी, वहाँ वे प्रशीर मामले के गुणावत्तु और आवश्यकताओं के अनुसार प्राधिकरण द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

जहाँ भी, प्लाटों के विभिन्न बर्गों के अनुसार भवन विनियम दिए गए हैं वहाँ आवृत किया जाने वाला थेव और करी तल-क्षेत्र किसी भी द्वालत में निम्न बर्ग के प्लाट के सब से बड़े साइज के लिए अवश्य अनुमति आवृत थेव और कंफ्रेक्ट से कम नहीं होना चाहिए। जहाँ भी वहाँ आवश्यक शर्तों सहित या शर्तों रखिए अनुभव है, वहाँ उसकी व्यवस्था निर्दिष्ट की गई है। जहाँ मध्यस्थल फर्म की व्यवस्था है, वहाँ वह कुल करी-क्षेत्रफल अनुपात का भाग भाना जाएगा। अवतर की अधिकतम ऊंचाई पृष्ठांकने की सहक की केंद्रीकृत रेखा ते मुंडेर की ओटा तक भानी जाएगी। मम्टों जल भव्यारण टैक आवि जैसी संरचनाओं का इस प्रकार नियंत्रित किया जाएगा जिससे कि वह मुंडेर के पांचे रुँदे। उपयोग परिद्वारों के सभी बर्गों के विभिन्न साइज के प्लाटों के लिए सेटबैक की व्यवस्था नियमित तालिका के अनुसार की जाएगी।

मैट बैक					
क्र. सं.	प्लाट का साइज सं.	प्रग्र भाग	पिछला भाग	साइज (1)	साइज (2)
1.	60 तक	0	0	0	0
2.	60 से अधिक और 150 तक	3	0	0	0
3.	150 से अधिक और 300 तक	3	3	0	0
4.	300 से अधिक और 500 तक	3	3	3	0
5.	500 से अधिक और 1000 तक	6	3	3	3
6.	1000 से अधिक और 2000 तक	9	3	3	3
7.	2000 से अधिक और 4000 तक	9	6	6	6
8.	4000 से अधिक और 10,000 तक	15	6	6	6
9.	10,000 से अधिक	15	9	9	9

(1) यदि प्लाट साइज के विशेष बर्ग के नियमित सेटबैकों सहित अनुमेय समर्वेणन की उपलब्धि नहीं होती तो पूर्वगामी बर्ग के सेटबैकों को अपनाया जाए।

(2) एक परिवार (1, 3 इकाई) आवासीय प्लाटों में पिछले सेटबैक पिछले भाग और साइजों में प्लाटों के खुले प्रांगण के निकट कार्नर में 2 मी.  $\times$  2 मी. के होंगे।

### आवासीय प्लाट-भूताईय आवास (001)

(क) एक (ख) परिवार तीन इकाई परिवार इकाई के लिये के लिये (1, 3 इकाई) दो

न्यूनतम प्लाट साइज (ब० मी०)	32	150	250 से अधिक
अधिकतम प्लाट साइज (ब० मी०)	80	250	350
मानक प्लाट साइज (ब० मी०)	72	180	—
तल करबरेज (%)	60	60	50
पर्श दोस्फल अनुपात	150	150	125
अधिकतम ऊंचाई (मी०)	11	11	11

अन्य नियंत्रण:

(क) एक परिवार

इकाई (1, 3 इकाई)

मध्य-प्रस्थ प्लाट के खुले प्रांगण के आगे पिछले कार्नरों में से एक कार्नर 2 मी०  $\times$  2 मी० का खुला प्रांगण होगा। यह शर्त लेजाउट प्लाट में निर्दिष्ट की जाएगी।

(2) प्लाट अग्र औडाई से गहराई अनुपात 1 : 2 से 3 होगा।

(3) एक नियमित रसोईचर और एक छोटे रसोईचर की अनुमति होगी।

(4) प्लाट के अन्दर कम से कम एक छोटा पेड़ लगाने के लिये दूरियां के लिये खाली स्थान का 10% खंडजे बिना छोड़ना।

(ख) तीन परिवार इकाई के लिये:

(1) प्लाट अग्र औडाई से गहराई अनुपात 1 : 2 से 3 को रेज में होया।

(2) तीन नियमित रसोईचरों की अनुमति होगी।

(3) प्लाट के अन्दर कम से कम एक छोटा पेड़ लगाने के लिये दूरियां के लिये खाली स्थान का 10% खंडजे बिना छोड़ना।

(ग) अनत्यनिकालने के लिये आवासीय इकाई में 4, 8 अधिकतमों के रहने का स्थान होना चाहिए।

### आवासीय प्लाट-समूह आवास (002)

(क) 2000 से 4000 तक	(ख) 4000 (ब० मी०) से तक के प्लाटों के अधिक के प्लाटों के लिये
1. तल करबरेज	33.33%
2. फर्म-क्षेत्रफल अनुपात	100
3. अधिकतम ऊंचाई	11 मी०

अन्य नियंत्रण:

(क) 2000 से 4000 तक के प्लाटों के लिये:

(1) अनुमति मंजिलों की अधिकतम संख्या—तीन।

(2) अनुमेय अनत्यनिकाल प्रति हेस्टेयर 120 आवासीय इकाई होंगी।

(3) भूमध्य के लिये प्रति हेक्टेयर 100 वृक्ष लगाये जायेंगे और आवासी स्थान का 40% हरियाली द्वारा आवृत किया जायेगा।

(4) पार्किंग की आवासीय इकाइयों के लिये प्रति आवासीय इकाई 0.28 कार लगात की दर से 50 वर्षों में अधिक और 90 वर्षों में तक के फर्म-शेत्रफल की आवासीय इकाइयों के लिये प्रति आवासीय इकाई 0.55 कार लगात की दर से और 90 वर्षों से अधिक के फर्म-शेत्रफल की आवासीय इकाइयों के लिये प्रति इकाई 1.15 कार लगात की दर से की जायेगी।

आवृत गैरेजों का शेत्रफल यदि उनकी आवासीय होंगी, कुल पार्किंग आवश्यकता में से घटा दिया जायेगा।

(अ) 4000 वर्षों से अधिक के घटाऊं के लिये।

(1) अनुमत मंजिलों की अधिकतम संख्या—जाठ।

(2) अनुमेय बनत्व प्रति हेक्टेयर 120 आवासीय इकाइयाँ होंगी।

(3) भूमध्य के लिये प्रति हेक्टेयर 100 वृक्ष लगाये जायेंगे और खुले स्थान का 40% हरियाली द्वारा आवृत किया जायेगा।

(4) आगे की ओर गर्लों को न्यूनतम चौड़ाई—16 मीटर।

(5) पार्किंग की आवासीय इकाइयों के लिये प्रति आवासीय इकाई 0.28 कार लगात की दर से, 50 वर्षों से अधिक और 90 वर्षों में तक के फर्म-शेत्रफल आवासीय की इकाइयों के लिये प्रति आवासीय इकाई 0.55 कार लगात की दर से और 90 वर्षों से अधिक के फर्म-शेत्रफल की आवासीय इकाइयों के लिये प्रति इकाई 1.15 कार लगात की दर से की जायेगी।

आवृत गैरेजों का शेत्रफल, यदि उनकी आवासीय होंगी, कुल पार्किंग आवश्यकता में से घटा दिया जायेगा।

(ग) नई दिल्ली और तिविल लाइस के बंगला शेत्र के मामले में बर्तमान आवश्यकता को बनाये रखते हुए अलग विनियम बनाये जायें।

विवेदित मिशन (008)

तल कवरेज	: 25%
फर्म-शेत्रफल अनुपात	: 75
अधिकतम ऊंचाई	: 14 मीटर

अन्य नियंत्रण :

(1) तहखाने की अनुमति निचली मंजिल के नीचे और अधिकतम तल कवरेज की सीमा तक के लिये दो जायेंगी और यदि वह पार्किंग और सर्विसिंज के लिये प्रयोग किया जायेगा तो वह फर्म-शेत्रफल अनुपात से निकाल दिया जायेगा।

होस्टल (007)

न्यूनतम घ्लाट साइज	: 2000 वर्षों
तल कवरेज	: 33.33%
फर्म-शेत्रफल अनुपात	: 100
अधिकतम ऊंचाई	: 26 मीटर

अन्य नियंत्रण :

(1) अनुमत मंजिलों की अधिकतम संख्या—आठ।

(2) तहखाने की अनुमति निचली मंजिल के नीचे और अधिकतम तल कवरेज की सीमा तक दो जायेंगी और वह केवल पार्किंग एवं सर्विसिंज के लिये प्रयोग किया जायेगा और फर्म-शेत्रफल अनुपात में गिना नहीं जायेगा।

(3) आगे की ओर न्यूनतम मार्गाधिकार

(4) वृक्ष प्रति हेक्टेयर 125 वृक्ष की दर से लगाये जायेंगे और 50% अनुमेय खाली स्थान हरियाली से आवृत की जायेगा। गेस्ट हाउस, बोर्डिंग हाउस एवं लौजिंग हाउस (008)

न्यूनतम घ्लाट माइलज	: 500 वर्षों
तल कवरेज	: 33.33%
फर्म-शेत्रफल अनुपात	: 100
अधिकतम ऊंचाई	: 14 मीटर

अन्य नियंत्रण :

(1) अनुमत मंजिलों की अधिकतम संख्या—नार।

(2) आगे की ओर न्यूनतम मार्गाधिकार—22 मीटर।

(3) 500 वर्षों में तक के घ्लाट पर कम से कम दो वृक्ष और घ्लाट के प्रत्येक 100 वर्षों के लिये अतिरिक्त एक वृक्ष सहित हरियाली के लिये खुले स्थान का 10% बंदगी रहित छोड़ने के लिये।

धर्मशाला, बारातधर और रैन बसेरा (009, 010 तथा 011)

न्यूनतम घ्लाट साइज	: 200 वर्षों
तल कवरेज	: 40%
फर्म-शेत्रफल अनुपात	: 80
अधिकतम ऊंचाई	: 11 मीटर

अन्य नियंत्रण :

(1) अनुमत मंजिलों की अधिकतम संख्या—दो।

(2) आगे की ओर न्यूनतम मार्गाधिकार—16 मीटर।

(3) हरियाली के लिये खुले स्थान का 10% बंदगी रहित छोड़ने के लिये और 500 वर्षों में तक के घ्लाट पर कम से कम दो वृक्ष और घ्लाट के प्रत्येक 100 वर्षों के लिये अतिरिक्त एक वृक्ष लगाया जायेगा।

सुधार्द द्वारा (016)

न्यूनतम घ्लाट माइलज	: 800 वर्षों
तल कवरेज	: 40%
फर्म-शेत्रफल अनुपात	: 40
अधिकतम ऊंचाई	: 5 मीटर

अन्य नियंत्रण :

(1) संरचना एक मंजिली होगी।

(2) केन्द्र में फल और सब्ज़ी की बुकानें सहित 25 से 30 तक औपचारिक बुकानें और 10 से 20 तक अनौपचारिक बुकानें होंगी।

(3) पार्किंग की आवासीय फर्म-शेत्रफल का प्रति 100 वर्षों में 1.3 कार लगात की दर से की जायेगी।

स्थानीय द्वारा (017)

न्यूनतम घ्लाट साइज	: 3000 वर्षों
--------------------	---------------

(क) खुदरा एवं वाणिज्य

तल कवरेज	: 35%
फर्म-शेत्रफल अनुपात	: 100
अधिकतम ऊंचाई	: 14 मीटर

अन्य नियंत्रण :

(1) अनुमत मंजिलों की न्यूनतम संख्या—तीन।

(2) स्थानीय द्वारा केन्द्र का 80% घ्लाट शेत्रफल खुदरा एवं वाणिज्य के लिये उपयोग किया जाये।

(3) केन्द्र में कफ और संक्षण की तुकानों सहित 55 से 65 तक औपचारिक दुकानें और 25 से 30 तक अनौपचारिक दुकानें हो सकती हैं।

(4) तहसाने की अनुमति निवासी मंजिल के नीचे और अधिकतम तल कवरेज तक दूं जायेंगी और यदि वह पार्किंग और सर्विसिंज के लिये प्रयोग किया जायेगा तो वह फर्स्ट-क्लॅफल अनुपात में नहीं गिना जायेगा।

(5) पार्किंग का व्यवस्था फर्स्ट-क्लैफल का प्रति 100 वर्गमीटर 1.7 कार स्थान का दर से की जायेगी।

(ख) सर्विस केन्द्र

स्थानीय खरददारों केन्द्र का 20% ब्लाट थोकफल रायम केन्द्र के लिये प्रयोग किया जायेगा। विनियम सर्विस केन्द्र के परिसर के अन्तर्गत धलग से विये गये हैं।

समुदाय केन्द्र

समुदाय खरददारों केन्द्र का 25000 वर्गमीटर

(क) खुदरा एवं वाणिज्य (सिनेमा)	: 25%
प्रति कवरेज	: 100
फर्स्ट-क्लैफल अनुपात	: 14 मीटर

अन्य नियन्त्रण :

(1) अनुमत मंजिलों की अविकल्प संख्या—चार

(2) वार्तालाय शहर कार्म की उपलब्धियों के लिये एक या दो बिल्डिंग 26 मीटर ऊंची होंगी।

(3) केन्द्र में 300 से 350 तक औपचारिक दुकानें, 125 से 150 अनौपचारिक दुकानें, 2 सिनेमा और एक होटल हो सकते हैं। होटल के विनियम होटल के परिसर के अन्तर्गत धलग से विये गये हैं।

(4) समुदाय केन्द्र का 85% ब्लाट थोकफल खुदरा और वाणिज्य (सिनेमा) के लिये उपयोग किया जाये।

(5) तहसाने की अनुगति निवासी मंजिल के नीचे और अधिकतम तल कवरेज सक या जायेगी और यदि वह पार्किंग और सर्विसिंज के लिये प्रयोग किया जायेगा तो वह फर्स्ट-क्लैफल अनुपात में नहीं गिना जायेगा।

(6) वृक्ष प्रति हेक्टेयर 125 वृक्ष की दर से लगाये जायेंगे और खाली स्थान का 40% स्थान हरियाली से आवृत किया जायेगा।

(7) पार्किंग का व्यवस्था खुदरा का प्रति 100 वर्गमीटर फर्स्ट-क्लैफल 1.9 कार स्थान, वाणिज्य का प्रति 100 वर्गमीटर फर्स्ट-क्लैफल 0.7 कार स्थान और सिनेमा के लिये प्रति 25 संदर्भों। कार स्थान की दर से की जायेगी।

(ग) फल और सब्जी बाजार

प्रति कवरेज	: 40%
फर्स्ट-क्लैफल अनुपात	: 40

अन्य नियन्त्रण :

(1) समुदाय केन्द्र का 5% ब्लाट थोकफल फल और सब्जी बाजार के लिये उपयोग किया जाये।

(2) केन्द्र में 35 से 45 तक औपचारिक दुकानें और 40 से 50 तक अनौपचारिक दुकानें हो सकते हैं।

(3) तहसाने की अनुमति निवासी मंजिल के नीचे और अधिकतम तल कवरेज तक दूं जायेंगी और यदि वह पार्किंग और सर्विसिंज के लिये प्रयोग किया जायेगा तो वह फर्स्ट-क्लैफल अनुपात में नहीं गिना जायेगा।

के लिये प्रयोग किया जायेगा तां फर्स्ट-क्लैफल अनुपात में महीं गिना जायेगा।

(4) वृक्ष ब्लाट का प्रति 100 वर्गमीटर 2 वृक्ष की दर से लगाये जायेंगे और खाली स्थान का 40% हरियाली द्वारा आवृत किया जायेगा।

(5) पार्किंग का व्यवस्था फर्स्ट-क्लैफल का प्रति 100 वर्गमीटर 0.7 कार स्थान की दर से की जायेगी।

(ग) रायविस केन्द्र

समुदाय केन्द्र का 10% ब्लाट थोकफल सर्विस केन्द्र के लिये उपयोग किया जाये। विनियम सर्विस केन्द्र के परिसर के अन्तर्गत धलग से दिये गये हैं।

समुदाय केन्द्र का कवरेज, फर्स्ट-क्लैफल अनुपात का एक-कृत तरफ से उपयोग करके नियंत्रित किया जाये।

जिला केन्द्र

10% से 20% तक अतिरिक्त धरम का व्यवस्था जिला केन्द्र में एक-कृत तरफ से खाली स्थान खब्बे के लिये की जायेंगी और यह तल कवरेज और फर्स्ट-क्लैफल अनुपात के लिये लिंगाय में नहीं लिया जायेगा।

(क) खुदरा खरददारा (सिनेमा)

प्रति कवरेज	: 30%
फर्स्ट-क्लैफल अनुपात	: 75

अन्य नियन्त्रण :

(1) अनुमत मंजिलों की संख्या—सोलह

(2) केन्द्र में 1600 से 2000 तक औपचारिक दुकानें, 750 से 950 तक अनौपचारिक दुकानें और 3 सिनेमा हाल होंगे।

(3) तहसाने की अनुगति निवासी मंजिल के नीचे और अधिकतम तल कवरेज तक दूं जायेंगी और यदि वह पार्किंग और सर्विसिंज के लिये प्रयोग किया जायेगा तो वह फर्स्ट-क्लैफल अनुपात में नहीं गिना जायेगा।

(4) वृक्ष प्रति हेक्टेयर 125 वृक्ष की दर से लगाये जायेंगे और युनेस्को का 40% हरियाली द्वारा आवृत किया जायेगा।

(5) पार्किंग का व्यवस्था खुदरा का प्रति 100 वर्गमीटर फर्स्ट-क्लैफल 2.2 कार स्थान और सिनेमा का प्रति 25 संदर्भ। कार स्थान की दर से की जायेगी।

(ग) व्यावसायिक कार्यालय

प्रति कवरेज	: 25%
फर्स्ट-क्लैफल अनुपात	: 125

अन्य नियन्त्रण :

(1) केन्द्र में 600 से 750 तक औपचारिक दुकानें, 250 से 350 तक अनौपचारिक दुकानें और 4 सिनेमा हाल ही रहके हैं।

(2) तहसाने की अनुमति निवासी मंजिल के नीचे और अधिकतम तल कवरेज तक दूं जायेंगी और यदि वह पार्किंग और सर्विसिंज के लिये प्रयोग किया जायेगा तो वह फर्स्ट-क्लैफल अनुपात में नहीं गिना जायेगा।

(3) वृक्ष प्रति हेक्टेयर 125 वृक्ष की दर से लगाये जायेंगे और खाली स्थान का 40% हरियाली से आवृत किया जायेगा।

(4) पार्किंग का व्यवस्था आपराईविक कार्यालय का प्रति 100 वर्गमीटर फर्स्ट-क्लैफल 0.7 कार स्थान और सिनेमा का प्रति 25 संदर्भ 1 कार स्थान की दर से की जायेगी।

## (ग) सर्विस केन्द्र

सर्विस केन्द्र के विनियम सर्विस केन्द्र के परिसर के अन्तर्गत अलग से दिये गये हैं।

## (ब) सुविधाएँ

उसमें बस टर्मिनल, अभिन-शमल और, पुलिस और, ईम-फोन केन्द्र, विशेष सम्बन्धित, होमे और उनके विनियम संबंधित परिसरों के अन्तर्गत अलग से दिये गये हैं।

## (च) सांस्कृतिक काम्पनीका

तल कबरेज	: 25%
फर्म-शेक्सफल अनुपात	: 100

## अन्य नियंत्रण :

(1) वृक्ष प्रति हेक्टेयर 125 वृक्ष की दर से लगाये जायेंगे और खाली स्थान का 40% हरियाना से आधूत किया जायेगा।

## (छ) होटल

विनियम होटल के परिसर के अन्तर्गत अलग से दिये गये हैं। जिला केन्द्र का नियोजन कबरेज और फर्म-शेक्सफल अनुपात का एक-कुल तरंगे से उपयोग करके किया जायेगा।

## उप केन्द्र व्यापार जिला

अनुमति अधिकानम ऊंचाई 26 मी० होगी और एक या वो भवनों की 50 मी० ऊंचाई हो सकती है।

## (क) खुदग खरीदारी (मिनेमा) (ख) व्यावसायिक कार्यालय

(ग) सर्विस केन्द्र (घ) सुविधाएँ (च) सांस्कृतिक काम्पनीका और (छ) होटल के विनियम बहुं होगे, जो जिला केन्द्र में उल्लिखित हैं।

## (ज) थोक/भाण्डागार

थोक और भाण्डागार के परिसर के अन्तर्गत अलग से दिये गये विनियम लागू होंगे।

## व्यावसायिक प्लाट—खुदग एवं वाणिज्य

## (क) महानगरीय नगर केन्द्र

तल कबरेज	: 25%
फर्म-शेक्सफल अनुपात	: 250

## अन्य नियंत्रण :

(1) ये विनियम कनाट प्लेट और उनके एक्स्टेंशन/महानगरीय नगर केन्द्र पर लागू होंगे।

(2) प्लाट का सांस्कृतिक शेष के ले-आउट पर निर्भर करेगा और कनाट प्लेट तथा उनके एक्स्टेंशन में प्लाट के किसी उप-विनियम की अनुमति नहीं दी जायेगी।

(3) अनुमति फर्म-शेक्सफल अनुपात शहरी जिजाहन अध्ययन के अधीन होगा।

(4) आगे की ओर 45 मी० चौड़ी सड़क वाले प्लाटों के मामले में सेटबैंके इस प्रकार होंगी—अग्र भाग 15 मी०, पिछला भाग-6 मी०, भाइडे—4.5 मी०।

आगे की ओर 30 मी० या कम चौड़ी सड़क वाले प्लाटों के लिये सेटबैंके इस प्रकार होंगी—अग्र भाग 12 मी०, पिछला भाग—6 मी०, भाइडे 4.5 मी०।

(5) पालिंग की अवधारणा खुदग का फर्म-शेक्सफल प्रति 100 वर्गमी० 2.2 कार स्थान, निमेसा की प्रति 25 मी०। नार स्थान और व्यावसायिक कार्यालय का फर्म-शेक्सफल प्रति 100 वर्गमी० 0.7 कार स्थान की दर से की जायेगी।

## (ब) आमक अली रोड

दिल्ली गेट-अप्रेसरी गेट स्कोम में व्यावसायिक पैदी के स्पष्ट में विज्ञाये गये शेष के लिये नियन्त्रित बिल्डिंग नियंत्रण विनियम होंगे:—

तल कबरेज	: 80%
फर्म-शेक्सफल अनुपात	: 300
अधिकतम ऊंचाई	: 20 मी०
सेटबैंक	: यथा

## अन्य नियंत्रण :

(1) फर्म-शेक्सफल अनुपात के नियन्त्रित विनाश (सहित अनुमति मंजिलों की अधिकतम संख्या पांच होगी) —

निचली मंजिल	: 80
पहली मंजिल	: 70
दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल प्रत्येक	: 50

(2) तहज्जाने की अनुमति सर्विसिंज और रस्त-रस्ताव के लिये अधिकतम निचली मंजिल तक दी जायेगी और वह फर्म-शेक्सफल अनुपात से निकाल दिया जायेगा।

(3) पालिंग की अवधारणा खुदग व्यापार का फर्म-शेक्सफल प्रति 100 वर्ग मी० 2.2 कार स्थान, निमेसा का प्रति 25 मी०, 1 कार स्थान और व्यावसायिक कार्यालय का फर्म-शेक्सफल प्रति 100 वर्गमी० 0.7 कार स्थान की दर से की जायेगी।

## अप्रेणीबद्ध व्यावसायिक केन्द्र

## (क) केन्द्रीय बाजार—लजित, नगर

इस काम्पनीमें दुप्रतिलिपि नियमण महित विज्ञान तल कबरेज होगा। तहज्जाने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

## (ख) आईएनएनए० मार्किट

आईएनएनए० में एक मंजिला नगरपालिका बाजार बने रहने दिया जायेगा। मुक्त नगरपालिका बाजार के इदं-पिर्द अन्य दुकानों का उसी प्रकार के किसी एक्स्टेंशन ब्लॉक में पुनर्मठन विया जायेगा। तल कबरेज अधिकतम 50% तक प्रतिवैधित किया जायेगा।

## (ग) सरोंगीनी नगर बाजार

इस बाजार को विज्ञान स्थिति में रहने दिया जायेगा। किसी प्रकार के प्रदिव्यन और प्रदिव्यतंत की अनुमति नहीं दी जायेगी और अनियन्त्रित अधिकानों को हटाया जायेगा।

## (घ) बाबा खडगमिह मार्ग पर स्टेट एपोरियम

इस काम्पनीका विकास पहले ही प्लान के अनुसार किया गया है, तथापि यह विकास सा लगता है। हलगिल की दुकानों की आवश्यकता पूर्ति के लिये एक मंजिले खरीदारी ओंकारे कनेक्शनों की अवधारणा की जानी आहिये।

## (च) पालिका बाजार-कनाट प्लेट

यह एक भूमिगत खरीदारी केन्द्र है। तहज्जाने की सीमा का विस्तार नहीं किया जायेगा। बाजार के उपर बने पार्क में किसी अधिकता का नियमण नहीं किया जायेगा।

## (छ) सैन नसिंग होम—बहादुरगाह जफर मार्ग

तल कबरेज और फर्म-शेक्सफल अनुपात की सीमा वही चौड़ी होगी जो इस भवय विज्ञान है।

## (ज) कमला मार्किट -प्रेसरी गेट

विज्ञान नगरपालिका बाजार को बने रहने विद्या जायेगा। नगरपालिका बाजार की कूर्सी-रेस्टो से आगे के अनियन्त्रित नियमण संरचनाओं को हटा दिया जायेगा।

(क) आधुनिक खरीदारी केन्द्र—सीरी फॉर्म

तल कबरेज	: 25%
फर्स-सेवकल अनुपात	: 50
अधिकतम ऊचाई	: 14 मी०

अन्य नियंत्रण :

(1) यूकि यह अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का आधुनिक खरोदारी केन्द्र होगा, इसलिये आज्ञानिक भाग के कई प्रकार के स्तर हो सकते हैं तथापि सामान्यक भूमियों की संख्या तो तक प्रतिवेदित होगी।

(2) फर्स-सेवकल अनुपात के अलावा दो तहसानों की अनुमति दी जायेगी। एक खरीदारी कार्यकालप के लिये और दूसरा पाकिंग स्थान प्रयोगनिष्ठिता, जैनरेटर आदि जैसी सर्विसेज के लिये।

(3) आवासी स्थान के 50% स्थान पर भव्यस्था का विकास किया जायेगा और वह अप्पोनेंट और टैरेसों महिन उचित फॉर्म में एकीकृत किया जाना चाहिये।

(1) महानगरीय यात्री टर्मिनल, औद्योगिक से संलग्न व्यावसायिक केन्द्र

तल कबरेज	: 25%
फर्स-सेवकल अनुपात	: 100
अधिकतम ऊचाई	: 17 मी०

अन्य नियंत्रण :

(1) होटल और सिनेमा की अनुमति व्यावसायिक केन्द्र में दी जायेगी।

(2) अनुमति भूमियों की अधिकतम संख्या—चार

(3) तहसानों की अनुमति निचली भूमियों के नीचे और अधिकतम तल कबरेज तक दी जायेगी और यदि वह पाकिंग और सर्विसेज के लिये प्रयोग किया जायेगा तो वह फर्स-सेवकल अनुपात में नहीं गिनी जायेगा।

(4) वृक्ष प्रति हेक्टेयर 125 वृक्ष की दर से लगाये जायेंगे और आवासी स्थान का 40% हरियाली से आवृत किया जायेगा।

(5) पाकिंग को व्यवस्था खुदरा का प्रति 100 वर्गमी० फर्स-सेवकल 1.9 कार स्थान और बाणिज्य का प्रति 100 वर्गमी० फर्स-सेवकल 0.7 कार स्थान की दर से की जायेगी। यदि व्यावसायिक केन्द्र में सिनेमा और होटल की व्यवस्था का जायेगी तो होटल का प्रति 100 वर्गमी० फर्स-सेवकल 2.4 कार स्थान और सिनेमा की प्रति 25 मीटर। कार स्थान की दर से अनियन्त्रित पाकिंग की व्यवस्था की जानी चाहिये।

(6) व्यावसायिक केन्द्र—नक्सावार्ड नगर

तल कबरेज	: 25%
फर्स-सेवकल अनुपात	: 100
अधिकतम ऊचाई	: 14 मी०

अन्य नियंत्रण :

(1) व्यावसायिक केन्द्र में मुख्य रूप से व्यावसायिक कार्यालय होंगे।

(2) अनुमति भूमियों की अधिकतम संख्या—चार

(3) वृक्ष प्रति हेक्टेयर 125 वृक्ष की दर से लगाये जायेंगे और आवासी स्थान का 40% हरियाली से आवृत किया जायेगा।

(4) पाकिंग को व्यवस्था जैसे 100 वर्गमी० फर्स-सेवकल 0.7 कार स्थान की दर से की जायेगी।

(5) व्यावसायिक केन्द्र—कापारनिम्ब रोड

तल कबरेज	: 25%
फर्स-सेवकल अनुपात	: 50
अधिकतम ऊचाई	: 11 मी०

अन्य नियंत्रण :

(1) अनुमति भूमियों की अधिकतम संख्या—दो

(2) तहसानों की अनुमति निचली भूमियों के नीचे और अधिकतम तल कबरेज तक दी जायेगी और यदि वह पाकिंग और सर्विसेज के लिये प्रयोग किया जायेगा तो वह फर्स-सेवकल अनुपात में नहीं गिना जायेगा।

(3) वृक्ष प्रति हेक्टेयर 150 वृक्ष की दर से लगाए जाएंगे और आवासी स्थान का 50% हरियाली से आवृत किया जाएगा। विद्यमान वृक्ष नहीं काटे जाने चाहिए।

(4) पाकिंग को व्यवस्था प्रति 100 वर्गमी० फर्स-सेवकल 0.7 कार स्थान की दर से की जाएगी।

(5) व्यावसायिक केन्द्र—गेट्रू नगर

(रिंग रेल के निकट)

तल कबरेज	: 25%
फर्स-सेवकल अनुपात	: 150
अधिकतम ऊचाई	: 26 मी०

अन्य नियंत्रण :

(1) व्यावसायिक केन्द्र में केवल व्यावसायिक कार्यालय होंगे।

(2) अनुमति भूमियों की अधिकतम संख्या आठ होगी और एक या दो संरचनाएं सोलह भूमियों हो सकती हैं। इनमें अधिकतम ऊचाई के लिये 50 मी०, तक की लूट दी जाएगी।

(3) तहसानों की अनुमति निचली भूमियों के नीचे और अधिकतम तल कबरेज तक दी जाएगी और यदि वह पाकिंग और सर्विसेज के लिये प्रयोग किया जाएगा तो वह फर्स-सेवकल अनुपात में नहीं गिना जाएगा।

(4) वृक्ष प्रति हेक्टेयर 125 वृक्ष की दर से लगाए जाएंगे और आवासी स्थान का 40% हरियाली से आवृत किया जाएगा।

(5) पाकिंग को व्यवस्था प्रति 100 वर्गमी० फर्स-सेवकल 0.7 कार स्थान की दर से की जाएगी।

(6) प्रेस-सेवकल बहादुर शाह जफर मार्ग—बहादुरशाह जफर मार्ग के पूर्वी ओर का क्षेत्र, जहां समाचार-पत्र प्रेस और कार्यालय स्थित हैं, उपर्योग जून सी अर्थात् समाज्य व्यापार एवं जागरूकता के अलंकरण आयेगा और उसके निम्नलिखित भवन नियन्त्रण विधियम होंगे :—

तल कबरेज	: 80%
फर्स-सेवकल अनुपात	: 300
अधिकतम ऊचाई	: 20 मी०
सेटर्सक	: शून्य

अन्य नियंत्रण :

(1) अनुमति भूमियों की अधिकतम संख्या फर्स-सेवकल अनुपात के निम्नलिखित वितरण सहित पांच होंगी।

निचली भूमियों	: 80
गहरी भूमियों	: 70
दूसरी तीव्री और खोर्या भूमियों	: 60
प्रत्येक	: 50

(2) तहाने की अनुमति निचली मंजिल के नीचे और अधिकतम तल कवरेज तक सर्विसिंज और रख-रखाव के लिए दी जाएगी और वह कांग शीरकत अनुपात से नियंत्रित किया जाएगा ।

(3) पार्किंग की व्यवस्था प्रति 100 व.मी. फर्म-शेन्कल 0.7 कार स्थान की दर से की जाएगी ।

उत्तरीन व्यावरायिक केंद्रों के अलावा फिर्ही विषेष कारणों से प्राधिकरण किसी भी व्यावरायिक केंद्र/विन्ड या उच्चों किसी भाग की अप्रैग्नियता व्यावरायिक केंद्र के रूप में घोषित कर देता है और यह उन विनियमों का विवरण कर सकता है, जो कार्य और पर्यावरण के अनुकूल होंगे ।

पीड़ व्यापार/प्राइवेट

(एकीकृत विकास)

(019 तक 020)

न्यूनतम प्लाट माइल	: 10000 वो. मी.
तल कवरेज	: 20%
फर्म-शेन्कल अनुपात	: 60
अधिकतम ऊंचाई	: 14 मी.

अन्य नियंत्रण :

(1) तहाने की अनुमति निचली मंजिली के नीचे और अधिकतम तल कवरेज सह दो ग्रामों और यदि वह पार्किंग और सर्विसिंज के लिए प्रयोग किया जाएगा तो वह फर्म-शेन्कल अनुपात में नहीं गिना जाएगा ।

(2) अनुमत मंजिलों की अधिकतम संख्या —तीन

(3) वृक्ष प्रति हेक्टेयर 150 वृक्ष की दर से लगाए जाएंगे और यह स्थान का 20% हरियाली से आवृत किया जाएगा ।

(4) पार्किंग को व्यवस्था अवैधायिकों और आगत्युकों की पार्किंग के लिए प्रति 100 व.मी. फर्म-शेन्कल 1.23 कार स्थान की दर से की जाएगी ।

अतिशिख पार्किंग की व्यवस्था माल चालने और उतारने के लिए प्रति 100 व.मी. फर्म-शेन्कल 2 ट्रकों के लिए स्थान की दर से की जाएगी ।

होटल

(032)

तल कवरेज	: 30%
फर्म-शेन्कल अनुपात	: 150
अधिकतम ऊंचाई	: 50 वो.

अन्य नियंत्रण :

(1) तहाने की अनुमति निचली मंजिल के नीचे और अधिकतम तल कवरेज के नीचे लिए दी जाएगी और यदि वह पार्किंग और सर्विसिंज के लिए प्रयोग किया जाएगा तो वह फर्म-शेन्कल अनुपात में नहीं गिना जाएगा ।

(2) फर्म-शेन्कल अनुपात का 5% होटल के कार्य से संबंधित व्यावरायिक स्थान के लिए उपयोग किया जा सकता है ।

(3) वृक्ष प्रति हेक्टेयर 125 वृक्ष की दर से लगाए जाएंगे और यह स्थान का 40% हरियाली से आवृत किया जाएगा ।

(4) पर्टी की व्यावरायिक कार स्थान का प्रति 100 व.मी. 1.4 कार स्थान जो यह से कम जाएगी । यह स्थान पार्किंग बहुते शेन्कल का 50% की सीमा तक संमित की जाएगी ।

फर्म-शेन्कल स्पूनर उद्योग

(034)

न्यूनतम प्लाट साइज	: 2000 व.मी.
तल कवरेज	: 30
फर्म-शेन्कल अनुपात	: 120

अन्य नियंत्रण :

(1) अनुमत मंजिलों की अधिकतम संख्या—चार

(2) तहाने की अनुमति निचली मंजिल के नीचे और अधिकतम तल कवरेज तक के लिए दी जाएगी और यदि वह पार्किंग और सर्विसिंज के लिए प्रयोग किया जाएगा तो वह फर्म-शेन्कल अनुपात में नहीं गिना जाएगा ।

(3) वृक्ष प्रति हेक्टेयर 150 वृक्ष की दर से लगाए जाएंगे और यह स्थान का 20% हरियाली से आवृत किया जाएगा ।

सर्विस केंद्र

(035)

(क) स्थानीय खरीदारों केंद्र के भाग स्वरूप में

न्यूनतम प्लाट साइज	: 1000 व.मी.
तल कवरेज	: 25%
फर्म-शेन्कल अनुपात	: 25
अधिकतम ऊंचाई	: 5 मी.

अन्य नियंत्रण :

(1) संरचनाएं एक मंजिली होंगी ।

(2) सर्विस केंद्र में 15 औपचारिक दुकानें, 7 अनौपचारिक दुकानें और 1 ई.एस.एस. हो सकते हैं ।

(3) तहाने की अनुमति निचली मंजिल के नीचे और अधिकतम तल कवरेज तक के लिए दी जाएगी और यदि वह पार्किंग और सर्विसिंज के लिए प्रयोग किया जाएगा तो वह फर्म-शेन्कल अनुपात में नहीं गिना जाएगा ।

(4) वृक्ष प्रति 100 व.मी. 2 वृक्ष की दर से लगाए जाएंगे और यह स्थान का 20% हरियाली से आवृत किया जाएगा ।

(ब) समुदाय केंद्र के भाग के रूप में—

न्यूनतम प्लाट माइल	: 6200 व.मी.
तल कवरेज	: 25%
फर्म-शेन्कल अनुपात	: 50
अधिकतम ऊंचाई	: 11 मी.

अन्य नियंत्रण :

(1) अनुमत मंजिलों की अधिकतम संख्या—दो ।

(2) इसमें 30 औपचारिक दुकानें, 15 अनौपचारिक दुकानें, 2 गैंग गोदान, 1 पैट्रोल पम्प, 1 ई.एस.एस. और उपर की मंजिल पर व्यावरायिक कार्यालय होंगे सकते हैं ।

(3) तहाने की अनुमति निचली मंजिल के नीचे और अधिकतम तल कवरेज तक के लिए दी जाएगी और यदि वह पार्किंग और सर्विसिंज के लिए प्रयोग किया जाएगा तो वह फर्म-शेन्कल अनुपात में नहीं गिना जाएगा ।

(4) वृक्ष प्रति हेक्टेयर 150 वृक्ष की दर से लगाए जाएंगे और यह स्थान का 20% हरियाली से आवृत किया जाएगा ।

(ग) जिला केन्द्रीय ब्यापार जिला केन्द्र के भाग के क्षेत्र में सर्विस लेन्ड	
न्यूनतम प्लाट साइज़	: 24000 व. मी.
तल कवरेज	: 25%
फर्म-शेवर्कल अनुपात	: 50
अधिकतम ऊंचाई	: 11 मी.

## अन्य नियन्त्रण :

- (1) अनुमति भंगियों की घूमसम संख्या—रीन
- (2) सर्विस केन्द्र में 100 औपचारिक दुकानें, 50 अनौपचारिक दुकानें, 2 पैट्रोल पम्प और अपर की भंजिल पर व्यावसायिक कार्यालय हो सकते हैं।
- (3) श्रीतांगार की अनुमति 15 मी. की अधिकतम ऊंचाई तक के लिए दी जाएगी।
- (4) अनुमति भंगियों की अनुमति निचली भंजिल के नीचे और अधिकतम तल कवरेज तक के लिए दी जाएगी और यदि वह पार्किंग और सर्विसिंज के लिए प्रयोग किया जाएगा तो वह फर्म-शेवर्कल अनुपात में नहीं गिना जाएगा।
- (5) वृक्ष प्रति हेक्टेयर 150 वृक्ष की दर से लगाए जाएंगे और युनेस्को स्थान का 20% हस्तियाली से आवृत किया जाएगा।

## श्रीतांगिक प्लाट साइज़

(036) न्यूनतम प्लाट साइज़ : 100 एम<sup>2</sup>

क्र.सं.	प्लाट साइज़ (व.मी.)	तल कवरेज (%)	फर्म-शेवर्कल अनुपात
1.	100 से 400 तक	60%	120
2.	400 से अधिक और 1000 तक	50%	120
3.	1000 से अधिक	40%	80

## अन्य नियन्त्रण :

- (1) अनुमति अधिकतम भंजियों तहस्थाना निचली भंजिल और पहली भंजिल होंगी। तहस्थाना निचली भंजिल के नीचे और अधिकतम तल कवरेज तक होता चाहिए और वह फर्म-शेवर्कल अनुपात में गिना जाएगा।
- (2) मध्यतल की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- (3) महानगरीय नगर केन्द्र में सर्विस उद्योग के मामले में अनुमति फर्म-शेवर्कल अनुपात 150 होगा।
- (4) 1000 व.मी. तक के प्लाटों में वृक्ष प्रति 100 व.मी. 2 वृक्ष की दर से लगाए जाएंगे।

1000 व.मी. में अधिक के प्लाटों के मामलों में वृक्ष प्रति 200 व.मी. 3 वृक्ष की दर से लगाए जाएंगे और युनेस्को स्थान का 20% हस्तियाली से आवृत किया जाएगा।

## उद्योग वृक्षान प्रकृति

न्यूनतम प्लाट : 30 व.मी.

प्लाट साइज़ (व.मी.)	तल कवरेज (%)	फर्म-शेवर्कल अनुपात
30 से 50 तक	100%	200

## अन्य नियन्त्रण :

(ब) अनुमति अधिकतम भंजियों निचली भंजिल और पहली भंजिल होंगी।

(2) तहस्थाना और मध्यतल की अनुमति नहीं दी जाएगी।

## विस्तृत उद्योग (037)

न्यूनतम प्लाट साइज़ : 400 व.मी.

क्र.सं.	प्लाट साइज़ (व.मी.)	तल कवरेज (%)	फर्म-शेवर्कल अनुपात
1.	400 से 4000 तक	50%	50
2.	4000 से अधिक और 12000 तक	45%	45
3.	12000 से अधिक और 28,000 तक	40%	40
4.	28,000 से अधिक	30%	30

## अन्य नियन्त्रण :

(1) तहस्थाने की अनुमति निचली और अधिकतम तल कवरेज तक के लिए दी जाएगी और फर्म-शेवर्कल अनुपात में गिना जाएगा।

(2) मध्यतल की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(3) 1000 व.मी. तक के प्लाटों में वृक्ष प्रति 100 व.मी. 2 वृक्ष की दर से लगाए जाएंगे।

1000 व.मी. से अधिक के प्लाटों के मामले में वृक्ष प्रति 200 व.मी. 3 वृक्ष लगाए जाएंगे और युनेस्को स्थान का 20% हस्तियाली से आवृत किया जाएगा।

## सरकारी कार्यालय एकीकृत कार्यालय कार्यपालैक्स

(066, 067, 068 एवं 070)

न्यूनतम प्लाट साइज़ : 10,000 व.मी.

तल कवरेज : 25%

फर्म-शेवर्कल अनुपात : 150

अधिकतम ऊंचाई : 26 मी.

## अन्य नियन्त्रण :

(1) एकीकृत कार्यालय कार्यपालैक्स में बैन्ड्रीय सरकार के कार्यालय स्थानीय सरकार के कार्यालय, सार्वजनिक उपक्रम कार्यालय और न्यायालय शामिल हैं।

(2) तहस्थाने की अनुमति निचली भंजिल के नीचे और अधिकतम तल कवरेज तक के लिए दी जाएगा और यदि वह पार्किंग और सर्विसिंज के लिए प्रयोग किया जाएगा तो वह फर्म-शेवर्कल अनुपात में नहीं गिना जाएगा।

(3) वृक्ष प्रति हेक्टेयर 125 वृक्ष की दर से लगाए जाएंगे और युनेस्को स्थान का 40% हस्तियाली से आवृत किया जाएगा।

(4) पार्किंग की व्यवस्था फर्म-शेवर्कल का प्रति 100 व.मी. 1.7 कार स्थान की दर से की जाएगी और वह आवृत या युक्त हो सकती है।

## अशानाल

(072)

न्यूनतम प्लाट साइज़ : 6000 व.मी.

तल कवरेज : 25%

फर्म-शेवर्कल अनुपात : 100

अधिकतम ऊंचाई : 26 मी.

## अन्य नियंत्रणः

- (1) कुल क्षेत्र का 25% अनिवार्य स्टाफ के आवास के लिए आयोग किया जा सकता है। इस प्रकार के मामले में समूह आवास का तल कबरेज, फर्म-शेत्रफल और अधिकतम ऊंचाई आवास के लिए नियांरित थोक पर लागू होती।
- (2) तहसाने की अनुमति नियमी मंजिल के नीचे और अधिकतम तल कबरेज तक के लिए दी जाएगी और यदि वह पार्किंग और सर्विसिंज के लिए प्रयोग किया जाएगा तो वह फर्म-शेत्रफल अनुपात में नहीं गिना जाएगा।
- (3) वृक्ष प्रति हेक्टेयर 125 वृक्ष की दर से लगाए जाएंगे और युनेस्ट्रील स्थान का 50% हरियाली से आवृत किया जाएगा।
- (4) पार्किंग की व्यवस्था 80—200 बिस्टर/कार स्थान के लिए 5 बिस्टर/कार स्थान की दर से, 200—500 बिस्टर/कार स्थान अस्पताल के लिए 6 बिस्टर/1 कार स्थान की दर से और 500 बिस्टर से अधिक थमता के अस्पताल के लिए 7 बिस्टर/1 कार स्थान की दर से की जाएगी।
- (5) आगे का सेटबैंक न्यूनतम 30 मी. होगा।

## स्वास्थ्य केंद्र/सेविंग होम

(073 एवं 074)

न्यूनतम प्लाट भाइज	: 2000 व. मी.
सत्र कबरेज	: 33.33%
फर्म-शेत्रफल अनुपात	: 100
अधिकतम ऊंचाई	: 14 मी.

## अन्य नियंत्रणः

वृक्ष प्लाट थोकफल का प्रति 100 व. मी. 2 वृक्ष की दर से लगाए जाएंगे।

## नसरी स्कूल

(080)

न्यूनतम प्लाट भाइज	: 500 व. मी.
सत्र कबरेज	: 35%
फर्म-शेत्रफल अनुपात	: 70
अधिकतम ऊंचाई	: 11 मी.

## अन्य नियंत्रणः

- (1) अमुमत मंजिलों को अधिकतम मंक्षया—वी।
- (2) वृक्ष प्लाट थोकफल का प्रति 100 व. मी. 2 वृक्ष की दर से लगाए जाएंगे।

## प्राइमरी स्कूल

(081)

न्यूनतम प्लाट भाइज	: 3000 व. मी.
सत्र कबरेज	: 33%
फर्म-शेत्रफल अनुपात	: 100

## अन्य नियंत्रणः

- (1) थोक का 50% बेल-मैदान के लिए प्रयोग किया जाएगा, जो न्यूनतम 18 मी.  $\times$  36मी. का प्रभावी थोक थोक होगा और प्लान में निर्दिष्ट किया जाएगा।
- (2) फर्म-शेत्रफल अनुपात और कबरेज स्कूल विलिंग के नियांरित थोक के अनुसार निकाले जाएंगे।
- (3) वृक्ष प्रति हेक्टेयर 125 वृक्ष की दर से लगाए जाएंगे और युनेस्ट्रील स्थान का 50% हरियाली से आवृत किया जाएगा।

सैकेन्डरी स्कूल/मोनियर सैकेन्डरी स्कूल/एकीकृत स्कूल/प्राइमरी आवास यात्रा यात्रा रकून

(082, 083, 084 एवं 085)

तल कबरेज	: 30%
फर्म-शेत्रफल अनुपात	: 120
अधिकतम ऊंचाई	: 14 मी.

## अन्य नियंत्रणः

- (1) कबरेज तथा फर्म-शेत्रफल अनुपात गैरिजन्स विलिंग के लिए नियांरित थोक के अनुसार निकाले जाएंगे।

(2) सैकेन्डरी स्कूल/मोनियर सैकेन्डरी स्कूल/एकीकृत स्कूल में प्लाट थोकफल का 60% बेल-मैदान के लिए उपयोग किया जाएगा, जो न्यूनतम 67.5% मी.  $\times$  26 मी. का प्रभावी थोक थोक होगा। सैकेन्डरी स्कूल विलिंग/मोनियर स्कूल विलिंग/एकीकृत स्कूल विलिंग के लिए थोक प्लान में अन्य से अन्य से विश्वाया जाएगा।

(3) एकीकृत आवासीय स्कूल के मामले में प्लाट थोक का 60% बेल-मैदान के लिए उपयोग किया जाएगा और प्लाट थोक का 15% नियांरित स्टाफ के आवास के लिए उपयोग किया जा सकता है। समूह आवास का कबरेज, फर्म-शेत्रफल अनुपात, अधिकतम ऊंचाई आवासीय उद्देश्यों के लिए नियांरित थोक पर लागू होते।

(4) वृक्ष प्रति हेक्टेयर 125 वृक्ष की दर से लगाए जाएंगे और आवासीय स्थान का 50% हरियाली से आवृत किया जाएगा।

## कानिंज

(086)

तल कबरेज	: 25%
फर्म-शेत्रफल अनुपात	: 100
अधिकतम ऊंचाई	: 14 मी.

## अन्य नियंत्रणः

- (1) कबरेज और फर्म-शेत्रफल अनुपात कानिंज विलिंग के लिए नियांरित थोक के अनुसार निकाले जाएंगे।

(2) प्लाट का 60% बेल-मैदान के लिए प्रयोग किया जाएगा और प्लान में विश्वाया जाएंगे।

(3) प्लाट के थोक का 25% स्टाफ के आवास के लिए उपयोग किया जा सकता है और समूह आवास के विभिन्न त्रैये थोक पर लागू होते।

(4) वृक्ष प्रति हेक्टेयर 125 वृक्ष की दर से लगाए जाएंगे और युनेस्ट्रील स्थान का 50% हरियाली से आवृत किया जाएगा।

## आडीटोरियम/समुदाय भवन

(099 तथा 101)

तल कबरेज	: 35%
फर्म-शेत्रफल अनुपात	: 100
अधिकतम ऊंचाई	: 17 मी.

## अन्य नियंत्रणः

- (1) तहसाने की अनुमति नियमी मंजिल के नीचे और अधिकतम तल कबरेज तक के लिए वी जाएंगी और यदि वह पार्किंग और सर्विसिंज के लिए प्रयोग किया जाएगा तो वह फर्म-शेत्रफल अनुपात में नहीं गिना जाएगा।

(2) वृक्ष प्लाट के प्रति 100 व. मी. 2 वृक्ष की दर से लगाए जाएंगे और युनेस्ट्रील स्थान का 50% हरियाली से आवृत किया जाएगा।

## धार्मिक परिमर

(107)

तल कवरेज

: 35%

फर्स-शेन्सफल अनुपात

: 70

प्रधिकतम ऊंचाई

: 11 मी.

## अन्य नियंत्रण :

- (1) विलिंग सहित युम्बद, बन्टा, टावर-शिक्कर आदि की ऊंचाई 17 मीटर से अधिक नहीं होगी।
- (2) पारिंग की व्यवस्था परिसर के अन्दर की जाएगी और ज्वान में दिखाई जाएगी।

## पुलिस चौकी

(109)

तल कवरेज

: 35%

फर्स-शेन्सफल अनुपात

: 70

प्रधिकतम ऊंचाई

: 14 मी.

## अन्य नियंत्रण :

तहसाने की अनुमति निचली मंजिल के नीचे और अधिकतम तल कवरेज तक के लिए दी जाएगी और वह फर्स-शेन्सफल अनुपात में गिना जाएगा।

## पुलिस स्टेशन/अग्नि-शमन चौकी/प्रतिनिधि-शमन केन्द्र

(110, 115 एवं 116)

तल कवरेज

: 25%

फर्स-शेन्सफल अनुपात

: 100

प्रधिकतम ऊंचाई

: 17 मी.

## अन्य नियंत्रण :

- (1) तहसाने की अनुमति निचली मंजिल के नीचे और अधिकतम तल कवरेज तक के लिए दी जाएगी और वह फर्स-शेन्सफल अनुपात में गिना जाएगा।
- (2) प्लाट लेवल का 25% स्टाक आवास के लिए उपयोग किया जा सकता है और अन्य आवास के विनियम आवास के लिए निर्धारित अन्तर पर लागू होगे।
- (3) बूथ फर्स-शेन्सफल का प्रति 100 व.मी. 2 बूथ की दर से लगाए जाएंगे।

## आग-नार कार्यालय/प्रधान डाक-घर

(118 एवं 119)

तल कवरेज

: 25%

फर्स-शेन्सफल अनुपात

: 100

प्रधिकतम ऊंचाई

: 17 मी.

## अन्य नियंत्रण :

- (1) तहसाने की अनुमति निचली मंजिल के नीचे और अधिकतम तल कवरेज तक के लिए दी जाएगी और वह फर्स-शेन्सफल अनुपात में गिना जाएगा।
- (2) बूथ फर्स-शेन्सफल का प्रति 100 व.मी. 2 बूथ की दर से लगाए जाएंगे और बूथों स्थान का 50% दरियानी में आवृत किया जाएगा।

एण्ड 9.0

## विशेष लेन्ट विनियम

ज्वान पर परिभाषित विशेष लेन्ट, जो विकास संश्लिष्ट के अंतर्गत चौकित किया जाएगा, लगभग 2600 हेक्टेयर है। विशेष लेन्ट चार

बलग भागों में विभाजित किया गया है—(क) चार-दीवारी का शहर (ख) कोल बांग (ग) विशेष उपयोग जोन लेन्ट और (घ) गहरी तरीकरण लेन्ट। ये चार भाग विशेष लेन्ट प्लान पर स्पष्ट रूप से दिखाए गए हैं।

## (क) चार-दीवारी का शहर :

1. उपयोग परिसरों में उपयोग/उपयोग कार्य-कलाप की अनुमति।

(1) अन्य अनुकूल उपयोगों का प्रतिस्थापन करने के लिए हानिकर उद्योग और अतरानाक व्यापार (अनुबन्ध 5 पर दी गई सूची) तुरन्त अधिकतम पांच वर्ष की अवधि के अन्वर चार-दीवारी के शहर से स्थानान्तरित कर दिए जायेंगे।

(2) अस्पताल, डिसेंसरियां, कारिज, स्कूल, पुलिस स्टेशन, अग्नि-शमन केन्द्र, डाक-घर, स्थानीय सरकारी कार्यालय, धार्मिक स्थान आदि जैसे सार्वजनिक और अर्द्ध-सार्वजनिक उपयोग और सेवाएं अपनी वर्तमान अवस्थितियों में बनी रहेंगी। कोई भी परिवर्तन या परिवर्धन योजना में निर्धारित समय नीरी व्यवस्था के अनुसार किया जाएगा।

2. उपयोग परिसर के अन्दर विलिंग/विलिंडों के लिए नियंत्रण परम्परागत लेन्टों में परिसरों के लिए मूल अनुमति निम्नलिखित मार्ग-निर्देशक नेटवर्कों के अनुसार दी जाएगी :

तल कवरेज : 80% प्रतिशत

फर्स-शेन्सफल अनुपात : 200%

अधिकतम ऊंचाई : 12 मी.

सैटब्रेक : शूल्य

फुर्नी : 0.5 से 2.0 मी. तक

## अन्य नियंत्रण :

(1) विलिंग के पुनर्निर्माण की अनुमति व्यावाहरिक रूप से विद्यमान कार्य और स्टाइल में करने के लिए दी जाएगी।

(2) परम्परागत सजावट की विशेषताओं महित विलिंग के निर्माण की अनुमति ईंटें की टाइलों, पत्थर, क्लिंडों लोहा और लकड़ी जैसी विलिंग-सामग्री सहित दी जाएगी।

(3) प्रस्तावित निर्माण के लिए विलिंग प्लान प्रस्तुत करते समय (छज्जे, कम्बे, कानिस, डिडिकियां, प्रशेपण, लोहे और पत्थर की जालियों का विवरण जैसी) वास्तुशिल्पीय विशेषताएं स्पष्ट करते हुए, ऊंचाई और आगों सहित विद्यमान सभी तलों के विद्यमान प्लान आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए जायेंगे, जो नए निर्माण के अपनाएं जाने हों।

3. चार-दीवारी शहर के अन्दर उपनिवेशी और आजादी के बाद की अवधि से सम्बन्धित परम्परागत विकास के अंतर्वा अन्य विकास कार्य हैं। सम्बन्धित विकास के लिए अपनाएं जाने वाले विलिंग नियंत्रण विनियम निम्नलिखित होंगे :

(1) दरियांगंज : ले-आउट प्लान एक बार प्रायिकरण द्वारा स्वीकृत होने और विकास सहित के अनुसार धोषित होने के बाद विकास-कार्य करने का आधार बन जाएगा। विलिंग नियंत्रण विनियम जहां होंगे, जो विद्यमान आवाहीय लेन्टों के विलिंग नियंत्रण विनियम के अध्याय में दिए गए हैं।

(2) लाशपत राय मार्किट : आनंदी चौक के बीमों और एक एक मर्जिली मार्किट बनी रहेंगी।

(3) जामा मस्जिद का निकटवर्ती स्कूल, प्रेजेंटेक्सन कान्वेंट स्कूल एवं चर्च, कश्मीरी गेट का चर्च, मुराना हिन्दू कास्मिज विलिंग

काम्पलैक्स में म्युनिसिपल कार्यालय जैसे वियुक्त उपयोग परिवर्तन विद्युत्यान विलिंग आयतन में बने रहने विद्युत्यान में बने रहने विद्युत्यान की जाने संरक्षण की समग्र नीति व्यवस्था के अन्वर प्राधिकरण द्वारा की जाएगी ।

(म) करोल बाग

(1) केज रोड, देणबन्धु गुप्ता रोड, स्वामी दयानन्द सरस्वती मार्ग, आर्य समाज रोड, गुरु नानक रोड, टैक रोड, गुरु रविदास मार्ग (न्यू पूरा रोड), रामजन्म रोड तक जाने वाली रोड, वंकिप चन्द चटर्जी मार्ग, पूरा लेन तक से जाने वाली रोड, पूरा रोड, गुरुद्वारा रोड, आर्य समाज रोड और केज रोड को बापरा आदि मार्गों से विरोध हुए थेन में आवश्यकता हो छोड़कर अन्य उपयोगों—जिनके नाम हैं—धुशरा, भरतमन, एवं कार्यिक सेवा दुकान, व्यावसायिक कार्यालय, बैंक और स्थानीय सरकारी कार्यालय को उन सभी प्लाटों की निचली मंजिल पर अनुमति दी जाएगी, जिनके आगे ये गड़के हों जो 18 मी. से कम मार्गाधिकार की न हों इसी प्रकार की शर्तें सहित इन उपयोगों की अनुमति देणबन्धु गुप्ता रोड के बूसरी ओर भी एक प्लाट दैव्य तक दी जाएगी । अस्पताल, विस्पैसिटीज, काजिन, स्कूल, पुलिस स्टेशन, अग्नि-शमन केन्द्र, डाक-घर, स्थानीय सरकारी कार्यालय, धार्मिक स्थान आदि जैसे सार्वजनिक और अर्द्ध-सार्वजनिक उपयोगों और सेवाओं को उनकी बर्तमान अवस्थितियों में बने रहने दिया जाएगा । इसमें कोई भी परिवर्तन या परिवर्तन योजना में निर्धारित समग्र नीति व्यवस्था के अनुसार किया जाएगा ।

(2) देणबन्धु गुप्ता रोड, गुरुद्वारा रोड, टैक रोड और सरस्वती मार्ग द्वारा विरोध हुए थेन में उपयोग तभी प्लाटों पर अनुमति है, यदि थेन के लिए तैयार की जाने वाली विस्तृत शहरी डिजाइन परियोजना के अनुसार बाद में आवश्यकता पड़ने पर सड़क को छोड़ करने के लिए पर्याप्त स्थान छोड़ गया हो । धार-दीवारी शहर के लिए निर्धारित सार्वजनिक और अर्द्ध-सार्वजनिक तथा सेवाओं का खण्ड इस थेन पर भी लागू होगा ।

2. उपयोग परिवर्तनों के अन्वर विलिंग/विलिंगों के लिए नियंत्रण :

तल करबरे	: 80 प्रतिशत
फैसे-थेनफल अनुपात	: 200
अधिकतम ऊंचाई	: 11 मी.
मैट्रेक	: शून्य

अन्य नियंत्रण :

प्रयोक्त परिवर्तन में बुला प्रांगण इस प्रकार नियोजित किया जाएगा कि वह वीड़े या साइडों के परिवर्तन के छुले प्रांगण के निकट पड़े ।

(ग) विशेष उपयोग जोन थेन:

विशेष उपयोग जोन के रूप में अंकित थेनों का विकास उम विभि से सम्बद्धित उपयोग जोन विनियमों द्वारा नियंत्रित किया जाएगा, जो सब-डिवीजन के सम्बद्ध लक्षणों और विलिंग नियंत्रण विनियमों में निर्धारित है ।

(घ) शहरी नीतीकरण थेन (संखी काट-छाट)

विशेष थेनों के अन्वर के ले थेन शहरी नीतीकरण थेनों के अंतर्गत आते हैं, जिनमें (क) धार-दीवारी का शहर (ख) करोल बाग और (ग) विशेष उपयोग जोन थेन नामक पहले तीन वर्ग शामिल नहीं हैं । इन थेनों का विकास योजना की समग्र नीति व्यवस्था के अन्वर तैयार की जाने वाली संवेदित व्यापक पुनर्विकास स्कीमों के अनुसार होगा । इन व्यापक पुनर्विकास स्कीमों में उन कुछ थेनों के योजना उपकरण के रूप में संखी काट-छाट भी शामिल हो सकती है, जहाँ उसकी आवश्यकता हो । विशेष थेन ज्ञान में उपयोग जोन शहरी नीतीकरण के अंतर्गत आने वाले थेन के विभिन्न पारेटों में अंकित किए गए हैं । इन पारेटों की निर्धारित उपयोग जोनों के लिए योजनाबद्ध किया जाएगा । विशेष उपयोग जोनों के लिए पुनर्विकास स्कीमों पर सामान्यतः विकास मंडिता में निर्धारित विनियम लागू किए जायेंगे । तथापि, प्राधिकरण उस स्थिति में उपयुक्त विनियम आपना राकाना है, जब निर्धारित सामान्य विनियम या तो व्यवहारी न हो या उन्हें अपनाया जाना उचित न हो ।

(3) अध्याय 2 के बावर अध्याय 3 के रूप में 'योजना-मानीटरिंग एवं पुनरीकाश' जोड़ा जाएगा ।

योजना मानीटरिंग के दो मुख्य उद्देश्य हैं:

(1) मनुष्य—व्यवस्थापन करने संबंधी सामाजिक-आर्थिक और कार्यालयक कार्यक्रमालयों को मानोटर किया जाना चाहिए और उसका मुख्यांकन किया जाना चाहिए, ताकि जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए आवश्यक परिवर्तन का पता लगाया जा सके और उचित उपायों द्वारा कार्रवाई की जा सके ।

(2) योजना को लगातार उत्पन्न होने वाली सामाजिक-आर्थिक शक्तियों के प्रति अनुक्रियाशील बनाया जाना चाहिए ।

इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए योजना कार्यान्वयन हांचे में मानीटरिंग पद्धति होनी चाहिए । प्रभावी मानीटरिंग द्वारा नगर में ही रहे अवाधित विकास कार्य को रोकना काफी संभव है । वह निम्नलिखित प्रस्ताव पर आधारित है:—

(1) कोई भी सम्बद्ध रेंज की शहरी विकास योजना पूर्ण रूप से लागू नहीं की जा सकती ।

(2) योजना योजना कार्यान्वयन अवधि के दौरान होने वाली घटनाओं और उत्पन्न होने वाली सामाजिक-आर्थिक और अन्य शक्तियों के प्रति अनुक्रियाशील होनी चाहिए ।

(3) होने वाली घटनाओं और उत्पन्न होने वाली सामाजिक-आर्थिक शक्तियों और योजना की प्रतिक्रिया के बीच की अवधि में अवाधित विकास की प्रबल स्थितियां उत्पन्न होती हैं ।

(4) अवाधित बृद्धि को रोकने के लिए अनुक्रियाशील योजना के लिए बैंगानिक मानीटरिंग व्यवस्था की आवश्यकता है ।

(1) योजना में निर्धारित भौतिक लक्ष्यों की उपलब्धि का मूल्यांकन करने के लिए; और

(2) योजना नीतियों का पुनरीकाश करने के लिए नगर में ही भौतिक और सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का पता लगाने के लिए मानीटरिंग द्वारा की आवश्यकता है ।

विशेष थेनों के कार्य का अनुमान लगाने के लिए भौतिक लक्ष्यों के मामले में पहलुओं की बहुत बड़ी संदर्भ हो सकती है । मुख्यशक्तियत एवं नियन्त्रित कार्य के लिए कुछ चुने हुए पहलुओं के लिए भौतिक लक्ष्य निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं । भौतिक लक्ष्यों को जैसा प्रत्येक के आगे निर्दिष्ट किया गया, घार्षिक रूप से, 5 वर्ष बाद या मध्यावधि (1992) पर मनीटर किया जाए ।

भौतिक विकास के लिए मानीटरिंग डॉचा :

भौतिक कार्यक्रम	इकाई	1990 तक लक्ष्य	2001 तक लक्ष्य	मानीटरिंग की वर्ष
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. भूमि अधिग्रहण	हें.		27,000	1 वर्ष
2. भूमि विकास				
(क) आवासीय	हें.	1,700	12,000	1 वर्ष
(ख) अधिकारिक	हें.	230	1,600	1 वर्ष
3. नए आवास				
(क) स्थल एवं सर्विसिंज	स्थलों की संख्या	1.75 लाख	4.0 लाख	1 वर्ष
(ख) आंशिक/पूर्ण रूप से निर्मित एजेन्सी आवास	आवासीय इकाई (आ. ई.)			1 वर्ष
(ग) आंशिक/पूर्ण रूप से निर्मित सरकारी आवास	आ. ई.	2,69,000	697,000	1 वर्ष
(घ) गन्दी बस्ती आवास	आ. ई.	21,000	49,000	1 वर्ष
(च) नियोजक आवास	आ. ई.	28,000	65,00	1 वर्ष
(छ) अविकास प्लाटों पर आवास	आ. ई.	120,000	275,000	1 वर्ष
(ज) अनधिकृत इनफिल	आ. ई.	56,000	130,000	
4. समुदाय सुविधाएं				
(1) सामान्य असलाल	सं.	7	21	5 वर्ष
(2) मध्यबर्ती असलाल-ए	सं.	45	97	1 वर्ष
(3) मध्यबर्ती असलाल-बी	सं.	35	79	1 वर्ष
(4) पोलीक्लीनिक	सं.	20	45	1 वर्ष
(5) प्रसूति एवं बाल कल्याण केन्द्र	सं.	45	112	1 वर्ष
(6) मर्सिंग होम	सं.	30	74	1 वर्ष
(7) डिस्पैसरियां	सं.	240	450	1 वर्ष
आवासीय इकाई				
संख्या				
(8) प्राथमिक स्कूल	सं.	330	1060	1 वर्ष
(9) सीमियर सैकेन्डरी स्कूल	सं.	226	725	1 वर्ष
(10) एकीकृत स्कूल	सं.	45	143	1 वर्ष
(11) कालिज	सं.	28	60	1 वर्ष
(12) विश्वविद्यालय परिसर	सं.	2	3	10 वर्ष
(13) इंजीनियरी कालिज	सं.		1	10 वर्ष
(14) चिकित्सा कालिज	सं.	1	2	10 वर्ष
(15) विश्वविद्यालय	सं.		1	10 वर्ष
(16) पुलिस स्टेशन	सं.	32	79	1 वर्ष
(17) पुलिस बौकी	सं.	60	135	1 वर्ष
(18) पुलिस गाड़ियों के लिए वर्कशाप	सं.	1	2	5 वर्ष
(19) सिविल रक्षा डिविजनल कार्यालय	सं.	24	75	1 वर्ष
(20) मुख्य पुलिस बटालियन	सं.	2	4	5 वर्ष
(21) होम गार्ड जोनल कार्यालय	सं.	5	9	5 वर्ष
(22) होम गार्ड जिला कार्यालय	सं.	4	9	5 वर्ष
(23) अधिनश्वासन केन्द्र	मं.	20	39	1 वर्ष
उपग्रहित शमन केन्द्र				
(24) मिल्क डेरियां	सं.	1	2	10 वर्ष

1	2	3	4	5
(25) मिल्क बूथ	सं.	420	1340	1 वर्ष
(26) पैट्रोलियम एवं गैस भराई केन्द्र	सं.	1	2	10 वर्ष
(27) गैस गोदाम	सं०	75	149	1 वर्ष
(28) टेलीफोन केन्द्र	सं०	10	15	5 वर्ष
(29) प्रधान डाकघर विस्तरण कार्यालय	मं.	20	26	1 वर्ष
(30) प्रधान डाकघर* प्रशासनिक कार्यालय	सं.	6	11	5 वर्ष
(31) विभाग तार कार्यालय	सं.	6	14	5 वर्ष
(32) डाक-तार के लिए वर्कशाप	मं.	1	2	10 वर्ष
(33) डाक-तार उपस्कर भंडार	सं०	1	1	10 वर्ष
(34) अमूसंधान एवं उच्च अज्ञन के लिए राष्ट्रीय महत्व का संस्थान	सं.	1	10	10 वर्ष
(35) सामाजिक सांस्कृतिक संस्थाएं	सं.	3	10	10 वर्ष
5. संरक्षण एवं घेड बढ़ाना :				
(1) शारदीयारी का शहर	लाइन की लम्बाई (कि.मी.) यासी क्षमता के अनुसार चल-स्टाक	4	8	5 वर्ष
(क) ड्राम				
(ख) अतरलाक उद्योगों का स्थानान्तरण करना	सं.	400	700	1 वर्ष
(ग) माल टर्मिनल	सं.	2	2	5 वर्ष
(घ) दि.प.नि. बस टर्मिनल	सं.	2	4	5 वर्ष
(च) भूमिगत पार्किंग	सं.	3	9	5 वर्ष
(छ) आवासीय कटरों का पुनर्विकास	कटरों की संख्या परिवारों की संख्या परिवारों की संख्या	500 6,000 18,000	1000 20,000 60,000	1 वर्ष
(ज) थोंगों में भौतिक एवं सामाजिक आधारिक संरचना का सुधार				1 वर्ष
(झ) शहर की दीवार की मरम्मत तथा उम्मा संरक्षण	मी.		4, 16 कि.मी. (ग्रार)	
चार दीवारी के शहर के गेटों का संरक्षण और उनकी मरम्मत	सं.		5, 20 कि.मी. (मी.)	1 वर्ष
(2) विशेष थोंग में चार दीवारी के शहर को छोड़कर अन्य थोंगों में संरक्षण कांट-डॉट से गहरी नदीकरण			7 (ग्रार) 4 (सी०)	1 वर्ष
(3) पुनर्वास कालोनियों में भौतिक आधारिक संरचना	परिवारों की संख्या	352 हे.	528 हे.	1 वर्ष
(4) अनधिकृत कालोनियों में भौतिक आधारिक संरचना	परिवारों की संख्या	60,000	200,000	1 वर्ष
(5) शहरी गांवों में भौतिक आधारिक संरचना	गांवों की संख्या	60,000	200,000	1 वर्ष
(6) सार्वजनिक उपयोगिता :				
(क) जल शोधन संयंत्रों को बढ़ाना	एम.जी.डी.	371	421	1 वर्ष
(ख) नए जल शोधन संयंत्रों का निर्माण	एम.जी.डी.	200	300	10 वर्ष
(ग) सीवरेज शोधन संयंत्रों को बढ़ाना	एम.जी.डी.	454	494	1 वर्ष
(घ) नए सीवरेज शोधन संयंत्रों का निर्माण	एम.जी.डी.	50	250	10 वर्ष
(च) विद्युत वितरण पद्धति का विस्तार करना	एम.इल्यू.	550	1850	1 वर्ष
(छ) सेनिटरी लैंड-फिल स्थान का विकास	हे.	200	200	5 वर्ष
(ज) कूड़ा-कर्कट गांडियों के लिए मरम्मत वर्कशाप स्थान का निर्माण	सं.	3	3	5 वर्ष
(झ) यमुना नदी के जल मार्ग को मुद्यवस्थित करना—उसके थोंग का विकास करना	हे.	500	3,000	5 वर्ष
(ट) बाढ़ नियंत्रण उपायों के लिए विद्यमान नालों का पुनर्निर्माण करना	धर्तिरिक्त क्षेत्रेश्वरा			5 वर्ष

1	2	3	4	5
7. परिवहन :				
(क) हड्डी रेल	रेल को सम्बाई (कि. मी.) चल-स्टाक (यांत्री क्षमता में)	87	257	5 वर्ष
(ख) साईकिल ट्रैकों का निर्माण	कि.मी.		120	1 वर्ष
(ग) बस टर्मिनल का निर्माण	सं.	10	26	5 वर्ष
(घ) रेलवे टर्मिनलों का निर्माण	सं.	5	9	5 वर्ष
(ङ) अन्तर्राज्यीय बस अड्डों का निर्माण	सं.	2	4	5 वर्ष
(ए) फ्लाई ओवरों/निचले पुलों का निर्माण	सं.	15	45	1 वर्ष
(ज) सड़कों पर चल-स्टाक अर्थात् डी.टी.सी. अस	सं.	—	—	1 वर्ष
(झ) रिंग रेलवे के पास रोडगार केन्द्र	सं.	—	—	5 वर्ष
8. मनोरंजन :				
(क) डिवीजनल खेल-कूद केन्द्र	सं.	2	7	5 वर्ष
(ख) जिला खेल-कूद केन्द्र	सं.	44	84	1 वर्ष
(ग) निकटवर्ती पार्क	है.			1 वर्ष
(घ) निकटवर्ती खेल क्षेत्र	है.	480	720	1 वर्ष
(च) जिला स्तर बाल पार्क	सं.	7	11	5 वर्ष
(छ) यातायात प्रणिक्षण पार्क	सं.	5	10	5 वर्ष
(ज) पिकनिक हट	सं.	5	9	5 वर्ष
(झ) छोलों का विकास	है.	1	2	5 वर्ष
(ट) स्मारकों का संरक्षण		—	—	6 वर्ष
(ठ) नदी के अप्रभाग का विकास	है.	—	—	5 वर्ष
(ड) रिंग का संरक्षण				1 वर्ष
9. सरकारी कार्यालय :				
(क) सरकारी कार्यालय कम्पलेक्स	कि.	24	84	5 वर्ष
10. उद्योग :				
(क) विस्तृत औद्योगिक क्षेत्र	है.	400	400	1 वर्ष
(ख) हड्डी औद्योगिक क्षेत्र	औद्योगिक सम्पदा इकाइयों की संख्या	16	35	1 वर्ष
(ग) विभिन्न उद्योग :				
(१) इंडस्ट्रियल और इलैक्ट्रोनिक्स	औद्योगिक सम्पदा इकाइयों की संख्या	2	4	1 वर्ष
(२) रबड़ इंस्ट्रियल एवं पैट्रोलियम उत्पाद	औद्योगिक सम्पदा इकाइयों की संख्या	2	4	1 वर्ष
(३) धातु एवं धातु उत्पाद (मरीनें औजार, परिवहन उपकरण और पुर्जे)	औद्योगिक सम्पदा इकाइयों की संख्या	4	12	1 वर्ष
(४) फर्मिचर जुड़तार अन्य लकड़ी और कागज उत्पाद	औद्योगिक सम्पदा इकाइयों की संख्या	2	5	1 वर्ष
(५) भूती एवं सन्तु बस्त्र उत्पाद	औद्योगिक सम्पदा इकाइयों की संख्या	2	4	1 वर्ष
(६) खाद्य एवं पेय पदार्थ	औद्योगिक सम्पदा इकाइयों की संख्या	—	1	1 वर्ष
(७) रसायनिक उत्पाद	औद्योगिक सम्पदा इकाइयों की संख्या	—	—	1 वर्ष
(८) विविध उत्पाद	औद्योगिक सम्पदा इकाइयों की संख्या	2	4	1 वर्ष

1	2	3	4	5
11. व्यापार एवं वाणिज्य :				
(क) उपकेन्द्रीय व्यापार जिले	सं.	1	2	5 वर्ष
(ख) जिला केन्द्र	सं.	8	20	5 वर्ष
(ग) समुदाय केन्द्र	सं.	59	103	1 वर्ष
(घ) स्थानीय खरीदारी केन्द्र	सं.	258	537	1 वर्ष
(च) सुविधा खरीदारी केन्द्र	सं.	677	1616	1 वर्ष
(छ) महानगरीय केन्द्र	सं.	1	4	10 वर्ष
(ज) थोक एवं भाड़ा काम्पलैक्स	सं.	3	6	5 वर्ष
(झ) क्षेत्रीय एवं स्थानीय थोक मार्किट	सं.	3	6	5 वर्ष
12. गांवों का पर्यावरणीय सुधार और केन्द्रीय गांवों का विकास :				
(क) गांवों का पर्यावरणीय सुधार	सं.	60	120	1 वर्ष
(ख) केन्द्रीय गांवों का विकास	सं.	5	11	5 वर्ष
13. शहर का व्यक्तित्व विशेष परियोजनाएँ :				
(क) खुदरा खरीदारी काम्पलैक्स	सं.	1	1	10 वर्ष
(ख) आधुनिक थोक खरीदारी काम्पलैक्स	सं.	1	3	5 वर्ष
(ग) सम्मेलन केन्द्र	सं.	1	1	10 वर्ष
(घ) उच्चस्तर विद्या के लिए अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र	सं.	1	1	10 वर्ष
(च) नगर एवं क्षेत्रीय स्तर आधुनिक मनोरंजनात्मक थोक	सं.	2	5	5 वर्ष
(छ) अस्तरान्द्रीय खेल-कूद के लिए केन्द्र	सं.	1	2	10 वर्ष

5 वर्षों के अन्तराल पर आवधिक रूप से मासीटर किए जाने वाले भौतिक और सामाजिक आर्थिक परिवर्तनों के निम्नलिखित सूचक होंगे :—

(1) जनसांख्यिकीय :

- (क) जनसंख्या साइज—शहरी एवं ग्रामीण धारक क्षमता के अनुसार जनसंख्या का वितरण
- (ख) आयु सिंग संरचना
- (ग) घनत्व फैटने
- (घ) परिवार साइज
- (च) प्रवास की दर
- (छ) उन क्षेत्रों का पता लगाना, जिनके कारण प्रवास उत्पन्न होता है।

(2) भूमि उपयोग :

विग-शीन्ड संवेदन और भूमि उपयोग संवेदन विपलेषण

(3) आवास :

आवादकार, अनधिकृत, पुनर्वास, सामान्य समूह आवास, नियोजक आवास, स्तरम पुनर्वास, व्यक्तिगत भूमिकीय आवास, गांव और परम्परागत विभिन्न प्रकार के आवासों में परिवार।

स्तरम और आवादकार वस्तियों की सामाजिक-आर्थिक विशेषताओं सहित।

प्रति कमरा व्यक्ति और प्रति परिवार कमरे।

अनिवार्य सेवाओं सहित परिवार।

(4) परिवहन :

सार्वजनिक परिवहन (मॉडल स्प्लिट) द्वारा प्रतिशतता दिये।

विभिन्न राधारों का प्रयोग करने और उन्हें चलाने का ज्ञान।

जनसंख्या में संवर्धन यात्री क्षमता और प्रति वर्ष सार्वजनिक परिवहन द्वारा तय की गई दूरी।

(5) पर्यावरणीय कंटक :

- (क) वायु प्रदूषण
- (ख) जल प्रदूषण
- (ग) शोर

(6) आर्थिक पहलू :

- आय द्वारा परिवारों का वितरण
- उपभोग व्यय द्वारा परिवारों का वितरण
- रोजगार
- सहभागी दर
- विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार
- प्रति औद्योगिक इकाई कर्मचारियों की औसत मंज्या उत्पादों :
- विभिन्न प्रकार की औद्योगिक इकाईयों का विकास।
- निर्माण :
- निर्माण क्षेत्र द्वारा जी.एन.पी. में जांचा गया मूल्य विलिंग सामग्री उपलब्धता
- आवासीय, व्यावसायिक और सार्वजनिक बिलिंग—प्रकार द्वारा / पट्टैदारी और लागत :
- भूमि मूल्य, कीमतें, किराए, कर
- कुल आवास लागत के प्रतिशत के अनुसार भूमि लागत

(7) सामाजिक आधारिक संरचना :

स्वास्थ्य

मृत्यु-दर और शिशु मृत्यु-दर

जनता को मुश्किल पैय-जल की प्राप्ति

1,000 जनसंख्या ग्रिम्सरों की स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता भौगोलिक संतुलन

नियमित सीधेरेज की उपलब्धि  
कम लागत सफाई की उपलब्धि  
प्रतिव्यक्ति कूड़ा-कार्कट हटाना  
शिक्षा

विभिन्न स्तरों पर गैजिक संस्थाओं की संख्या और कमता ।  
पुलिस एवं अग्नि-शमन  
पुलिस एवं अग्नि-शमन में शिक्षा का वितरण  
मनोरंजनात्मक एवं सामाजिक सांस्कृतिक सुविधाएं  
विभिन्न सुविधाओं की संख्या और कमता

- (1) ब्लैन मैट्रान
- (2) स्टेडियम
- (3) तीरने के तालाब
- (4) फियेटर
- (5) संग्रहालय
- (6) पुस्तकालय
- (7)
- (8) प्राकृतिक धोर विपत्तियाँ

बाढ़ तीव्रता, प्रभावित थोन, जनसंख्या अन्य कोई प्राकृतिक और विपत्ति ।

मानिटर करने वाला यूनिट

भौतिक स्थलों और सूचकों के लिए आंकड़ों का मुख्य भाग

गौण स्त्रीों से प्राप्त किया जा सकता है । एक मानीटरिंग यूनिट को स्थापना की जानी चाहिए, जो मुख्य और गौण आंकड़ों को प्राप्त करने, उसका विशेषण करने और वर्षे में एक बार विस्तृत रूप से महत्वपूर्ण परिवर्तनों को प्राधिकरण की जानकारी में लाने के लिए जिम्मेदार होगा । प्रथमपूर्ण तुलना के लिए और परिवर्तन को मानीटर करने के लिए इस यूनिट द्वारा मानक फार्मेट तैयार किए जाएंगे ।

योजना पुनरीक्षण

योजना मानीटरिंग से परिवेष्य योजना दस्तावेज में आवश्यक संशोधन के लिए पर्याप्त सामग्री की व्यवस्था होती है । योजना कार्यान्वयन के दौरान आवास परिवहन, कार्य केन्द्र मनोरंजन, आधारिक संरचना आदि विकास के सभी पहलुओं पर भ्रष्टाचार और अनुसंधान करने की आवश्यकता है, ताकि उच्च स्तर के रहन-सहन के आवासरण की व्यवस्था करने में योजना को प्रभावी बनाया जा सके । इस महानगर के विकास के लिए योजना को एक ठोस उपकरण बनाने के लिए दि. शि. प्रा. को लगातार यह अध्ययन, अनुसंधान और मानीटरिंग कार्य करना चाहिए ।

नीतियों द्वितीय निर्दिष्ट करती हैं : विस्तृत विकास परियोजनाओं से अन्ततः आवासरण—अच्छा या बुरा, उत्पन्न होती है । योजना कार्यान्वयन के दौरान आवास परिवहन, कार्य केन्द्र मनोरंजन, आधारिक संरचना आदि विकास के सभी पहलुओं पर भ्रष्टाचार और अनुसंधान करने की आवश्यकता है, ताकि उच्च स्तर के रहन-सहन के आवासरण की व्यवस्था करने में योजना को प्रभावी बनाया जा सके । इस महानगर के विकास के लिए योजना को एक ठोस उपकरण बनाने के लिए दि. शि. प्रा. को लगातार यह अध्ययन, अनुसंधान और मानीटरिंग कार्य करना चाहिए ।

(4) निम्नलिखित को “व्याख्यात्मक टिप्पणियों” के रूप में ग्रन्थाय 3 के बाद जोड़ा जाए ।

पिछले शब्दों में —

- (1) जब तक कि अन्यथा उल्लिखित न हों, सभी आंकड़े वर्षे 1981 से संबंधित हैं, जिन्हें दिल्ली की मुख्य योजना (संशोधन के लिए, यथा प्रस्तावित) के लिए आधार वर्ष के रूप में लिया गया है ।
- (2) अपने व्याकरणिक विवेदों महिने “बर्नेमान” और “बिच्यमान” शब्द, जब तक कि संदर्भ में भिन्न या किसी अन्य वर्ष की

अपेक्षा न हो, 1981 का संकेत देने के लिए प्रयोग किए गए हैं ।

- (3) दिल्ली शहरी क्षेत्र 81 में, जब तक कि संदर्भ में भिन्न या किसी अन्य वर्ष की अपेक्षा न हो, 1962 की दिल्ली की मुख्य योजना में निर्धारित नगर योग्य सीमाओं के भव्यर का क्षेत्र शामिल है । धारक कमता निकालने के लिए पूर्वी दिल्ली का पटपड़ गंज काम्पलेक्स, पश्चिमी दिल्ली का मुख्यान पुरी और रोहिणी का कुछ भाग भी शामिल किया गया है ।
- (4) शहरी विस्तार (यू. ई.) दिल्ली की मुख्य योजना की नगर योग्य सीमाओं के बाहर का क्षेत्र है । वर्ष 2001 तक अतिरिक्त 40 लाख जनसंख्या को बसाने के लिए जिसकी आवश्यकता है ।

विकास संहिता की अनुसूची—1

उपयोग परिसरों की परिभाषाएं

001 आवासीय प्लाट-पूर्श्वांकीय आवास

एक या एक से अधिक आवासीय इकाई के लिए परिसर, जिसमें एक मुख्य विलेंग ब्लाक और गैरेज/परेजों एवं कम्बलारी क्वार्टरों के लिए एक अतिरिक्त ब्लाक हो सकता है ।

002 आवासीय प्लाट-समूह आवास

वह परिसर जिसका साइज 2000 वर्ग मीटर से कम न हो और जिसमें पांकिंग, पार्क, सुविधा दुकानें, सार्वजनिक उपयोगिता आदि जैसी मूल सुख-सुविधाओं सहित आवासीय प्लैट बने हों ।

003 आवासीय प्लैट

एक परिवार (एक गृहस्थी) के लिए आवासीय स्थान, जो समूह आवास का भाग या स्वतन्त्र रूप से हो सकता है ।

004 आवास एवं कार्य प्लैट

वह परिसर जिसमें एक परिवार (एक गृहस्थी) के आवास स्थान और निचली मंजिल (गार्डन प्लौटर) पर प्रतिव्यक्ति उसके कार्य-स्थान की व्यवस्था होती है । ये परिसर केवल सार्वजनिक आवास योजनाओं में ही अनुमत हैं ।

005 आवासीय परिसर-विशेष क्षेत्र

वह परिसर जिसमें मिश्रित उपयोग सहित या रहित, जैसा विशेष क्षेत्र आवास विनियमों में विद्या गया हो, विशेष क्षेत्र में आवासीय स्थान की व्यवस्था हो ।

006 विदेशी मिशन

विदेशी मिशन के कार्यालयों और उसके अन्य उपयोग (इससे संबंधित विनियमों के अनुसार) के लिए परिसर ।

007 होस्टल

वह परिसर जिसके कमरे “संस्थाओं” से मंलग्न या अन्यथा, दीर्घविधि आधार पर किए गए विवरणों पर दिए जाते हैं ।

008 गेस्ट हाउस, बोडिंग हाउस तथा लोजिंग हाउस

गेस्ट हाउस वह परिसर है, जहां सरकारी, ग्रांड-सरकारी, सार्वजनिक उपकरण और प्राइवेट सिमिटेंड कम्पनी के स्टाफ को थोड़ी अवधि के लिए ठहराया जाता है ।

बोडिंग हाउस वह परिसर है, जिसके कमरे थोटों की तुलना में दीर्घविधि आधार पर किए गए विवरणों पर दिए जाते हैं ।

लोजिंग हाउस वह परिसर है, जो 50 से कम व्यक्तियों के ठहराए के लिए उपयोग किया जाता है ।

## 009 धर्मशाला और उसके समानक

वह परिसर जिसमें लाम गिरिं आधार पर एक सप्ताह तक के लिए प्रस्थायी आवास की व्यवस्था होती है।

## 010 बारानपर

वह परिसर जिसका उपयोग विवाह और अन्य सामाजिक कार्यों के लिए किया जाता है और जिसे सार्वजनिक एजेंसी चलाती है।

## 011 रैन-बर्सेरा

वह परिसर जिसमें विना शुल्क या नामसाक के मुद्रक से लोगों के लिए राति के समय रहने की व्यवस्था होती है। यह स्थानीय सरकार या स्ट्रैचिक ऐजेंसियों द्वारा चलाया जाता है।

## 012 खुदरा दुकान

वह परिसर जहां आवश्यक भण्डारण करके वस्तुओं की बिक्री सीधे ही उपभोक्ता को की जाती है।

## 013 मरम्मत दुकान

खुदरा दुकान का समानक परिसर जहां घरेलू वस्तुओं, इलेक्ट्रोनिक गैजेट्स, आटोमोबाइल्स, साइकिल आदि की मरम्मत की जाती है।

## 014 कार्मिक सेवा दुकान

खुदरा दुकान का समानक परिसर जिसमें वर्जी, नाई आदि जैसी कार्मिक सेवाओं की व्यवस्था होती है।

## 015 बिक्री बूथ

यात्रिक संस्थापना के साम्यम से या अन्यथा दैनिक आवश्यकता की वस्तुओं की बिक्री के लिए बूथ के रूप में परिसर।

## 016 सुविधाजनक खरीददारी केन्द्र

आवासीय क्षेत्र में दुकानों का समूह, जिनकी संख्या 50 से अधिक न हो और जो लगभग 5000 व्यक्तियों की जनसंख्या को सेवाएं प्रदान करती हों।

## 017 स्थानीय खरीददारी केन्द्र

आवासीय क्षेत्र में दुकानों का समूह, जिनकी संख्या 75 से अधिक न हो और 15000 व्यक्तियों की जनसंख्या को सेवाएं प्रदान करती हों।

## 018 सामाजिक बाजार

वह परिसर जिसका उपयोग बाजार के रूप में अनैपचारिक दुकान-संस्थापनाओं के समूह द्वारा सप्ताह में एक बार किया जाता है। ये सामाजिक बाजार सप्ताह के मिश्र-मिश्र रिनों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानान्तरित होते हैं।

## 019 थोक आपार

वह परिसर जहां माल और वस्तुएं खुदरा व्यापरियों को बेची और सुपुर्द की जाती हैं। परिसर में भण्डारण एवं गोदाम और माल चढ़ाने एवं उतारने की सुविधाएं भी शामिल हैं।

## 020 भण्डारण, गोदाम और भण्डारण—

वह परिसर जिसे संबंधित वस्तुओं की आवश्यकता के प्रत्युमार तरंगों में माल और वस्तुओं के केवल भण्डारण के लिए उपयोग किया जाता है। परिसर में सड़क परिवहन या रेल परिवहन, जैसी भी स्थिति हो, क्षाग माल चढ़ाने और उतारने की सुविधाएं शामिल हैं।

## 021 शीतागार

वह परिसर जहां आवश्यक सापमाल प्रादि बनाए रखने के लिए याक्षिक और विशुद्ध संरक्षणों का प्रयोग करके आवृत स्थान में खराब होने वाली वस्तुओं का भण्डरण किया जाता है।

## 022 गैस गोदाम

वह परिसर जहां कुकिंग-नैस या अन्य गैस के सिलेंडरों का भण्डारण किया जाता है।

## 023 सेल डिपो

वह परिसर जहां अभी संबंधित सुविधाओं सहित पैट्रोलियम उत्पाद का भण्डारण किया जाता है।

## 024 जंक यार्ड

वह परिसर जहां बेकार माल, वस्तुओं और सामग्री की बिक्री और खरीद सहित आवृत, अर्वाचावृत या खुला भण्डारण किया जाता है।

## 025 आवासायिक कार्यालय

लाभ कमाने वाले भंगठों के कार्यालयों के लिए उपयोग किया जाने वाला परिसर।

## 026 बैंक

बैंकों के कार्य और अलन को पूरा करने के लिए कार्यालयों के लिए परिसर।

## 027 मोटर गैरेज एवं बैंकशाप

आटोमोबाइल्स की सर्विसिंग और मरम्मत के लिए परिसर।

## 028 सिनेमा

दर्शकों के बैठने के लिए आवृत स्थान सहित जलजितों और स्टिलों के प्रशेषण की सुविधाओं सहित परिसर।

## 029 ड्राइव-इन-मिनेमा

यान दर्शकों के लिए अलजितों और स्टिलों के प्रशेषण की सुविधाओं सहित सिनेमा। इसमें अन्य दर्शकों के लिए आडिटोरियम शामिल है।

## 030 पैट्रोल पम्प

उपभोक्ताओं को पैट्रोलियम उत्पाद बेचने का परिसर। इसमें आटो-मोबाइल्स की सर्विसिंग भी शामिल हो सकती है।

## 031 रेस्टोरेंट

वह परिसर जिसे कूकिंग सुविधाओं सहित आवासायिक आधार पर आप पदार्थों की व्यवस्था करने के लिए उपयोग किया जाता है। इसमें बैठने का स्थान आवृत या खुला प्रथमा दोनों प्रकार का हो सकता है।

## 032 होटल

वह परिसर जिसका उपयोग 15 व्यक्तियों या उससे अधिक के छहरे के लिए आने रहित या आने सहित अवायनी करने पर किया जाता है।

## 033 मोटर

वह परिसर जो मुख्य राजमार्ग के निकट और नगरपाली सीमाओं के बाहर स्थित हो और जहां सड़क द्वारा यात्रा करने वाले लोगों की सुविधा के लिए आन पान का प्रबंध हो।

## 034 फ्लैट समूह उद्योग

वह परिसर जहां अनुबंध 3 में की गई व्यवस्था के प्रत्युमार सम्प्रीतियां एवं इकाइयों का राम्रह हो और 50 कामगार तक कार्य करते हों तथा कार्य अतरनाक न हो। ये इकाइयां बहुमंजिली बिल्डिंगों में अवस्थित हो सकती हैं।

## 035 सर्विस केन्द्र

वह परिसर जहां प्रतिवेशी आवासीय क्षेत्रों के लिए अनिवार्य सर्विसिंग की व्यवस्था करने के लिए अनिवार्य रूप में आटोमोबाइल्स, विशुद्ध उपकरण, बिल्डिंग मरम्मत आदि के लिए मरम्मत-मुकानें हों।

## 036 श्रीधोगिक प्लाट—हूके उद्योग

मनुवंश 3 में दी गई सूची के अनुसार एक श्रीधोगिक इकाई के लिए परिसर, जहाँ 50 कामगार तक कार्य करते हों, और कार्य खतखाक न हों।

## 037 श्रीधोगिक प्लाट—विस्तृत उद्योग

मनुवंश 3 में दी गई सूची के अनुसार एक श्रीधोगिक इकाई के लिए परिसर, जहाँ नई विस्तृत श्रीधोगिक इकाइयों के मामले में 50 कामगार तक कार्य करते हों।

## 038 श्रीधोगिक परिसर—मिसारक उद्योग

पत्थर को खोदकर निकालने और अवधूमि सामग्री निष्कर्षण के लिए परिसर।

## 039 श्रीधोगिक प्लाट—उद्योग विशेष टाइप

एलेक्ट्रोनिक वस्तुओं प्रादि जैसे परिष्कृत उत्पाद के विनिर्माण के लिए श्रीधोगिक इकाइयों के समूह में से एक श्रीधोगिक इकाई के लिए परिसर।

## 040 पार्क

मनोरंजनात्मक और साकाश गतिविधियों के लिए उपयोग किया जाने वाला परिसर। इसमें भूम्य, पार्किंग सुविधाओं, सार्वजनिक शैक्षणिक संस्कारणों, फैसले ग्रादि संबंधित आवश्यकताओं की व्यवस्था हो सकती है। इसमें सैन, लूस स्पान, हरियाली प्रादि समानार्थी व्यवस्थाएं भी शामिल होती हैं।

## 041 खेल मैदान

आउटडोर खेलों के लिए उपयोग किया जाने वाला परिसर। इसमें भूम्य, पार्किंग सुविधाओं, सार्वजनिक शैक्षणिक ग्रादि की व्यवस्था हो सकती है।

## 042 आउटडोर खेल स्टेडियम

बिलाडियों के लिए संबंधित सुविधाओं सहित खेलों के बैठने के स्थान के लिए मंडप बिलिंग और स्टेडियम इत्याचासहित आउटडोर खेलों के लिए परिसर।

## 043 इमोर खेल स्टेडियम

बिलाडियों के लिए संबंधित सुविधाओं सहित खेल मैदान और दर्शकों के बैठने के स्थान सहित इमोर स्टेडियम के लिए परिसर।

## 044 इमोर गेम्स हास्प

वह परिसर, जिसमें बिलाडियों के लिए संबंधित सुविधाओं सहित इमोर खेलों के लिए बहुत स्थान की व्यवस्था हो।

## 045 शूटिंग रेंज

वह परिसर जहाँ शूटिंग अभ्यास और/या खेल-कूट के लिए संबंधित सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 046 तीरने का तालाब

तीरने और दर्शकों के बैठने की सुविधाओं सहित परिसर जो आकार, स्तर और उद्देश्य की दृष्टि से भलग-भलग हो सकते हैं।

## 047 मनोरंजनात्मक क्लब

सभी संबंधित सुविधाओं सहित वह परिसर जिसका उपयोग सामाजिक और मनोरंजनात्मक उद्देश्यों के लिए लोगों के समूह को एकत्रित करने के लिए किया जाता है।

## 048 ऐसिहासिक स्मारक

वह परिसर जहाँ भूतकाल से संबंधित संरचनाएं या उसके लंबहर विद्यमान हो।

## 049 राष्ट्रीय स्मारक

दर्शकों के लिए सभी सुविधाओं सहित परिसर, जहाँ किसी महत्वपूर्ण अवित की याद में मकबरा, समाधि या स्मारक बना हुआ हो।

## 050 चिकित्साधार तथा अवारियम

प्रवर्षनी और धन्यवद के लिए जानवरों, स्पीशिज और पक्षियों के समूह संबंधित उथान या पार्क या आवारियम के रूप में परिसर। उसमें सभी संबंधित सुविधाओं की व्यवस्था होगी।

## 051 पश्ची शरण-स्थान

सभी संबंधित सुविधाओं सहित पश्चियों के परिक्षण और पालन-पोषण के लिए विस्तृत पार्क या बन के रूप में परिसर।

## 052 बानस्पतिक उद्यान

भनुसंधान और प्रवर्षनी के लिए बागान सहित उथान के रूप में परिसर।

## 053 विशेषीकृत पार्क/मैदान

वह परिसर जहाँ सार्वजनिक सभा मैदान, फैल-पार्क, परीलौक आदि जैसे नामित उपयोग के लिए पार्क या मैदान हो।

## 054 तारा मंडल

ग्रह-प्रश्नपत्र के लिए आवश्यक सुविधाओं और उपस्करों सहित परिसर।

## 055 पिकनिक हट/शिविर स्थल

पर्टीक और/या मनोरंजनात्मक केन्द्र के अन्वर स्थित परिसर जिसका उपयोग किसी परिवार द्वारा मनोरंजनात्मक या साकाश उद्देश्य के लिए पोड़ी अवधि तक ठहरने के लिए किया जाता है।

## 056 फ्लाइंग क्लब

वह परिसर जिसका उपयोग ब्लाइंडरों और ग्रन्थ लौटे बायुपानों पर प्रशिक्षण प्राप्त करने और फैल-राइंडिंग के लिए किया जाता है। इसमें मनोरंजनात्मक क्लब और इमोर खेलों जैसी ग्रन्थ गतिविधियां शामिल हैं।

## 057 काररो एवं बुकिंग-कार्यालय

वह परिसर जिसका उपयोग बुकिंग-कार्यालयों और किसी एपरलाइन द्वारा माल के भण्डारण के लिए किया जाता है।

## 058 रेलवे भाका गोदाम

रेलवे द्वारा लाए गए माल के भण्डारण के लिए परिसर।

## 059 रेलवे बुकिंग कार्यालय

वह परिसर जिसका उपयोग याक्षियों की याक्षा के लिए बुकिंग करने के लिए रेलवे के कार्यालयों के लिए किया जाता है।

## 060 रोड परिवहन बुकिंग कार्यालय

वह परिसर जिसका उपयोग किसी रोड परिवहन एजेन्टी के कार्यालयों के लिए किया जाता है। इसमें गोदाम शामिल हो सकता है और नहीं भी।

## 061 पार्किंग

वह परिसर जिसका उपयोग गाड़ियों की पार्किंग के लिए किया जाता है। सार्वजनिक पार्किंग स्थलों की व्यावसायिक या गैर-व्यावसायिक आवार वर बलाया जा सकता है।

## 062 ईफ्सी एवं लिपिहिंग स्टैण्ड

वह परिसर जिसका उपयोग व्यावसायिक आवार पर खलने वाली मध्यवर्ती सार्वजनिक परिवहन गाड़ियों की पार्किंग के लिए किया जाता है। पार्किंग स्थलों की व्यावसायिक या ग्राम्यावसायिक आवार पर खलाया जा सकता है।

## 063 बस टर्मिनल

वह परिसर जिसका उपयोग लोगों की सेवा के लिए घोषी ग्रवियर बसों द्वारा करने के लिए सार्वजनिक परिवहन एजेन्सी द्वारा किया जाता है। इसमें यात्रियों के लिए आवश्यक सुविधाएं शामिल हो सकती हैं।

## 064 बस डिपो

वह परिसर जिसका उपयोग बसों की पार्किंग, देखभाल और मरम्मत के लिए सार्वजनिक परिवहन एजेन्सी या इसी प्रकार की किसी ग्रन्थ एजेन्सी द्वारा किया जाता है। इसमें वर्कशाप हो सकती है और नहीं भी हो सकती।

## 065 सार्वजनिक उपयोगिता परिसर

## (1) घोवरहैंड टैक

वह परिसर जहां जल भण्डारण एवं प्रतिवेशी क्षेत्रों में उसकी आपूर्ति के लिए घोवर हैंड टैक बना हो। इसमें पम्प हाउस हो सकता है और नहीं भी हो सकता है।

## (2) भूमि गत टैक

वह परिसर जहां जल भण्डारण एवं प्रतिवेशी क्षेत्रों में उसकी आपूर्ति के लिए भूमिगत टैक बना हुआ हो। इसमें पम्प हाउस हो सकता है और नहीं भी हो सकता है।

## (3) आक्सीकरण पांप

वह परिसर जहां सीधरेज और अन्य अपव्यय के लिए आक्सीकरण प्रक्रिया के लिए टैक बना हुआ हो।

## (4) सैटिक टैक

वह परिसर जहां सीधरेज इकट्ठां करने और बाष में उसका निपटान करने के लिए एक भूमिगत टैक बना हुआ हो।

## (5) सीधरेज पर्मिंग स्टेशन

वह परिसर जहां उच्च प्रवणता पर पर्मिंग सीधरेज के लिए प्रयोग करने के लिए पर्मिंग स्टेशन हो।

## (6) सार्वजनिक शौचालय एवं मूत्रालय

वह परिसर जहां सार्वजनिक उपयोग के लिए शौचालय और मूत्रालय बने हो। इसमें पीने के पाती की सुविधा हो सकती है और नहीं भी हो सकती।

## (7) विद्युत सब-स्टेशन

वह परिसर जहां विद्युत के वितरण के लिए विद्युत संस्थापन और ट्रांसफोर्मर लगे हों।

## (8) इलाके एवं इस्टर्न

वह परिसर जहां कूड़ा इकट्ठा किया जाता है और जहां से वह सेनिट्रोएटिंग पिण्ड सक ले जाया जाता है।

## (9) घोषी घाट

वह परिसर जिसका उपयोग घोषियों द्वारा कपड़े/सिनेन घोने और सुखाने के लिए किया जाता है।

## 066 केंद्रीय सरकार के कार्यालय

वह परिसर जिसका उपयोग संघ सरकार के कार्यालयों के लिए किया जाता है।

## 067 स्थानीय सरकारी कार्यालय

वह परिसर जिसका उपयोग स्थानीय सरकार और स्थानीय निकायों के कार्यालयों के लिए किया जाता है।

## 068 सार्वजनिक उपकरण कार्यालय

वह परिसर जिसका उपयोग सार्वजनिक उद्यम व्यूरो के अधिनियम के अन्तर्गत स्थापित कम्पनी के कार्यालयों के लिए किया जाता है।

## 069 अस्सराईट्रीय सम्मेलन केन्द्र

वह परिसर है जहां सम्मेलन, सभा, संगोष्ठी आदि जिसमें काफी संख्या में विभिन्न देश भाग लेते हैं, के लिए मसी सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 070 न्यायालय

न्यायालिका के कार्यालयों के लिए उपयोग किया जाने वाला परिसर।

## 071 सरकारी भूमि (उपयोग अनिवार्य)

सरकारी भूमि का परिसर, जिसका उपयोग अनिवार्य हो।

## 072 अस्पताल

वह परिसर जहां अन्तरंग और बहिरंग रोगियों के इलाज के लिए सामान्य या विशेषीकृत प्रकार की चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 073 हृतास्थ नेत्र

वह परिसर जहां 30 बिस्तरों तक अन्तरंग और बहिरंग रोगियों के इलाज के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो। स्वास्थ्य नेत्र का प्रबंध अव्यावसायिक आषार पर सार्वजनिक या धर्मार्थ संस्था द्वारा किया जा सकता है। इसमें परिवार कल्याण केन्द्र शामिल हैं।

## 074 नर्मिंग होम

वह परिसर जहां 30 बिस्तरों तक अन्तरंग और बहिरंग रोगियों के लिए चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था हो। इसका प्रबंध अव्यावसायिक आषार पर किसी डाक्टर या डाक्टरों के समूह द्वारा किया जाएगा।

## 075 चिकित्सरी

वह परिसर जहां चिकित्सा परामर्श की सुविधाओं और व्याहृती रोगियों की व्यवस्था होगी और जिसका प्रबंध सार्वजनिक या धर्मार्थ संस्थाओं द्वारा किया जाएगा।

## 076 कलनिक

वह परिसर जहां बहिरंग रोगियों के इलाज के लिए सुविधाओं की व्यवस्था किसी डाक्टर द्वारा की जाएगी/पालिक्सीलिक के मामले में इसका प्रबंध डाक्टरों के थ्रूप द्वारा किया जाएगा।

## 077 नैवालिक प्रयोगशाला

वह परिसर जहां बीमारी के लक्षणों का पता लाने के लिए विभिन्न जोख करने के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 078 स्वैच्छिक स्वास्थ्य सेवा

वह परिसर जहां स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा बहिरंग रोगियों के इलाज और रक्त बैंक जैसी अन्य चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था की गई हो। इस सेवा को धर्मार्थ उद्देश्य से अस्थायी शिविर के रूप में भी किया जा सकता है।

## 079 शिशुबूर्ध एवं दिवस देखभाल केन्द्र

वह परिसर जहां दिन के समय के दौरान शिशुओं के लिए मर्सी सुविधाओं की व्यवस्था हो। केन्द्र का प्रबंध अव्यावसायिक या अव्यावसायिक आषार पर किसी संस्था द्वारा किया जा सकता है।

## 080 नर्सी एवं किनडरगार्डेन स्कूल

वह परिसर जहां स्कूल के लिए बच्चों के प्राप्त प्रवेश के लिए प्रशिक्षण एवं खेलने के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 081. प्राइमरी स्कूल :

वह परिसर जहाँ पांचवीं कक्षा तक विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक एवं खेलने की सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 082. सेकेन्डरी स्कूल :

वह परिसर जहाँ छठी से दसवीं कक्षा तक विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक एवं खेलने की सुविधाओं की व्यवस्था हो। इसमें इस संहिता के लिए आठवीं कक्षा तक के मिडिल स्कूल के विद्यमान मामले भी शामिल होंगे।

## 083. सीनियर सेकेन्डरी स्कूल :

वह परिसर जहाँ छठी से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक एवं खेलने की सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 084. प्राक्षिक स्कूल :

वह परिसर जहाँ बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक एवं खेलने की सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 085. प्राक्षिक आवासीय स्कूल :

वह परिसर जहाँ बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक एवं खेलने की सुविधाओं की व्यवस्था हो। इसमें विद्यार्थियों के लिए बोर्डिंग सुविधाएं हमें और संकाय सदस्यों के लिए आवास हो सकता है।

## 086. कालिज़ :

वह परिसर जहाँ किसी विश्वविद्यालय के अन्तर्गत पूर्वस्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक एवं खेलने की सुविधाओं की व्यवस्था हो। इसमें विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक सुविधाएं हमें और संकाय सदस्यों के लिए आवास हो सकता है।

## 087. आवासायिक प्रशिक्षण संस्थान :

वह परिसर जहाँ कुछ व्यवसाय और आपार क्लिंटों में रोजगार के लिए प्रवेश दैयारी के लिए अन्यकालीन पाठ्यक्रमों के लिए प्रशिक्षण सुविधाओं की व्यवस्था हो। यह अव्यावसायिक आधार पर जनता या धर्मार्थ संस्था द्वारा चलाया जाएगा। इसमें प्रशिक्षण एवं कार्य केन्द्र शामिल हैं।

## 088. समाज कल्याण केन्द्र :

वह परिसर जहाँ कल्याण और समुदाय विकास को बढ़ावा देने के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो। यह जनता या धर्मार्थ संस्था द्वारा चलाया जाएगा।

## 089. अनुसंधान एवं विकास केन्द्र :

वह परिसर जहाँ किसी विशेष क्षेत्र के लिए अनुसंधान और विकास के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 090. पुस्तकालय :

वह परिसर जहाँ सामाज्य जनसा या श्रेणी विशेष के लिए पढ़ने और संशोधन के लिए पुस्तकों के बहुत बड़े संग्रह की व्यवस्था हो।

## 091. तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र :

वह परिसर जहाँ तकनीकी प्रकार के क्षेत्र में प्रशिक्षण की सुविधाओं की व्यवस्था हो। इसमें तकनीकी स्कूल, जीवोगिक प्रशिक्षण संस्थान आदि शामिल हैं।

## 092. आवासायिक एवं सामिक प्रशिक्षण केन्द्र :

वह परिसर जहाँ आशुलिपि, पत्र-व्यवहार, अभिलेख रखना आदि के लिए प्रशिक्षण केन्द्र की व्यवस्था हो।

## 093. संगीत, नृत्य एवं नाट्य प्रशिक्षण केन्द्र :

वह परिसर जहाँ संगीत, नृत्य और नाट्यकरण का प्रशिक्षण देने और सिद्धान्तों की व्यवस्था हो।

## 094. खेल-कूव प्रशिक्षण केन्द्र :

वह परिसर जहाँ तैरने सहित विभिन्न हस्तोर और आउटडोर खेलों के प्रशिक्षण और उन्हें सीखने के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो। इसमें शारीरिक शिक्षा के केन्द्र भी शामिल होंगे।

## 095. मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण केन्द्र :

वह परिसर जहाँ आटोमोबाइल्स ड्राइविंग के प्रशिक्षण के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 096. यात्रा यातायात पार्क :

पार्क के रूप में वह परिसर जहाँ यातायात और संकेतन के बारे में जाजों का जानकारी और प्रशिक्षण देने के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 097. संप्रहालय :

वह परिसर जहाँ पुरावशेषों, प्राकृतिक इमिश्यास, कला आदि के उदाहरणों के लिए वस्तुओं का भण्डारण एवं प्रदर्शन करने के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 098. प्रदर्शनी केन्द्र तथा कला-भवन :

वह परिसर जहाँ चित्रकारी, कॉटोप्राफी, मूर्तिकला, चित्ति-चित्रों, मृत्युकला, हस्तशिल्प या किसी विशेष वर्ग के उत्पादों की प्रवर्षनी और सजावट के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 099. आईटीट्रेनिंग :

वह परिसर जहाँ संगीत-सभा, नाटक, संगीत, प्रस्तुतिकरण, नमारोह आदि जैसे विभिन्न प्रदर्शनों के लिए मंच और दर्शकों के बैठने के स्थान की व्यवस्था हो।

## 100. खुला चियेटर :

वह परिसर जहाँ वर्षकों के स्थान और प्रदर्शन के लिए मंच की सुविधाओं की व्यवस्था हो और वह खुला हो।

## 101. समुदाय भवन :

वह परिसर जहाँ 15,000 जनसंख्या के आस-पड़ोस की विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए बन्द मंलगन स्थान की व्यवस्था हो।

## 102. मेला मैदान :

वह परिसर जहाँ सहमानियों के समूह के लिए प्रदर्शनी और सजावट तथा अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हों।

## 103. सांस्कृतिक एवं सूचना केन्द्र :

वह परिसर जहाँ किसी संस्था, राज्य और देश के लिए सांस्कृतिक एवं सूचना सेवाओं के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 104. सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थान :

वह परिसर जहाँ मूल रूप से धर्मावसायिक आधार पर जनता या स्वैच्छिक रूप से किसी एक व्यक्ति द्वारा सामाजिक-सांस्कृतिक प्रकार की गतिविधियों के लिए सुविधाओं की व्यवस्था की गई हो।

## 105. सुधारालय :

वह परिसर जहाँ अपराधियों को कैद रखने और उनका सुधार करने के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 106. अनायासलय :

वह परिसर जहाँ उन ब्रज्जों के रहने के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो, जिन्हें उनके मां-बाप जसहाय वरस्था में छोड़ गए हों। इसमें भैलिक सुविधाओं की व्यवस्था हो सकती है और वही भी हो सकती।

## 107. धार्मिक :

वह परिसर जो रहने के स्थान और संहिता की सेवा या धार्मिक प्रकार के अन्य उद्देश्यों के लिए दिया गया हो। इसमें मन्दिर (सभी धर्मों के), मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा, सिनागार, आश्रम, स्नान-घाट, गोशाला जैसे विभिन्न धर्मों के विभिन्न नाम हो सकते हैं।

## 108. योग भवन, आध्यात्मिक एवं धार्मिक प्रबन्धन केन्द्र :

वह परिसर जहां स्वर्य-सिद्धि, बुद्धि और शरीर के उच्च उण्ठों की उपलब्धि, आध्यात्मिक और धार्मिक प्रबन्धन आदि से संबंधित सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 109. पुलिस चौकी :

वह परिसर जहां अस्थायी प्रकार की या पुलिस स्टेशन की तुलना में छोटे स्तर की स्थानीय पुलिस चौकी के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 110. पुलिस स्टेशन :

वह परिसर जहां स्थानीय पुलिस चौकी के कार्यालयों के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 111. जिला पुलिस कार्यालय :

वह परिसर जहां पैश-सेना के कार्यालयों के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 112. सिविल रखा और होम गार्ड :

वह परिसर जहां आंतरिक रखा के लिए सिविल संगठन के कार्यालय और अन्य कार्यों के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 113. आयामिक विज्ञान प्रयोगशाला :

वह परिसर जहां विज्ञिक समस्याओं में चिकित्सा शान को लागू करने के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 114. जेल :

वह परिसर जहां विज्ञिक अन्तर्गत अपराधियों को भजरबंद करने, कैद करने और उच्च सुधारने के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 115. अग्निशमन चौकी :

वह परिसर जहां आग बुझाने के लिए कम मात्रा में सुविधाओं की व्यवस्था हो। चौकी अग्नि प्रवण कार्य-कलापों सहित विशेष परिसर से संलग्न हो सकती है।

## 116. अग्निशमन केन्द्र :

वह परिसर जहां उससे सम्बद्ध आवास-क्षेत्र के लिए आग बुझाने की सुविधाओं की व्यवस्था हो। इसमें अग्निवार्य स्टाक का आवास भी शामिल हो सकता है।

## 117. डाक-घर :

वह परिसर जहां जनता के उपयोग के लिए डाक प्रेषण के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 118. डाक एवं तार कार्यालय :

वह परिसर जहां जनता के उपयोग के लिए डाक प्रेषण के लिए सुविधाओं को व्यवस्था हो।

## 119. बड़ा और प्रधान डाक-घर :

वह परिसर जहां उससे संलग्न कई डाकधरों में डाक ले जाने और डहां से लाने के लिए उसकी छाई और वितरण की सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 120. टेलीफोन केन्द्र :

वह परिसर जहां नामित क्षेत्र के लिए टेलीफोन पद्धति के केन्द्रीय प्रकाशन के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 121. रेडियो एवं टेलीवीजन केन्द्र :

वह परिसर जहां सम्बंधित माध्यम द्वारा खबरें और अन्य कार्यक्रम रिकार्ड करने, प्रसारित करने और प्रेषित करने के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो। इसमें अतिथि कलाकारों के लिए होस्टल व्यवस्था, टावरों और सांसारिक शामिल हो सकती है।

122. ट्रांसमिशन टावर और बेसार केन्द्र वह परिसर जिसका उपयोग संचार उद्देश्य के लिए टावर के संस्थापन के लिए किया जाता है।

## 123. उपग्रह एवं दूरसंचार केन्द्र :

वह परिसर जहां उपग्रह एवं दूरसंचार प्रौद्योगिकी के अनुसंधान एवं विकास के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 124. बैधशाला तथा मौसम कार्यालय :

वह परिसर जहां मौसम भौति उसके पुर्वानुभाव से संबंधित घाँटड़ों के अनुसंधान और विकास के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 125. कफिलस्तान :

वह परिसर जहां शब्दों को वफ़ानामे के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 126. शमशान

वह परिसर जहां शब्दों को जलाकर अंतिम धार्मिक कृत्यों को पूरा करने के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 127. समाधि क्षेत्र

वह परिसर जहां ईसाई समुदाय द्वारा शब्दों को वफ़ानामे के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 128. विद्युत यांत्रिकीय घर :

वह परिसर जहां शब्दों को विद्युत यांत्रिकीय घर द्वारा जलाने के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 129. फलोधारा :

वह परिसर जहां घने फलों के बूथ लगे हुए हों। इसमें फलों के बूथों के बाग भी शामिल हैं।

## 130. प्लॉट नर्सरी :

वह परिसर जहां छोटे पौधों को उगाने और उनकी विक्री के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो।

## 131. बग :

वह प्राकृतिक पेड़-पौधों सहित परिसर संघ राज्य-क्षेत्र विस्तीर्ण में इसमें नगरजन शामिल होंगे जिसमें कुछ भाग प्राकृतिक पेड़-पौधों और कुछ भाग मनुष्य द्वारा लगाए गए पेड़-पौधों का होगा।

## 132. डेयरी-कार्म :

वह परिसर जहां डेयरी-उत्पाद उगाने और तैयार करने के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो। इसमें पशुओं और पश्चिमों के शैडों के लिए प्रस्थायी संरचना हो सकती है।

## 133. पोल्ट्री-कार्म :

वह परिसर जहां डेयरी उत्पाद उगाने और तैयार करने के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो। इसमें मुर्गियों के शैडों के लिए प्रस्थायी संरचना हो सकती है।

## 134. सुप्रवाहा :

वह परिसर जहाँ डेयरी, उत्पाद उगाने और तैयार करने के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो। इसमें सूखरों के थोड़ों के लिए अस्थायी संरचना हो सकती है।

## 135. फार्म-हाउस :

वह परिसर जहाँ कृषि फार्म में आवासीय भूमि हो। संघ राज्य-सेव विद्वी के सामले में फार्म-हाउस का खेतफल 500 वर्ग फीट से अधिक नहीं होगा।

## 136. ग्रामीण केन्द्र :

वह परिसर जहाँ कुछ गांवों के विभिन्न कार्यों के लिए सुविधाओं की व्यवस्था हो, जिनका प्रबंध वहाँ किया जाता है।

(5) विद्वान् "प्रविष्टियों" को हठा दिया जाए और उनके स्थान पर निम्नलिखित अनुबन्धों को जोड़ा जाए:

अनुबन्ध - 1

सुविधा केन्द्र तथा सर्विस केन्द्र

(क) सुविधा केन्द्र

सुविधाओं का व्यौरा

सुविधा केन्द्र की संख्या (हेक्टेयर)

योजना डिवीजन "बी" सामाजिक- सांस्कृतिक संस्थाएं, मध्यवर्ती अस्पताल "ए" प्रधान डाक-घर एवं प्रशासन कार्यालय, प्रधान डाकघर एवं वितरण कार्यालय।

एफ 1 10.50

योजना डिवीजन "सी" मध्यवर्ती अस्पताल "ए", मध्यवर्ती अस्पताल "बी" नसिंग होम प्रधान डाकघर तार कार्यालय का विभाग।

एफ 2 5.00

सामाज्य कालिज, मध्यवर्ती अस्पताल "बी" पुलिस स्टेशन, प्रधान डाकघर।

एफ 3 7.50

मध्यवर्ती अस्पताल "ए", नसिंग होम

एफ 4 7.00

सामाजिक - सांस्कृतिक सुविधाएं मध्यवर्ती अस्पताल "ए"

एफ 5 9.00

नसिंग होम

एफ 6 9.50

अग्नि शमन केन्द्र

एफ 7 4.50

योजना डिवीजन "ए" कालिज मध्यवर्ती

अस्पताल "ए" मध्यवर्ती अस्पताल "बी"

सामाज्य अस्पताल, नसिंग होम (2), तार

कार्यालय, पुलिस स्टेशन, प्रधान डाकघर

एफ 8 16.00

आई टी आई + तकनीकी स्कूल + कोर्चिंग केन्द्र

एफ 9 2.20

मध्यवर्ती अस्पताल "ए" (2), मध्यवर्ती

अस्पताल "बी" (2), तकनीकी स्कूल-बी,

नसिंग होम (2), अग्निशमन केन्द्र, प्रधान

डाकघर

एफ 10 13.50

मध्यवर्ती अस्पताल "ए" (2), मध्यवर्ती

अस्पताल "बी" (2) अग्निशमन केन्द्र,

प्रधान डाकघर, नसिंग होम (2), पुलिस

स्टेशन कालिज

एफ 11 14.50

कालेज] तकनीकी शिक्षा केन्द्र "ए"

मध्यवर्ती अस्पताल ए, मध्यवर्ती अस्पताल

"बी" (2), नसिंग होम (2), अग्निशमन केन्द्र, पुलिस स्टेशन, तार कार्यालय, प्रधान डाकघर।

एफ 12 16.00

विश्वविद्यालय परिसर, टेलीफोन केन्द्र, नसिंग होम (2), पुलिस स्टेशन, अग्निशमन केन्द्र सामाजिक सांस्कृतिक

एफ 13 23.55

मध्यवर्ती अस्पताल "बी" (2) मध्यवर्ती अस्पताल "ए", नसिंग होम

एफ 14 2.10

एफ 15 3.00

कालिज मध्यवर्ती अस्पताल "ए", मध्यवर्ती अस्पताल "बी" (2), नसिंग होम (2) पुलिस स्टेशन, अग्निशमन केन्द्र।

एफ 16 11.50

मध्यवर्ती अस्पताल "ए", मध्यवर्ती अस्पताल "बी", पुलिस स्टेशन, अग्निशमन केन्द्र, नसिंग होम (2).

एफ 17 6.75

कालिज, सामाज्य अस्पताल मध्यवर्ती अस्पताल "ए" (2), मध्यवर्ती अस्पताल "बी" (2), पुलिस स्टेशन, नसिंग होम (3)

एफ 18 20.00

मध्यवर्ती अस्पताल "ए" (2), मध्यवर्ती अस्पताल "बी" (2), प्रधान डाकघर, तार-कार्यालय, कालिज, नसिंग होम।

एफ 19 12.50

पुलिस स्टेशन प्रधान कार्यालय

एफ सी 20 1.60

मध्यवर्ती अस्पताल "बी"

एफ सी 21 1.00

कालिज, नसिंग होम (2)

एफ सी 22 5.25

मध्यवर्ती अस्पताल "ए"

एफ सी 23 3.75

कालिज मध्यवर्ती अस्पताल "ए" नसिंग होम (2), पुलिस स्टेशन

एफ सी 24 8.50

कालिज, सामाज्य अस्पताल नसिंग होम (3)

पुलिस स्टेशन, टेलीफोन केन्द्र, अग्निशमन केन्द्र

एफ सी 25 14.40

कालिज मध्यवर्ती अस्पताल "ए", नसिंग होम

एफ सी 26 7.30

योजना डिवीजन "फ"

मध्यवर्ती अस्पताल "ए" मध्यवर्ती अस्पताल

"बी", अग्निशमन केन्द्र, तार विभाग, प्रधान

डाकघर, नसिंग होम।

एफ सी 27 6.50

मध्यवर्ती अस्पताल "ए", मध्यवर्ती अस्पताल

"बी", नसिंग होम (2)

एफ सी 28 4.25

आई टी आई + तकनीकी स्कूल + कोर्चिंग केन्द्र

मध्यवर्ती अस्पताल "ए" (3), मध्यवर्ती

अस्पताल "बी" (2), पुलिस स्टेशन, अग्नि

शमन केन्द्र, टेलीफोन केन्द्र, तार विभाग,

प्रधान डाकघर, नसिंग होम (4)

एफ सी 29 20.60

मध्यवर्ती अस्पताल "ए" मध्यवर्ती अस्पताल

"बी" (2), नसिंग होम (2)

एफ सी 30 5.20

मध्यवर्ती अस्पताल "ए" मध्यवर्ती अस्पताल

"बी", अग्निशमन केन्द्र]

एफ सी 31 4.80

मध्यवर्ती अस्पताल "ए" (2), मध्यवर्ती

अस्पताल "बी", पुलिस स्टेशन, प्रधान

डाकघर।

एफ सी 32 18.70

सामाजिक-सांस्कृतिक, मध्यवर्ती अस्पताल "ए"

(2) मध्यवर्ती अस्पताल, "बी", प्रधान डाकघर, नर्सिंग होम (3), अग्निशमन केन्द्र।

एक सी 33 12.00

योजना डिवीजन "बी"

सामान्य अस्पताल मध्यवर्ती अस्पताल "ए", मध्यवर्ती अस्पताल "बी", नर्सिंग होम, पुलिस स्टेशन, अग्नि शमन केन्द्र, प्रधान डाकघर।

एक 34 11.65

मध्यवर्ती अस्पताल "ए" मध्यवर्ती अस्पताल "बी", पुलिस स्टेशन, नर्सिंग होम (3)।

एक 35 6.00

मध्यवर्ती अस्पताल "ए" नर्सिंग होम (4)

एक 36 4.00

मध्यवर्ती अस्पताल "ए" नर्सिंग होम (4)

एक 37 4.00

मध्यवर्ती अस्पताल "ए" मध्यवर्ती अस्पताल "बी", पुलिस स्टेशन

एक 38 5.00

पुलिस स्टेशन, न्यायालयीय विज्ञान प्रयोगशाला प्रधान डाकघर।

एक 39 2.40

कालिज आई टी आई + पोलिटेक्निक; अग्नि शमन केन्द्र

एक 40 9.00

सामाजिक-सांस्कृतिक कालिज, टेलीफोन केन्द्र, नार विभाग, पुलिस स्टेशन, सामान्य अस्पताल, अग्निशमन केन्द्र

एक 41 18.50

कालिज, आई टी आई + सकनीकी स्कूल, मामान्य अस्पताल, मध्यवर्ती अस्पताल, मध्यवर्ती अस्पताल "बी", नर्सिंग होम (2)

एक 42 15.50

पुलिस स्टेशन, अग्नि शमन केन्द्र, विधायक परिषद, मध्यवर्ती अस्पताल "बी" (2), तार विभाग, प्रधान डाकघर

एक 43 13.20

कालिज मध्यवर्ती अस्पताल "बी" नर्सिंग होम (2)

एक 44 6.00

कालिज, पुलिस स्टेशन, अग्निशमन केन्द्र, नर्सिंग होम (2)

एक 45 6.95

कालिज

एक 46 4.00

पुलिस स्टेशन, अग्नि शमन केन्द्र, नर्सिंग होम (3)

एक 47 3.20

योजना डिवीजन "एक" + रोहिणी

एक सी 48 5.75

कालिज पुलिस स्टेशन

एक सी 49 10.00

सामाजिक-सांस्कृतिक सुविधाएं

एक सी 50 20.00

मामान्य अस्पताल, मध्यवर्ती अस्पताल "ए", मध्यवर्ती अस्पताल "बी" (2), नर्सिंग होम

एक 51 15.04

(3), पुलिस स्टेशन, टेलीफोन केन्द्र, नार विभाग, प्रधान डाकघर, कालिज

एक सी 52 22.35

कालिज, पुलिस स्टेशन सामान्य अस्पताल, कालिज, पुलिस स्टेशन, अग्निशमन केन्द्र, मध्यवर्ती अस्पताल "ए"

एक 53 18.50

(2), मध्यवर्ती अस्पताल "बी" (2) टेलीफोन केन्द्र, नार विभाग, प्रधान डाकघर, नर्सिंग होम (5)

एक 54 25.54

आई टी आई + पोलिटेक्निक) पुलिस स्टेशन मध्यवर्ती अस्पताल "ए", नर्सिंग होम,

प्रधान डाकघर

मामान्य अस्पताल, कालिज, पुलिस स्टेशन,

अग्निशमन केन्द्र, मध्यवर्ती अस्पताल "ए"

(2), मध्यवर्ती अस्पताल "बी", तकनीकी

शिक्षा-केन्द्र, प्रधान डाकघर, नर्सिंग होम

(4)

एक सी 54 25.54

मामान्य अस्पताल, कालिज, पुलिस स्टेशन,

अग्निशमन केन्द्र, मध्यवर्ती अस्पताल "बी"

(2), नर्सिंग होम (4)

एक सी 55 16.68

कालिज, पुलिस स्टेशन, अग्निशमन केन्द्र,

मध्यवर्ती अस्पताल "ए" (2), मध्यवर्ती

अस्पताल "बी" (3), टेलीफोन केन्द्र,

तकनीकी शिक्षा केन्द्र, तार कायलिय,

प्रधान डाकघर + प्रशासन कायलिय, नर्सिंग

होम (4)

एक सो 56 24.42

पुलिस स्टेशन, मध्यवर्ती अस्पताल "ए" (2),

मध्यवर्ती अस्पताल "बी" (2), नर्सिंग होम (4),

कालिज टेलीफोन केन्द्र, अग्नि शमन केन्द्र,

प्रधान डाकघर

एक सी 57 35.00

कालिज मध्यवर्ती अस्पताल "ए" (2), मध्य-

वर्ती अस्पताल "बी" (2), नर्सिंग होम (2),

पुलिस स्टेशन

एक सी 58 12.00

कालिज, मध्यवर्ती अस्पताल "ए" (2), मध्य-

वर्ती अस्पताल "बी" (2), नर्सिंग होम

(5), पुलिस स्टेशन, जेल, अग्निशमन केन्द्र,

प्रधान डाकघर

एक सी 59 37.00

पुलिस स्टेशन, मध्यवर्ती अस्पताल "ए", नर्सिंग

होम (2)

एक सी 60 4.75

मध्यवर्ती अस्पताल "ए" मध्यवर्ती अस्पताल

"बी"

एक सी 61 4.00

(ब) सर्विस केन्द्र

सर्विस केन्द्रों की संख्या

एल०प००००० शेलफल

गोदामों की हैटेयर में

संख्या

1

2

2

डिवीजन "बी" एस 1

4 3.75

डिवीजन "डो" एस 2

4 2.20

डिवीजन "ई" एस 3

4 4.00

एस 4

4 8.00

एस 5

2 1.50

एस 6

4 3.00

एस 7

4 2.25

एस 8

2 2.50

एस 9

4 3.50

एस 10

4 3.20

एस 11

4 3.15

डिवीजन "एक"

4 1.80

एस 12

4 1.80

डिवीजन "जी"

2 1.80

एस 13

2 1.80

1	2	3
एस 14	4	5.50
एस 15	4	7.50
एस 16	4	16.00
एस 17	4	7.00
दिव्य जन “एव”		
एस 18	6	5.50
एस 19	6	5.00

अनुबन्ध—1क

संसुल वृक्षारोपण

(क) पूर्ण जोन :

निचले वृक्षों में समूह वृक्षारोपण के लिये निम्नलिखित वृक्षों की सिफारिश की जाती है।

1. समूहों में आंस
2. केजुरना एकिविस्ट्टफोलिया
3. यूक्सिलपटम
4. सैलीफ्स

रेण, और सौंदर्य के उद्देश्य से निम्नलिखित वृक्षों की सिफारिश की जाती है।

1. केर्स्टस्टोन लेसिवोल्स्ट्रेस्ट
2. लारजरस्ट्रोमिया—कलोल-रिजनी
3. पैलटोफोर्म फैक्स जिम्स

बन भूमि और रोड साईड वृक्षारोपण के लिये निम्नलिखित वृक्षों की सिफारिश की जाती है।

1. शॉशम
2. फाइकस इक्सेक्टोरिया
3. पैपल
4. पैलटोफोर्म फेरनर्जनियम
5. टर्मिनलिया अर्जुना

(ख) वृक्षिकार्य जोन :

बन भूमि और रोड साईड वृक्षारोपण के लिये निम्नलिखित वृक्षों की सिफारिश की जाती है।

1. एलेन्सस एक्सेल्सा
2. समूपर्ण वृक्ष
3. ऐन्थोसेफेलम कंप्वा
4. नीम
5. बस्सिआ लेटिकोलिया
6. अमलतास
7. केमिया सिमेक्षा
8. शॉशम
9. फाइकस इक्सेक्टोरिया
10. फाइकस टिजिला
11. अयोक
12. पुलंजीया रोक्सबगाई
13. पित्तलिकेरा डिज्जगा
14. इमर्नी
15. टर्मिनलिया अर्जुना

पाकों और बागों में निम्नलिखित वृक्षों की सिफारिश की जाती है।

1. एकेशिया आरोक्षलफार्मिस
2. बौहिनिया स्पे

3. सेमल
4. केसिया सोफेरा
5. कोरिसिया सेसिओसा
6. कोलवर्किलिया रेसोमोसा
7. ओटेवा रिलिक्चिओसा
8. डेलोनिक्स रेजिया
9. एरिथ्रिना एरिथ्रिका
10. जैकरेष्डा मिमोसिफोलिया
11. लारजर स्ट्रोमिया स्पे
12. मिम्बूस्यूपस एलेन्जि
13. पेलटोफोर्म फेरजिन्म
14. प्ल्यूमारिज्जा अल्वा वार
15. सर्का इडिका
16. टेकोता अर्जेटिआ

(ग) पश्चिमी जोन :

बन भूमि और रोड साईड वृक्षारोपण में निम्नलिखित वृक्षों की सिफारिश की जाती है।

1. सप्तपर्ण वृक्ष
2. नीम
3. बटिआ फोल्डोसा
4. अमलतास
5. शॉशम
6. ब्रायोस्पार्टस मोन्तेना
7. फाइकस इक्सेक्टोरिया/ग्रम्मोर्म रेटा
8. बोगमिया ग्लेब्रा
9. टेरोस्पूमम एकेरिफोलियम
10. इमर्नी
11. टर्मिनेलिया अर्जनी

पाकों और बागों में निम्नलिखित वृक्षों की सिफारिश की जाती है।

1. एकेशिया आरोक्षलफार्मिस
2. बौहिनिया वार
3. अमलतास
4. किटेविज्जा रिलिजिओसा
5. डेलोनिक्स रेजिया
6. सरिथ्रिमा इडिका
7. जैकरेष्डा मिमोसिफोलिया
8. लारजर स्ट्रोमिया—फलोस—रेजिनी
9. मिम्बूस्यूपस एलेन्जिल
10. पेलटोफोर्म फेरजिन्म
11. प्ल्यूमारिया अल्वा वार
12. टेरो स्पूमम एकेरिफोलियम
13. सर्का इडिका
14. टेकोमा अर्जेटिआ
15. पिच्चिलिकेरा डिजुगा

(घ) उत्तर-पूर्णी जोन : पूर्णी जोन के अनुसार

(च) उत्तर पश्चिम जोन : पश्चिमी जोन के अनुसार

अनुबन्ध—2।

विभिन्न आवासीय क्षेत्रों में मिश्रित उपयोग

समूह—2 आवासीय क्षेत्र

(क) भूम्य योजना से पूर्व निम्नलिखित भूखण्डीय क्षेत्रों का विकास किया गया ।

1. न्यू राजेन्ट्र नगर
2. माइल टाउन
3. राजीरी गार्डन
4. पंजाबी बाग
5. डिफेन्स कालोरी
6. फैलाश, ग्रेटर फैलाश एवं एक्सटेंशन
7. निजामुद्दीन
8. गोल्फ लिंक्स
9. सुत्तर नगर
10. हौज खास एक्सटेंशन एवं एक्सटेंशन
11. जंगपुरा पश्चिम
12. जोर बाग
13. डिप्लोमेटिक इक्स्टेंशन
14. गीत पार्क

(घ) 1960 के बाद स्वीकृत समस्त भूखण्डीय क्षेत्र सामान्य और सहकारी आवास भवन भूखण्डीय क्षेत्र ।

(ग) समूह-2 और समूह—1 के कालम के ओर ख में न आवास कोई अन्य क्षेत्र ।

समूह—2 आवासीय क्षेत्र

(क) पुनर्वास भूखण्डीय आवासीय क्षेत्र और अन्य भूखण्डीय आवासीय क्षेत्र व्यावसायिक भैवन सहित ।

1. रूप नगर
2. कमला नगर
3. शक्ति नगर
4. राजन्द्र नगर
5. पटेल नगर
6. गांधी नगर
7. कृष्ण नगर
8. गंता कालोरी
9. शाहवरा
10. रोहतास नगर
11. बलर्कार नगर
12. राणा प्रताप बाग
13. तिमार पुर
14. शिवार्जी पार्क
15. मोर्ती नगर
16. मानसरोवर गार्डन
17. विजय नगर
18. रमेश नगर
19. किंगजेट कैप
20. मुल्लान नगर
21. कीर्ति नगर
22. तिलक नगर
23. हन्द्रु पुरी
24. कालका जी
25. शाहवरा-टाउन

26. लाजपत नगर

27. मालवीय नगर

(घ) समस्त जे० जे० एवं पुनर्वास कालोरी ।

(ग) समस्त शहरी गांव ।

समूह—3 आवासीय क्षेत्र

समय-समय पर नियमित अनधिकृत कालानिया ।

अनुबंध—3

उद्योगों का वर्गीकरण

क. निम्नलिखित विनियोग इकाइयों की घरेलू उद्योगों के रूप में स्थानीय बाजार के भाग के रूप में सेवा केन्द्र, सामूहिक केन्द्र, जिला केन्द्र एवं उप केन्द्रीय व्यापार जिला, हस्ते एवं सेवा उद्योग उपयोग जोन-एम 1 भूखण्डीय समूह उद्योग ; और विस्तृत उद्योग उपयोग जोन-एम 2 में अनुसति है ।

1. अगरबत्ती एवं उससे मिलते-जुलते उत्पाद

2. इलेक्ट्रिकल रीजेंट्रों की एसेम्बली एवं मरम्मत

3. इलैक्ट्रोनिक वस्तुओं की एसेम्बली एवं मरम्मत

4. सिलाई-मरम्मतों की एसेम्बली एवं मरम्मत

5. बैटिक वर्क्स

6. लौट्रोग्राफी

7. ब्लॉक धनाना एवं फोटो को बढ़ाना

8. विस्कूट, पार्प, केक और कुक्की बनाना

9. बटन बनाना, बटन और हुक लगाना

10. फैलिको एवं सूर्ति-उत्पाद

11. बैत एवं बांस उत्पाद

12. कले एवं मोर्डलिंग

13. मारियल-जटा एवं जूट उत्पाद

14. गते के बक्से

15. भोमबत्तिया

16. तोबे एवं पीतल के जार्ज बेयर्स

17. जहाजी रस्से, रस्से एवं जूने बनाना

18. बढ़विंगी

19. संसर्य लेंस

20. केनवस बैग एवं विस्तरबंद बनाना

21. कॉर्डि, मिठाइया, रसमलाई इत्यादि (जब डिव्वार्डी न हो) ।

22. सूत/सिल्क छपाई (हाथ डापा)।

23. दरी एवं कार्लन बुनाई

24. डिटर्जेंट (भट्टा रहित)

25. कशीवाकारी

26. चिप्टों और दर्पणों के चौखटे बनाना

27. फाउन्टेन पैन, बाल पैन एवं पैस्ट बनाना

28. सोने एवं चांदी की चूड़िया, कलावस्तु

29. हौजरी-उत्पाद

30. कणीदाकारी सहित हैट, टोपियां, पराड़ियां

31. हार्डी दाल की नमकाशी

32. फाउन्टेन पैनों के लिये स्पाही बनाना

33. सोने-चांदी की वस्तुएं

34. खाद्य एवं हृद्यकरण

35. लाल्ड के उत्पाद

36. चमड़े के जूते  
 37. चमड़े एवं रेखसेन से बना वस्तुएं  
 38. मिनीलिखित वस्तुओं का उत्पादन  
 (1) जैकों के क्रम  
 (2) छुश्रा  
 (3) फ्रेडान्स  
 (4) कुलकी एवं कल्कशनरी  
 (5) जैम, जैर्ल, एवं फ्ल-परिरक्षण  
 (6) सर्वत-यंत्र (मरम्मत महित)  
 (7) लाल-कार्य एवं इससे मिलते-जुलते कार्य  
 (8) पर्स, हैंड बैग जैसी चमड़े की गजावट बालं; वस्तुएं  
 (9) लोटे इलेक्ट्रोनिक पुर्जे

39. नाम पट्ट बनाना  
 40. कागज-स्टेलनरी की मर्दे व जिल्द साज़;  
 41. पिथ हैट, फूटों की मालायें एवं पिथ  
 42. पॉवरोर्सः० के उत्पाद (एक मोर्लिंग मर्जन महित)  
 43. कुछट;  
 44. सुगंधि एवं सौदर्यवर्धक वस्तुएं  
 45. फोटो सैटिंग  
 46. फॉटो स्टैट एवं साइक्लोस्टार्टिंग  
 47. बड़े, पापड़, इत्यादि बनाना  
 48. मसाले, गर्म मसाले, मूंगफली और दाल इत्यादि तैयार करना  
 49. पान-मसाला  
 50. अद्यियों और घण्टों की मरम्मत  
 51. राख; बनाना  
 52. गिलात-क्षण  
 53. खेल-कूद की वस्तुएं  
 54. शल्य पट्टियों की रोलिंग व कटिंग  
 55. स्टोब का पिने, सेफ्टी पिने एवं एन्ट्रूमिनियम के बटन (हैंड प्रेस हारा)  
 56. चांदों का बर्क बनाना  
 57. साड़ों की फोल बनाना  
 58. सिलाई  
 59. धागे के शोले एवं सूत की भराई  
 60. गिलौते एवं गुड़ियां  
 61. छातों की गुड़ाई  
 62. ग्रामें पोटरी उद्योग (भट्टी रहित)  
 63. ग्रामें तेल बानों  
 64. रोएदार मुनायम चमड़े से जड़े हुए जूते/शालस  
 65. मिंवर्ड एवं मैकरोनी  
 66. लकड़ी की नक्काशी एवं सजावट; लकड़ी की वस्तुएं  
 67. ऊन के गोले बनाना और लज़ुँ बनाना  
 68. सकड़ी/गत्ते के अभूषणों के बक्से (अग्निशमन विभाग से अनापनि प्रमाणपत्र प्राप्त होने की गर्ते पर)  
 69. ऊन की बुनाई (मर्जन से)  
 70. जर्ज़ी जर्ज़ीज़ी

ब. निम्नलिखित विनियमि इकाईयों की स्थानांश बाजार के भाग के रूप में सेवा केन्द्र, ग्राममुदायिक केन्द्र, जिला केन्द्र एवं उप केन्द्र या पार

जिया: हाले एवं सेवा उद्योग जीन-एम 1, मूख्य य समूह उद्योग और विस्तृत उद्योग जीन-एम 2 में अनुमति है।

71. एन्ट्रूमिनियम फर्नीचर  
 72. एवरकन्ड-शनर के पुर्जे  
 73. एन्ट्रूमिनियम की भावरी  
 74. एन्ट्रूमिनियम के दरवाजे/बिल्कियां/जुड़नार  
 75. सार्वजिकों की एसेम्बली; एवं मरम्मत  
 76. आडे की चमड़ी और मसालों व दाल की पिसाई  
 77. आटो-पुर्जे  
 78. रेटियां और गफलस  
 79. बल्ब  
 80. डब्ल्यूरोटं; और ब्रेकर ज (प्रतिबन्धित)  
 81. कपड़ा-रंगाई  
 82. कपास-ओटाई  
 83. सूत: एवं रेतीयी पर्दों की छपाई  
 84. सार्वजिक-चेन  
 85. मार्शिकलतातों  
 86. दाल मिल  
 87. हूरे की कटाई एवं पालिश का कार्य  
 88. बिचुन जुड़नारे (स्विच, फ्लग, पिन इत्यादि)  
 89. हैलेक्ट्रोलेसिंग मार्शिनेटिंग, एंट्रेविंग  
 90. हैलेक्ट्रोनिक्स-वस्तु-विनियमि (बड़े रैमाने पर)  
 91. इलेक्ट्रिक-उत्पाद  
 92. इलैक्ट्रिक-मोटर एवं पुर्जे  
 93. इलैक्ट्रिक प्रैस की एसेम्बलिंग  
 94. हैर्जनियोरग-कार्य  
 95. ग्राइन्डर  
 96. फाउल्डर: (लघु जाब कार्य)  
 97. आइस कंभ  
 98. घर्क के बक्से और कूलरों की बाज़ी  
 99. लोटे की प्रिले एवं दरवाजे बनाना  
 100. जूट-उत्पाद  
 101. चाँदी के छल्ले  
 102. चाकू बनाना  
 103. संगमरम्मर के पत्थर की वस्तुएं  
 104. मर्जनों के बौजार  
 105. मिक्सर  
 106. मेटल लेटर कटिंग  
 107. मोटर बाइंडिंग-कार्य  
 108. तेल उद्योग  
 109. पावर लूम  
 110. फोटोग्राफ, प्रिंटिंग (साइन बोर्डों की प्रिंटिंग सहित)  
 111. लघु छपाई-प्रैस (बगरों की समस्या उत्पन्न न करें)  
 112. लघु घरेलू यंत्रों और गेजेट्सों की मरम्मत (जैसे रुम हीटर, रुम कूलर, हाट प्लेस आदि)  
 113. रबड़ की महरें  
 114. सेनेटरी का सामान  
 115. पेंच और कंस  
 116. पर्सों की छापाई

117. कैची बनाना  
 118. जूते के फीते  
 119. साबुत बनाना  
 120. चश्मों और धूप को ऐनकों के फेम  
 121. स्टोल-फर्नीचर  
 122. स्टीलबलाकर्स  
 123. स्टील की स्प्रिंगें  
 124. स्टील की अल्मारियाँ  
 125. स्टैम पैडग  
 126. शल्प यंत्र एवं उपस्कर  
 127. टेबल लैम्प एवं शेड्स  
 128. टिम्बर कटिंग  
 129. टीन के बस्ते बनाना  
 130. ट्रांसफार्मर के कवर  
 131. टी. बी., रेडियो, फ़िसेट, लिकार्डस इत्यादि  
 132. टी. बी.रेडियो/ट्रांजिस्टर की केबिनेटें  
 133. टायर-रिट्रॉइंग  
 134. टायरप्राइटर के पूजी का विनिर्माण करना एवं उनकी एसेम्बलिंग करना  
 135. पानी के मीटरों की मरम्मत करना  
 136. पानो की टकियाँ  
 137. बैलिंग के कार्य  
 138. वायर निर्दिंग  
 139. लकड़ी के फर्नीचर के कार्य

ग. निम्नलिखित विनिर्माण इकाईयों की सामुदायिक केन्द्र के भाग के रूप में सेवा केन्द्र, जिला केन्द्र एवं उप केन्द्रीय व्यापार जिला, हूले एवं सेवा उद्योग उपयोग जोन एम-1, भूखण्डीय समूह उद्योग और विस्तृत उद्योग उपयोग जोन-एम-2 में अनुमति है।

140. पिंतल की जुड़ारे  
 141. छलाई (अधिगिक)  
 142. ताँचे की धातु के पुजे  
 143. प्लास्टिक की मोलिंग के लिए डाईयों  
 144. रीशे का कार्य (एसेम्बली प्रकार बाला)  
 145. कब्जे एवं हार्डेस्पर  
 146. साले  
 147. लैम्प और  
 148. कुरध फ्रीम सेप्रेटस  
 149. प्लास्टिक के पूजी की पालिश करना  
 150. स्टील की पत्ती की स्प्रिंग का विनिर्माण  
 151. बर्टन

च. निम्नलिखित विनिर्माण इकाईयों की जिला केन्द्र एवं उपकेन्द्रीय व्यापार जिला के भाग के रूप में सेवा केन्द्र, हूले एवं सेवा उद्योग जोन ।

एम-1 भूखण्डीय समूह उद्योग और विस्तृत उद्योग उपयोग जोन-एम-2 में अनुमति है।

152. ब्रैक केस एवं बैग  
 153. सजावटी सामान  
 154. बाहनों की डॉटिंग एवं वेंटिंग

155. बर्फबाना  
 156. धातु के हड्डे  
 157. रोकिंग शटर  
 च. निम्नलिखित विनिर्माण इकाईयों को हूले एवं सेवा उद्योग उपयोग जोन-एम 1, भूखण्डीय समूह उद्योग और विस्तृत उद्योग उपयोग जोन-एम 2 में अनुमति है।  
 158. बातित जल पूर्व कलों का रस  
 159. छपिंयर्टों की मरम्मत करना  
 160. शस्त्रों के पुजे  
 161. एल्युमिनियम-ब्रेस्ट, फ़िक और पेस्ट्री के साथ  
 162. अटैची, सूटकेस और ब्रैकेस  
 163. आटोमोबाइल की संरिप्ति और मरम्मत करने की कार्यशाला  
 164. बैटरी चार्जिंग  
 165. ब्लोअर पंखे  
 166. ब्रुश एवं ब्राउ  
 167. ब्रास का कार्य (पाइप)  
 168. बिल्डर्स हार्डवेअर्स  
 169. बटन, किल्चे  
 170. बालिंग  
 171. बन्सूबानरी कैडीज एवं मिडाईयाँ  
 172. शीतागार एवं रेफिजेरेशन  
 173. संसेट के उत्पाद  
 174. ताँचे के बेअर एवं बर्टन  
 175. कटलरी  
 176. कंट्रूट नालिकाएं  
 177. शौचाधियाँ एवं दबाईयाँ  
 178. दरवाजे और बिल्डिंग्स  
 179. इन्सिट्रिक लैम्प ब्रैड्स; डिसबरस  
 180. विचुल-माधित्र (रस्म हॉटर, लैम्प इत्यादि)  
 181. फेनिकेशन (जैसे कैचो व फेम)  
 182. प्रतिदंड प्रकाश जुड़ार (निर्मान-साफ्टन सहित)  
 183. फल-डिस्कांपेंट्स  
 184. ग्राइंडिंग कार्य  
 185. घरेलू बर्टन (बैलिंग, टंकाई, चिप्पी सामान और पालिश करना)  
 186. घरेलू/रसोई के साधित्र  
 187. हैंड ट्रूल  
 188. हेल्मेट  
 189. लेह्ना छलाई घर  
 190. इन्डस्ट्रियल फास्टनर्स  
 191. इंटरोलोकिंग व बटन लगाना  
 192. राहों बनाना  
 193. प्रयोगशाला पोर्सिलिन, दंत प्रेसिलिन ब्रैअर्स  
 194. लांड्री, श्राइकर्न और रेगाई  
 195. सालरेट, टार्च और फ्लैश लाईट  
 196. ट्रैकों और धातु के बस्त्रों का विनिर्माण  
 197. धातु पर पालिश करना  
 198. दूध की फ्रीम की मणि  
 199. दुग्ध-परीक्षण करने वाले यंत्र  
 200. विविध मशीनों के पुजे

201. नट, बोल्ट, पुली चेन और गिरिस

202. प्रकाशकीय उपकरण

203. तेल-स्टोब, प्रकाशदंप और उप सा न

204. छपाई, जिलदारों, उभरी छपाई और फोटोग्राम इत्यादि ।

205. ताले और गंतव्यावित ताले

206. समस्त प्रकार के सूक्ष्म उपकरण

207. प्लास्टिक जिग, जुड़नार और धातु की नक्काशी

208. फोटोग्राफी का सामान

209. कागज काटने वाली मशीनें

210. प्रेशर कुकर

211. छल्ले और अखुजे

212. रेजर ब्लैड

213. स्टेनग्राफी-मदे (ग्रीष्मिक एवं स्कूल-ड्राइंग के उपकरणों सहित)

214. स्टील के तार के उत्पाद

215. शोट मैटल बर्स

216. जूते बनाना और मरम्मत करना

217. शून्याइरहरी

218. सेफ्टी पिनें

219. स्टेपलर पिनें

220. तमाकू-उत्पाद (सिगरेट और बांडियाँ)

221. टिन के उत्पाद

222. सिलाई-सामग्री

223. ट्रक एवं बस (बाड़ी बनाना)

224. ट्रैकीफोन के पुर्जे

225. चमारीटर

226. पोशिश स्प्रिंग और अन्य स्प्रिंगें

227. मोम पोलिशिंग

228. बड़ी और छण्टों के पुर्जे

229. गहने का साधन

230. पानी के भोटर

231. जिप-बैंगन

४. निम्नतिथित विनिर्माण इकाईयों की विस्तृत उच्चोग उपयोग जोन एम-१ में अनुमति है ।

232. आटोमोबाइलों के पुर्जे एवं छलाई

233. अम्ल एवं रसायन (छोटे पैमाने वाले)

234. क्षुधि-साधन एवं औजार (मध्यम पैमाने वाले) ]

235. एल्यूमिनियम के उत्पाद

236. एल्यूमिनियम एमीडीइंजिंग

237. बूचड़ाने के आनुवंशिक उच्चोग

238. आटो इलेक्ट्रोलेटेड उपसाधन

239. आटोमोबाइल पत्तों की स्प्रिंगें (बड़े पैमाने पर)

240. बैटरी के बक्से

241. बैटरी व उप साधन

242. पशुओं का चारा

243. मूसिका एवं चानी मिहंदी के उच्चोग

244. अपक्रेन्ट्री पम्प एवं लघु टरबाइने

245. कंक्रीट एवं मार्जेक उत्पाद

246. दबने वाले दरवाजे, रोलर एवं चिल्स

247. कपास-ओटाई (बड़े पैमाने पर)

248. दरी एवं कालोन (बड़े पैमाने पर)

249. रोगाणुताशक एवं कॉटनाशी (छोटे पैमाने पर)

250. रंगाई, ब्लॉचग, फिर्निशिंग, प्रोसेसिंग कलाश (मसरीकरण, कैलें-ट्रिंग, बम्काने आदि सहित)

251. बिजली की मोटरें, ट्रांसफार्मर एवं जेनरेटर

252. इलेक्ट्रोलेटिंग (बड़े पैमाने पर)

253. एनेमल का सामान

254. बरकों जाली

255. अग्नि शमन उपस्कर

256. प्रतिर्दृष्ट प्रकाश

257. फ्लोर मिल

258. फूटर्वीयर,

259. फोम पाश्लस

260. ईव्हन-नेस (उत्पाद सहित)

261. गैल्वनोइक्ट बालिट्यां

262. काच के उत्पाद (छोटे पैमाने पर)

263. शोस, तेल इत्यादि

264. जी. आई., कुट्टय पाइप-जुड़नारे

265. हैड प्रेस

266. हृष्म पाईप (छोटे पैमाने पर)

267. हाईड्रोलिक प्रेस

268. लोहा छलाईघर (मध्यम पैमाने पर)

269. लोहे के पाईप

270. लोहे के हृष्में

271. लैथ मशीनें

272. चमड़े की पोशिश एवं अन्य चमड़े की वस्त्रों

273. निकल पालिश करना

274. पेट एवं बारनिश

275. प्लास्टिक के उत्पाद (बड़े पैमाने पर)

276. प्लास्टिक को डाई

277. कागज के उत्पाद

278. पालिश का कार्य

279. कलेंप्रोसेसिंग एवं अन्य मिट्टियाँ

280. पो. धो. सी. कम्पाउन्ड्स

281. पोलिथिन को थेलियाँ

282. रेफरीजेनेटर्स एवं एवर कम्पोनेन्ट्स

283. रेल-युग्मक पुर्जे

284. रबड़ की वस्त्रों (छोटे पैमाने पर)

285. बिजली के पब्ले

286. आरा मिल एवं लकड़ी का कार्य

287. छोटी मशीनें एवं मशीनों के औजार

288. स्ट्रोर्स (हाथ एवं पैर से)

289. रंरचनात्मक स्टील-फैब्रिकेशन्स

290. चादर मोड़ने की प्रेस

291. चाल-माली

292. स्टील की -रोलर मिल्स (छोटे पैमाने पर)

293. स्टील की हस्ताई

294. स्टील-सार की छिचाई

295. पत्थर तोड़ने वालों मर्शन के पुर्खे  
 296. छीर्ज़ बनाना  
 297. मसलें को फैटरी  
 298. शब्द-चिकित्सा की बस्तुएं  
 299. तिरपाल एवं तम्भु का कमड़ा  
 300. सूतों मिले (भव्यम पैदाने वालों)  
 301. शुगार सानुन  
 302. ट्रेस्टर के पुर्खे  
 303. टाइपराइटर  
 304. छतरों की रिंडें  
 305. बर्तन  
 306. निर्वात फलास्क  
 307. प्लाईवुड की पर्ति  
 308. बाटरप्रूफ सूतों उत्पाद  
 309. तार-बिल्डर, लिपेटना और बिजलों के तार  
 310. तार की जाल बनाना  
 311. शराब बनाना  
 312. लकड़ी की संरचनात्मक बस्तुएं  
 313. सेखन एवं अंकन स्पाई  
 314. एक्स-रे की मर्शनें  
 315. जिक पालिश करना

निम्नलिखित शर्तें उच्चोग के संबंधित वर्ग पर लागू होंगी ।

वर्ग “क”

सं. 1 से 70 तक

इन श्रीयोगिक इकाईयों की निम्नलिखित शर्तों पर आवासीय परिसरों में अनुमति है

कामगारों की अधिकतम संख्या

5

पावर-सोड

1 किलोवाट तक

वर्ग क एवं ख

संख्या 1 से 139 तक

इन श्रीयोगिक इकाईयों की निम्नलिखित शर्तों पर सेवा केन्द्र (स्थानीय बाजार) में अनुमति है ।

कामगारों की अधिकतम संख्या

5

पावर-सोड

3 किलोवाट तक

वर्ग क, ख एवं ग

संख्या 1 से 151 तक

इन श्रीयोगिक इकाईयों की निम्नलिखित शर्तों पर सेवा केन्द्र (सामुदायिक केन्द्र) में अनुमति है ।

कामगारों की अधिकतम संख्या

9

पावर-सोड

3 किलोवाट तक

वर्ग क, ख, ग एवं घ

संख्या 1 से 157 तक

इन श्रीयोगिक इकाईयों को निम्नलिखित शर्तों पर सेवा केन्द्र (जिसके बाहर उपकरणीय व्यापार जिला) में अनुमति है ।

कामगारों की अधिकतम संख्या

19

पावर-सोड

5 किलोवाट तक

वर्ग क, ख, ग एवं घ

संख्या 1 से 231 तक

(1) इन इकाईयों की निम्नलिखित शर्तों पर हृत्के श्रीयोगिक शेषों में अनुमति है ।

कामगारों की अधिकतम संख्या

50

पावर-सोड

30 किलोवाट तक

(2) इन इकाईयों की निम्नलिखित शर्तों पर ही भूवर्षीय समूह श्रीयोगिक शेषों में अनुमति है ।

कामगारों की अधिकतम संख्या

50

पावर-सोड

30 किलोवाट तक

भूवर्षीय समूह उत्पाद इकाईयों के अन्तर्गत श्रीयोगिक इकाईयों का अनुमति है जिनमें निम्नलिखित की अधिकता न हो,

(1) कम्पन

(2) ठोस एवं तरल कूड़ा-करकट

(3) कच्चे माल/तैयार किए गए उत्पादों का आवागमन

वर्ग क, ख, ग, घ, च एवं छ

संख्या 1 से 315 तक

इन इकाईयों को निम्नलिखित शर्तों पर विद्यमान श्रीयोगिक शेषों में अनुमति है ।

विद्यमान इकाईयों में कामगारों की अधिकतम

संख्या

500

तर्ह इकाईयों

50

### अनुबंध 3-ज

ग्रामोण उपयोग जोन में श्रीयोगिक शेषों में अनुमत उच्चोग

1. उत्प्रेरित कार्बन

2. जौ का रस एवं सार

3. बेर कोड़ी और अमरुद फल धार

4. पशुओं का चारा

5. निम्बू-वंश के फलों का रस

6. कन्कैवानारी

7. दाल-मिलिंग

8. गुण्ड-सजियाँ

9. यूक्लिपट्स का तेल

10. व्होटर-मिलिंग

11. प्यूल-प्रिकेट्स

12. माल्टा की प्रैंडिंग, बैक्सिंग एवं पालिंशिंग

13. अंगूर का सिरका एवं जूस

14. मूंगफली का तेल

15. खार-सिलाट

16. गुड़ और खांडसारी

17. हाथ से बनाया हुआ कागज

18. आईसीकीम

19. लैकिट एवं आसैलिक अम्ल

20. दालों की पिसाई

21. सरसों का सेल एवं पाउडर

22. पाल्चुरीकृत धूध एवं इसके उत्पाद

23. अचार, अट्टरी एवं मुरब्बा

24. मुर्गी-मुर्गियों का चारा

25. सैयार फल एवं संबिंद्यों के उत्पाद

26. पाइकोलैंड ग्लूकोस और स्टार्च
27. रेप सिंड टेल
28. लाल मिर्चों की तेलीय राल
29. चावल की पिसाई
30. तिल का तेल
31. मसाले की पिसाई
32. ईयू-बेक्स
33. गर्मी
34. गल्य विकिसा की पट्टियाँ
35. टमाटर की चटनी और सब्जियों की सास
36. वी.पिंग फूड
37. इस अनुबंध के खाग “क” के अन्तर्गत श्रम संख्या 1 से 70 तक में वी.पी. गर्मी और औद्योगिक इकाईयों की भी अनुमति है।

## अनुबंध 3-म

संघ राज्य-क्षेत्र दिल्ली के भीतर निषिद्ध उच्चोग

(क) अतरनाक/हानिकारक औद्योगिक इकाईयों उत्पाद

1. कार्बन लेवेल एवं सर्भ/ प्रकार की कार्बन लेवेल

अग्नि संकट

2. कार्बन तेल को शुद्ध करना, तैयार करना और भंजन करना पैदोलियम जैसी, रेस वैकिंग आदि सहित नेप्या-भंजन

ज्वलनशील धूंआ और शोर

3. ईयून तेल, प्रदीपन तेल और अन्य तेल जैसे सेटिक तेल, शोश तेल, चिकनाई

अग्नि संकट

4. औद्योगिक ऐलकोहॉल

धूर्णध

5. मार्भिस

अग्नि संकट

6. समाचार पत्र का कागज

धूर्णध, संरूपित धौंवन जल, अग्नि संकट

7. पेन्ट, पैनेमल, रंग, वारनिश, (लियो वारनिश के अंतर्गत) वारनिश रिमूवरस्, तार्पन और तार्पन के प्रतिस्थापक

अग्नि संकट

8. पैट्रोलियम-कोक, प्रेफाइट-उत्पादन

अग्नि संकट

9. प्रिंटिंग स्टार्ही

अग्नि संकट

10. रेपन-संतु, वज्रं पदार्थ, मायोफेन कागज [इत्यादि, सैलूलोज नाईट्रोइड, सेलूलॉयड अस्तुएं, स्ट्रेप और विलय

अग्नि संकट

## संमेट और रिफ्लेक्टरीज

1. एनेमेलिंग विट्रिनेस

धूंआ

2. कांच की भट्टियाँ (3 टन की क्षमता से अधिक)

अग्नि संकट

3. भारी धानु की गडाई (स्टीम और पावर हेमर का उपयोग करने वाला).
4. मैकेनिकल पर्याप्त तुड़ाई
5. पोर्टलैंड संमेट
6. रिफ्लेक्टरीज

विस्फोटक और गोला-बारद

1. विस्फोटक अथवा उनके उपयोग जैसे आसिशबाजी, बारद, गन कॉटन आदि

शोर, धूंआ, कम्पन धूल, पतला गारा, शोर धूल धूंआ

अग्नि-संकट

2. औद्योगिक जिलेटिन नाईट्रो

धैर्यसंरक्षण और फलमिनेट

अग्नि-संकट

## उर्वरक

1. नाईट्रोजनियस और फास्फोटिव उर्वरक, मिलान हेतु उर्वरकों के मिश्रण के अतिरिक्त (जड़े पैमाने पर.)

अग्नि, शोर, हानिकारक गैसों और धूल

## फल

1. ऐंटिवायर्स
2. ऐलकोहॉल आसवनी, ब्रेवरीज और पोटेबल स्प्रिट

अप्रिय गंध दूषित जल औररेजिन के कारण शोर, अग्नि-संकट, धूर्णध

3. बीवर-परिष्करण

4. बनस्पति-तेल

धूर्णध, अग्नि-संकट शोर, धूर्णध

## अकार्बनिक रसायन उच्चोग

1. अम्ल-नाल्क्यूटिक, अम्ल, नाईट्रिक अम्ल, ऐरोटिक अम्ल, विकरिक अम्ल, हाईड्रोक्लोरिक अम्ल, फास्फोरिक अम्ल बैटरी अम्ल, बैमजिक अम्ल, कार्बोलिक अम्ल, लसोरो सल्फूरिक अम्ल इत्यादि

अग्नि संकट, आकाशक धूम और मुंआ

2. भार-कार्टिक सोडा, कास्टिक "पोटाश, सोडा-ऐण इत्यादि

अग्नि संकट संकारक

3. कार्बन-डाइहस्टलकाइड, नीला लाजवर्ङ, क्लोरेन-हाइड्रोजन इत्यादि

अप्रिय गंध धूल और मुंआ

4. ब्यनिज लवण (जिनमें अम्लों का प्रयोग होता है)

अग्नि संकट धूम और मुंआ

## चमड़ा और अन्य जाग्त्र उत्पाद

1. जल्दी और मछली का तेल
2. अस्थि-वेष्य, अस्थि-धूर्ण, अस्थि-वाउडर अथवा खुले में अस्थियों का भजारण

अग्नि संकट

3. ग्रन्ड-विकर्षण

अप्रिय गंध

4. अस्थि और मांस से सरेस और जिलेटिन

अप्रिय गंध

5. चमड़ा कमाना

अप्रिय गंध

## धातुकर्पक उद्योग

- धमन-भट्टी
- मिश्रणों को अयस्क सल्फाइड और साइड्स का अर्जन
- सिल्वरिंग, प्रद्वावण

## आर्गेनिक रसायन उद्योग

- ऐसीटिसाइड, फिल्डाइन्स आ-मोडोफोर्म, बलोरोफोर्म, बी-नेप्हाइल इत्यादि
- संपर्चित स्थायी इवीहृत और विर्लिन औद्योगिक रीमें
- रंग और रंग-नामग्री मध्यग
- फॉटोनाशी, पेरिट्साइड्स-क्रू-क्लार्सी
- कार्बनिक विलायक, फ्लो-रिनीहृत धातुएं, मेथोनॉल, ऐल्डीहाइड, मिथेसेटिड स्लिप्ट
- कोल्टर आसवन पर आधारित फॉनील और सम्बन्धित उद्योग
- पोलियन, पी. बी. सो., रेजिन, व नाइलीन
- संशिलिष्ट डिटरजेंट्स
- संशिलिष्ट रबड़

कागज और कागज के उत्पाद लूपी, पेपर बोर्ड और गते का वित्तिमाण (बड़े पैमाने पर)

एमोनियम-सल्फो साइनाइड, आर्सेनिक और इसके योगिक, बेरियम कार्बनिट, बेरियम साइनाइड, बेरियम इथेले सल्फेट बेरियम एसेटेट, सिगरेट, कॉपर सल्फो साइनाइड, फेरो साइनाइड, हाइड्रो-नाइनाइड, हाईड्रो-सायनिक अम्ल, पोटासियम बायोआक्सालेट, पोटासियम साइनाइड, पो-दाश का प्रसिएट, पाइनोजेलिक अम्ल, सिल्वर साइनाइड

## रेफियोर्मी उत्प

पोरियम, रेडियम एवं इस जैसे आइसोटोट्स

## एवं मृदु प्राप्ति

## रबड़ उद्योग

रबड़ को उपयोगी बनाना और दायरों, धातु नेप्हा वाली रबड़ का धोल रबड़-अपशिष्ट

शोर, धूल, धूंगा और अग्नि संकट

शोर, धूल, धूंगा और अग्नि संकट

शोर, धूल, धूंगा और अग्नि संकट

अग्नि संकट, बदबू

अग्नि संकट

अम्लीय द्रव मलनिस्तारी

अप्रिय गंध, धूल और अग्नि संकट

अग्नि संकट अप्रिय गंध

अग्नि संकट

अग्नि संकट

द्रव मलनिस्तार सहित, अप्रिय गंध

## वरक्र

1. साफ रेस, आयलो एवं प्रिजी

रेस

अग्नि संकट

2. फ्लैक्स यांड एवं अन्य फा-इवरस

अग्नि संकट

3. आयस शीट्स एवं वाटर प्रूफ कपड़े

अग्नि संकट

4. अस्त्र फिल्मिंग-ब्लीचिंग एवं रंगाई

अम्लीय धोबत जल

5. उत्तर स्ट्रिंग

धूलाई के कारण अशुद्ध द्रव अपशिष्ट

लकड़ी और लकड़ी के उत्पाद

लकड़ी का आसवन, पकाना और

सुखाना

अग्नि संकट, पीछा प्रज्वलित होने वाली हानिकारक रीसें

## विविध

बैलिसियम काब्राइड, फॉल्कोरस,

ऐल्यूमिनियम-डस्ट पेस्ट और

पाउडर, तांबा, जिक इत्यादि

(इलैक्ट्रोथर्मल उद्योग)

बरित संकट

(ब) भारी एवं बड़े उद्योग

1. छविजीजार

(बड़े पैमाने पर)

2. वायु एवं गैस कम्प्रेसर

3. बायुयान निर्माण

4. आटोमोबाइल्स एवं कोच-निर्माण

5. साईंकिल (बड़े पैमाने पर)

6. वाहक एवं वाहन-उपस्कर

7. सूती वस्त्र (बड़े पैमाने पर)

8. केन एवं हविस

9. ईजाज ईजिन

10. मिट्टी हृदाने की मशीनरी

11. इलेक्ट्रिकल स्टील शीट्स एवं स्टैम्पिंग

12. बिजली के तार एवं केबिल (बड़े पैमाने पर)

13. डार्लाइ खाने (भारी)

14. सामान्य औद्योगिक मशीनरी

(जैसे हाईड्रोलिक-उपस्कर, ट्रिलिंग-उपस्कर, बॉयलर इत्यादि)

15. भारी लोहे और इस्पात की तुलाई

16. हृयम पाईप (बड़े पैमाने पर)

17. औद्योगिक ट्रैक्स, ट्रैलरस, स्टैक्स इत्यादि।

18. लिफ्टें

## विकिरण संकट

## अप्रिय गंध धूल, अग्नि

19. रेल-इंजन एवं डिब्बे
20. मोटर साईकिलें एवं स्कूटर
21. प्रकाशीय पांच
22. अन्य प्राइमरी धातु उत्पाद
- (अपर्याप्त कोल्ड रोल्ड शीट,  
मिश्रधातु की चावर्टे इत्यादि)
23. पावर चानित पत्त्य एवं पिम्पिंग  
उपस्कर
24. सिलाइ-मशीनें (बड़े पैमाने  
पर)
25. स्लूस कपाट और गियरिंग्स
26. ब्रिसेट और थोरिकल मशीनरी
27. भाष इंजिन
28. स्टील पार्श्व और दूरबंदें
29. स्टील-चैन्स
30. स्टील-कार्ब, रोलिंग एवं  
रीरोलिंग मिल
31. इस्पाती रचना गद्वाई (बड़े  
पैमाने पर)
32. चीनी
33. टेलीफोन के उपकरण
34. ट्रेक्टर एवं हृषि की मशीनरी  
(पावर-न्यूलिंग)
35. निचले ढाँचे एवं बैसिस
36. जल-टरबोइनें
37. तार-स्से
38. ऊनी बस्त्र (बड़े पैमाने पर)

अनुबंध 4

विद्यमान आवासीय शेत्रों के लिए

विनियम

## (क) न्यूनतम प्लाट साइज

दुमंजिले दो परिवार के आवास के लिए एक आवासीय प्लाट का न्यूनतम साइज 125 वर्ग गज (104.51 वर्ग मी.) होता चाहिए तिन्ह आय कारों और स्लम पुनर्वास के लिए कम सागत आवास के मामले में न्यूनतम प्लाट साइज इस प्रकार होते—दो आवासीय इकाइयां प्रत्येक तल पर एक—के लिए 80 वर्ग गज (66.88 वर्ग मी.) और एक आवासीय इकाई के लिए लगभग 33 वर्ग मी. बरसाती बिना दुमंजिले।

## (ख) प्लाट कवरेज

प्लाट कवरेज इस प्रकार होगा

लेकिन, जिन शेत्रों को दिल्ली नगर निगम की स्थापना से पूर्व दिल्ली नगर पालिका के शेक्षणिकार में शामिल किया गया था, उनमें 200 वर्ग गज (167.22 वर्ग मी.) तक के प्लाटों के लिए अनुमेय प्लाट कवरेज निम्न प्राप्त रहेगा —

- (1) 100 वर्ग गज (83.61 वर्ग मी.) तक—प्रत्येक तल पर 75 प्रतिशत।
- (2) 100 वर्ग गज (83.61 वर्ग मी.) से अधिक और 200 वर्ग गज (167.22 वर्ग मी.) तक प्रत्येक तल पर 66.2/3 प्रतिशत।

कवर किया जाने वाला शेत्र निचले वर्ग के सबसे बड़े साइज के प्लाट के लिए अनुमेय कवर किया जाने वाले शेत्र से किती भी हानि में कम नहीं होता चाहिए। उदाहरण के लिए, 1028.44 वर्ग मी. (1230 वर्ग गज) के प्लाट में कवर किया जाने वाला शेत्र 1003.36 वर्ग मी. (1200 वर्ग गज) का 40 प्रतिशत अर्थात् 401.34 वर्ग मी. (480 वर्ग गज) होगा और 1028.44 वर्ग मी. (1230 वर्ग गज) का 1/3 भाग जो केवल 342.81 वर्ग मी. (410 वर्ग गज) बैठना है, नहीं होगा।

## (ग) तल

व्यक्तिगत आवासीय प्लाटों में सामान्यतः सब से ऊपर बरसाती तल की व्यवस्था सहित केवल दुमंजिला बिलिंगों के लिए अनुमति दी जाए। 200 वर्ग गज से अधिक के व्यक्तिगत प्लाटों में स्टैन्टों पर बिलिंग बनाने की अनुमति दी जाए, लेकिन शर्त यह है कि स्टैल्टलैन बिलिंग का मुख्य तल माना जाएगा। 300 वर्ग गज (250.83 वर्ग मी.) और उससे अधिक के व्यक्तिगत प्लाटों में, जिनका अप्रभाग 80 फुट (24.38 वर्ग मी.) या उससे अधिक के मार्गाधिकार की सहकों की ओर हो, सब से ऊपर बरसाती सहित पूर्ण तीन मंजिले निर्माण की अनुमति दी जाए।

जहां बरसाती की अनुमति हो, वहां निवाली मंजिल या बरसाती की निकटतम सीधी की मंजिल के आयुत शेक्षणकल का 50 प्रतिशत या 1000 वर्ग फुट (92.9 वर्ग मी.), जो भी कम हो से अधिक कर्ते को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उसमें बरसाती तक जीन वाली सीढ़ी हाथ कवर किया गया शेक्षणकल भी शामिल होगा बरसाती बन्द हो सकती है। बनत्व निकालने के लिए बरसाती तल को आवासीय इकाई के रूप में गिना जाता है।

## (घ) सेट बैक लाइन

व्यक्तिगत प्लाटों के लिए प्लाट की गहराई के अनुमार निम्नलिखित सेट बैक लाइनें निर्धारित की जाती हैं।

## (ज) अग्र सेट बैक

प्लाट की गहराई	प्लाट लाइन से आवश्यक न्यूनतम नेट बैक
1. 60 फुट (18.28 मी.)	10 फुट (3.04 मी.)
2. 60 फुट (18.28 मी.) से अधिक और 90 फुट (27.43 मी.) तक	15 फुट (4.57 मी.)
3. 90 फुट (27.43 मी.) से अधिक और 120 फुट (36.57 मी.) तक	20 फुट (6.08 मी.)
4. 120 फुट (36.57 मी.) से अधिक और 150 फुट (45.72 मी.) तक	25 फुट (7.61 मी.)
5. 150 फुट (45.72 मी.) से अधिक और 200 फुट (60.96 मी.) तक	30 फुट (9.14 मी.)
6. 200 फुट (60.96 मी.) से अधिक	40 फुट (12.16 मी.)

	प्रत्येक तल पर कवरेज
1. 300 वर्ग गज (250.83 वर्ग मी.) तक	60 प्रतिशत
2. 300 वर्ग गज (250.83 वर्ग मी.) से अधिक और 600 वर्ग गज (501.66 वर्ग मी.) तक	50 %
3. 600 वर्ग गज (501.66 वर्ग मी.) से अधिक और 1200 वर्ग गज (1003.32 वर्ग मी.) तक	40 प्रतिशत
4. 1200 वर्ग गज (1003.32 वर्ग मी.) से अधिक	33. 1/3 प्रतिशत

## (2) पिछली सेट बैंक लाइन

आगे की सेट बैंक लाइन के अतिरिक्त पर्याप्त प्रकाश और वायु परिवासन के लिए उच्चार्ह प्रतिवंशों के अधीन नगरपालिका उपविधि के अनुसार प्लाटों के पीछे की ओर भी सेट बैंक की व्यवस्था की जानी चाहिए।

## (3) साइड सेट बैंक लाइन

प्रत्येक साइड की ओर प्लाट लाइन से कम से कम 10 फुट (3.04 मी.) की साइड सेट बैंकों विधीनित प्लाटों पर छोड़ी जानी चाहिए। अधीनविधोनित प्लाटों में एक साइड की ओर साइड सेट बैंक प्लाट लाइन से विर्लिंग लाइन तक कम से कम 10.0" (3.04 मी.) होनी चाहिए। अधिक आवास में कार्नर प्लाटों को यानायात आवश्यकताओं के अनुसार सड़क मार्गांचिकार से उचित रूप से सेट बैंक किया जाना चाहिए। जहाँ गैरजों की व्यवस्था की जानी हो, मोटरगाड़ियों के आसानी से मुड़ने के लिए गरजों की सविस लेन की केन्द्र लाइन से 15 फुट (4.57 वर्ग मी.) सेट बैंक किया जाना चाहिए।

## (1) विभिन्न साइज के प्लाटों में कर्मचारियों के क्वार्टरों की संख्या निम्न प्रकार निर्धारित की जाएगी।

(1) 300 वर्ग गज (250.83 वर्ग मी.) तक के प्लाट-न्यून्य

(2) 300 वर्ग गज (250.83 वर्ग मी.) से अधिक के प्लाट प्रति आवासीय इकाई एक कर्मचारी क्वार्टर।

(2) प्रत्येक कर्मचारी क्वार्टर में रोहिंगर, स्नानघर और शौचालय के अतिरिक्त एक रहने लायक कमरा होगा, जिसका फर्श खेत्रफल 120 वर्ग फुट (11.14 वर्ग मी.) से अधिक नहीं होगा।

(3) अनत्यनिकालने के लिए प्रति कर्मचारी क्वार्टर-अधिकारियों की संख्या 2 गिनी जाएगी।

## अनुबंध 5

## (क) चार दीवारी के शहर से औद्योगिक क्षेत्रों में तुरंत स्थानान्तरित किए जाने वाली विनिर्माण इकाइयों (टाइपों) की सूची:—

- विद्युत केबिल एवं तार
- प्लास्टिक, पी. बी. सी. एवं रबड़ की वस्तुएं
- विभिन्न प्रकार की धातु पालिय के कार्य सहित इलेक्ट्रोलैरिंग का कार्य
- पेंट
- डाई-
- एसिड एवं केमिकल्स
- स्पाइस ग्राइन्डिंग
- ग्रीस
- कार्ड बाक्स (बड़ा साइज)
- बैटरी बाक्स
- तम्बाकू प्रकरण
- मैटल बाक्स (बड़ा साइज)
- अन्य कोई हानिकर प्रकार का विनिर्माण एवं प्रकरण इकाई

## (ख) निम्नलिखित व्यापारों को संबंधित व्यापारों के लिए विशेष रूप से निर्धारित क्षेत्रों में स्थानान्तरित किया जाएगा:

- पी. बी. सी. थोक बाजार (विस्तृत अव्ययन करने के बाद पटपड़गंज में स्थानान्तरित किया जा सकता है)।
- खतराक कैमिकलों से संबंधित व्यापार।

## 3. छेत्रियां

- बड़े गोदाम/माण्डागार (चरणबद्ध) तरीके से स्थानान्तरित किया जाएगा।
- फल और सभजी बाजार (फल मंडी)

## अनुबंध 6

## मुख्य प्रस्तावों का सार

## 1. क्षेत्रीय एवं उप-क्षेत्रीय ठांचा

दिलों की जनसंख्या बड़ी तेज गति के साथ बढ़ रही है, जिससे नगरीय विकास और प्रबंध को जटिल समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। यदि इस धृदि के भाग को अन्य छोटे-छोटे नगरों में बांट दिया जाए तो नगर के क्षेत्रीय भाग को राहत मिलेगी और यह छोटे जनावरों के लिए शक्ति का साधन मिल जाएगा। इस प्रसंग में, सम्मुखित क्षेत्रीय विकास के लिए संघ सरकार का निर्माण एवं आवास भवानालय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (रा. रा. ले.) का योजना माध्यम से दिलों और निकटवर्ती राज्यों के प्रयासों को समन्वित कर रहा है, जिसमें संघ राज्य क्षेत्र दिलों के अवाया हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ भाग शामिल हैं।

उप-क्षेत्रीय स्तर पर संघ राज्य क्षेत्र विलों महानगर क्षेत्र को योजना के लिए एक नगरीय समूह मानना चाहिए। अन्य क्षेत्रीय प्रसंग अधिकृत विलों महानगर क्षेत्र तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को धारणाएं और योजनाएं 1962 की तुलना में आज अधिक महत्व पूर्ण हो गई हैं। योजना में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के संतुलित विकास का नियिका निर्विद्ध की गई है अपर विलों महानगर क्षेत्र की विलों को वेहरीज पर एवं बिधिय में हरियाणा की ओर फैला हुई रिज में शहरी बस्तियों को ध्यान में रखते हुए पुनः परिसाधित किया गया है।

## 2. जन संख्या और रोजगार

वृद्धि की वर्तमान दर के अनुसार वर्ष 2001 तक विलों की जनसंख्या नगरीय क्षेत्रों में 144.26 लाख और ग्रामीण क्षेत्रों में 5.27 लाख हो जाएगी। यद्यपि धैत्रीय विकास पर्याप्त रूप से नियंत्रित नहीं हो रहा है, लेकिन इस संबंध में किस जाने वाले सकारात्मक कार्यों को ध्यान में रखते हुए संघ राज्य क्षेत्र विलों की जनसंख्या नगरीय क्षेत्रों में 121.73 लाख और ग्रामीण क्षेत्रों में 6.37 लाख हो जाएगी। 19 लाख के वर्तमान रोजगार 2001 तक बढ़ कर लगभग 49 लाख हो जाएंगे। इस रोजगार को समायोजित करने के लिए भूमि और आवासिक संरचनात्मक व्यवस्था की आवश्यकता होगी। जनसंख्या को तेज वृद्धि की रोकने के लिए केवल अनिवार्य क्षेत्रीय सरकार के कार्यालयों जो भारत सरकार के भवानायों की सेवा करते हैं और केवल उपक्रमों के सम्पर्क कार्यालय विलों में अवस्थित करने चाहिए। अर्धमरकारी रोजगार को विवेकपूर्ण क्षेत्रीय शहरों और कांठटर मण्डलों जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के भाग हैं, में वितरित किए जाने का आवश्यकता है।

औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार की वृद्धि को प्रवृत्ति को नियंत्रित करने के लिए केवल प्रवृत्ति रहित उद्योगों, जिसमें 50 से अधिक कर्मचार, कार्य तक संबंधित हों, के लिए है। दिलों नगरीय क्षेत्र में अनुमति दी जानी चाहिए।

वर्ष 2001 तक 122 लाख नगरीय जनसंख्या को समायोजित करने के लिए दो प्रकार के रचना-कौशल के लिए विभागित की गई है।

- दिलों नगरीय क्षेत्र 81 की लगभग 3 मिलियन तक जनसंख्या धारक धमता में वृद्धि करना।

- अतिरिक्त 4 मिलियन (लगभग) जनसंख्या को समायोजित करने के लिए नगरीय सीमाओं का विस्तार करना।

## 1. शेष्टर

नए आवासीय क्षेत्रों के विकास और विद्यमान रिहायशी क्षेत्रों के संरक्षण, सुधार और पुनर्जीवन, दोनों पर बल दिया जाना चाहिए। अगले दो वर्षों में लगभग 16.2 लाख नई आवासीय इकाइयों का आवश्यकता है, जैसा कि भूम्य भूम्यांड में निर्दिष्ट किया गया है।

दिल्ली में आवासीय सहकारी समितियों ने जो सार्वजनिक और प्राइवेट के बीच असंत्योगी भेद है, काफ़ी सकलता प्राप्त की है और उन्हें और प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

पहले योजना में बहु परिवार (समूह आवास) महिला दो परिवार विकास की कार्य में सामाज्य जन-आवास का प्रस्ताव रखा गया था। हाल ही में, दो परिवार भूखण्डीय विकास में असार्वत तल पर तीन परिवार इकाई की अनुमति दी गई है। सर्वेक्षणों/अध्ययन से पता चला है कि लम्बी अवधि का योजनावृत्त विकास केवल एक मंजिल निर्मित रहता है और समग्र अध्ययन डिजाइन के अनुसार समूह आवास भूमि का बहुत ही सीमोन गहन उपयोग करता है।

(1) बच्चे करने का सामर्थ्य (2) भूमि उपयोगिता की कुशलता (भूमि उपयोग प्रगाढ़ता) (3) समानता (भूमि का सामाजिक विवरण) के अनुसार आवास के बारे में सामाज्य आवास के सबसे उपयुक्त प्रकार 70 से 80 वर्ग मीटर अविकल्पत ज्वाटों पर अधिक रूप से निर्मित भूखण्डीय आवास होगा। आवास के कुछ भाग का व्यवस्था योद्धा-थोड़ी दूरी की आवासीय इकाईयों में विकसित 150 वर्ग मीटर से 250 वर्ग मीटर तक तीन परिवार ज्वाटों की कार्य और बढ़परिवार आवास में की जा सकती है। सामाज्य आवास के लिए सहकारी समितियों को अधिक बड़ी भूमिका दी जानी चाहिए और भूखण्डीय आवास पर अविकल्पत आवास से छींट लेकर आवासीय समितियों को भी आरम्भ किया जा सकता है।

## 4. संरक्षण, पुनर्जीवन और पर्यावरणी सुधार

ज्वार देखारी के छहर, जैसे परम्परागत क्षेत्रों के मामले में संरक्षण और पुनर्जीवन की आवश्यकता है। इनके लिए (1) हानिकारक और अतरनाक उद्योगों और व्यापार को शिक्षण करने और गैर रिहायशी कार्यकालान्तरों को सीमावद्ध करने (2) भौतिक और सामाजिक आवासीय संरक्षण को ऊपर उठाने (3) माध्यम क्षमता और मध्यम रफ्तार के परिवहन साधनों को आग्रह करने और यातायात का प्रबंध और नियमन करने (4) ऐतिहासिक भवनों को सुरक्षित रखने और उनके संरक्षण करने (5) गुणवत्तिस्थित रिहायशी क्षेत्रों को पुनर्जीवन करने भी आवश्यकता है।

4क. पुनर्वास कानौनिया:—पुनर्वास कानौनियों का ज्वार आवश्यकता है—व्यक्तिगत सेवाओं अवधि पार्व, मध्यम तथा विज्ञन की व्यवस्था। गैर सहकारी ग्रामों को यत्कारी विभागों के सामाजिक कार्य को पूरा करना चाहिए और आव अनुपूरण कार्यक्रमों को विशेष रूप से महिलाओं के लिए, भी चालू किया जाना चाहिए। बहुत जैसे क्षेत्रों में जुड़े वाले लाइन उपलब्ध न होने के कारण या विनियन अवधियों के कारण नियमित मध्यम रफ्तार की व्यवस्था तुलन संभव नहीं हो सकता। ऐसे मामलों में अविकल्पत या सामुहिक आवास पर दृष्टिपक्ष के माध्यम से कम लागत सहाइ व्यवस्था को यातायात का अवधियन के लिए इस वर्ग के लिए प्रस्तावन विल प्रदत्त की गयी रहता है।

4ख. अवधिकृत कानौनिया:—तिथिकृत कानौनिया सामाज्यन अनुसार में अधिक और अवास की गहन कार्य के परिणामस्वरूप 1688 GI/84-10

बनती है। इन कालोनियों में अधिकांश का से भौतिक और सामाजिक आवासीय संरक्षण की कमी होती है। इन कालोनियों जिन पर नियमन के लिए विचार किया गया है, के मकान मालिकों से कहा जाए कि वे समितियों बनाए और लक्ष समूह के मुद्दार के लिए प्लान राहिन आये आएं।

4.ग. नगरीय गांव:—इन पुराने अधिवासियों के लिए उनके परम्परागत जीवन के सर्विकों को जहां तक संभव हो सके, उन्हाए रखते हुए मूलभूत सेवाओं और सुध-मुविधाओं की व्यवस्था की जानी चाहिए।

## 5. उद्योग

विद्यमान विनियमों के अनुसार विद्यमान औद्योगिक इकाईयों की काफ़ी बड़ी संख्या नान-कान्किमिंग अवस्थित है क्योंकि ये रिहायशी और व्यावसायिक उपयोग जीवों में है। अतः कान्किमिंग/नान कान्किमिंग और उद्योगों की पूर्ण संगतता के समग्र प्रस्ताव पर विस्तृत रूप से अध्ययन किया गया है। अब यह विकासित की जाती है कि (क) जो औद्योगिक इकाईयों संगत प्रहृति की है, उन्हें रिहायशी क्षेत्रों में चालू रहने दिया जाए और इसी प्रकार की नई औद्योगिक इकाईयों के लिए भी अनुमति दी जा सकती है। (ख) जो औद्योगिक इकाईयों बहुत अधिक असंगत है उन्हें तुरत (अधिकतम अवधि 5 वर्ष) रिहायशी और व्यावसायिक क्षेत्रों से योजनावद स्थानों पर शिफ्ट किया जाना चाहिए। (ग) जो औद्योगिक इकाईयों माध्यमिक वर्ग की है, जो न को संगत है और न ही अधिक असंगत है वे फिलहाल चलने वीं जाए, लेकिन उन्हें औद्योगिक क्षेत्र में वैकल्पिक आवास दिए जाने चाहिए और 5 वर्ष एवं 10 वर्ष के बाद 2 जरणों पर स्थिति का पुनर्व्यवहार किया जाना चाहिए। (ध) किसी नए विस्तृत उद्योग के लिए दिल्ली में अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

## 6. व्यापार तथा व्यापिय

खार देखारी एवं व्यापियक वार्तालायों और सिनेमा, होटल और अन्य आवासीय उद्योगों जैसी अन्य संबंधित कार्यकलायों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए सी. बी. शी. से रुचिष्ठा अधिकादारी तक के क्रम के व्यापियक व्येत्र की पांच टायर पद्धति को कुछ संशोधनों के साथ चालू रहने दिया गया है। पुराने नगर, बनाट ज्वेम और बगोल बांग के सी. बी. शी. के अलावा वो सब सां. बी. बी. एवं एक यमुना पार क्षेत्र में और दूसरे नगरीय विवार में, का प्रस्ताव है। विकास के विभिन्न घरणों में जो पहले से पांच जिला केन्द्र हैं, उनक अलावा 20 नए जिला केन्द्र निर्दिष्ट किए गए हैं, 14 विद्यमान नगरीय संसाधों में और छ नगरीय विस्तार में।

6क. थोक व्यापार:—थोक व्यापार के लिए विभिन्न दिशाओं में व्यापीय थोक वाजारों के लिए प्रस्ताव रखा गया है। थोक वाजारों को भाड़ा परिवर्तनों के साथ जोड़ा पड़ता है जिसमें कि थोक व्यापार अधिक ऊरकता और अच्छे पर्यायण में भल सके।

6क. थोक व्यापार कार्यवित्तन करने के लिए गौण थोक वाजारों के लिए 11 लोकीय एवं स्थानीय थोक वाजार विभिन्न थोकान्डियों में विभिन्न करने की मिलाई की जाती है।

## 7. परिवहन

पुरानी रिली, नई रिली और समकालीन विकास जैसे विद्यमान नगरीय क्षेत्रों में उपलब्ध भीतिक रूप तथा द्रिफ उपादान की प्रक्रेपित दर को देखने हुए वह माध्यन विवरहन पद्धति जिसमें ग्रिं रेल, हल्की रेल और विभिन्न भागों से जोड़ने वाला वस्तु परिवहन आमिल है, का प्रस्ताव है। प्रस्ताव नगरीय यात्री आवासमान के लिए प्रस्तावित नया माध्यन हल्की रेलवे व्यवस्था है जिसमें प्रति घंटा 20,000 यात्री तक

की जाता होती है। वर्तमान नगरीय क्षेत्र और नगरीय विस्तार में वर्ष 2000 तक हल्की रेल की लगभग 200 कि. मी. की प्राव-श्यकता होगी।

यार दीवारी के शहर के केंद्रीय भीड़-भाड़ बलि क्षेत्रों के लिए युने हुए रुटों की मंड्या के साथ ट्रामों पुनः आरम्भ करने की सिक्षिति की जाती है। तथापि, बस क्षेत्र में ट्रामों को आरम्भ करने के साथ परिवहन के प्राइवेट साथों और हन्दरेंज प्लॉटों पर गाड़ियाँ खड़ी करने की व्यवस्था पर पारंपरी लगाई जानी चाहिए।

कुछ कारीडोरों में साइकिलों के चलने के लिए सुरक्षित पर्यावरण की व्यवस्था करने के लिए विद्यमान मड़क भागों को समायोजित करके और नालों के साथ लगाई भूमि का प्रयोग करके साइकिल पर्यावरण की पुर्णतया अलग करने की व्यवस्था करने की आवश्यकता है।

अन्तः नगर यात्री प्रावागमन के लिए मुख्य रेल लिंक स्थानों पर चार, युहानगरीय यात्री टर्मिनलों के लिए सिक्षिति की गई है। इन सभी युहानगरीय यात्री टर्मिनलों के लिए एक भ्रन्तर-राज्यीय बस टर्मिनल होगा और उन्हें हल्की रेल और बस परिवहन द्वारा नगर के विभिन्न भागों के साथ जोड़ा जाएगा। हृसर बस अड्डा धोला कूमा के निकट बनाने का प्रस्ताव रखा गया है।

#### 7क. मान आवागमन :—

मड़क और रेल के माध्यम से मान लानेने जाने के एकीकरण के लिए थोक बाजार, भाण्डापार, द्रुक और रेल परिवहन टर्मिनलों महिला बाड़ा काम्पलैंसों की प्रस्तावित महानगरीय यात्री टर्मिनलों के निकट चार मुख्य रेल-रोड निकाँ पर सिफारिश की गई है।

#### 7ख. महानगरीय परिवहन प्राधिकरण :—

युवित्सूलक तरीकों से दिल्ली में बहुमाल काम्पनेक्स परिवहन पद्धति चलाने के लिए विद्यमान के लिए एक एकीकृत परिवहन प्राधिकरण की आवश्यकता है।

#### 8. सौक्रिक आशारित संरचना

##### 8क. जल आपूर्ति :—

वर्ष 2001 तक दिल्ली के लिए 671 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एम. जी. ई.) की सीधा तक अनिवार्य जल आपूर्ति की आवश्यकता होगी। इसके लिए उत्तर प्रदेश के टिहरी डैम, किंशों और लखबावर तथा हिमाचल प्रदेश के गिरी डैमों से पूर्ति की आशा है और वह पूर्ति हरियाणा से जल विभाग द्वारा की जाएगी। जल आपूर्ति पद्धति के लिए विद्यमान चार जल शोधन संयंत्रों में बृद्धि करने और एक ना शोधन संयंत्र के निर्माण की आवश्यकता होगी।

##### 8ख. मन व्ययन :—

सम्पूर्ण जनसंख्या का मलब्धयन की सुविधा देने के लिए 118 एम. जी. ई. की विद्यमान मलब्धयन जामता में बृद्धि करके इसे जल की उपलब्धता के साथ 900 एम.जी.ई. तक पूरा करना होगा। इसके लिए विद्यमान चार मलब्धयन शोधन संयंत्रों की जामता को बढ़ाना पड़ेगा और रिडला सहित जो प्रक्रिया में है, तोत ना मलब्धयन शोधन संयंत्रों का निर्माण करना पड़ेगा। जिन क्षेत्रों में सुरक्षित नियमित भलब्धयन की व्यवस्था नहीं हो सकती, वहाँ मध्यवर्ती कम लागत की स्वच्छता पद्धति को योही अवधि की व्यवस्था के रूप में बालू किया जाना चाहिए।

##### 8ग. पावर :—

यह अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2001 तक दिल्ली को 2500 मैग्नाट पावर की आवश्यकता होगी। अनिवार्य आवश्यकता की पूर्ति से उत्तरी पावर प्रिड से कारीडोरों होगी। वर्ष 2001 तक

2500 मैग्नाट की लड्य मांग को पूरा करने के लिए पावर वितरण जाम के लिए विद्यमान 220 के, वी. प्रिड के स्थान पर 400 के, वी. प्रिड की व्यवस्था करनी पड़ेगी।

#### 8घ. कूड़ा-करकट प्रवंध :—

दिल्ली के विभिन्न भागों में उत्पन्न कूड़ा-करकट 1981 के 2300 टन प्रतिदिन से बढ़कर 2001 में 6735 टन प्रतिदिन हो जाएगा। कूड़ा-करकट की प्रकृति और उसके निपटान में किफायत को व्याप में रखने हुए कूड़ा-करकट के मुख्य भाग का निपटान सेनिट्रो लैंड फिल में करने का प्रस्ताव रखा गया है। कम्पोस्ट संयंत्र के लिए किसी नए स्थान का प्रस्ताव नहीं रखा गया है। यह सिफारिश की जाती है कि दिल्ली नगर निगम और नई दिल्ली नगर पालिका के विद्यमान ये कम्पोस्ट संयंत्रों की स्थिति का 1992 में पुनरीक्षण किया जाए और यदि आवश्यकता हो तो नीति में संशोधन किया जाए।

#### 9. सामाजिक आशारित संरचना

##### 9क. स्वास्थ्य :—

पहले प्रस्तावित सामाजिक प्रस्तावाल और स्वास्थ्य केन्द्र की कार्य में वो टायर पद्धति से स्वास्थ्य आवश्यकनाओं मेंबंधी पूरी मांग की पूर्ति नहीं हुई। अन्तः छ: टायर पद्धति का प्रस्ताव रखा गया है, जिसमें सामान्य प्रस्तावाल (500 विस्तर) (2) मध्यवर्ती प्रस्तावाल वर्ग ए, (200 विस्तर) (3) मध्यवर्ती प्रस्तावाल वर्ग बी, (80 विस्तर) (4) कृषि प्रेक्षण विस्तर-सहित पाली कलीनिक (5) नर्सिंग होम और बाल कल्याण तथा प्रमूर्ति केन्द्र और (6) हिस्टेसरी।

##### 9ख. शिक्षा :—

सामान्य शिक्षा मुविधाओं के लिए भूमि के प्रारक्षण के प्रक्राक्षण वर्त-मान कमी को बूर करने के लिए तकनीकी और व्यवसायिक शिक्षा मंस्थाओं और केंद्रीय तथा एकीकृत स्कूलों के लिए भी भूमि प्रारक्षित की जाएगी।

##### 9ग. बूर संचार :—

टेनीफोन एप्सर्वेंजों के लिए भूमि के प्रारक्षण का प्रस्ताव रखा गया है, जिससे कि 1981 की प्रति भी जनसंख्या पर 3.37 की दर से टेनीफोनों की व्यवस्था बढ़ा कर 2001 में 10 हो जाए। आक सुविधाओं, पुलिस, बुर्ज वितरण आदि सहित आधारित संरचना (सामाजिक) के लिए संशोधित मानक निकाले गए हैं।

##### 9घ. सुविधाएं और सेवा केन्द्र :—

विद्यमान नगरीय क्षेत्रों में भूमि में सुविधाएं समायोजित करने के लिए सुविधाएं के प्रस्ताव रखा गया है। इसी प्रकार मरम्मत और सेवा केन्द्रों की अनिवार्य आवश्यकता को समायोजित करने के लिए सेवा केन्द्र धारणा प्रस्तुत की गई है।

#### 10. पर्यावरण

10क. प्राकृतिक विशेषताएः :—दिल्ली में वो मुख्य प्राकृतिक विशेषताएः है रिज तथा यमुना नदी। हालांकि दिल्ली में रिज के कृषि भाग को समाप्त किया जा चुका है, फिर भी उपरवाह कृषि रिज खेतकल सागरा 8000 हेक्टर है। इसका पूरी चौकमी से संरक्षण किया जाना चाहिए और देशी प्रकार का बनारोपण किया जाना चाहिए और बहुत कम बनावटी भूव्यवस्थाकरन किया जाना चाहिए।

यमुना नदी में बहुत प्रदूषक प्रवृद्धि है और भूव्यवस्था संशोधित मलब्धयन और व्यायोगिक क्षेत्रों के कृषि के कारण होता है। नदी को स्वच्छ रखने के लिए जल प्रदूषण भ्रिनियम की बढ़ता से लागू करने की आवश्यकता

है। यथा प्रस्तावित नदी की मार्ग-व्यवस्था से मुक्त नदी भविकास योजना के लिए कार्य थेव तैयार होगा और पर्यावरण के बुधार को भी बदावा मिलेगा।

10. वायुग्रथ स्थान : विल्ली नगरीय क्षेत्र-81 के अन्वर पार्कों के लिए आरक्षित क्षेत्र के भाग को विशेष विधु पार्कों, पिकनिक क्षेत्रों आदि जैसे गहन मनोविनोद क्रियाकलापों के लिए विकसित करने की सिफारिश की जाती है। जिला पार्क क्षेत्रों का कम से कम 30 प्रतिशत भाग परिस्थितिक स्थिरता के लिए बनस्पती के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। प्रदास थेव थेव, जिला और डिविजनल थेलकूद क्षेत्रों की फार्म में सभी धार्य बंगे के व्यक्तियों के लिए थेव कृद सुविधाओं के विकास पर काफी बल विद्या जाता है।

10.ग.पुनः वृक्षारोपणः—पार्कों में काफी बड़ी संख्या में वृक्ष लगे हुए हैं जो जीवन की पूर्ण अवधि पूरी कर चुके हैं। यह विशेष रूप से नई विल्ली क्षेत्र के बृक्षों के बारे में ग्रन्थ है। आनुवंशिक प्रक्रिया के रूप में पुनः वृक्षारोपण की सिफारिश की जाती है।

10.प. नगरीय सौन्दर्य और नगर के अतीत का संरक्षणः

विल्ली की नगरीय डिजाइन की परम्परा है, जो कृद समय पहले समाप्त हो चुकी है। उसे दौवारा चालू करने के लिए चार प्रकार की नीति तैयार की गई है (1) विशेष उपचार के लिए महत्वपूर्ण प्राकृतिक और निर्मित पर्यावरण के क्षेत्रों की पहचान (2) नगर के विभिन्न भागों का वृद्धि एकीकरण (3) नगर के अतीत का संरक्षण (4) कंचे भवनों और मुख्य नगरीय परियोजनाओं के लिए नीति।

नगर के विस्तार के लिए विल्ली के केन्द्रीय भाग में सामाजिक और सांस्कृतिक संस्थाओं का जन्मा विकास हुआ है। बड़ी हुई जनसंख्या को बेबते हुए सामाजिक और सांस्कृतिक क्रियाकलापों के लिए प्रतिरिक्षित क्षेत्र निर्दिष्ट किया गया है। जनपथ से राष्ट्रीय स्ट्रेडिग्रम तक की परिवर्ती के साथ के क्षेत्र को सामाजिक और सांस्कृतिक संस्थाओं के लिए आवश्यकता जाना चाहिए।

10.प. व जल धोर वायु प्रदूषणः

प्राप्त प्रदूषण के आधार पर जल धोर कायु प्रदूषण में वृद्धि हो रही है। जल प्रदूषण के मामले में दूषित जल को बड़े नालों में सौंचरेज प्रणाली में छालने के भाव पर्याप्त दृष्टिन जल शोधन करने की सिफारिश की गई है। छह थेव "प्रदूषण नियंत्रण क्षेत्र" घोषित करने के लिए निर्धारित किए गए हैं।

11. विशेष क्षेत्रः

चार दीवारी का शहर और उसका विस्तार धोर करोल भाग तथा उसके दीवार का क्षेत्र विकास के उद्देश्य के लिए विशेष क्षेत्र के रूप में निर्धारित किया गया है। इस क्षेत्र का सामान्य विनियमों के प्राधार पर विकास नहीं किया जा सकता। इस क्षेत्र के लिए विशेष विनियम तैयार किए गए हैं और उन्हें विकास संहिता में सम्मिलित किया गया है।

12. यामीण क्षेत्रः

विल्ली का यामीण क्षेत्र मुख्य महानगर की परिधि में होने के कारण एक विशेष महत्व रखता है। संघ राज्य क्षेत्र विल्ली के यामीण क्षेत्रों के परिवारों का निकटवर्ती राज्यों के यामीण क्षेत्रों की तुलना में शिक्षा और धार्य का स्तर अधिक ऊंचा है। यह क्षेत्र प्रवासियों को भी आकर्षित करता है। 20 प्रतिशत विल्ली यामीण परिवार प्रवासी परिवार हैं, जो मुख्यतः हरियाणा और उत्तर प्रदेश से हैं। इस क्षेत्र के लिए पर्याप्त उच्च स्तर की आवश्यकता संरक्षण और नगर से अच्छे सड़क बंध की व्यवस्था करने की आवश्यकता है।

जनसंख्या बंधों और वृद्धि दर के आधार पर कृद गंधों में मुख्य स्वास्थ्य सुविधाएं, बाजार स्कूल और यामीण उच्चोगों की भवित्विति निर्विचित की गई है।

13. आधुनिकीकरण और नगर का रूपः

इस युग से सम्बद्धित नगर में (1) सभाम परिवहन और संचार पद्धति (2) सम्मेलन और प्रशंसनी केन्द्र (3) शारिंग आर्केड, मनोरंजन पार्क और 4 दर्शकों के रहने के लिए आरामदायक स्थान होने चाहिए। नगर को इन सबकी व्यवस्था करनी चाहिए और अपनी परम्पराओं और विरासत, अपनी संस्कृति और वर्षकों तथा अपने निवासियों के प्रति अपना स्नेह भी प्रशंसित करना चाहिए।

14. भूमि उपयोग प्लान और विकास संहिताः

भूमि उपयोग प्लानः

विद्यमान भूमि उपयोग प्लान निर्मलिति के आधार पर संशोधित किया गया है:—

(1) विभिन्न क्षेत्रों के लिए निर्दिष्ट नीतियां (2) प्रतिरिक्षित भौतिक और सामाजिक आवश्यकता संरचना, परिवहन और रोजगार केन्द्रों की आवश्यकता (3) रिंग रेल के साथ भूमि उपयोगों की पुनः संरचना। (4) पहले से अनुमोदित भूमि उपयोगों में संशोधन (5) 2001 परिप्रेक्ष्य में किए गए प्रब्लेम के आधार पर आवश्यक और नगरीय गतिविधियों के आनंदित्व संबंधों और पर्यावरण और नगर के प्रतिरूप पर उसके प्रभाव पर विचार करते हुए भूमि उपयोग की पुनः संरचना।

15. प्रिंति भूमि उपयोगः

योजना में प्रिंति भूमि उपयोग की धारणा को सम्मिलित किया गया है, जिसके अनुसार (1) संगत रिहायशी क्षेत्रों में अविवारी और गृह उपयोग के लिए अनुमति दी गई है, और (2) रिहायशी प्लाटों पर वांछित निर्वित उपयोग शामिल किया गया है, जिसके अनुसार निवासी मंजिल पर दूकान गृह उपयोग और अपर रिहायश के लिए अनुमति दी गई है।

16. जानल (डिविजनल) योजनाएः

संघ राज्य दोन दिसंबर को 15 जोनों (डिविजनों) में विभाजित किया गया है। जोनल (डिविजनल) योजनाओं में आवश्यकतानुभार योजना को विभूत नीति निर्विट की जाएगी और वह ले-आउट प्लान और मुख्य योजना के बीच कड़ी का कार्य करेगी।

17. विकास संहिताः

यह एक मुख्यवस्थित संहिता है जिससे दो स्तरों पर (1) उपयोग जोन को उपयोग परिसर (ले आउट) में बदलना, और (2) उपयोग परिसर में उपयोग कार्यकलापों की अनुमति उपयोग कार्य कलापों (उपयोगों) का निर्णय किया जाएगा। यह उपयोग परिसरों में उपयोग जोनों के उप डिविजनों के लिए विनियम प्रदान करती है और उपयोग परिसरों के अन्वर भवनों का नियन्त्रण भी करती है।

18. योजना मानीटरिंग एवं पुनरीकाश

18क. योजना मानीटरिंगः कोई भी लम्बी अवधि की नगरीय विकास योजना तब तक लागू नहीं की जा सकती, जब तक कि वह योजना कार्यान्वयन प्रबंध के शैरान घटनाओं और सामाजिक आर्थिक तथा प्रभ्य शक्तियों के उठने के प्रति उत्तरदायी न हो। घटनाओं एवं उत्तर मामात्रिक, आर्थिक शक्तियों और योजना के उत्तरदायी रोने के बीच के विवरण के कारण अवांछित वृद्धि की स्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं। आवांछित वृद्धि को रोकने के लिए मन्त्री-योजना के लिए वैज्ञानिक मानीटरिंग डाचे की आवश्यकता है।

मानीटरिंग डाचे की आवश्यकता निर्मलिति कार्यों के लिए है:—

(1) योजना में निर्धारित भौतिक स्तरों की उपस्थिति का मूल्यांकन करना; और

(2) योजना नीतियों का पुनरीक्षण करने के लिए भौतिक और सामाजिक आर्थिक परिवर्तनों का पता लगाना।

187. योजना पुनरीक्षण: योजना मानोटर करने से योजना में कोई संशोधन करने के लिए, यदि सावधक हो, पर्याप्त सामग्री प्राप्त होगी। सामाजिक आर्थिक और भौतिक शक्तियों से प्रकट होने वाले किन्होंने प्रध्य पहुँचों को योजना प्रस्तावों का पुनरीक्षण करने के लिए प्रध्ययन के लिए लिया जा सकता है। सभी पहुँचों को समिलित करते हुए एक व्यापक पुनरीक्षण 1992 में किया जाना चाहिए।

#### 188. निरंतर प्रध्ययन और अनुसंधान:

नीतियों द्वितीय निर्दिष्ट करती हैं। विस्तृत विकास परियोजनाएं अन्ततः पर्यावरण उत्पन्न करती हैं। अच्छा हो या बुरा। योजना कार्यान्वयन के द्वीरण उच्च कोटि के सक्रिय पर्यावरण की अवस्था करने के लिए योजना को प्रसारी बनाने के लिए विकास के सभी पहुँचों पर्याप्त प्रावास, परिवहन, कार्य केन्द्रों, मनोरंजन माध्यारिक संरचना प्रादि का निर्मारण अवधारणा और अनुसंधान करने की आवश्यकता है। दि. वि. प्रा. को इस "महानगर" के विकास के लिए योजना को एक भज्जूत साबद बनाने के लिए प्रध्ययन, अनुसंधान और मानोटर करने का कार्य लगातार करना चाहिए।

(6) योजना में संलग्न "भागवित्री" के स्पान पर निम्नलिखित शीर्षकों सहित रेखाचित्रों (प्लानों) को प्रतिस्थापित किया जाएः (1) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (2) दिल्ली महानगर क्षेत्र (3) चार दीवारी का शहर 1981 विद्यमान भूमि उपयोग (4) चार दीवारी का शहर शाहजहांबाद संरक्षण एवं परिवहन जाल योजना (5) परिवहन जाल (6) उपयोगिता (7) भूत्यक्ष महाव्य के क्षेत्र (8) दूसरे महाव्य के क्षेत्र (9) पुरातात्त्वीय परस्परागत सम्पत्ति (10) विद्यमान भूमि उपयोग 1981-82 (11) भूमि उपयोग ज्ञान (12) विशेष क्षेत्र (13) संघर राज्य क्षेत्र विलीन ज्ञान (हिंदीतन)।

उपर्युक्त रेखाचित्र (प्लान), जिनमें प्रस्तावित संशोधन, सम्मिलित किए गए हैं, उपर्युक्त भवित्व के अन्वर प्रनिवार के लिए कों ओडिकर सभी कार्य विवरों को निरीक्षण के लिए प्राधिकरण के कार्यालय, विकास मौनार, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट नई विलीन में उपलब्ध होंगे।

[सं. एक. 20 (22)/84-प्रम.प्र.]

प्रम.प्र. जैन सचिव, विभिन्न विकास प्राधिकरण

#### DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

#### PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 6th April, 1985

S.O. 289 (E).—The following extensive modifications which the Central Government proposes to make in the Master Plan for Delhi, keeping in view the perspective for Delhi-2001 and new dimensions in the urban development, are hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modifications may send his objection/suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Vikas Minar, Indraprastha Estate, New Delhi within a period of 30 days from the date of this notice. The person making objection or suggestion should also give his name and full address.

#### MODIFICATIONS

(1) The Title of Chapter I—"The Land Use Plan" be substituted by "Development Policies, Planning Norms and the Land Use Plan" with the following text :

#### "Regional and Sub-Regional Frame :

Planning for the development of a metropolis cannot be limited within its boundaries—it considerably influences and is influenced by happenings outside, specially the immediate surroundings. In the widest sense, Delhi's influence extends throughout India and as a Capital throughout the World. At yet another level Delhi occupies a position of Central

importance in the entire broad region of Northern India. Since 1947, when India attained independence, this influence has in fact been increasing in range and impact.

The genesis of Delhi's growth lies in the increasing urbanisation which continues to offer the most important opportunities for increasing employment and to provide the basis for specialisation and increased productivity in manufacturing and supporting services. Flexible labour markets, which only the cities can provide, are needed to match the changing patterns of production.

Delhi is growing at a rapid pace because of increasing migration. Though in the developing world there are examples of cities growing at faster rate than Delhi, but the more a city grows the more complex become its problems of land, housing, transportation and provision and management of essential infrastructure. If part of this growth of the core city could be channelised into other cities—smaller yet dynamic, it would be a relief to the 'Core City' as well as a source of strength to the smaller settlements.

#### Balanced Regional Development

Major migration to Delhi is from the states of Uttar Pradesh, Haryana, Punjab & Rajasthan, the present range of migration being more than 1.6 lakh person per annum. Delhi in the context of urbanisation and migration needs a definite restrictive policy on employment generation; main guidelines for this policy would be :

- (i) Only such new Central Government offices which directly serve the Ministries of the Government of India be located in Delhi.
- (ii) Existing offices of public sector undertakings within Delhi should be encouraged to shift, while new offices of the public sector undertakings to the extent these are possible within their operational areas should be set up outside Delhi.
- (iii) Industrial growth in Delhi should be restricted to small scale with stress on units which require skill, less of man power and energy and are non-nuisance and clean and largely subserve Delhi economy.
- (iv) Legal and fiscal measures should be adopted to restrict employment in industries and distributive trade.

In this context, for the balanced regional development Central Govt. have enacted the National Capital Region Planning Board Act, 1985. The National Capital Region Planning Board will co-ordinate the efforts of the Union Territory of Delhi, and the adjoining States through a Plan for the National Capital Region (NCR), which includes some parts of Haryana, U.P. and Rajasthan besides the Union Territory of Delhi. Positive actions would be required in the NCR and possible counter magnets by means of provision of suitable infrastructure to create an environment for location of offices of Central Government and Undertakings, Industrial units and distributive markets, to release pressure on Delhi and to precipitate the development of region.

#### Delhi Metropolitan Area (DMA)

The development projects in the pipeline in the settlement at the doorstep of the Union Territory of Delhi are bound to have repercussions on Delhi and its sub-region i.e. Delhi Metropolitan Area which has been redefined and comprises of the Union Territory of Delhi; NOIDA controlled area; Gurgaon, Bahadurgarh; Kundli and the extension of the Delhi Ridge in Haryana. The DMA would thus comprise an area of 3,182 Square Kilometer (sq. k.m.).

The Delhi Metropolitan Area, including the Union Territory of Delhi should be considered as one urban agglomeration for the purpose of planning. In the Plan certain important aspects like transportation and deflation of the Ridge have been dovetailed. In the best interests of the balanced development of the Delhi Metropolitan Area, planning should be entrusted to the Town & Country Planning Organisation (TCPO) in consultation with the Centre and States and under overall direction and control of the NCR Board.

## Population and Employment.

In the decade 1971-81, the urban population of Delhi has increased at 4.69 per cent annual growth rate and the rural population at 0.77 per cent annual growth rate. The later is influenced by the gradual shifting of the rural area and its merger with urban area. If the same rates of population growth continue, the urban population by the year 2001 would be 144.26 lakh and rural 5.27 lakh. Envisaging a more balanced regional development, the population for the Union Territory of Delhi has been projected as under :

(in lakh)

Population within the Delhi Urbanisable Limits—	
2001	121.73
Population outside the Urbanisable Limits—2001	
	6.37
Total	128.10

The participation rate (working population + total population X 100) for the last two decades for Delhi as per Census is :

Year	Urban	Rural
1971	30.21	26.62
1981	31.93	28.49

With the generation of employment in different sectors, the participation rate for 2001 should be of the order of 35 per cent in Urban Delhi and 33 per cent in the area of Delhi, outside the urbanisable limits of the Union Territory of Delhi. This would generate a total work force of 49.08 lakh including the floating worker population who keep coming to Delhi for work, though not to reside in the city. Work force in different economic sectors has been assigned as follows :

## PROJECTED WORK FORCE FOR UNION TERRITORY OF DELHI-2001

Sector	Within	Outside	Total
	Urban	Urban	
	Limits	Limits	(in 000)
1	2	3	4
Agriculture	13	59	72
	(0.30)	(30.00)	(1.60)
Manufacturing			
(i) Establishment Sector	1071	39	1110
	(25.00)	(20.00)	(24.80)
(ii) Non-establishment Sector	214	6	220
	(5.00)	(3.00)	(4.90)
Construction	227	4	231
	(5.30)	(2.00)	(5.10)
Trade & Commerce	964	12	976
	(22.50)	(6.00)	(21.80)

	1	2	3	4
Transport		488	16	504
		(11.40)	(8.00)	(11.30)
Other Services		1306	61	1367
		(30.50)	(31.00)	(30.50)
		4283	197	4480
Percentage		(100.00)	(100.00)	(100.00)
Floating Work Force		428		428
Total				4908

Further break-up of other services sector within urban limits is envisaged to be of the following order :

Sector	Workers	
	(in 000)	(%) age
Central Government	316	22.00
Quasi-Government	384	26.70
Delhi Administration	153	10.60
Local Bodies	241	16.80
Private	343	23.90
Total	1437	100.00

If the present trends are allowed to continue, Delhi is likely to have a much higher work force (about 37 per cent) in the industrial sector. For the Capital to retain its functional balance, it would be necessary to restrict the industrial employment through measures earlier suggested.

## DELHI URBAN AREA--2001

The total area of the Union Territory of Delhi is 148,639 hectares (ha) out of this 44,777 hectares had been earlier included in urbanisable limits prescribed in Plan. This area at present accommodates about 54.5 lakh urban population. The balance of the urban population resides within 17 settlements declared as towns in the 1981 Census, and Najafgarh and Narela. To accommodate the 122 lakh urban population by the year 2001, a two-pronged strategy has been recommended; (i) To increase the population holding capacity of the area within urbanisable limits declared till 1981 and (ii) extension of the present urbanisable limits to the extent necessary.

Holding capacity of the area within the existing urbanisable limits depends on :

- Residential development types and their potential for higher absorption.
- Availability/possibility of infrastructure—physical and social.
- Employment areas/centres, capacity and potential.
- Transportation net-work capacity.

Studies have revealed that DUA 81 urbanisable limits by the year 2001 would be able to accommodate about 82 lakh population by judicious infill and selected modifications of

densities. The remaining 40 lakh shall have to be accommodated in the urban extension. Division-wise break-up is given as under :

#### Division

##### Saturated

A

##### Marginal Potential

B

C

##### Higher Potential

D

E

F

G

H

Total

To accommodate 40 lakh population, the DUA 81 which could systematically hold 82 lakh population approx., need to be extended by about 24,000 hectares, over the next two decades to effectively respond to the growth of the Capital. Land required for various developments in the extended time frame by the year 2001 may be acquired from time to time, with due regard to the balanced development of the city. Uptill now 4000 hectares (approx.) have been added to DUA-81 urban limits. Thus the balance requirement would be of the order of about 20,000 hectares.

The land in the Urban Extension (UE) would approximately be distributed in the different land uses in the following manner.

Land use	% of land
Residential	45—55
Commercial	3—4
Industrial	6—7
Recreational	15—20
Public & Semi Public Facilities	8—10
Circulation	10—12

#### SHELTER

Shelter besides being an essential need of a family is of considerable importance to DEVELOPMENT in both, economic and welfare terms. For most of the families, housing is perhaps a major goal of family saving efforts. Besides protection from elements, housing provides access to sanitation, health, education and other welfare services and income-earning opportunities leading to higher productivity and earnings for low income families. With the availability of substantial under utilised labour, housing can make it productive at low cost.

#### Efficiency and Equity

Housing has strong spatial relationship to employment, social services and other urban activities. Besides its direct need as shelter, housing could act as vehicle for social change for aspects such as welfare of women and children, universal elementary education, removal of adult illiteracy and expansion of public distribution system. Housing Policy could act as a major tool for influencing the efficiency and equity of urban areas.

#### Population in DUA 81 with immediate extension

As per Master Plan	Census 1981	Holding Capacity	Proposed 2001
3,22,600	6,22,207	4,20,460	4,20,460
3,98,200	5,67,804	6,30,000	6,19,200
3,87,685	5,30,547	7,50,800	7,12,055
6,34,100	4,96,058	7,54,685	7,03,510
9,69,270	10,28,794	17,89,300	16,38,080
8,27,125	8,22,200	12,78,425	11,91,840
8,03,175	8,68,277	14,89,600	13,69,100
9,20,485	5,17,687	18,65,270	15,97,900
52,62,640	54,53,574	89,78,540	82,52,145

#### Housing Components

Shelter, to fully serve the needs of the families, should have the following essential components :

(i) Space	Sufficient for household activities.
(ii) Infrastructure Physical	Water, Electricity, Liquid and Solid waste disposal.
Social	Educational, Health, Recreational and other facilities.
(iii) Location	In relation to transportation to the work place and educational and other facilities
(iv) Tenure	Secure, rental/ownership compatible to needs.
(v) Socio-Economic compatibility	Socially compatible neighbourhood and economically compatible terms of procurement.

#### Housing Need

Urban Delhi at present accommodates about 11.5 lakhs households in different housing developments, resettlement, squatter, plotted, multi-family, unauthorised, villages, traditional and others. Next two decades would add another approximately 13 lakh households. Suitable housing for all families is one of the major concerns of the Plan. Emphasis should be both on the development of new housing areas as well as on conservation, improvement and revitalization of the existing housing areas.

Housing shortage at present has been estimated to be about 3.0 lakh which includes (i) squatters and shelterless, (ii) families sharing houses in the congested built-up areas, and (iii) houses requiring immediate replacement. About 16.2 lakh new housing units would be required in the next two decades (1981-2001), divided in 5 yearly intervals as given below :

	New housing required '000	Average per year '000
1981-86	323	65
1986-91	379	76
1991-96	434	87
1996-2001	483	97

Based on the studies, an indicative percentage of such a provision by different agencies is given in the following table :

Housing Type	Land Development Agency	Construction Agency	%age of Housing
Slum Housing	Slum Department	Slum Department	3
Houses on individual plots	Major part already developed	Individual family	17
Employer Housing	Central Govt. Delhi Admin. Local Bodies	Central Govt. Delhi Admin. Local Bodies	4
Regularised infil	Individual	Individual	8
General Housing			
(a) Site & Services	Housing Agency	Individual family	25
(b) Built & partially built houses	Housing Agency & Co-operatives	Housing Agency & Co-operatives	43

Housing co-operative which are an overlapping sector between public and private, have been a reasonable success in Delhi and should be further encouraged. Small cooperatives with individual housing on plotted basis could also be introduced. For construction of dwellings individual families, in site and services schemes, need the development of institutional financing for this category.

#### Partially built plotted housing—New concept

Before the promulgation of the Plan in 1962, housing for the general public was available in the form of 2 family plotted development. This plan had in 1962 proposed the same alongwith multi-family (group) housing. Recently 2 family plotted development has been permitted a third family unit on the second floor, commonly known as "Barsati" floor. Surveys/studies of the existing housing developments indicate :

(i) Most of the plotted developments remain only single storied for a long time, thus generally, it accommodates one to two families (about 7 persons) per plot.

(ii) Group Housing in the overall city design has a very marginal intensive use of land.

(iii) There is a preference for built housing.

Further relating housing to (i) affordability, (ii) efficiency of land utilisation (land use intensity), (iii) equity (social distribution of urban land), (iv) flexibility considerations, the most appropriate type of general housing would be partially built housing on individual plots of 70 to 80 Square Meter (sqm).

Each household in the long range gets dwelling of about 80 sq.m. to 120 sq.m. Being on individual plot, it can be built in stages as the affordability permits. In case of site and services and service personnel schemes for economically weaker section, single family housing could be provided on minimum of 32 sqm plots which should accommodate individual bath and W.C.

Through such housing, a gross residential density of 350—400 pph (Persons per hectare) could be achieved and at the city level, an overall density of 180-200 pph. is possible. Still higher gross residential densities increase man/land ratio marginally and should be prescribed only in special conditions. For comparison it may be seen that gross

residential densities prescribed in the Plan, during 1961-81 were much lower; the average gross residential density prescribed was 187 pph and overall city level density of about 100 pph.

Major part of general public housing in the form recommended, can provide for an equitable distribution of urban land. Only small part of housing could be provided in the form of 3 family plots, size varying from 150 sqm. to 250 sqm. and multi-family housing. Limited number (less than 1 per cent) of residential plots could be upto 350 sqm. It would be desirable to introduce planned mixed use in the residential areas. Clusters of plots in residential developments should also be specifically reserved for intended mixed use for shop/household industry at the ground floor and residence on first floor and above.

#### Conservation, Revitalization and environmental Improvement

Conservation and revitalization is required in case of traditional areas and environmental upgradation and improvement is needed in other old built up areas, resettlement colonies and urban villages.

Most important part of the traditional housing is the Walled City. Once a beautifull city, it now presents a chaotic picture. The Walled City of Shahjahanabad has become a core of vast extended metropolis accommodating a central business district. The population in the Walled City of Shahjahanabad increased to its saturation upto the year 1961 but since then there is large-scale infil by commercial use replacing residential use. Refer table below :

Locality	Population in lakhs			
	1951	1961	1971	1981
Walled City	3.81 (+10.24)	4.20 (-2.62)	4.09 (-2.62)	3.62 (-11.49)
Planning Div. 'A'	5.38 (+20.81)	6.50 (+4.62)	6.80 (+4.62)	6.22 (-8.52)

Figures in brackets give percentage of decadal variation.

Traditional area of Walled City needs special treatment. The following measures are recommended :

(i) Shifting of noxious and hazardous industries and trades & delimitation of non-residential activity.

The Walled City contains industrial units using acids, chemicals and inflammable material and trades like plastic, rexine etc. which are noxious and hazardous. The first requirement of the area is that such industries and trades should be shifted on priority to the extensive industrial areas and areas specifically earmarked for these trades.

The Walled City for improvement in environment needs shifting of wholesale godowns to the whole-sale & warehousing areas and dairies to areas in the rural use zone. The wholesale fruit and vegetable market i.e. Phool Mandi should also be shifted.

In the period 1961—81 there has been a spurt of whole-sale and other commercial activities in the Walled City. There is every danger that whole of Walled City in due course of time may get converted into a fully commercial area thus completely destroying an area of important urban heritage. Also it may not be possible to shift and to relocate the existing commercial activities, but it is extremely important that the commercial activities should be limited to the present Refer clause 9 of the development code in chapter-II.

There are about 1.5 lakh commercial and industrial establishments, in the Walled City. During the period 1961 commercial use in the Walled City was restricted to north of Khari Baoli for wholesale business, north of Chandni Chowk for general business & commerce and within the retail business centre of Lajpat Rai Market. Presently, the trade and

commerce activity has intruded practically in all the residential areas in the Walled City. Out of 240.69 hectares of organic growth under buildings, 98.34 hectares i.e. 40 per cent is under commercial and industrial use. It is absolutely necessary to delimit the non-residential activities to the present level to effectuate the conservation.

#### (ii) Upgrading of Physical and Social Infrastructure

Although water supply lines and sewer lines are available in all parts of the Walled City, but still about 25 per cent of the houses are without municipal water supply and about 50 per cent of the houses are without municipal sewerage connection. It would be desirable to make water supply and sewerage connection in the Walled City compulsory. To keep this densely built part of the city clean, penal action could be introduced to stop spillage of water, etc. from pipes or openings on to the street. The social infrastructure could be provided through re-development of Katras.

#### (iii) Traffic and Transportation, Management and Regulations

The Walled City has large volume of slow moving traffic for which re-introduction of tramways would be suitable at routes like Chawri Bazar, Chandni Chowk, Shradhanand Marg and Asaf Ali Road. Introduction of tramways would necessitate provision of parking garages at Ajmere Gate and Red Fort. In addition to the introduction of trams, the following measures are to be implemented for regulation of traffic.

(a) Buses and motor cars be allowed on the two major roads i.e. road between Delhi Gate and Kashmere Gate and other between Mori Gate and Koria Bridge passing in front of the railway station.

(b) Cars shall not be allowed inside the Walled City from the roads given in (a) above and shall be parked at specific points.

(c) Two goods terminals shall be developed on Mori Gate and Ajmere Gate where goods shall be carried by light trucks or tempos; from these terminals goods would be taken to their destinations in the Walled City by battery driven vehicles. All animal driven vehicles should be phased out.

#### (iv) Conservation and Restoration of Historical Buildings

There are 411 Historical monuments, sites and buildings identified by Archaeological Survey of India within the Walled City. Out of these, only 42 monuments including Red Fort (32 monuments) and Jama Masjid are protected. All the monuments and old religious buildings, as identified by the Archaeological Survey of India, during reconstitution of Walled City should be treated suitably.

#### (v) Revitalization of Residential Area

At present out of a total area of about 568 hectares, 180 hectares is under residential use. Out of which only 145 hectares is in the form of organic growth for residential use. The rest of the area has either been redeveloped during the Colonial Rule or has been invaded by uses other than residential. Even if it is possible to revitalize 145 hectares of organic development as living residential area it would be of no less value.

The revitalization should be taken up keeping in view the traditional character and style of the buildings. For the general houses, the repair may be permitted within the existing architectural framework. The katras may be re-developed to rehabilitate the occupants and provide multifacility buildings.

For conservation of the Walled City to be successful, in the overall perspective, city's network as existing and the characteristics of urban and street scape should be taken care in the conservation of existing residential character.

Walled City Extension : Areas like Pahar Ganj, Sadar Bazar and Roshnara Road are old congested built up areas mainly with mixed land use. These areas have very serious problem of traffic congestion, inadequate physical and social infrastructure, lack of open spaces. Conservative surgery would be necessary in these areas to provide the minimal

level of infrastructure. The urban renewal schemes for these areas should have physical and socio-economic inputs with conservative surgery as planning tool. The wholesale market of Sadar Bazar could be redeveloped at the same location with necessary infrastructure required for wholesale trade.

Re-settlement colonies : Immediate need of the re-settlement colonies is individual services i.e. water, sewerage and electricity. Regular sewerage may not be possible immediately in many areas because of non-availability of connecting line or financial constraints. In such cases the low cost sanitation through Two Pit method on individual or collective basis should be adopted. Non-Government Organisation, which come forward for establishment of adult literacy centres, creche, balwari and likewise institutions should be encouraged to supplement the social action of the concerned government departments and the housing agencies. The capabilities of the families for increasing income need should be constantly explored; suitable provisions made within or near these settlements and monitored.

Unauthorised Colonies : Any Planned development needs discipline which seems to be lacking in this sort of building activity taking place in the city. More than about 600 unauthorised colonies, existing in the city, which have so far been considered for regularisation, are result of this. The present method of regularisation may not be helpful in improving the low level of physical environment existing in these colonies. For improvement of physical and social infrastructure, the house owners in these unauthorised colonies should be asked to form into societies and these societies should come forward with plans for improvement of the target group. This is likely to improve the present state of affairs.

Urban Villages : Presently there are 106 Villages within the urbanisable limits, more villages would be added into the urban area because of its extension. The settlements having a completely different life-style for centuries are now getting merged into the urban environment and need a sensitive treatment in the planning and development process. The settlements should get the modern services and amenities and should also be catered for their traditional cultural styles.

Lutyen's New Delhi : Residential area in New Delhi specially in the south of Rajpath has very pleasant environment. At present the area comprises of large residential plots with detached residential units. This area is unique in its continuing existence at very low density in the heart of city.

For the re-development of this area, certain studies were conducted by the Design Group of the New Delhi Redevelopment Advisory Committee with a view to redensify the area and conserve the environment. These studies should be further refined so that the tree studded character of the area is not disturbed. Similar study should be conducted for the Civil Lines area.

In general it would be desirable to take up all the existing developed residential areas one by one for environmental improvements through (i) plantation and landscaping (ii) provision of infrastructure-physical and social and proper access where lacking (iii) possibility of infrastructure management of the last tier through the local residents.

#### WORK CENTRES

##### Industry

There are at present, about 46000 industrial units 77 per cent are with less than 10 workers and 16 per cent are with workers between 10 to 20. By 2001 the number of industrial units would increase to about 93,000. The percentage of work force in the industrial sector has been constantly increasing. There has been considerable change in the industrial structure of the city in the past three decades and more so in the last five years. The following two types of industries which are present need based have grown more rapidly.

(i) Electrical and Electronics

(ii) Rubber, plastic and Petroleum products.

According to the existing regulations, a large number of existing industries would be non-conforming located, as they are in the residential and commercial use zones. Thus the question of conforming/non-conforming and overall compatibility of industries in the city has been studied.

New industrial units shall be permitted in different use zone as per conditions prescribed in Annexure III—Classification of industries. For the existing industrial units in different use zones, it is recommended as follows :

(a) Industries of the types specified in Annexure IIIA with maximum of 5 workers and 1 kw power are compatible in the residential areas and may be allowed to continue. New industries of this type could also be permitted in residential areas.

(b) Industrial units of types specified in Annexure III F and any other industry with 20 or more workers would be incompatible in residential, commercial and non-industrial use zone. These should be immediately shifted (Maximum period 5 years).

(c) Industrial units of types specified in Annexure III B, C, D & E with 10-19 workers but non-conforming as per Annexure III may continue to operate in residential and commercial use zones and should be reviewed after five years, giving them full chance during this period for relocation. Only compatible new industrial units shall be allowed in the residential or commercial use zones as in Annexure III.

(d) Industrial units of types specified in Annexure III B, C, D & E upto 9 workers but non-conforming as per Annexure III may continue to operate in residential and commercial zones and should be reviewed after 10 years after giving them chance during this period for relocation, after units in 'C' above have been provided for.

(e) Industrial units of types given in Annexure IIIH are not permitted in the Union Territory of Delhi.

There are 82 water polluting industrial units in Delhi. These units should make individual/joint arrangements for treatment of the effluent. About 30 per cent of these units which are located in other areas should be immediately shifted to the industrial areas.

Industrial area redevelopment schemes for the following industrial clusters should be prepared after proper survey and appraisal. Industrial units which are safe and in conformity with use zone could be regularised after upgrading the environment :

(1) Anand Parbat	Light Industrial Area
(2) Shahdara	Light Industrial Area
(3) Shamaipur Badli	Extensive Industrial Area

The regularisation of each industrial units shall be on individual merits. The land tenure could be decided while taking up the regularisation of these schemes.

With the above stated recommendations for existing industrial units: (a) about 5,000 industrial units which are of nuisance, noxious and hazardous type, shall have to be shifted within five years to planned industrial areas.

(b) about 25,000 industrial units would be offered plots in urban extensions in areas to be earmarked for industrial use and situation reviewed after 5 and 10 years.

Industrial activity in DUA 81 shall be conducted at the following locations in the prescribed use zones as indicated in the land use plan

(i) Light Industry—Flatted Factory and Service Industry.

Jhandewalan, Birla Mill Site on G.T. Road, Near Shankar Market DCM, Anand Parbat, Kirti Nagar, Near Pusa Institute.

(ii) Light Industry—Service Centres (Refer Annexure I).

(iii) Light Industrial Estates—Motia Khan, Shahzada Bagh, Jhilmil Tahirpur, Kirti Nagar, Anand Parbat, G.T. Road (Shahdara), Kesho Pur, Badar Pur, Gulabi Bagh, Hindustan Prefab (Bhogal), Okhla Industrial Area, Mathura Road, Naraina, Delhi Milk Scheme, Wazirpur, Lawrence Road, GT Road, Moti Nagar, Govt. of India Press, North of Railway Line to Rohtak and Rohini (2 Pockets).

(iv) Extensive Industrial Estates Chilla, Okhla, Najafgarh Road, Mayapuri, Rohtak Road, Patparganj, South of Jhangirpur, Mother Dairy, Shamaipur Badli.

In the next two decades, to meet the expanding need of industrial units, 16 new light industrial areas (Total area about 1533 ha) would required to be developed in Urban Extension; each industrial area shall have upto 5 unit industrial estates (for short UIE) of about 20 ha each for specific types as given below:

#### Group I

(a) Cotton, Textile, Wool Silk & Synthetic Fibre, Textile product	} 11 UIEs each
(b) Furniture, fixture, other wood & paper product	

#### Group II

(a) Electrical & Electronic Appliance	} 11 UIEs each
(b) Leather & Fur product Rubber, Plastic & Petroleum Product	

#### Group III

Metal and Metal product, Alloy, Machine, Tools, Transport Equipment & Parts and Misc. Products	26 UIEs each
--	--------------

Five UIE shall be for specific industrial activities i.e. two UIEs each for (i) Food and (ii) Chemicals and chemical products. The NIEs for food shall be fully segregated from all sides through a green buffer of about 100 metres to keep these away from the road dust. One UIE shall be developed for computer industry.

In DUA 81, Industrial area with specific types of industries permitted therein are as given below:

Industrial areas	Type of industries permitted
1. Lawrence Road	Food products
2. Wazirpur	Group-I
3. Naraina Phase-I	Group-II
4. Naraina Phase-II	Group-I
5. G. T. Karnal Road	Group-I

The light and extensive industrial areas which have not been assigned any specific type could be used for locating all types of industries permitted in these zones.

Extensive industrial activity in Urban Extension shall be confined within about 265 ha. area at two locations. These areas shall be mainly utilised for shifting of existing incompatible industrial units and location of some new industrial units.

## TRADE AND COMMERCE

### Retail Trade

Shopping areas are very important and these create an image of the city. These areas should cater to varying day-to-day shopping needs as well as casual and impulsive shopping. In the city of Delhi, informal sector plays a very important role which needs to be recognised. This sector which is generator of employment remains at low productivity in the absence of proper infrastructure. It is possible to create lively shopping areas integrating informal sector.

At present Delhi has about one lakh retail shops at the rate of 18.25 shops per thousand population. These are located in about 100 markets, of varying size and character, scattered all over the city. Also about 1.39 lakh informal sector retail units (without roof) are working within these shopping areas along road-side and other points of public concentration. Delhi has the tradition of weekly markets and at present there are 95 weekly market sites (1.8 weekly markets for 1 lakh population) with about 6,000 daily shopping spaces; these markets work once in a week at one place and the entrepreneurs keep moving to different places on different days of the week. The retail shopping centres are varying from the temporary ones in the sub-urban area to Palika Bazar—the most fashionable one in the city or say unique in the whole of North India. Additional population of about 28 lakh in DUA 81 would require 44,200 retail shops; (average area of a shop to be about 26 sqm.) Urban Delhi has at present about 38.6 lakh sqm. of commercial office space for additional employment 24.72 lakh sqm. space is required within DUA 81 and 28.44 lakh sqm. in the Urban extension.

To accommodate required shopping, commercial offices, offices for undertakings and other related activities like cinema, hotel and needed facilities the following five tier system of commercial are as is to be generally followed:

Level	Name	Population Served
I	Central Business District (including sub-Central Business Distt.)	City (including sub-city)
II	District Centre	4,00,000 to 7,00,000
III	Community Centre	60,000 to 100,000
IV	Local Shopping	15,000 to 20,000
V	Convenience Shopping.	5,000 to 6,000

#### Central Business District :

Central Business Districts (CBD) are at the apex in the hierarchy of the commercial centres working at city and regional level. The existing areas functioning as CBD are:

- (i) Old City
- (ii) Asaf Ali Road
- (iii) Connaught Place and its Extension (Metropolitan City Centre).
- (iv) Karol Bagh

Old City, Asaf Ali Road and Karol Bagh, now form part of the area designated as special area and to be developed as per special regulations given in the development code.

Connaught Place and its extension shall be developed as per the approved Development Plan of the Metropolitan City Centre with the condition that a design study should be conducted in relation to decentralisation of its activities.

#### Sub-Central Business District

Two Sub-Central Business Districts at sub-city level are proposed for development by 2001, one in the Trans-Yamuna area and other to be in the Urban Extension. These shall be developed as per the land allocation given below:

Shahdara Urban Ext.		
	(Area in Hectares)	
1. Wholesale Trade	10.0	..
2. Retail Trade	13.3	17.0
3. Offices	6.6	17.0
4. Service Centre	2.0	3.0
5. Hotel	2.0	6.0
6. Cultural Centre	2.0	4.0
7. Public Facilities	2.5	6.0
8. Open Space (for design flexibility)	9.6	13.0
<b>Total</b>	<b>48.0</b>	<b>66.0</b>

Trans-Yamuna area has more than one million population as per 1981 Census. By 2001 the Sub-CBD shall cater to a population of about 17 lakh and should be developed on priority.

#### District Centres

Three district centres, namely Nehru Place, Rajendra Place and Bhikaji Cama Place have been almost fully developed and three others, namely Janakpuri, Laxmi Nagar and Shivaji Place are in the process of development. Major part of Jhandewalan was developed even prior to 1962, and part of it is under development at present. The land allocation for these district centres is given below:

District Centre	Area in Hectares
Nehru Place	38.20
Rajendra Place	9.31
Bhikaji Cama Place	14.16
Janakpuri	14.97
Laxmi Nagar	12.95
Shivaji Place	22.60
Jhandewalan	12.97

In Nehru Place 4 hectares area which was proposed for Govt. offices during the period 1961—81 is now recommended to be developed as retail shopping on 30 per cent coverage and 75 Floor Area Ratio (FAR) Besides the above

seven district centres, 20 other district centres would be required to be developed by 2001 as per the area programme given in the following table:

#### LAND REQUIREMENTS FOR DISTRICT CENTRES—2001

Sl. No.	District Centre	Land in Hectares								Total
		Wholesale	Retail	Office	Service Centre	Hotel	Cultural Centre	Facility	Land Scape	
<b>DUA—81</b>										
1.	Saket	..	6.2	7.7	..	2.0	..	2.5	4.6	23.0
2.	Rohtak Road	10.0	5.9	2.0	..	2.0	..	2.5	5.6	28.0
3.	Paschim Vihar	..	4.3	3.6	..	..	..	2.5	2.6	13.0
4.	Wazirpur	5.0	7.8	7.5	..	2.0	..	2.5	6.2	31.0
5.	Shalimar Bagh	..	4.0	2.0	..	..	..	2.0	2.0	10.0
6.	Jahangir Puri	..	6.9	7.8	..	2.0	..	2.5	4.8	24.0
7.	Khyber Pass	..	4.7	2.0	..	2.0	..	2.5	2.8	14.0
8.	Dilshad Garden	..	2.0	2.3	..	2.0	..	2.5	2.2	11.0
9.	Eastern Yamuna Canal	..	3.0	4.1	..	..	..	2.5	2.4	12.0
10.	Shahdara	..	3.2	2.0	..	..	..	2.0	1.8	9.0
11.	Mayur Vihar	..	2.8	5.5	..	2.0	..	2.5	3.2	16.0
12.	Rohini	10.0	11.0	7.0	1.5	2.0	2.0	2.5	9.0	45.0
13.	Mangol Puri	..	4.9	4.4	1.0	2.0	2.0	2.5	4.2	21.0
14.	Auchandi Road	..	4.9	2.0	1.0	2.0	2.0	2.5	3.6	18.0
<b>SUB-TOTAL</b>		<b>25.0</b>	<b>71.6</b>	<b>59.9</b>	<b>3.5</b>	<b>20.0</b>	<b>6.0</b>	<b>34.0</b>	<b>55.0</b>	<b>275.0</b>
<b>URBAN EXTENSION</b> (Six District Centres)		<b>40.0</b>	<b>91.1</b>	<b>93.6</b>	<b>9.8</b>	<b>12.0</b>	<b>12.0</b>	<b>15.0</b>	<b>68.5</b>	<b>342.0</b>
<b>GRAND TOTAL</b>		<b>65.0</b>	<b>162.7</b>	<b>153.5</b>	<b>13.3</b>	<b>32.0</b>	<b>18.0</b>	<b>49.0</b>	<b>123.5</b>	<b>617.0</b>

#### Community Centre (CC)

There would be 82 Community Centres in the DUA and 40 in the Urban Extension. The community centres in urban extension are proposed to be expanded along the roads as street shopping on the pattern of tradition shopping. The shopping shall be segregated from the main street by three to four rows of the plantation and shall be served

by linear parking strips. Some of the community centres, however shall be of integrated type.

During the period 1961—81 Community Centres were mainly provided for retail shopping, commercial and professional offices. The need of fruit and vegetables and service and repair shops should also be integrated. The community centres in the urban extension and those not developed in DUA-81 should be developed on the norms as given in the following table to provide the needs of the community:

	Total	Retail and commercial centre	Fruit and vegetable Market	Service and Repair Centre
<b>DUA 81</b>				
—Land per 1000 persons in sqm	437	361	17	59
—Formal shops per 1000 persons	3.23	2.68	0.30	0.25
—Informal shops per 1000 population	1.79	1.07	0.60	0.12
—Other Uses		Cinema, Office		Petrol pump, Electric sub-station, office
<b>URBAN EXTENSION</b>				
—Land per 1000 persons in sqm	542	453	22	67
—Formal shops per 1000 persons	3.65	2.95	0.40	0.30
—Informal shops per 1000 persons	2.13	1.18	0.80	0.15
—Other Uses		Cinema, Office, Hotel		Petrol Pump, Electric sub-station, Gas godown

**Local Shopping Centre and Convenience Shopping Centre**

These are not marked on the Land Use Plan and shall be indicated in layout plans and developed on the following norms:

**(A) Local Shopping Centre**

	Total	Retail & Commercial Centre	Fruit & Vegetable Market	Service & Repair Centre
DUA 81				
—Land per 1000 persons	238 sqm		183 sqm	55 sqm
—Formal shops per 1000 persons	3.36	2.41	0.30	0.65
—Informal shops per 1000 persons	1.88	0.96	0.60	0.32
—Other Uses		Office		Electric Sub-station

**URBAN EXTENSION**

	Total	Retail	Fruit & Vegetable	Service & Repair
—Land per 1000 persons	261 sqm		195 sqm	66 sqm
—Formal shops per 1000 persons	3.70	2.45	0.40	0.85
—Informal shops per 1000 persons	2.20	0.98	0.80	0.42
—Other Uses		Office		

**(B) Convenience Shopping Centre**

	Total	Retail Shops	Fruit & Vegetable Shops	Service & Repair Shops
DUA 81				
—Land per 1000 persons	171 sqm		171 sqm	
—Formal Shops per 1000 persons	3.48	3.08	0.40	
—Informal shops per 1000 persons	2.34	1.54	0.80	
URBAN EXTENSION				
—Land per 1000 persons	228 sqm		228 sqm	
—Formal shops per 1000 persons	4.70	4.10	0.60	
—Informal shops per 1000 persons	3.25	2.05	1.20	

Special attention is required for the low turnover shops like fruit and vegetable, service and repair. In the last two decades, most of these came up in unauthorised manner. To avoid continuance of this situation land has been allocated for these shops in commercial centres and also specific areas have been earmarked in the land use plan in DUA 81 for service centres.

**Wholesale Trade**

There are about 24,600 wholesale shops and establishments in wholesale markets in Delhi. About 12,000 commodity handling shops (at the rate of 2.21 per 1,000 population) have been actually enumerated. Most of the wholesale markets are located in the congested central part in Old Delhi and were established during the late 19th century and early 20th Century. The survey of goods movement revealed that out of total inward traffic (exclusive of by pass) 25 per cent had destination in Division 'A'.

The wholesale markets are dealing with 27 major commodities. The largest wholesale trade based on the number of shops is textile and its products located in Chandni Chowk and Malwara, followed by auto-parts and machinery located in Kashmere Gate area. Rankwise other wholesale commodities are fruits and vegetables (Azadpur Market), hardware and building materials (Chawri Bazar, Shradhanand Marg), paper and stationary (Chawri Bazar and Nai Sarak), food items (Khari Baoli) and iron and steel (Naraina).

To develop modern wholesale markets, these should be integrated with the freight complex where the wholesale business could be operated more efficiently in a better environment. Basic functions of the integrated freight complex are:

- to provide facilities for regional and intra-urban freight movement.

(ii) to provide facilities for freight in transit as well as interchange of mode.

(iii) to provide warehousing and storage facilities and inter-link these sites with specialised markets like iron and steel and building materials; hosiery, plastic, leather and pvc; auto motor parts and machinery; fruits and vegetables.

(iv) to provide servicing, lodging and boarding, idle parking, restaurants and other related functions in the complex.

The integrated freight complexes discharge functions at regional and metropolitan level. Local wholesale markets of medium size are required to enable distribution of commodities from these complexes to the retail outlets. Such local markets also need to be dispersed throughout the city. These should have parking, repair and servicing facilities and could be either integrated with the commercial centres or provided separately at the selected number of nodes or lines of movement.

The new wholesale markets need to be developed at suitable locations in different parts of the city to encourage decentralisation at two levels:

- Regional distribution and
- Regional cum local distribution.

In case of existing developed areas, wholesale markets which are hazardous in nature like plastic and pvc goods, chemicals, timber and petroleum and its products, should be shifted to the areas specifically assigned for these.

In old city wholesale markets, all unauthorised encroachments/projections on roads/government land should be removed to facilitate easy movement of traffic and only limited entry to the slow and fast moving vehicles provided. Further extension of the wholesale activity in the existing markets may be totally stopped.

## Specific Proposals for New Markets

(a) Regional Distribution Markets Regional wholesale markets along with warehousing and truck terminal facilities are proposed to be developed on the major entry routes to Delhi as given below:

(i) in the East near Patparganj and on Loni Read;

(ii) in the South near Madanpur Khadar.

(iii) in the South-West in Urban Extension.

(iv) in the North in Urban Extension.

The break up of land requirement by different commodities at various locations is given below:

Sl. No.	Commodity	LOCATIONS					Total Area
		East	South	South West	North		
		Patparganj	Loni Road	Madanpur Khadar	Urban Extension	Najafgarh	Urban Extension
<b>(a) MARKETS WITH WAREHOUSING</b>							
1. Textile & Textile Product	9	..	28	26	..	7	70
2. Auto, Motor Part and Machinery	13	..	..	11	..	20	44
3. Fruit and Vegetable	..	20	9	24	..	..	53
4. Hardware and Building Material	5	13	18	12	..	5	53
5. Iron and Steel	5	..	10	5	..	5	25
6. Food Grain	11	..	9	..	8	5	33
7. Timber	18	19	23	16	..	37	113
8. Plastic, leather and PVC	10	..	..	..	..	10	20
<b>Total</b>	<b>71</b>	<b>52</b>	<b>97</b>	<b>94</b>	<b>8</b>	<b>89</b>	<b>411</b>
<b>(b) TRUCK TERMINAL</b>							
<b>GRAND TOTAL</b>	<b>131</b>	<b>52</b>	<b>147</b>	<b>144</b>	<b>12</b>	<b>144</b>	<b>630</b>

To bring in decentralisation in the wholesale trade, new markets, specially space extensive should be located in the towns of Delhi Metropolitan Areas as given below:

- (i) Ghaziabad—Iron and Steel
- (ii) Faridabad—Motor Part and machinery and iron and steel.
- (iii) Gurgaon—Motor part and machinery and building material.
- (iv) Kundli—Fruit and Vegetable, timber and building material.
- (v) Loni—Building material and timber.

Further, Ambala/Saharanpur is the suitable location for a large wholesale market for Apple.

(b) Regional-cum-Local Distribution Markets.

Delhi in fact, is one metropolitan city but has become an agglomeration of cities. Eleven regional-cum-local wholesale markets as secondary wholesale markets are recommended to be developed. These markets shall be mainly for the products with the area requirements as given in the following table:

Commodity	Whole-sale Shops	Land need (Hectares)
1	2	3
1. Paper, Stationery & Books	1317	7.30
2. General Merchant	1207	13.30
3. Bicycle, Tyre & Tube	917	5.00
4. Electrical	904	5.00
5. Chemical	815	12.00
6. Scrap material	712	7.90
7. Leather, Fur, Skin and wool	618	7.60
8. Other metal products	598	9.90
9. Other Food items	513	9.60

1	2	3
10. Radio, Tape & accessories	466	2.50
11. Cosmetic & toiletries	449	2.50
12. Furniture & Fixtures	413	6.00
13. Dry Fruit & Spices	330	5.80
14. Crockery & Utencil	317	5.00
15. Watch & Opticals	154	0.80
16. Medicine	76	0.40
17. Surgical & Scientific instrument	62	0.60
18. Other commodities	618	0.40
<b>Total</b>	<b>10513</b>	<b>107.00</b>

Regional-cum-Local Markets are proposed as under:

(a) DUA 81

Population 82 lakh in 2001)

(i) Sub-CBD (Shahdara)

South

(ii) Okhla

West

(iii) Rohtak Road District Centre

(iv) Shivaji Place District Centre

North

(v) Wazirpur District Centre

(vi) Rohini District Centre

(b) Urban Extension

(Five markets of 10 ha each for 40 lakh population)

## Storage of Oil and LPG Gas

Shakurbasti Depot being in the densely inhabited area should be shifted to a site about 13 km. away between Ghevra and Tikri Kalan which shall be a major storage site for white oil, black oil and LPG. The existing LPG plant at Shakurbasti should be shifted as early as possible.

Bijwasan, which is an existing oil terminal near Delhi Airport should be contained within the area already allotted for this purpose. At most, it may be allowed to expand by about 8 ha. by adding a land lying between the existing terminal and the Delhi Airport boundary. Bijwasan shall be major storage depot for white oil.

Third major oil terminal site should be developed near Holambi Kulan on Delhi-Ambala railway line in the beginning of next decade i.e. in 1991. This site could be connected to the existing oil pipe line through a 8 km. pipe link. This storage depot shall be mainly for white oil and LPG.

Two road based LPG depots are proposed to be developed, one in South-East Delhi in the East of Agra Canal near Road No. 13 and second in the North along Road No. 50. Agra Canal site could be developed immediately.

A site measuring about 10 ha. adjoining to the Badarpur Thermal Power Station would be suitable to be developed exclusively for black oil by providing Railway siding to this site.

## Government Offices

Public Sector employment in Delhi at present is 5.42 lakh (i.e. 27.92 per cent of total work force) with an average growth rate of 4.56 per cent in the last two decades and is distributed as under :

	Employ- ment (in lakhs)	Average Annual Growth Rate (1961—81)
Central Government	2.26	2.77%
Quasi Government	1.41	9.73%
Delhi Administration	0.58	4.29%
Local Bodies	1.17	6.86%

The Quasi-Government employment is increasing at an alarming rate. 24.8 per cent of the Central Government Undertaking have head offices and 22.6 per cent have liaison Offices in the City. This alongwith the regional wholesale are the major sectors attracting migration to Delhi. The data of last two decades indicates that Central Government employment has a constant proportion to all-India Population (0.47 per cent) though Delhi's share has increased from 6.8 per cent of the total of Central Government employment in 1961 to 7.14 per cent in 1981.

Only such new central government offices which directly serve the ministries of the Government of India and only the liaison offices of the Undertakings should be located in Delhi. The Quasi-Government employment needs to be judiciously distributed in the regional towns and the counter magnets as part of the National Capital Region.

For balanced development at regional level and sub-regional level the employment in Central Government and Quasi-Government Undertakings should be restricted. The

growth rate between 1981-2001 in public sector have been assumed to be as given below:

	Employ- ment 2001 (in lakhs)	Average Annual Growth Rate 1981— 2001
Central Government	3.16	2.67%
Quasi Government	3.84	5.14%
Delhi Administration	1.53	4.97%
Local Bodies	2.41	3.68%

Inspite of lower growth rate proposed for Quasi-Government employment in Delhi, the total employment in this sector would overtake Central Government employment around 1995. 3.16 lakh Central Government employment proposed for the year 2001 has been provided at the following locations along the ring railway. It would help the transportation system and also a convenient journey to work for Central Government employees.

	Area in ha.	Employ ment
1. I.N.A.	4.00	5,000
2. Safdarjung Railway Station	54.00	67,875

20. ha. area for government offices is earmarked in Saket, where a large Central Government housing complex has been developed. While the specific locations have been earmarked for the Central Government offices, the Quasi-Government offices shall be accommodated in the commercial centres i.e. Community Centres, District Centres and Central Business Districts.

Major Delhi Administration Offices are located in Old Secretariat which is a historical building and should be conserved. Barracks area adjoining to the Old Secretariat would be redeveloped to accommodate additional Delhi Administration Offices.

Presently District Courts are located at one place i.e. Tis Hazari. Land has been earmarked for District Courts in 4 more locations to accommodate district courts and allied Delhi Administration and DDA offices.

- (i) Near Saket District Centre—7 ha.
- (ii) Near Sub-CBD Shahdara—3 ha.
- (iii) Junction of Outer Ring Road and Western Yamuna Canal—3 ha.
- (iv) Near District Centre in South West (UE)—3 ha.

In fact, major part of the Local Bodies employment and Delhi Administration employment would be accommodated in the public and semi-public facility areas. New headquarters of the Municipal Corporation could be housed on the proposed civic centre site on circular road opposite Ram Lila Grounds.

## Transportation

Delhi is the converging point of five railway lines and nine roads of which five are National Highways. Unless strong measures are taken in the structuring of the ring towns in the National Capital Region and the regional railway and road linkage are developed which will create an environment for development in the NCR, the convergence of the existing transportation systems will create enigmatic conditions in Delhi. The structure of Delhi Urban Area within the Metropolitan Region is in peculiar State because a number of programmes and

developments that are in pipeline in the towns at the periphery of the Union Territory will have a profound effect on the city. Further, at the level of Delhi Urban Area, the problem is serious due to the size, magnitude and number of the CBD functions which need decentralisation.

#### Intra-city passenger movement

Hitherto, transportation planning in Delhi has aimed at minimising the gap between demand and supply by increasing the capacity of the urban transport plan involving projection of past trends which has been snow-balling towards increased supply of roads for the automobile traffic. The problems of the vast majority of the population relating to bicycles and public mass transportation system, movement in the Old City and pedestrian movement all over the city remain to be attended. An environmentally and economically acceptable approach to resolve the transportation problems of the city need to be based on innovations both in technique and technology. The need of the city is to reorganise and restructure its activity transportation fabric in the light of all options and choices. Thus, the fundamental goals of the plan for Transportation are:

- (a) To establish a reliable, efficient and attractive multi-modal public transportation system;
- (b) To generate conditions for safe usage of bicycles;
- (c) To establish a reasonable freedom to automobile traffic;
- (d) To establish safe pedestrian movement; and
- (e) To encourage innovative management technique to resolve problems of critical areas.

During the last two decades there has been considerable change in the modal split. Since 1957, modal trips through public transport including chartered buses have increased from 24.26 to 59.70 per cent. Of course, Delhi Transport Corporation (DTC) buses are the major public transport mode. There is rise in per capita modal trips from 0.466 in 1969 to 0.722 in 1981. Trips projections for the year 2001 are:

Total person trips—186.40 lakh

Walk trips—69.77 lakh

Vehicular trips—116.63 lakh

#### The Proposed Multi-Modal

#### Transport System:

Keeping in view the physical forms obtainable in the existing Urban Area like Old Delhi, New Delhi and new developments, it is logical to state that a single mode of transport cannot effectively serve the needs of the city. Accordingly, a multi-mode system suitable for the over-all structure of the city and at the same time inter-linking the various sub-structures is proposed. For the existing urban areas, it is envisaged to consist of the electrified ring rail, bus transport and light rail transit on a select number of corridors.

#### Ring Rail

The ring rail has been carrying 9,000 passengers per day in 1981 before the electrification. It was electrified during Asian Games in 1982 but after the introduction of Electric Multiple Units the passenger movement on the ring rail in fact has decreased. There could be number of reasons for the ring rail carrying less passengers than anticipated, but one of the reason is uncomplimentary land uses in the area along the ring.

Land uses along the ring rail are required to be restricted mainly in the following areas:

- (i) Anand Parbat
- (ii) INA Colony
- (iii) Pusa Institute
- (iv) Kirti Nagar

#### Light Rail Transit (LRT)

Another mode proposed for the intracity passenger movement is the light rail which has got a capacity upto 20,000 passengers per hour. It is a medium capacity passenger transport system compared to the Underground Rapid Transport; but its cost index is about one tenth. It is electrically propelled rail vehicles operating singly or in trains. LRT takes advantage of unique feature of rail technology; although guided, it can have grade crossings and even run on streets. LRT has the ability to share and utilise all types of right of way on the same route and yet have the advantage of the guided technology, high capacity, high labour productivity, comfortable ride. Its performance characteristics like lower noise level, absence of exhaust fumes and a better safety record make LRT more compatible with pedestrian environment than buses. The light rail system is an alternative to the bus system wherever a high capacity movement is required. In the existing Urban Area and in the Urban Extension, about 200 kilometres of light rail would be required by the year 2001. Major corridors recommended are:

- (a) Vivek Vihar to Najafgarh Road along Vikas Marg, ITO, Panchkuin Road, Pusa Road, Rajendra Place, Patel Road.

Corridors along New Rohtak Road from Faiz Road to Zakhira and from Panchkuin Road, Link Road, Pusa Road, Patel Road and linking Ring Road shall have very high intensity of movement towards later part of the plan period and a study to provide underground rapid transit system along this part may be conducted.

- (b) From Mehrauli-Badarpur Road to GT Road (new Sabzi Mandi) along Lal Bahadur Shastri Marg, Malhura Road, Exhibition Ground, Ring Road, ISBT, Sham Nath Marg and Mall Road.
- (c) From Najafgarh to Dhaula Kuan along Jail Road and Station Road.
- (d) From Palam Airport to Khyber Pass along Gurgaon Road, Dhaula Kuan, S.P. Marg, Faiz Road and Rajpur Road.
- (e) Dilshad Garden to Rohini along Eastern Yamuna Canal, new bridge at ISBT, Mall Road and Road No. 41 leading to Rohini.

#### Tram

For the central congested area of the Walled City, re-introduction of tram along select number of routes i.e. Chandni Chowk, Esplanade Road, Chawri Bazar and Asaf Ali Road (10 kms) is recommended. Introduction of trams in this area would be supported by a restraint on the use of private modes of transport and provision of parking at interchange points. This would be necessary in order to revitalize the area and improve its environmental quality. The introduction of tram is based on the following:

- (a) Characteristics of the traffic on various roads of Walled City show a continuous flow of traffic at low speed. To suit the characteristics, a high capacity and low speed mode e.g. trams at high frequency will prove useful.
- (b) Being on fixed track, tram can maintain a high frequency than buses because headway between the two cars can be minimised.
- (c) The modern trams are almost free of noise pollution.
- (d) The trams can carry over 10,000 persons per hour.

#### Bus

It is desirable that the route pattern of the existing bus transport system is restructured from its present pattern wherein it focuses on the central area than on to the peripheral roads. At the same time, emphasis for bus transport from the existing Ring Road should be reduced with a view to making the ring rail effective. This will require

planning and introduction of feeder services which inter-connect the ring rail with residential areas. It is desirable that on the existing road network of Delhi, the number of public transport buses operated by DTC are increased marginally, the level of service for vehicle movement is improved wherever need is identified and on priority, higher capacity system like the light rail is introduced.

#### Bicycle

There are a number of ways to resolve the cycle problem to provide a safe environment; (i) fully segregated cycle tracks to be provided by adjusting existing road sections and making use of the 'nallahs'. The cycle tracks inter-connect trips production and attraction areas. (ii) Partially segregated cycle routes are proposed along traffic corridors where the existing physical conditions pose difficulties. (iii) In other existing areas like the Walled City, Sadar Bazar and Karol Bagh, conditions for cycle movement can be improved by traffic management measures.

Four major cycle tracks proposed are

(a) From Mehrauli-Badarpur Road ITO (along Chirag Delhi drain and Mathura Road).

Length of track—5 kms approx.

(b) From GT Road (Shahdara) to Vikas Marg (along the Eastern Marginal Bund).

Length of track—5 kms. approx.

(c1) From Preet Vihar to Connaught Place along Vikas Marg (ITO).

Length of track—10 kms. approx.

(c2) Paschim Puri/Vikas Puri to Connaught Place via Nafagharpur Drain, Patel Road, Rajendra Place, Pusa Road and Panchkuin Road.

Length of track—16 kms. approx.

(d) From Shahdara to Chandni Chowk (along G.T. Road and Old Yamuna Bridge).

Length of track—5 kms. approx.

#### Modal Split

The network is based on the modal split for Delhi—2001 to move 12 million trips as given below:

Mode	Modal Split
Rail	8.57%
Bus/Tram Light/Rail	65.97%
Personalised Fast Mode	12.26%
Hired fast mode	3.27%
Hired slow mode	0.65%
Bycycle	9.28%

#### Inter-City Passenger Movement

#### Rail

Three rail terminals in the metropolitan city of Delhi cater to about 78 thousand passengers daily going out of the city by rail distributed as follows.

Delhi Junction—50,000

New Delhi—25,000

Nizamuddin—3,000

Total incoming and outgoing passengers handled at all the 33 stations including commuters are about 362,000 (192,000 commuters and 170,000 long and short distance passengers) through 261 trains (137 long distance and 124 short distance, i.e. from within the National Capital Region). The intercity passenger movement in Delhi has been growing at about 4 per cent per annum. Projections for 2001 are:

Daily total passengers (185% of 1981)	—672,000
Commuters	—354,000
Long and short distance passengers	—318,000
Total trains	480

To cater to the above passenger movement four metropolitan passenger terminals are proposed, also to serve the DMA.

- (i) Trans-Yamuna area—to cater to population concentrated across River Yamuna in the East. This will cater to part of NOIDA in UP. Population of this area is one million which has been projected to about 1.7 million in 2001.
- (ii) Okhla—to cater to South Delhi. This will also cater to the remaining part of NOIDA in UP after the link road to bridge on Yamuna linking NOIDA is completed.
- (iii) Bharthal—to cater to West Delhi and part of the proposed Urban extension.
- (iv) North Delhi to cater to part of the proposed Urban extension.

Second entry to New Delhi as well as Delhi main railway station was proposed earlier. In case of Delhi main railway station it could not be implemented because of some difficulties. After a study now it is found that it is possible to make an integrated road cum rail terminal by integrating Inter State Bus Terminus with Delhi main railway station. This should be possible by using the land to be made available due to shifting of Delhi College of Engineering.

#### Bus

Following is the projection for interstate bus movement.

Passenger (both ways)	7,25,000
Bus (both ways)	14,000

To cater to the requirements four new inter state bus terminals should be developed, each of 10 ha, within metropolitan railway terminals; besides one exclusive bus terminal should be developed at Dhanla Kuan.

#### Air

The International Airport Authority of India have projected the international air passengers and cargo, domestic air passengers and cargo, at the following rates as recommended by the Committee on Air Transport Policy, Ministry of Tourism and Civil Aviation.

	Annual Growth Rate	2001
International Passengers	12.00%	163 (lakh)
Domestic Passengers	12.00%	191 (lakh)
International Cargo	15.00%	6.4 (tons)
Domestic Cargo	12.50%	7.9 (tons)

The International Airport Authority of India have worked out extension plans for the Palam Airport with a perspective upto 2001; the total land earmarked for the International Airport is about 2260 ha.

The international airport has been linked to other parts of the City and urban extension through the network to facilitate fast movement.

#### Goods Movement

With the expansion of commercial and industrial activities in Delhi Metropolitan Area, the goods movement within urban area and outside has become very serious and formidable. About 20 per cent of the gross annual freight movement to and from Delhi is by rail and 80 per cent is by road. At the national level, 81.2 per cent of freight is by rail and 17.8 per cent is by road.

#### Goods Movement by Rail

- (i) On an average week day 1,000 to 1,050 loaded wagons enter Delhi and about 150 loaded wagons leave the Delhi Metropolitan Area. The total freight handled by the rail is estimated to be in the region of 25,000 tons per day.
- (ii) It has been established that 60 per cent of goods from railway stations have their destination in the Old City and its extension i.e. Sadar Bazar, Motia Khan, Jhandewalan, etc. Presently, the goods are terminating as below:

Iron and Steel	—Tughlakabad and New Delhi Railway Stations.
Food Grain	—Sabzi Mandi, Lahori Gate, New Delhi and Delhi Cantonment Railway Stations.
Coal	—Tughlakabad Railway Station.
Fruit & Vegetable	—New Sabzi Mandi, Azadpur Railway Station.
Industrial	
Raw Materials	—New Delhi Railway Station.
Fuel	—Shakur Basti Railway Station.
Cement	—Safdarjung and Shakur Basti Railway Stations.

It would be seen that still there are some goods terminating at New Delhi Railway Station.

With the restructuring of the land uses, the ring rail presently partially acting as goods avoiding line would have to be fully left for passenger movement by the year 2001. For goods movement, an alternative line joining Delhi-Mathura Railway line with Delhi-Punjab Railway line outside the present urbanisable limits and outside the Union Territories of Delhi would be required to cater to the goods movement by rail.

#### Goods Movement by Road

17,500 trucks (two-third of which are loaded and one-third unloaded) are entering or leaving Delhi on an average week day. 25 per cent of the loaded incoming trucks (about 1650 trucks) are bypassing the city. Of the total truck volume, about 50 per cent is handled by two points namely National Highway No. 2 (Badarpur Octroi Post) and National Highway No. 24 (Shahdara Octroi Post).

Movement of incoming trucks on different highways on an average week day is given as under:

Highway	Rank	No. of incoming trucks	% of total inward flow
National Highway-2	I	1400	21.00
National Highway-24	II	1332	20.00
National Highway-8	III	866	13.00
National Highway-1	IV	833	12.50
National Highway-10	V	466	7.00
Loni-Saharanpur Road	VI	433	6.50
Major roads other than National Highways	..	1332	20.00

It is also evident from the survey findings that more than 50 per cent of the inward freight is again going out of Delhi. The basic problem has been created by this, as it is loaded again to go out for various destinations outside.

#### Projection for Goods Movement

The projections for the goods movement through rail and road has been worked out as under:

##### I. Rail

	1981	2001
Number of Wagons corresponding to which facilities may be planned, projected @ 3% growth rate and two days accumulation	2100	5700

##### II. Road

	1981	2001
Loaded vehicles entering and leaving Delhi Urban Area per day	11965	43194
Empty vehicles entering and leaving Delhi Urban Area per day	5627	20311
Total	17592	63505

#### Integrated freight complex

For the integration of goods movement through road and rail, freight complexes have been recommended. These would consist wholesale market, warehousing, road (trucks) and rail transport terminals so as to curtail the movement of heavy vehicles within the developments. (Also refer section on wholesale markets under Trade and Commerce).

The freight complexes are to be located in a place where they intercept the maximum possible regional goods traffic entering Delhi. Keeping this in view, the sites for freight complexes are :

Madanpur Khadar (NH-2)

Patparganj (NH-24)

Loni Road (NH-24)

G.T. Road (NH-1)

Bhartal (NH-8)

To reduce congestion in the central city areas, it is essential that the envisaged freight complexes are developed in the next two decades.

**Dry Port :**

There is proposal to establish a dry port in the Northern Region. This has been under the consideration of the Government since long. Such an activity would have extensive linkages and thus could create conditions for large number of jobs and would be generating high traffic volumes within and at the periphery of the urban area. This activity could be most suitably located out of the Union Territory of Delhi in the NCR. For its efficient functions on this would require a new rail link in the region connecting Kurjua, Palwal, Rewari and Sonipat.

**Metropolitan Transport Authority :**

The problems of transport of Metropolitan cities are unique. The experience is that multi-modal metropolitan transportation system should be under the charge of single authority for planning, development and enforcement. To run a multi-modal complex transportation system for Delhi, on rational lines, Delhi needs a unified single transport authority as recommended by National Transport Policy Committee.

**INFRASTRUCTURE : PHYSICAL**

The aspects dealt in this section are: (a) water supply, (b) sewerage, (c) power, (d) solid waste management and (e) drainage and channelisation.

The quality of life in a settlement very much depends on the level of availability, accessibility and quality of infrastructure it provides. The rapid growth of population necessitates augmentation of water, power, sewerage, drainage and solid waste management. Analysing the present state of affairs, infrastructure problems could become a cause for a crisis in the Metropolitan life. The sewerage and solid waste management are comparatively internal affairs, but supply of water and power, as well as the drainage are inter-state issues. To reduce the demand, adequate restrictions on population size have been emphasized earlier. Advance action and arrangements for the adequate provision of physical infrastructure would be the minimum effort required.

The existing availability and projected need for water supply, sewerage, power and solid waste is indicated in the following table:

	Water in mgd*	sewer- age mgd	Power in mw	Solid Waste in tons per day
Earlier Target fixed for 1981†	250	200	558	2300
Present requirement	496	397	650	2568
Present availability	103	118		2058
Projection-2001	1127	902	2500	6735

\*Millions gallons per day.

†Gallons per capita per day.

The additional requirement of physical infrastructure in DUA-81 and in urban extension shall be as given below:

Infrastructure	Addi- tional re- quirement	Within DAU-81	Within Union Territory of Delhi
Water supply in mgd	671	366	305
Sewerage in mgd	661	417	244
(If the water is supplied a 80 gcd.**)			
Power in mw	1800	800	1000
Solid waste management in ton per day	4200	2200	2000

The existing infrastructure in DUA-81 shall require complete restructuring because of additional requirements as given in the above table.

**Water :**

Delhi has to depend on river Yamuna for raw water though partial supply of water in trans-Yamuna area is being provided from River Ganga, Tehri Dam in U.P. and Kistau, Lakhwar and Giri Dams in Himachal Pradesh when complete could provide a major share of Delhi water requirements upto 2001. Balance could be met through exchange of waste water from Delhi with Haryana.

To provide additional water supply of 671 mgd, the existing water treatment plants would require augmentation and also construction of a new water treatment plant in North-West by the year 2001 as per the table given below :

Water Treatment Plant	Existing capacity in mgd 1981	Recom- mended capacity in mgd 1983	Recom- mended capacity in mgd 2001
Chandrawali I & II	90	90	150
Wazirabad	80	80	150
Haiderpur I & II	50	100	150
Shahdara	..	100	200
New Plant in North-West Delhi	..	..	300
Okhla	6	..	..
Reaney Well	20	61	67
Local Tube Well	7	7	7
<b>Total</b>	<b>253</b>	<b>438</b>	<b>1024</b>

The requirement of water supply has been worked out at the rate of 363 litres (80 gallons) per capita per day with the break-up as follows :

(Consumption in lt. c.d.*)	
(i) Domestic	225
(ii) Industrial, Commercial & Community requirement	Based on 45,000 lt. ha. d. **47
(iii) Fire Protection	Based on 1% of the total demand
(iv) Garden	Based on 67,000 lt. ha. d.
(v) For floating population and special uses like embassies and big hotel	52

\*Litres per capita per day.

\*\*Litres per hectare per day.

Minimum water supply in any residential area shall be 135 litres (30 gallons) per capita per day.

**Sewerage**

Sewerage treatment is essential to check environmental decay, as well as, to maintain the healthy living conditions. It is noted that the existing capacity of sewerage system in Delhi is grossly inadequate, as about 70 per cent of present population does not have access to regular municipal sewerage. The increasing pollution in the river Yamuna is also a major indicator for lack of sewerage treatment facilities. By augmenting the capacity of existing treatment plants, as well as, through two new sewerage treatment plants, one in North and other in West Delhi of 125 mgd

capacity each, the liquid waste in Delhi in 2001 could be taken care of as given below :

Sewerage treatment Plant	Existing capacity in mgd. 1981	Recommended capacity in mgd 1985	Recommended capacity in mgd 2001
Okhla	66	128	150
Keshopur	32	70	170
Coronation	20	20	20
Rithala	..	75	150
Shahdara	..	60	160
New Plant in North Delhi	..	..	125
New Plant in West Delhi	..	..	125
<b>Total</b>	<b>118</b>	<b>353</b>	<b>900</b>

The areas where immediate regular sewerage is not available, low cost sanitation system for individual family should be adopted as a short range provision. The area should be planned in such a way that in the long range regular sewerage could be provided.

#### Power :

Delhi's requirement of power in the year 2001 is estimated to be 2500 Mega Watts. Delhi may be able to add only a limited capacity to its existing power generation, because of increasing air pollution, scarcity of water and problematic coal transportation. It would have to bank upon sources of supply away from Delhi. Upto 1991, requirement of power shall be met as given in the following table :

Source	Firm capacity	
	1982-83 (MW)	1989-90 (MW)
DESU Local Generation	176	236
Badarpur Thermal Power Station	500	500
Singrauli Super Thermal Power Station (M.P.)	15	150
Baira Sui (U.P.)	17	45
New Super Thermal Power Station to be provided in Murad Nagar (U.P.)	..	500
<b>Total</b>	<b>708</b>	<b>1431</b>

The sources of power for Delhi beyond 1991 are to be identified commensurate with the projected power demand. Delhi could get benefits from the following centre sector schemes presently undertaking construction/Consideration :

Power Plant	Installed Capacity (in mw)	Status
Rihand U.P. (Thermal)	1000	Under construction
Narora U.P. (Nuclear)	470	-do-
Nathpa Jhankari (H.P.)		Cleared by CEA (proposed to be taken up jointly by Haryana HImachal Pradesh & Central Govts.)
Dulhasti (Hydro-Electric) (J&K)	390	-do-
Uri Hydro-Electric Project (J&K)	480	-do-
Chamera Hydro-Electric Project (H.P.)	540	-do-
Tanakpur Hydro-Electric Project U.P.)	120	-do-
<b>Total</b>	<b>3,000</b>	<b>MW</b>

To meet the targeted demand of 25,000 mw by the year 2001, the power distribution network would be required to be taken over to 400 Kilo Volts (k.v.) grid from existing 220 KV grid. To cater to this, a power network has been worked out providing three major 400 kv electric substation in the North of Wazirabad barrage in trans-Yamuna areas; (ii) near Bawana in West Delhi and (iii) near Barthal in South-West Delhi. This would be fed from the Northern Grid and further power distribution system in Delhi would be from this grid and existing 220 kv grid.

#### Solid Caste:

Considering the nature of solid waste and the economic aspects of disposals, major part of solid waste has been proposed to be disposed off in sanitary landfills. The sites proposed are:

Site Description	Area in ha.
Site near Hasthal Village in West Delhi	26
Site on Ring Road near Village Sarai Kalc Khan	20
Site in the North West	38.5
Site near Gazipur Dairy Farm, Trans-Yamuna Area	52
Site near Timarpur existing Landfill	40
Site near Gopalpur Village in North Delhi	20
Site near Jahangirpur	12

The sanitary landfilling on Ring Road is being done satisfactorily, however, it could be further improved by providing water prevention layer at the bottom to avoid water contamination.

At present, there are two compost plants, one each run by the M.C.D. and the N.D.M.C. located near Okhla Sewerage Treatment Plant.

Waste from vegetable & fruit markets having higher organic contents should be used in these compost plants. No further sites have been identified for compost plant. The experience of the compost plants should be reviewed in 1992 and if necessary, policy changes could be done.

Special care is required in the disposal of waste from hospitals, slaughter houses, fruit & vegetable markets, dairy farm & congested areas of Old Delhi. Hospital waste which contains harmful micro-organism should be handled separately and be incinerated. To avoid bird menace special care in the form of covered dust bins and quick removal of waste should be taken in the areas within five kilometres of airport.

To workout the requirement of dust bins, dhalloas, the following norms of solid waste may be adopted :

N.D.M.C. Area	0.67 kg. c.d.*
M.C.D. Area	0.60 kg. c.d.

#### Drainage and Channelisation :

**Drainage :** Drainage has two aspects, flood protection and storm water discharge, which are inter-related. The storm water and flood protection in Delhi are not local but have regional bearing including areas of Haryana and Rajasthan. Najafgarh drain and the Barapula Kushak drains which take storm water discharge in the urban areas, run to their full capacity during peak discharge periods. The required extensions of the present urbanisable limits would cause change in the surface run-off in the areas significantly, and thus the discharge would increase and there would be need of remodelling of existing drains and provision of additional drains. Possibility of a new major drain in the South through Haryana or Delhi to take discharge from Sahibi basin needs to be examined on priority.

**Channelisation of River Yamuna.**—Rivers in the major metropolitan cities of the world like the Thames in London and Seine in Paris, have been channelised providing unlimited opportunities to develop the river fronts. The possibilities in respect of river Yamuna have been studied in depth and

\*Kilogram per capita per day.

indications are that it could be channelised within about 550 metres width and an area of about 3,000 hectares could become available for river front development. The Central Water and Power Research Station, Pune are conducting model tests for the same. After these studies are finalised, development of river front should be taken up by the D.D.A. as a project of special significance for the city.

#### INFRASTRUCTURE—SOCIAL

The aspects dealt in this section are :

- (a) Health, (b) Education,
- (c) Telecommunication,
- (d) Security; (e) Fire, and
- (f) Distributive Services.

#### Health

Delhi's health facilities have to serve the city population as well as these are important in the regional context as many people from the adjoining States come to Delhi in search of better health facilities. At present, Delhi has about 15,000 hospital beds at the rate of 2.6 beds per 1000 population. A geographical imbalance in different planning divisions exists in the provision of health facilities. Division E, G and H have only 1.043, 0.992 and 0.051 beds per thousand population respectively. These Planning Divisions need priority attention.

The two-tier system in the form of general hospital and health centre proposed earlier did not satisfy the full requirement of health needs. Now a six-tier system has been proposed as given below:

- (i) General Hospital 500 beds
- (ii) Intermediate Hospital (A) 200 beds
- (iii) Intermediate Hospital (B) 80 beds
- (iv) Poly-Clinic
- (v) Nursing Home, Child Welfare and Maternity Centre
- (vi) Dispensary

Planning Standards for health facilities are given below :

Recommended beds per 1,000 population :— 5

##### (a) General Hospital

- 1 Hospital for 3 lakh population capacity—500 beds
- Area for Hospital —4.00 ha
- Area for residential accomodation —2.00 ha
- Total Area —6.00 ha

##### (b) Intermediate Hospital (Category A)—

- 1. Hospital for 1 lakh population capacity—200 beds
- Area for Hospital —2.67 ha
- Area for essential residential accomodation —1.00 ha
- Total Area —3.67 ha

##### (c) Intermediate Hospital (Category B)

- 1 Hospital for 1 lakh population.
- Capacity —80 beds
- including 20 maternity beds

Area for hospital	—0.60 ha
Area for residential accommodation	—0.40 ha
Total Area	—1.00 ha

##### (d) Poly-clinic with some observation beds

- 1 for 1.5 lakh population
- Area —0.20 to —0.30 ha

##### (e) Nursing Home, Child Welfare and Maternity Centre

- 1 for 0.50 lakh population
- Area —0.20 to —0.30 ha

##### (f) Dispensary—

- 1 for 0.15 lakh population
- Area —0.08 to —0.12 ha

In case of specific requirements for medical facilities other than those indicated above, one of the sites which would suit the special requirement of the agency, could be used for.

#### Education :

Norms have been worked out for the provision of adequate educational facilities at various levels considering the age group projections and other relevant considerations. In Primary and Secondary Schools and Colleges, separate norms for reservation of play field areas in the schools have been given which must be ensured in the detail layout plans. In case of low income communities, the space for Nursery School shall be utilised for creche which would be run by public, private or voluntary agencies. Specific areas have been reserved for city level integrated schools to accommodate Central Schools and Public Schools.

Planning Standards for educational facilities are given below :

##### Up to Senior Secondary Level :

- (a) Pre-primary, Nursery school 1 for 2,500 population.
- (b) Primary School (Class I to V)

1 for 5,000 population	
Strength of the School	500 students
Area per school	0.40 ha,
School building area	—0.20 ha,
Play field area with a minimum of 18m x 36 m to be ensured for effective play	—0.20 ha

##### (c) Senior Secondary School (VI to XII)

1 for 7,500 population	
Strength of the School	—1000 students
Area per school	—1.60 ha
School building area	—0.60 ha
Play field area with a minimum of 68m x 126 m to be ensured for effective play.	—1.00 ha.

##### (d) Integrated schools without hostel facilities (Class I to XII)—

1 for 90,000 to 1,00,000 population	
Strength of the school	—1,500 students
Area per school	—2.20 ha
School building area	—0.70 ha
Play field area	—1.20 ha
Parking area	—0.30 ha

## (e) Integrated school with hostel facility--

1 for 90,000 to 1,00,000 population

Strength of the school

Area per school

school building area

Play field area

Parking area

Residential, Hostel area

—1,500 students

—2.60 ha

—0.70 ha

—1.20 ha

—0.30 ha

—0.40 ha

## Higher Education—General

## (a) College

Within DUA-81 :

1 for 1.3 lakh population

Strength of the College

Area per college

—1,500 students

—4.00 ha

## Within Urban Extension

1 for 1.00 lakh population

Strength of the college

Area per college

—1,000 students

—4.00 ha

## (b) University Campus Within DUA-81 :

1 each in Planning Divisions E, F, and G.

1 in the Urban Extension

## (c) New University

1 in the Urban Extension.

Area

—60 ha

## Technical Education :

## (a) Technical Education Centre (A)

1 such centre provided for every 10 lakh population to include—

One Industrial Training Institute and one Polytechnic.

Strength of ITI

—400 trainees

Strength of the Polytechnic

—500 students

Area per centre

—4.00 ha

Area for ITI

—1.60 ha

Area for Polytechnic

—2.40 ha

## (b) Technical Education Centre (B)

1 provided for 10 lakh population to include—

1 ITI, 1 technical centre and 1 coaching centre

Area per centre

—4.00 ha

Area for technical centre

—2.10 ha

Area for ITI

—1.60 ha

Area for coaching centre

—0.30 ha

## Professional Education :

## (a) New Engineering College

2 numbers to be provided in Urban Extension

Strength of the college —1500 to 1700 students

Area per college —60.00 ha

## (b) New Medical College

2 sites of 15 ha each in Urban Extension. This includes space for specialised general hospital.

## Communication :

In the five telecommunication zones of Union territory of Delhi, there are 44 telephone exchange existing in Delhi having a total capacity of 2,23,400 lines.

The growth of telephones has been phased as given below :

Year	Population in lakh	Capacity No. of Telephone lines	Telephones per 100 population
1981	62.00	2,10,000	3.37
1991	90.00	5,40,000	6.00
2001	120.00	12,00,000	10.00

Planning standards for telecommunication facilities are given below :

Telephone exchange for the capacity of 40,000 lines—

1 for 4 lakh population at the rate of 10 telephones per 100 population.

Area —0.80 ha

Administrative office—

Floor Area —1 lakhs ft.

Administrative offices would become part of one of the telephone exchanges and accordingly the land area shall be increased. Store for equipment/material etc. for Telephone Exchange. Provided at the city level preferable one in North and other in South Delhi.

Area —4.00 ha

Depot-cum-Workshop for maintenance and repair of about 800 vehicles to be provided at the city level in light industrial area.

Area —1.00 ha

## Departmental Telegraph Office :

## (a) Booking Counter—

1 for 1 lakh population

Space to be provided in community centre.

## (b) Booking and Delivery office—

1 for 6 lakh population

Floor Area —1700 sqm

Space to be provided in District Centre.

## Postal Facilities :

## (a) Post Office Counter without delivery—

1 for 10,000 to 15,000 population

Floor Area —60 to 85 sqm.

Space to be provided in Local Shopping Centre.

## (b) Head Post Office with Delivery Office—

1 for 3 lakh population

Area —600 sqm.

Space to be provided in Community Centre/District Centre.

## (c) Head Post Office and Administrative Office.

## 1 for 6 lakh population

Area —2500 sqm.

Space to be provided in the District Centre.

## Security :

Urban communities are comparatively anonymous and they mainly depend on police for security. At present, there are 66 police stations and 48 police posts in Delhi, being provided at the rate of one police station for one lakh population.

Planning norms for police, jail, Civil Defence and Home Guards and Fire shall be as under :

## Police :

## (a) Police Station—

1 for 0.75 to 1 lakh population

Area inclusive of essential residential accommodation —1.15 ha

0.05 ha additional for Civil Defence and Home Guards.

## (b) Police Post :

1 to 0.4 to 0.5 lakh population  
Area inclusive of essential residential accommodation — 0.10 ha

## (c) District Office and Battalion :

1 for 10 lakh population  
Area for district—  
Office — 0.80 ha  
Area for Battalion — 4.00 ha  
Total Area — 4.80 ha

## (d) Police Lines :

1 each for North, South, West and East Delhi.  
Area — 4.00 to 6.00 ha

## District Jail :

1 for 10 lakh population  
Area — 1.00 ha

## Civil Defence and Home Guards

## (a) Home Guard—Zonal Level

(i) Within DUA-181  
1 for 20 lakh population  
(ii) In the Urban Extension  
1 for 10 lakh Population

Area — 1.00 ha.

## (b) Home Guard—District level

1 for 10 lakh population  
Area — 2.00 ha.  
(i) Within DUA-81  
1 for 20 lakh population  
(ii) In urban Extension  
1 for 10 lakh population

## Fire :

Delhi Fire Service attends to have human beings from fire, house collapses, accidents and other emergencies within Delhi and part of the border States. There are at present 18 fire stations in Delhi. 39 more fire stations, 20 in DUA-81 and 19 in the Urban Extension would be required. The programme needs to be coordinated with water supply to provide more fire hydrants and water tanks.

Multi-storeyed buildings need special fire service as provided in the building bye-laws or Regulations of the concerned authority, Delhi Fire Service should be fully equipped to deal with the fire accidents in case of multi-storeyed buildings. In congested and built up areas access for the fire fighting needs to be ensured while preparing the development plans.

1 Fire Station or Sub-Fire Station within 1 to 3 km. to be provided for 2 lakh population.

Area for Fire station with essential residential accommodation — 1.00 ha

Area for Sub-Fire Station with essential residential accommodation — 0.60 ha.

## Distributive Services :

Milk : Present supply in Delhi by public agencies is 7.30 lakh litres, 2.32 lakh by DMS and 4.97 lakh by Mother Dairy. The present expansion programme for milk is only limited to 9.75 lakh litres per day while requirements by 2001 will be about 15 lakh litres per day. This aspect has regional bearing for development of areas in the adjoining States as well as part of the rural area of the Union Territory of Delhi for dairy farming. Two sites for milk processing plants each of 15 ha would be required one in the West of Najafgarh Road and the other on G.T. Road.

## LPG Storage and Distribution :

Delhi has about 3.22 lakh LPG connections against need of 11.45 lakh in 1981 and projection of 24.35 lakh in 2001 if 100 per cent of the families are to avail.

Experimental programme to provide gas to about 10,000 families from Okhla Sewage is already commissioned. Gas from existing and proposed sewage treatment plants could be used for domestic and other energy requirements.

Planning Standards for the above distributive facilities are given as under :—

## Liquid Petroleum Gas LPG Godown

1 Gas godown for 40,000 population  
Capacity — 500 cylinders or 8,000 kg of LPG.  
Area — 5200 sqm. (20m X 26m) inclusive of Chowkidar's Hut.  
Location — In industrial area or service centre.

Additional requirement of social infrastructure based on the above standards between 1981-2001 is indicated in the following table :

## Additional Requirement—2001

Social Infrastructure	DUA-81	UE	Total
<b>EDUCATION</b>			
Primary School	298	762	1060
Sr. Secondary School	217	508	725
Integrated School	58	85	143
General College	22	38	60
Technical Education Centre-A	3	9	12
University Centre	2	1	3
<b>HEALTH</b>			
General Hospital	9	12	21
Intermediate Hospital-B	59	39	98
Nursing Home	110	76	186
<b>OTHERS</b>			
Police Station	28	38—51	66—79
Fire Station	20	19	39
District Jail	3	5	8
Head Post Office	20	6	26
Telephone Exchange	6	9	15
Department Telegraph Office	9	5	14
LPG Gas Godown	64	85	149

## Facility and Service Centre :

The lower level additional facilities like higher secondary school, primary school, dispensary shall be provided in the layout plan but higher level facilities like college, hospital, police station should be provided at plan level. As it would not be possible to provide individual location for these facilities, concept of facility centre has been evolved to group two or more units in available areas within the DUA-81 and developing these areas as facility centres. 61 such facility centres have been identified on the land use plan to provide for the required social infrastructure. Similarly to accommodate additional repair shops, service shops, gas godowns, service centres have also been earmarked in the land use plan. (Refer Annexure I).

## Environment :

Creation of physical and social environment for improved quality of life is the major goal of the plan. Major attributes of environment in a city are :

- (i) Ecology, nature conservation and parks.
- (ii) Urban design.
- (iii) Conservation of urban heritage
- (iv) Community life.
- (v) Conditions for health, safety and convenience.

## Natural features :

Conservation of major natural features in a settlement is of utmost importance to sustain the natural eco-system. Two major natural features in Delhi are the Ridge and the Yamuna River. Ridge in Delhi is defined as rocky out-crop of Aravali Ranges stretching from the University in the North to the Union Territory boundary in the South and beyond. The central ridge area which is part of New Delhi, was planned as its integral part at the time of development of New Delhi Capital by Edward Lutyen. This area was left in its pristine glory by planning only with the indigenous species of trees like Kikar and Babul. The plant in 1962 identified a further stretch of South Central ridge near Mehrauli. Though parts of the Ridge in Delhi have been erased out, total ridge area now available is 7,777 ha approx. divided as follows :

Northern Ridge . . . . .	87 ha.
Central Ridge . . . . .	864 ha.
South Central Ridge (Mehrauli) . . . . .	626 ha.
Southern Ridge . . . . .	6200 ha.

The ridge thus identified should be conserved with utmost care and should be afforested with indigenous species with minimum of artificial landscape.

The River Yamuna now have a high level of water pollution which is mainly from the untreated sewer and waste from industrial areas. Strict enforcement of Water Pollution Act is needed to keep the river clean. Channelisation of the River as proposed shall further help in the improvement of the river front.

## Lung Spaces :

Presently within DUA-81, Delhi has 4,335 ha. of developed park at city level and about 1,677 ha. is available for development. The city has 20 major district parks from different periods of history, Roshanara and Qudsia gardens of Mughal period, Talkatora garden of British period and Buddha Jayanti Park of post-independence era. 6,102 ha. of District and Regional park area is reserved in DUA-81 @ 7 sqm per person. During implementation of the plan approx. 34% of recreational area has been lost to other uses. District parks which have been developed are very popular and are being intensively used, specially on holidays. 1,677 ha. of district park area available within the DUA-81 should be developed on priority. Part of this area is required to be developed for sports activities as per policy.

Within DUA-81, the following special activity area for recreation are proposed for development.

- (a) additional special children parks of 4 ha. each (of the type of India Gate Children Park) . . . . . 7 nos.
- (b) children traffic training parks 5 ha. each . . . . . 6 nos.
- (c) Picnic huts

About 30% of the district park areas should be developed as wood lands. Preferred species of the trees to suit local conditions is given in annexure IA. 5 nos.

In new developments, the neighbourhood park of at least 1.5 ha. for 15,000 population should be planned with flowering trees and shrubs so as to achieve colourful pleasant environment throughout the year.

In the Urban Extension whenever possible water bodies (lakes) shall be developed to act as major lung spaces and to attract migratory birds and for improving the micro-climate. A special recreational area on the pattern of Disneyland should be developed near Tughlakabad/Lado-sarai. The district parks in the Urban Extension would be @ 8 sq.m. per person which would also include special parks given as under :--

Special Children Park . . . . .	4 nos. (4 ha. each)
Children Traffic Training Parks . . . . .	4 nos. (3 ha. each)
Picnic Huts . . . . .	4 nos.

## Sports Activity :

Sports are very important for physical and mental development of an individual. In the Plan, due emphasis is given on the development of Play and Sports areas for all age groups. Sports Stadia constructed and renovated during the Asiad shall cater to the needs of National and International sports. Further, the development of areas for sports shall be at different levels as under :

## Divisional sport centre :

Population size . . . . .	10-12 lakh
Area . . . . .	20 ha.

## District sport centre :

Population size . . . . .	1 to 1.5 lakh
Area . . . . .	4 ha.

## Neighbourhood play area :

Population size . . . . .	15,000
Area . . . . .	1.5 ha.

## Residential unit play area :

Population . . . . .	5,000
Area . . . . .	Flexible

## Re-plantation :

There are large number of trees in parks in Delhi which have completed their full span of life. This is specially true about the plantation in New Delhi in parks, on roads and within the bungalows. These trees were planted sometime in 1910 and they are on the last lease of the life span (70 years). Re-plantation to substitute the trees as a cyclic process should be done in these areas to sustain the environment.

## Urban Design :

A city is an assemblage of buildings and streets, system of communication and utilities, places of work, transportation, leisure and meeting places. The process of arranging these elements both functionally and beautifully is the essence of urban design. The metropolitan City of Delhi in the course of time is becoming amorphous aggregate of masses and voids except the definite urban form of 17th century Shahjahanabad and Lutyen's New Delhi.

The Walled City of Shahjahanabad has certain urban form characteristics; the Jama Masjid is a dominating feature located on hill top and is different, both, in form and scale from the other developments of the city. The vista of Chandni Chowk was planned to act as commercial spine, as well as, to have a certain visual character with important building of Red Fort and Fateh Puri Mosque at its two ends.

In case of Lutyen's New Delhi, planning of central vista was conceived as a landscaped stretch to form continuity between the ridge and the river Yamuna. This stretch with its nodal points of the Rashtrapati Bhawan and India Gate has tremendous visual quality and is one of the finest example of urban design in the world. Even while New Delhi

was segregated from the Old City physically with a barrier like Ram Lila Grounds, it was visually linked with Parliament House, Connaught Place and Jama Masjid in the same axis.

In developments carried out later, neither urban form nor visual characteristics were given due consideration. The new development within the framework of the Master Plan is more on the basis of division of land for different uses and it lacks in spatial qualities. All the roads whether at the city level or local level are mere plot dividers and fail to achieve the continuity of harmony of space. The present urban form is the outcome of zoning and sub-division regulations. An illustration in support of this point is that of Connaught Place extension where undesirable changes took place in the absence of urban design framework. Justifiably, these changes in the form are in tune with spirit of time and technological development, however, the new building and space form are in direct contrast to the old forms and result is a confused and indifferent skyline.

To arrive at a conscient basis for policies which effect the fabric, a study has been made of (i) Areas of significance in natural and built environment, (ii) visual integration of the city, (iii) conservation and preservation of urban heritage, and (iv) policy for tall buildings and large scale urban projects—residential, commercial, industrial, etc.

#### Significant areas of natural and built environment :

The important features of natural environment are : (a) Yamuna River (b) The Ridge.

For the built environment, the areas have been identified as :

- (a) Shahjahanabad—the Walled City
- (b) Lutyen's New Delhi
- (c) Ancient settlements.
- (d) Historical Monuments and Garden
- (e) Designed environment like Exhibition grounds, Zoo etc.
- (f) Areas along entry routes and other important routes in Delhi :
  - (i) Republic day parade route
  - (ii) VIP route from Delhi Airport to Rashtrapati Bhawan to Raj Ghat
  - (iii) Road entry routes
  - (iv) Rail entry routes.
- (g) Aerial view.

#### Visual Integration :

Delhi has a tremendous diversity of form, colour, scale and texture with a heterogeneous end product from aesthetic point of view. Visual integration can possibly be achieved by identifying features which integrate the city physically. There are two important mass movement corridors; Ring Road and Ring Rail, which are used by residents of all Planning Divisions. These two movement corridors have potential to acquire an additional dimension of visual quality and integration. The studies and proposals for Ring Road and Ring Railway could be formulated for road geometrics, landscaping, street furniture, introduction of urban forms at selected points and clearance of unsightly developments. Two other important elements for the integration of different parts of the city, planned at different times are: (i) flora i.e. tree plantation—continuance of 'New Delhi' character to other parts of the metropolis and linking open space (ii) harmonious treatment for major ecological features i.e. the Ridge and the River Yamuna and also the storm water drains meandering through the city.

#### Conservation of Urban Heritage :

Survey conducted by the Archaeological Survey of India in 1916 identified 1321 historical monuments, sites and

buildings. Out of these, only 81 monuments have been declared as protected monuments under the Archaeological Survey of India Act. These have been studied and indicated on plan, so that while preparing the layout plan, these could be planned for suitable incorporation.

Even in case of major monuments, there is no building control around them. It is necessary that some area around monuments should have building control in relation to height, material and spread of the monument.

#### Conservation of Walled City :

The Walled City has a wide range of features and design elements which needs to be conserved. Shahjahanabad has important historical buildings, like Red Fort, Jama Masjid, City Wall and Entry Gates, Vista of Chandni Chowk, the street scape, Mohallas and Katras. All these elements are out burst of a life style which is not found in any other part of the Metropolitan City of Delhi.

As large number of buildings in the Walled City are in a dilapidated state, the rebuilding/renovation of the buildings in the Walled City should be done sensitively, conserving the important monuments, and the architectural style, skyline and street picture. At different places, the city wall of Shahjahanabad is in ruins and there should be restoration and conservation work for the wall and gates. Bazar of Chandni Chowk could be revamped by eliminating traffic of automobiles and restoration to the original state as far as possible. The road and street pattern in the Walled City is the spine of its urban character, if conservation is to be successful in the overall perspective, it would be essential to retain city's net work as existing and the characteristics of urban and street scape would be taken care of in the conservation of traditional residential character. The monuments, sites and old religious buildings identified by Archaeological Survey of India within walled City should be restored, conserved and should not be allowed to be despoiled.

#### Policy for Tall Buildings :

Present policy regarding tall buildings is based on height restriction for buildings in different use zones which is not amenable to deliberate urban form. DUA 81 is mostly developed except district centres and there is little scope left. However, restrictions on tall buildings would be necessary in two important areas namely Walled City and its extension and South of Rai Path, area of Lutyen's New Delhi. No new tall building should be allowed in residential and institutional areas without an urban design scheme. In case of Urban Extension, areas for tall buildings and specific urban design projects would be identified. The Development Code specifies the maximum height of buildings in different use zones.

#### Community Life :

Basically, a city is a place of exchange for goods, services and ideas; also cities have tendency to become anonymous. Well thought out physical design of the residential areas can help in creating community life. Similarly in the design of commercial areas, the cultural centres and integrating the same with the residential areas could create more and more opportunities for the people to meet. The recreational areas need both the places of coming together and the places to have the enjoyment of aloofness. The city to be alive in the late evenings should have some areas, commercial and cultural, to remain open till late night hours.

#### Social and Cultural Institutions :

The social and cultural institutional areas are the throbbing heart of a city. The central part of Delhi has well developed social and cultural institutions around Mandi House and some of the social cultural institutes have come up along the Central Vista. More area for institutions of National importance had been earmarked starting from Jarnail and ending at the National Stadium and Purana Qila in the plan. The same has been retained with the emphasis that this area should continue to be reserved for this activity even if part of the area is not utilised upto the turn of the century. Civic complex which has been ear-

marked for the office of the Municipal Corporation of Delhi near Mata Sundari area would also accommodate social and cultural institutions. In addition to the areas earlier earmarked in DUA 81, about 64 ha land at 5 locations has been indicated for social and cultural institutions.

For the expanding city with increasing distances, another metropolitan centre in the Urban Extension measuring about 80 ha. would be required. This centre would have another city level complex of social and cultural institutions i.e. Theatres, Museum, Libraries, Exhibitions etc.

In the Urban Extension for every one million population there should be a socio-cultural centre of about 15 ha. to accommodate district level Dance and Drama Schools, Clubs, Theatres and Exhibition galleries and variety of other institutions in the residential areas multipurpose community halls should be built for social and cultural requirements of small communities.

#### Safety and Convenience :

**Water Pollution :** Stretch of River Yamuna in Delhi has high level of water pollution. Based on the studies by Central Water Pollution, Control and Prevention Board following recommendations are made.

(i) Diversion of discharge of waste water from Najafgarh, Barapula, Tughlakabad, Trans-Yamuna MCD, Sen Nursing Home, Maharani Bagh, and Kalkaji drains through appropriate sewerage system followed by adequate waste water treatment, so that the drain effluent conforms to the effluent standards prescribed by the Central Water Pollution Control and Prevention Board. Attempts be also made to treat the waste water at the drain outfall through Deep Shaft Aeration process.

Till such time the above said pollution control mechanisms are installed, chlorination of atleast 5 drains i.e. Najafgarh, Barapula, Trans-Yamuna MCD, Sen Nursing Home and Maharani Bagh could be started.

(ii) Extension of the sewerage system and alternatively low cost sanitation in the areas not served by sewerage.

(iii) According to study conducted by the Central Water Pollution, Control and Prevention Board in 1977, there are 82 water polluting industries which are generating 25 kilo litres per day or more effluent. It should be compulsory for these industries to make arrangements for the treatment of the pollutants collectively or individually as feasible, before its goes into sewerage system.

**Air Pollution :** According to recent estimate there are about 55,000 Industrial units and 6.4 lakh vehicles of various types and three thermal power stations which jointly make Delhi's atmosphere polluted.

On the basis of the study conducted by Central Water Pollution, Control and Prevention Board, the following six areas have been declared as 'Pollution Control Areas' under the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981.

1. Najafgarh Road, 2 Lawrence Road, 3. Wazirpur, 4. Kirti Nagar, 5. DLF Industrial Area, and 6. Moti Nagar.

Based on the studies by the Central Water Pollution, Central and Prevention Board, it is recommended that priority should be given to control vehicular pollution by way of reduction of smoke density from buses and other heavy vehicles for bringing the levels of Carbon Monoxide and Hydro Carbon from all the petrol vehicles to less than 3% and 100 ppm respectively.

The 'C' and Badarpur Thermal Power Stations should be fitted with pollution control devices such as Electrostatic Precipitators.

**Noise Pollution :** In general, it may be said that the noise level in Delhi has been rising with increasing traffic and industrial activities. The other cause of noise is the unabated use of loud-speakers. Some of the planning controls suggested to curb the noise problems are :

- (i) The industries and the motor workshops (unauthorised) producing noise should be shifted immediately from residential areas.
- (ii) In case of new developments along the major roads, there should be a green buffer and also these areas could be utilised for the development of commercial activity.
- (iii) The hospitals should have deep set backs of about 30 m from the major roads.

**Accidents :** 4854 accidents took place on Delhi Roads in 1981 out of these 1072 were fatal. In 61 per cent of fatal accidents the victims were pedestrians and cyclists. Following planning and other measures have been suggested to reduce the traffic accidents :

(i) To discourage truck movement within the city (ii) segregated cycle tracks and pedestrian movement, (iii) improvement in road geometrics and adequate lighting on roads specially on inter-sections, and (iv) road discipline through education and management.

#### Accessibility :

Convenience in an urban environment is accessibility to urban activities in reasonable time on foot or through available modes of transport.

The standards set out are :

	Maximum Distance (Km.)	Approx. Time (minutes)
Creche/Nursery School (nearest) . . .	0.30	5
Primary School (nearest) . . .	0.80 (0.50)	10
Higher Secondary School (nearest) . . .	1.50 (1.00)	20
Tot lot . . . .	0.30 (0.20)	5
Park . . . .	0.80 (0.50)	10
Neighbourhood Park and play area . . .	1.60 (1.00)	20
Bus Stop . . . .	0.80 (0.50)	10

For the purpose of planning, the straight distances for design shall be as given in brackets.

#### Energy :

In metropolitan cities the use of energy is much higher compared to small and medium size settlements and the rural areas, because of their special transportation needs and comparatively sophisticated economic activities and also higher use of domestic energy related to the standard of living. Dual objective of raising the level of energy consumption as well as conservation of energy in the developing countries would necessarily require efficient utilisation of energy and to use renewable sources.

**Transportation :** One of the major sectors of energy consumption in the city is transportation. It is quite surprising that the movement of DTC buses in Delhi per day is equivalent to one and a half times the distance from Earth to Moon.

In the Plan objective in this regard has been to provide an efficient land use transportation relationship so as to effectuate containment within the divisions, to reduce the work and education trips by vehicular modes. With the proposed land use transportation system there would be containment of about 70 per cent of trips within the divisions.

**Land Use Intensity :** Studies have revealed that it is possible to develop the urban areas in Delhi at almost double the density than what was proposed in 1962. On the land

use intensity standards proposed in 1962, 122 lakh projected population would be accommodated in about 1.2 lakh ha, which is 90 per cent of the area of the Union Territory of Delhi. Based on the studies, the projected population of 122 lakh is proposed to be accommodated in about 0.7 lakh ha. This measure should reduce the use of energy in transportation by about 20 per cent. In mass transportation per kilometer person energy used is about 10 per cent of the individual fast transport modes. After the implementation of proposals as given in the plan, by 2001, 4.7 per cent of personalised fast mode trips shall shift to mass transportation to effectuate the consequent saving in energy. The cycle mode being highly energy conservative segregated cycle track would facilitate the movement of cycle in the city.

**Building Control :** It is possible to conserve energy by properly orienting the buildings in relation to sun, which could be considered as a guideline for design and layout of buildings. Also most of the Urban activities could be located in low rise (upto 4 storeys).

**Innovation and Research :** On the basis of study and research, Planning Commission has recommended the use of wind mill, bio-gas plants for the rural area and solar water heating system and improved kerosene and fuel efficient chulahs for both rural and urban areas. In the recent years a number of organisations are working for innovation to conserve energy, which is likely to effect more than one sector in the urban area. It would be very essential to monitor the same during the plan implementation period.

#### Special Area :

The Walled City and its extension and Karol Bagh and the area in between measuring 2600 ha. has been earmarked as Special Area for the purpose of development. This area cannot be developed on the basis of normal regulations. Special regulations have been worked out for this area and incorporated into the Development Code. In case of Walled City, the objective is to clean the area from noxious and hazardous industries and trades to check further commercialisation and industrialisation of this area and to revitalise the same into its glory of the past.

Apart from Walled City, Karol Bagh has also acquired distinct character of its own over the years. As a matter of fact, the commercial activity which starts from Lajpat Rai Market on either side of Chandni Chowk culminates in a spiral form at Karol Bagh. The significance of Karol Bagh as a city level retail commercial centre has been adequately realised. The focal of this widely spread commercial activity is the Ajmal Khan Road street shopping. In the absence of suitable development controls the growth has been haphazard although accompanied by ever increasing popularity of the shopping facilities it affords. The major problem of this shopping area is inadequate parking facilities as compared to its demand.

It is suggested that Ajmal Khan Road from its junction with Tank Road to its meeting point with Desh Bandhu Gupta Road may be converted into a pedestrian piazza with shopping on either side. The vehicular traffic would be restricted to Ramjas Road, Desh Bandhu Gupta Road, Gurudwara Road and Tank Road on the periphery and Saraswati Marg and Arya Samaj Road. At the crossing of Ajmal Khan Road with Arya Samaj Road pedestrian movement would have grade separation either below or over the road with shopping on either side for continuity. The Ajmal Khan Road would have parking under pedestrian piazza. The area marked as specific use zones could be developed as per regulations given in the Development Code. In respect of part of special area indicated in the plan, schemes of urban renewal with conservative surgery as tool should be taken up immediately.

#### Rural Area :

The rural area of Delhi being on the periphery of major metropolis has a special significance. The households in the rural areas of Union Territory have higher level of education and income compared to rural areas in the adjoining States. The area is also attracting migrants, 20 per cent of rural Delhi Households are migrant households, mainly from

Haryana and U.P. The area needs to be provided with a reasonably high level of infrastructure and good road linkages with the city.

**Growth Centres:** Based on the population, linkages and growth rate, five villages have been identified for the location of major health facilities and markets. To cover the deficiencies of lower level health facilities, schools and location of rural industry, another six rural settlements have been identified with the details as under.

**Bakhtawarpur:** Hospital, Health Centre, Dispensary, Vet. Hospital, Rural Industrial area and Commercial Centre.

**Bawana:** Health Centre, Rural Industrial area and Commercial Centre.

**Jharoda Kalan:** Hospital Dispensary, Vet. Hospital, Rural Industrial area and Commercial Centre.

**Dhansa:** Dispensary, Rural Industrial area and Commercial Centre.

**Chawala :** Hospital, Vet. Hospital, Rural Industrial area and Commercial Centre.

**Jagatpur:** Dispensary and Rural Industrial area.

**Ghogh:** Dispensary and Rural Industrial area.

**Qutab Garh:** Dispensary and Rural Industrial area.

**Jaunti :** Dispensary and Rural Industrial area.

**Mitraon:** Dispensary and Rural Industrial area.

**Gommanhera :** Dispensary and Rural Industrial area.

Each commercial centre shall be about 3 ha to accommodate, Cinema, Shopping, Bank, Post Office, Cooperative Store etc. The industries to be permitted in the rural industrial area are given in the annexure III G.

The following stretches of roads interconnecting these important settlements would require upgrading.

(a) G.T. Road to Bakhtawarpur G.T. Road to Bawana Najafgarh to Dhansa . . . . . 29 Km

(b) Ghogh to Bawana Bawana to Qutab Garh Najafgarh to Jharoda Kalan . . . . . 15 Km

(c) Jharoda Kalan to Rohtak Road Najafgarh to Dhansa . . . . . 15 Km.

(d) Najafgarh to Gommanhera Najafgarh to Dhansa Khanjawala to Qutab Garh Road No. 50 to Bakhtawarpur . . . . . 20 Km.

Each individual settlement would require improvements in water supply and other facilities, etc. Housing for the landless is required to be taken up through public housing agencies.

Two sites near: (i) Najafgarh, and (ii) G.T. Karnal Road have been identified for Dairy Development. Milk cattle from the urban area should be shifted to these dairy colonies.

Farm houses in a minimum of 1 ha. land could be located in the rural use zone. These could be developed for flowers, fruits, vegetable poultry farming, etc.

#### MODERNISATION AND CITY'S PERSONALITY

A city belonging to this age should have: (i) efficient transportation and communication system (ii) convention and exhibition centre (iii) shopping arcades and amusement parks and places for comfortable living for the visitors. In providing all these, the city should reflect its personality, its age old traditions and culture and its warmth to the visitors and its inhabitants.

A modern transportation system for a city should be comfortable and visually satisfying with high level of service. Large innovations in urban transportation system have taken place. Transfer of technology would be highly beneficial in this regard. It may not be possible to provide telephone service at the level available elsewhere but in due course the city should be able to provide a communication system of contemporary standards. The underground cabling for telephone lines is of considerable importance in improving the quality of service.

At present, Delhi has got one convention centre, i.e. Vigyan Bhawan which has become a centre of fame for international conferences and it may not be necessary to duplicate the same. Another convention centre at national level should be developed near Asian Games Village. Along with proposed convention centre in south Delhi a site has been earmarked for a contemporary shopping complex. The Exhibition Ground for International Exhibitions, i.e. Pragati Maidan, is very well located.

Delhi is increasingly becoming a focus of the developing world. A new Institute for higher learning in the development planning mainly to deal with the planning and development problems of the developing countries could be started in the city. Such an Institute along with the research and training in the development problems could have specialised departments of newly emerging fields, e.g. Energy, Ecology, Environment, Genetics, Computer Science and others.

It needs to be emphasised that the modernisation of the city is not to be in parts but as a whole, not as limited actions in certain fields but as an attitude to decision making. In the development of all the areas for urban activities i.e. housing, commercial and industrial areas and areas for public facilities, the emphasis should be on long range efficiency, futuristic view point and healthy environment for sustaining a high quality of life.

Delhi has a distinct personality. It is the capital of India. It has imbibed in it the history of centuries, in its parts it has grand vistas of New Delhi and throbbing lanes of Shahjahanabad. In the process of modernisation the city, along with providing an environment of livability, performing functions of state and economic efficacy, must reflect its personality through its form and through its activity in its parts and as a whole.

#### Land Use Plan

Policies enunciated for different sectors are translated into a landuse pattern for the Union Territory of Delhi. To control the development, areas have been designated as one of the 37 use zones identified in the Development Code. These 37 use zones have been broadly classified in nine categories of land uses namely Residential, Commercial, Manufacturing, Recreational, Transportation, Utility, Government, Public and Semi-Public and Agriculture and Water Body. The development in these use zones would be carried out in accordance with regulations as laid down in the Development Code.

#### Special area plan

It is not possible to develop the old built up areas and some other areas with peculiar problems as per general use zone regulations given in the Development Code. Such areas with contiguous specific, use areas have been designated as 'Special Area.'

The development within this area shall be carried out as per specific regulations for this area given in the Development Code.

#### Zonal (Divisional) Plan

The Union Territory of Delhi is divided into 15 zones (divisions). The approximate area in each zone (division) is given as under :—

Name of the Zone	Approximate area in hectares
A. Old City	1159
B. City Extension (Karol Bagh)	2304
C. Civil Lines	3959
D. New Delhi	6855
E. Trans-Yamuna	8797
F. South Delhi-I.	11958
G. West Delhi-I.	11865
H. North West Delhi-I	5677
J. South Delhi-II	15178
K. West Delhi-II.	12056
L. West Delhi-III	22979
M. North West Delhi-II	8213
N. North West Delhi-III	15851
O. River Yamuna	6081
P. North Delhi	15707

The Zonal (divisional) plans may further detail out the policies of the plan, as felt necessary and act as link between the layout plan and the Master Plan. These plans shall be published as soon as may be, after the Master Plan for Delhi (as proposed to be modified) is notified and would have the same state as the Master Plan for Delhi. The development schemes/layout plans indicating use promises shall conform to the zonal (divisional) plans.

(2) The title of Chapter II—"Zoning and Sub-Division Regulations"—be substituted by "Development Code" with the following text:

#### Introduction

The purpose of this code is to promote quality of life of people of Delhi by organising the most appropriate development of land in accordance with the Development Policies and Land Use Proposals contained in the Plan.

It is a systematic code to decide the use activity (use) in two levels: (i) conversion of use zone into use premises (layout); and (ii) Permission of use activities in use premises. The code provides differentiation between the use zone and use premises.

#### Enforcement of the Code.

To regulate development in the Union Territory of Delhi within the framework of the Land Use Plan the following should be observed:

#### CLAUSE 1.0

##### TITLE, EXTENT, COMMENCEMENT AND PURPOSE

1(1) This code may be called the development Code.

1(2) It covers the entire Union Territory of Delhi.

## Clause 2.0

## Definitions

In this code unless the context otherwise requires—

## 2(1) Use Zones means—

An area for any one of the specific dominant uses of the urban functions as provided for in clause 5.0

## 2(2) User Premises means—

One of the many sub-divisions, of a Use Zone, designated at the time of preparation of the layout plan, for a specific main use or activity and includes the use premises described in Schedule I.

## 2(3) Lay out Plan means—

A sub-division Plan indicating configuration and sizes of all use premises.

## Explanation—

Each Use Zone may have one or more than one layout plan depending upon the extensiveness of the area under the specific Use Zone and vice-versa.

2(4) Zonal Development Plan means a plan for one of the zones (Divisions) of the Union Territory of Delhi containing detailed information regarding provision of social infrastructure parks and open spaces and circulation system.

2(5) Land use plan means—the plan indicating all the use Zones, as defined in clause 2(1).

2(6) Special Area means—any area designated as much in the plan.

2(7) Commercial Centre includes a CBD, Distt. Centre, Community Centre, Local shopping and convenience shopping.

## Clause 3.0

## Establishment of use zone and use premises

3(1) The Union Territory of Delhi is divided into 37 use Zones as mentioned in Clause 4.0

3(2) Each Use Zone shall be further sub-divided into required number of Use Premises out of 136 Use Premises described in Schedule-I with or without conditions.

3(3) Each Use premises shall be permitted to have specific uses/use activities out of the prescribed 136 uses/use activities with or without conditions.

3(4) The layout plans already approved by the Authority or any other local authority concerned in accordance with land shall be deemed to have been approved under this code.

3(5) An area in respect of which there is no approved layout plan shall be governed by the provision of the Zonal Development Plan.

3(6) All layout plans and building plans shall be approved by the Authority except the service plans and plans of individual residential and industrial plots which shall be sanctioned by the local authority concerned.

## Clause 4.0

## Use Zones Designated

There shall be 37 use zones classified in 9 categories, namely, Residential, Commercial, Manufacturing, Recreational, Transportation Utility, Government Public and semi-Public and Agriculture and Water Body. 37 Use Zones are as under:

## (a) Residential

4.01 RD Residential area with density  
(Including villages falling under rural zone).

4.02 RF Foreign Mission

## (b) Commercial

4.03 CI Retail Shopping, General Business and Commerce.

4.04 C2 Wholesale, Warehousing, Cold Storage and Oil Depot.

## 4.05 C3 Hotel

## (c) Manufacturing

4.06 M1 Light and Service Industry

(Including flatted group Industry)

4.07 M2 Extensive Industry.

## (d) Recreational

4.08 P1 Regional Park

4.09 P2 District Park

4.10 P3 Play Ground, Stadium and Sports Complex.

4.11 P4 Historical Monument.

## (e) Transportation

4.12 T1 Airport

4.13 T2 Rail Terminal

4.14 T3 Rail Circulation

4.15 T4 Bus Terminal and Depot

4.16 T5 Truck Terminal

4.17 T6 Road Circulation

## (f) Utility

4.18 U1 Water

(Treatment plant etc.)

4.19 U2 Sewerage

(Treatment plant etc.)

4.20 U3 Electricity

(Power house, sub-station etc.)

4.21 U4 Solid Waste

(Sanitary land fill etc.)

4.22 U5 Drain

## (g) Government

4.23 G1 President Estate and Parliament House

4.24 G2 Government Office

4.25 G3 Government Land  
(Use undetermined)

## (h) Public and semi-public

4.26 PS1 Hospital

4.27 PS2 Education and Research

(including University and specialised educational institutes).

4.28 PS3 Social and Cultural

4.29 PS4 Police Headquarter and Police Lines

4.30 PS5 Fire Station and Headquarter

4.31 PS6 Communication

4.32 PS7 Cremation and Burial

4.33 PS8 Religious

## (i) Agriculture and Water Body

4.34 A1 Plant Nursery

4.35 A2 Green Belt

4.36 A3 Rural Zone  
(Villages as residential areas).

4.37 A4 River and Water Body

**Clause 5.0****Use Premises Designated**

There shall be 136 use premises as designated in Schedule I.

There shall be 136 Use Activities with similar nomenclature as that of Use Premises.

**Clause 6.0****Location and Boundaries of use Zones**

6(1) Any one of the 37 use Zones may be located at one or more than one places as shown on the Land Use Plan.

6(2) The boundaries of various pockets of Use Zones are defined in Land use Plan by features like roads, railway tracks, drains etc. The area of each pocket of different Use Zones is as indicated in the Land Use Plan.

**Clause 7.0****Location and Boundaries of Use Premises**

7(1) The location and boundaries of each use premises shall be taken to be as given in the layout plan with reference to important bench mark like road, drain or other physical features.

7(2) Any change in the location boundaries and predominant use of use premises due to any reason whatsoever and duly approved shall be incorporated in the layout plan.

**Clause 8****8(1) Sub-division of use zones into use premises**

The objective of these regulations is to guide the preparation of layout plans for residential and industrial use zones. These regulations include norms for provision of facilities, circulation system and land-scaping standards. The service plans corresponding to these layout plans for provision of physical infrastructure like Water Supply, Sewerage Drainage, etc., shall conform to Municipal bye-laws.

The use zone other than residential and industrial shall have integrated plans governed by respective building control regulations.

**Explanation :** Integrated plan differs from customary layout plan as in the former the regulations are for the total plots and sub-divisions are done for the development purpose.

**(a) RD-Residential Use Zone.**

The sub-division of residential use zone into use premises and subsequent approval of the layout plans shall be governed by the following norms:—

1. The residential area can have both the plotted and group housing developments. In case of plotted development, the residential plots of two categories may be carved out (i) Single Family Unit (plot size range 32 to 80 sqm) and (ii) Three Family Unit (plot size range 150 to 350 sqm) In case of group housing, the minimum size of the plot shall be 2,000 sqm.

2. The provision of requisite infrastructure shall be governed by the following norms for a residential neighbourhood of 15,000 population. In any residential sub-division plan minimum area reserved for infrastructure shall be @ 11.00 sqm. per person.

S. No.	Use Premises	No. of Units	Unit Area (In ha.)	Total Land Area (In ha)
<b>(a) EDUCATION</b>				
1.	Nursery School	6	0.08	0.40
2.	Primary School	3	0.40	1.20
3.	Senior Secondary School	2	1.60	3.20
<b>(b) HEALTH</b>				
4.	Nursing Home/Dispensary	2	0.10	0.20
<b>(c) SHOPPING</b>				
5.	Local Shopping including Service Centre	1	0.46 (0.10 for S. centre)	0.46
6.	Convenience Shopping	3	0.11	0.33
<b>(d) OTHER COMMUNITY FACILITY</b>				
7.	Milk Booth	3	0.015	0.045
8.	Religious	3	0.04	0.12
9.	Community Room	3	0.066	0.198
10.	Community Hall and Library	1	0.20	0.20
<b>(e) RECREATION</b>				
11.	Tot-lot	..	..	3.00
12.	Park	..	..	4.50
13.	Play Area	..	..	2.25
<b>(f) UTILITY</b>				
14.	Overhead Tank (Where necessary)	..	..	0.25
15.	Electric Sub-Station 1 KV (Where necessary)	2	0.045	0.092
16.	Three Wheeler Scooter & Taxi Stand	1	..	0.05

The park and play area shall be distributed in the following manner.

(i) Tot-lot @ 2.0 sqm. per person.

(ii) Park @ 3 sqm. per person with one of the parks with the minimum size of 1.50 hectare.

(iii) Play area @ 1.50 sqm. per person at one place with the size of 1.50 hectare.

3. The planning of residential neighbourhood regarding circulation system shall be governed by the following norms:—

(i) The residential plots shall generally face an open space including pedestrian movement with a minimum width of 12 Meter(m). The plots may face a vehicular access road with 12m right of way (R/W) where necessary. The circulation net work within the cluster shall be so devised that no residential plot is more than 65 m away from the nearest point of the vehicular access road.

(ii) The residential plots facing the open spaces shall be accessible by 1.5 m wide walk way. To achieve a proper scale and to create a feeling of enclosure, an entry to and exist from the open spaces may be reduced to 6M.

(iii) All other vehicles shall be restricted to specific parking lots along the vehicular access road.

4. The planning of residential neighbourhood regarding land scaping shall be governed by the following norms :—

(i) The open spaces fronting the residential plots shall be suitably land-scaped with tree plantation @ one tree per 100 sqm of open space.

(ii) The vehicular roads in the residential neighbourhood shall have small trees on either side at an interval of 6 m. The parking areas shall have tree plantation @ one tree per two car spaces.

(iii) The tree plantation in different levels of parks in the residential neighbourhood shall be @ 125 trees per hectare.

5. The Low Income Group plotted development with less than 50 sqm plots shall be governed by the following norms :

(i) Area under recreation shall be 6.43 hectare.

(ii) The plots shall face an open space including pedestrian movement with a minimum width of 8.0 m.

(iii) The residential plots facing the open space shall be accessible by 1.0 m wide walk way and an entry to and exist from the open space shall be of 4.0m width.

(b) MI-Light and Service Industry use zone :

The sub-division of industrial use zone into use premises and subsequent approval of layout plans for industrial estates shall be governed by the following norms :—

1. The development of industrial area may have plotted development for individual industries. Some part of industrial estate may be used for flatted group industry. The minimum size of plot for flatted group industry shall be 2000 sqm. The different categories of plot sizes for plotted development to be provided in the layout plan may be as per the following table :

S. Plot sizes (sqm) No.	Suggestive Distribution of Plots
1. 30 to 50 (for shop industries)	25%
2. 100 & upto 200	45%
3. Above 200 & upto 500	25%
4. Above 500 & upto 1000	5%

2. The provision of requisite facilities in industrial development shall be conforming to the following table for an industrial estate of 20,000 employment size. In an industrial sub-division plan minimum area reserved for provision of facilities shall be @ 2.05 sqm per worker. The employment in industrial estate shall be worked out @ 300 workers per hectare of gross area.

S. Use Premises No.	Area in Hectare
1. Sub-Fire Station	0.6
2. Police Station	1.00
3. Community Centre (To accommodate essential facilities required for industrial estate)	1.00
4. Electric Sub-Station (Where necessary)	0.50
5. Parking area for trucks, tempo, taxi & three wheelers etc.	1.00

3. For water polluting industries the effluent shall be treated at common treatment plant before it is discharged into regular sewers.

4. The planning of industrial estate shall conform to the following guidelines regarding circulation system.

(i) No road within the industrial estate shall be less than 22.00m R/W.

(ii) Service lane may not be necessary.

5. The planning of industrial estate shall conform to the following guidelines regarding land-scaping.

(i) The industrial estate shall have minimum 12 per cent of area for landscaping in the form of parks/buffers.

(ii) On roads within the industrial estates, trees shall be planted on either side at an interval of about 10m. In the parking areas, trees shall be planted @ one tree per two parking spaces.

(iii) The parks and peripheral buffer shall have tree plantation @ 150 trees per hectare.

(c) M2-Extensive Industry use Zone

The sub-division of industrial use zone into use premises and subsequent approval of layout plan for individual industrial estates shall be governed by the following norms.

1. The development of industrial area shall have plotted development for individual industry. Some part of the industrial estate may be used for flatted group industry. The minimum size of plot for flatted group industry shall be 2000 sqm. The different categories of plot sizes for plotted development to be provided in the layout plan may be as per the following table.

S. Plot Sizes (sqm) No.	Suggestive Distribution of Plots
1. 400 and upto 1000	80%
2. Above 1000	20%

2. The minimum area reserved for provision of facilities shall be @ 2.55 sqm per worker. The employment in industrial estate shall be worked out @ 160 worker per hectare of gross area. The industrial estate of 20,000 employment size shall have following facilities.

S. Use Premises No.	Area in ha.
1. Sub-Fire Station	0.6
2. Police Station	1.0
3. Community Centre (To accommodate essential facilities required for industrial estate)	1.0
4. E.S.S.* (Where necessary)	1.0
5. Parking area for trucks, tempo, taxi & three wheelers etc.)	1.5

3. For water polluting industries the effluent shall be treated at the common treatment plant before it is discharged into regular sewers.

\*Electric Sub Station

4. The planning of industrial estate shall conform to the following guidelines regarding circulation system.

(i) No road within industrial estate shall be less than 32m R/W.

(ii) Service lane may not be necessary.

5. The planning of industrial estate shall conform to the following guidelines regarding landscaping.

(i) The industrial estate shall have minimum 8 per cent of area for landscaping in the form of parks/buffer.

(ii) On the roads within the industrial estate trees shall be planted on either side at an interval of about 10m. In the parking area trees shall be planted @ one tree per two parking spaces.

(iii) The parks and peripheral buffer shall have tree plantation @ 150 trees per hectare.

### 8(2) PERMISSION OF USE PREMISES IN USE ZONES

#### (a) Permission of selected use Premises in five important Use Zones

S. No.	Use Premises	Use Zones				
		RD	C1	C2	M1	M2
1	2	3	4	5	6	7
001	Residential Plot—Plotted Housing	P	NP	NP	NP	NP
002	Residential Plot—Group Housing	P	NP	NP	NP	NP
004	Residence-cum-Work Plot	P	NP	NP	NP	NP
007	Hostel					
	(i) Hostel attached to Institutions	NP	P	NP	NP	NP
	(ii) Hostels not attached to Institutions	P	P	NP	P	NP
008	Guest House, Boarding House and Lodging House					
	(i) Government, Public and Private Limited Company Guest House	P	P	NP	NP	NP
	(ii) All others	NP	P	P	P	NP
016	Convenience Shopping	P	NA	NA	NA	NA
017	Local Shopping Centre	P	NA	NA	NA	NA
019	Wholesale Trade	NP	NP	P	NP	NP
020	Storage, Godown and Warehousing					
	(i) Non-inflammable	NP	NP	P	P	P
	(ii) Inflammable					
	(As per regulation regarding explosive materials)	NP	NP	P	P	P
021	Cold Storage and Ice Factory	NP	NP	P	P	P
022	Gas Godown	NP	NP	P	P	P
023	Major Oil Depot and L.P.G. Refilling Plant (As specific use)	NP	NP	P	NP	NP
025	Commercial Office	NP	P	P	NP	NP
028	Cinema	NP	P	P	P	P
035	Service Centre	NP	P	P	NA	NA
036	Industrial Plot-Light and Service Industry	NP	NP	NP	P	P
037	Industrial Plot—Extensive Industry	NP	NP	NP	NP	P
063	Bus Terminal	P	P	P	P	P
064	Bus Depot & Workshop	NP	NP	NP	P	P
072	Hospital (Upto 200 beds)	P	P	NP	NP	NP
073	Health Centre (Upto 30 beds)	P	P	NP	NP	NP
074	Nursing Home	P	P	NP	NP	NP
081	Primary School	P	NP	NP	NP	NP
082	Secondary School	P	NP	NP	NP	NP
083	Senior Secondary School	P	NP	NP	NP	NP

1	2	3	4	5	6	7
084	Integrated School	P	NP	NP	NP	NP
085	Integrated Residential School	P	NP	NP	NP	NP
086	College	P	NP	NP	NP	NP
88	Social Welfare Centre					
	(i) With Auditorium	NP	P	NP	NP	NP
	(ii) Without Auditorium	P	P	NP	NP	NP
099	Auditorium	NP	P	NP	P	NP
107	Religious Premises	P	NP	NP	NP	NP

## (a) Permission of Secondary Use Premises in five important Use Zones

S. No.	Use Premises	Use Zones				
		RD	C1	C2	M1	M2
003	Residential Flat					
	(i) As part of Group Housing	P	NP	NP	NP	NP
	(ii) On first floor and above	NA	P	NP	NP	NP
005	Residential Premises—Special Area	NA	NA	NA	NA	NA
006	Foreign Mission	P	NP	NP	NP	NP
007	Dharamshala	P	P	NP	NP	NP
010	Baratghar	P	P	NP	NP	NP
011	Night Shelter	P	P	P	P	P
018	Weekly Market					
	(i) Existing locations if not obstructing traffic circulation till such time these areas are utilised for designated use	P	P	P	P	P
	(ii) Parking and other open spaces within commercial centres to be used for weekly markets during non-working hours only	NP	P	NP	NP	NP
024	Junk Yard	NP	NP	P	P	P
027	Motor Garage & Workshop	NP	P	P	P	P
034	Flattened Group Industry	NP	P	P	P	P
039	Industrial Plot—Industry Specific Type	NP	NP	NP	P	NP
058	Railway Freight Godown	NP	NP	P	P	P
077	Clinical Laboratory	P	P	NP	NP	NP
078	Voluntary Health Service	P	P	NP	NP	NP
080	Nursery and Kindergarten School	P	P	NP	NP	NP
087	Vocational Training Institute	P	P	P	P	NP
089	Research and Development Centre	P	P	P	P	P
090	Library	P	P	NP	NP	NP
091	Technical Training Centre	P	P	NP	P	NP
093	Music, Dance and Drama Training Centre	P	P	NP	NP	NP
095	Motor Driving Training Centre	NP	P	NP	NP	NP
096	Children Traffic Park	P	P	NP	NP	NP
097	Museum	P	P	NP	P	NP
098	Exhibition Centre and Art Gallery	P	P	NP	P	NP
100	Open Air Theatre	P	P	NP	NP	NP
101	Community Hall	P	P	NP	NP	NP
103	Cultural and Information Centre	P	P	NP	NP	NP
104	Social and Cultural Institute	P	NP	NP	NP	NP
106	Orphanage	P	NP	NP	NP	NP
108	Yoga Centre, Meditation, Spiritual and Religious Discourse Centre	P	NP	NP	NP	NP
130	Plant nursery	P	P	NP	NP	NP

P : Permitted,

NP : Not Permitted,

NA : Not Applicable

\*

(a) (ii) Use Premises which are permitted in all the five important Use Zones (RD, C1, C2, M1 & M2).

Retail, Repair and Personnel Service Shop (in commercial centres only), Vending Booth, Bank, Petrol Pump, Restaurant (In Commercial Centres only), Hotel (In Commercial Centres only), and in other residential areas where building plans have been approved for a hotel building as per the sanctioned coverage and F.A.R.

Park, Play Ground, Indoor Games Hall, Swimming Pool, Recreational Club.

Cargo Booking Office (In Commercial Centres only), Railway Booking Office (In Commercial centres only), Road Transport Booking Office (In Commercial Centres only), Parking, Taxi & Three Wheeler Stand, Public Utility Premises.

Central Government Office (In Commercial Centres only), Local Government Office (In Commercial Centres only), Public Undertaking Office (In Commercial Centres only).

Dispensary, clinic (In Commercial Centres only), Creche and Day Care Centre, Commercial and Secretarial Training Centre (In commercial centres only), Police Post, Police Station, Fire Post, Fire Station, Post Office, Post & Telegraph Office and Telephone Exchange.

(a) (iii) Use Premises which are not permitted in all the five important Use Zones (RD, C1, C2, M1 & M2).

Motel, Drive-in-Cinema

Industrial Premises-Extractive Industry.

Outdoor Games Stadium, Indoor Games Stadium, Shooting Range; Zoological Garden, Bird Sanctuary, Botanical Garden, Specialised Park/Ground, Planetarium, Picnic Hut/Camping Site.

Flying Club

International Conference Centre, Courts, Government Land (Use undetermined).

Sports Training Centre, Fair Ground, Reformatory, District Battalian Office, Civil Defence and Home Guard, Forensic Science Laboratory, Jail, General Head Post Office, Radio and Television Station, Transmission Tower, Satellite and Tele-communication Centre, Observatory and Weather Office, Burial Ground, Cremation Ground, Cemetery, Electric Crematorium.

Orchard, Forest, Dairy Farm, Poultry Farm, Piggery, Farm House, and Rural Centre.

(b) Permission of Use Premises in the remaining Use Zones.

RD Foreign Mission

Foreign Mission, Residential Plots, Group Housing (For the use of mission employees only), Guest House, Local Shopping, Bank, Recreational Club, Health Centre, Integrated Residential School, Cultural and Information Centre, Police Post, Fire Post and Post & Telegraph Office.

P1 Regional Park

Regional Park, Residential Flat (For watch & ward), Picnic Hut, Park, Shooting Range, Zoological Garden, Bird sanctuary, Botanical Garden, Local Government Office (Maintenance), Open Air Theatre, Police Post, Fire Post, Orchard, Plant Nursery and forest.

Any structure in this use zone shall be of temporary nature.

P2 District Park

District, Park, Residential Flat (For watch & ward and maintenance staff), Play Ground, Swimming Pool, Recreational Club, Children Traffic Park, Specialised Park/Ground, National Memorial, Bird Sanctuary, National Garden and Zoological Garden.

P3 Play Ground, Stadium and Sports Complex

Play Ground, Outdoor Stadium, Indoor Games Stadium, Indoor Games Hall, Swimming Pool, Recreational Club, Residential Flat (For watch & ward and maintenance staff), Boarding & Lodging House, Restaurant, Bank, Local Government Office (Maintenance), Library, Sports Training Centre, Auditorium, Police Post, Fire Post, Post & Telegraph Office and Health Centre (For players and concerned officials).

T5 Truck Terminal

Truck Terminal, Motor Garage, and workshop, Retail and Repair Shop, Night Shelter, Boarding House, Bank, Restaurant, Road Transport Booking Office.

C2 Government Office

Central Government Office, Local Government Office, Public Undertaking Office, International Conference Hall, Courts, Government Land (Use undetermined), Commercial Office (In commercial centres only), Retail and Repair Shop, Bank, Restaurant, Watch & Ward, Vending Booth, Indoor Games Hall, Dispensary, Library, Museum, Cultural and Information Centre, Social and Cultural Institute Auditorium, Police Post, Fire Post and Post & Telegraph Office.

PS1 Hospital

Hospital, Health Centre (Including family welfare centre), Nursing Home, Dispensary, Clinic, Clinical Laboratory, Voluntary Health Service, Residential Flat and Residential Plot-Group Housing (For staff and employees), Hostel (For students of medical college and staff), Dharamshala, Night Shelter, Retail and Repair Shop (In commercial centres only), Bank, Restaurant, Indoor Games Hall, Recreational Club, Swimming Pool, Library, College (Medical profession and like), Forensic Science Laboratory, Police Post, Fire Post and Post & Telegraph Office.

PS2 Education & Research

University and Specialised Educational Institute, College, Nursery and Kindergarten School, Integrated Residential School, Creche and Day Care Centre, Research and Development Centre, Library, Social Welfare Centre, Auditorium, Open Air Theatre, Health Centre, Play ground, Outdoor Stadium, Indore Games Stadium, Indore Games Hall, Shooting Range, Swimming Pool, Recreational Club, Botanical Garden, Planetarium, Zoological Garden and Aquarium, Residential Plot-Group Housing (For staff and Employees), Hostel (For Students), Guest House, Convenience Shopping, Bank, Museum, Fire Post, Police Post and Post & Telegraph Office.

PS3 Social and Cultural

Social and Cultural Institute, International Conference Hall, Museum, Exhibition Centre, Art Gallery, Auditorium, open Air Theatre, Community Hall, Cultural and Information Centre, Residential Flat (Watch & Ward staff only), Hostel, Indoor Games Hall, Recreational Club, Planetarium, Library, Police Station, Fire Station and Post & Telegraph Office.

PS4 Police Headquarter and Police Lines

Police Headquarter, Police Post, Police Station, District Battalian Office, Civil Defence and Home Guard, Forensic Science Laboratory, Jail, Fire Post, Residential Plot-Plotted & Group Housing, Hostel (Staff and employees), Guest House, Bank, Convenience Shopping, Motor Garage and Workshop, Restaurant, Play Ground, Indoor Games Stadium, Indoor Games Hall, Shooting Range, Swimming Pool, Recreational Club, Hospital, Health Centre, Dispensary, Voluntary Health Service (Like red cross), Nursery and Kindergarten School, Integrated Residential School, Library, Fire Post and Post & Telegraph Office.

PS5 Fire Station and Headquarter

Fire Station, Fire Post, Residential Flat (For staff employees), Hostel (For staff), Guest House, Convenience Shopping, Bank, Motor Garage and Workshop, Restaurant, Play Ground, Indoor Games Hall, Swimming Pool, Recreational Club, Health Centre, Primary School, Library and Post & Telegraph Office.

**PS6 Communication :**

Satellite and Tele-communication Centre, Transmission Tower, Wireless Station, Telephone Exchange, Radio and Television Station, Observatory and Weather Office, Fire Post, Residential Flat (For watch & ward).

**A1 Plant Nursery :**

Plant Nursery, Residential Flat (For watch & ward and maintenance).

**A3 Rural Zone :**

Rural Centre, Orchard, Plant Nursery, Forest, Extractive Industry.

(b) (i) The permission of use premises in following use zones shall be governed by the specific function of the use zone.

C3-Hotel, P4-Historical Monument, T1-Airport, T2-Rail Terminal, T3-Rail Circulation, T4-Bus Terminal & Depot, T6-Road Circulation, U1-Water, U2-Sewerage, U3-Electricity, U4-Solid Waste, U5-Drain, G1-President Estate & Parliament House, G3-Government Land (Use undetermined), PS7-Cremation and Burial Ground, PS8-Religious, A2-Green Belt and A4-River & Water Body.

(b) (ii) Park, Parking, Taxi & Three Wheeler Stand and Public Utility Premises are permitted in all use zones.

**B(3) Uses/use activities permitted in use premises :****Residential Plot (001) :****Group I :**

This covers plotted residential areas developed after 1962 and also plotted residential areas where commercial intrusion is negligible (A list of these areas is given in Annexure II). The differential rate of conversion charges for both in terms of residential development type and use permitted shall be determined by the Authority.

Residence, Professional Consultancy Office of Lawyers, Architects & Engineers, Chartered Accountants and Doctors other professionals with following conditions :

- (i) The area under the establishment shall not exceed 30 sqm or 25% of the plinth area whichever is less.
- (ii) The establishment shall be run only by the resident of the dwelling unit.

**Group II :**

This group covers the 'Rehabilitation' plotted residential areas and other plotted residential areas with commercial penetration, resettlement residential areas and urban villages (The list of these areas is given at Annexure II). The differential rate of conversion charges for both in terms of residential development type and use permitted shall be determined by the Authority.

Residence, Retail, Repair, Personnel Service Shop with following conditions :

- (i) The establishment shall be permitted only on ground floor and shall be run by the resident of the dwelling unit.
- (ii) The area under the establishment shall not exceed 15 sqm or 25% of the ground floor covered area whichever is less.

Household Industry (List given at Annexure II) with the following conditions :

- (i) The establishment shall be permitted only on the ground floor and shall be run by the resident of the dwelling unit.
- (ii) The area under the establishment shall not exceed 30 sqm or 25% of the plinth area, whichever is less.

Creche and Day Care Centre, Nursery and Kindergarten School, Music, Dance and Drama Training Centre, Tailoring Embroidery & Knitting Training Centre with the following conditions :

- (i) The establishment shall be permitted only on ground floor and shall be run by the resident of dwelling unit.
- (ii) The area under the establishment shall not exceed 30 sqm or 25% of the ground floor covered area whichever is less.

Professional Consultancy Office : Same given in Group I.

Group III :

Unauthorised Regularised Residential Areas (Unauthorised Regularised Colonies).

The uses other than residential shall be permitted by the Authority on the basis of detailed studies of different areas under this group.

The differential rate of conversion charges for both in terms of residential development type and use permitted shall be determined by the Authority.

**Residential Plot-Group Housing (002) :**

Residential Flat, Retail Shop of Confectionary, Grocery & General Merchandise; Books and Stationery; Chemist; Barber; Launderer; Tailor; Vegetable (On ground floor with an area upto 15 sqm each).

Creche and Day Care Centre.

On ground floor with an area upto 50 sqm.

**Residential Flat (003) :**

Residence, Professional Consultancy Office (As given in Group I of Residential Plot).

Retail, Repair & Personnel Service Shop (012 to 014).

Retail Shop; Repair Shop; Personnel Service Shop.

**Wholesale Trade (019) :**

Wholesale Shop; Godown & Storage; Commercial Office (On first & above floor restricted to 25% of the total floor area).

**Commercial Office (025) :**

Commercial Office; Retail & Personnel Service Shop; Restaurant; Bank, Post & Telegraph Office.

**Industrial Plot-Light and Service Industry (036) :**

Light & Service Industry as per the list at Annexure III; Administrative Office, Sales Outlet.

**Residence-cum-work Plot (004) :**

Residence, Ground floor area may be used as workspace for Retail Shop; Household Industry and Personnel Service Shop.

**Residential Premises—Special Area (005) :**

As per special Area Regulations.

**Foreign Mission (006) :**

Foreign Mission and related facilities.

Hostel, Guest House, Boarding House and Lodging House (007 & 008) :

Hostel, Guest House, Boarding House and Lodging House; Watch & Ward Residence (20 sqm); Personnel Service Shops of Barber, Launderer; Soft Drink & Snack Stall (15 sqm).

**Dharamshala (009) :**

Dharamshala; Personnel Service Shops of Barber & Launderer; Soft Drink & Snack Bar (upto 15 sqm).

**Baratghar (010) :**

Baratghar; Soft Drink & Snack Bar (upto 15 sqm).

**Night Shelter (011) :**

Night Shelter.

Vending Booth (015) :

Vending Booth.

Convenience Shopping (016) :

Retail, Repair and Personnel Service Shop; Restaurant; Clinic.

Local Shopping (017) :

Retail, Repair and Personnel Service Shop; Commercial Office; Industry as per the Annexure III; Clinical Laboratory; Clinic &amp; Poly Clinic; Restaurant; Soft Drink &amp; Snack Stall; Post Office and Bank Extension Counter.

Weekly Market (018) :

Weekly Market; Informal Retail Trade; Soft Drink &amp; Snack Stall (All structures will be either temporary or mobile, only for one day in a week).

Storage, Godown &amp; Warehousing (020) :

Storage, Godown &amp; Warehousing, Watch &amp; Ward Residence (Upto 20 sqm.), Wholesale Outlet, Administrative &amp; Sales Office.

Cold Storage (021) :

Cold Storage, Watch &amp; Ward Residence (Upto 20 sqm), Administrative Office.

Gas Godown (022) :

Gas Godown, Watch &amp; Ward Residence (Upto 20 sqm), Care Taker Office.

Oil Depot (023) :

Oil &amp; Gas Depot, Residential Flat (Watch &amp; Ward and maintenance staff only), Administrative Office.

Junk Yard (024) :

Junk Yard, Watch &amp; Ward Residence, Sales Office.

Bank (026) :

Bank, Watch &amp; Ward Residence (Upto 20 sqm), Commercial Office, Canteen.

Motor Garage and Workshop (027) :

Motor Garage and Workshop, Retail Shop (Spare parts), Soft Drink &amp; Snack Stall.

Cinema (028) :

Cinema, Watch &amp; Ward Residence (20 sqm), Administrative Office, Soft Drink &amp; Snack Stall, Retail Shop &amp; Commercial Office (Upto 20% of the total floor area).

Drive-in-Cinema (029) :

Drive-in-cinema, Watch &amp; Ward Residence (20 sqm), Administrative Office, Restaurant, Soft Drink &amp; Snack Stall.

Petrol Pump (030) :

Petrol Pump, Soft Drink &amp; Snack Stall, Automobile Repair Shop.

Restaurant (031) :

Restaurant.

Hotel (032) :

Hotel, Retail &amp; Personnel Service Shop and Commercial Office restricted to 5% of total floor area.

Motel (033) :

Motel.

Flatted Group Industry (034) :

Industries as given in classes A, B, C, D and E of Annexure III shall be permitted, provided such industries do not have excessive.

(i) Vibrations, or

(ii) Solid or liquid waste; or

(iii) Movement of raw material/finished products. Watch &amp; Ward Residence (Upto 20 sqm).

Service Centre (035) :

Retail, Repair &amp; Personnel Service Shop, Industry allowed in service Centre as per annexure III, Gas Godown, Commercial Office.

Extensive Industry Plot (037) :

Extensive Industry as per the list in Annexure III, Administrative Office, Sales Outlet, Residential Flat (For maintenance staff), Watch &amp; Ward Residence (Upto 20 sqm).

Industrial Premises—Extractive Industry (038) :

Extractive Industry.

Industrial Plot—Industry Specific Type (039) :

Industry Specific Type, Administrative Office, Sales Outlet.

Park (040) :

Park, Soft Drink &amp; Snack Stall (On the park with &amp; above 1.0 hectare area).

Play Ground (041) :

Play Ground.

Outdoor Stadium, Indoor Games Stadium and Shooting Range (042, 043 &amp; 044) :

Stadium, Local Government Office (Maintenance), Watch &amp; Ward Residence (upto 20 sqm), Residential Flat (For maintenance staff), Retail Shop, Restaurant.

Indoor Games Hall (045) :

Indoor Games Hall, Soft Drink &amp; Snack Stall.

Swimming Pool (046) :

Swimming Pool, Watch &amp; Ward and Maintenance Staff Residence, Restaurant.

Recreational Club (047) :

Recreational Club, Watch &amp; Ward Residence (Upto 20 sqm), Residential Flat (For maintenance staff), Swimming Pool, Indoor and Outdoor Games Facilities.

Historical Monument (048) :

Historical Monuments.

National Memorial (049) :

Tomb, Samadhi and other Memorial, Watch &amp; Ward Residence (Upto 20 sqm), Soft Drink &amp; Snack Stall, Book and Picture Card Shop.

Zoological Garden, Bird Sanctuary and Botanical Garden (050, 051 &amp; 052) :

Zoological and Botanical Garden, Bird Sanctuary, Watch &amp; Ward Residence (Upto 20 sqm), Residential Flat (For maintenance staff), Retail Shop, Restaurant.

Specialised Park/ground (053) :

Public Meeting Ground, Public Address Podium, Soft Drink &amp; Snack Stall.

Planetarium (054) :

Planetarium, Watch &amp; Ward Residence (Upto 20 sqm), Cafeteria.

Picnic Hut (055) :

Picnic Hut.

Flying Club (056) :

Flying Club and all provided in 047.

Cargo and Booking Office (057) :

Cargo and Booking Office, Watch &amp; Ward Residence (Upto 20 sqm).

Railway Freight Godown (058) :

Railway Freight Godown, Care Taker Office, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm).

Railway Booking Office and Road Transport Booking Office (059 & 060) :

Railway and Road Transport Booking Office, Storage.

Parking (061) :

Parking.

Taxi & Three Wheeler Stand (062) :

Taxi & Three Wheeler Stand.

Bus Terminal (063) :

Bus terminal, Soft Drink & Snack Stall, Administrative Office, Other Offices.

Bus Depot (064) :

Bus Depot, Workshop, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Soft Drink & Snack Stall, Administrative Office.

Public Utility Premises (065) :

Overhead Tank, Underground Tank, Oxidation Pond, Septic Tank, Sewerage Pumping Station, Public Toilet & Urinal, Electric Sub-Station, Dhallao and Dustbin, Dhobi Ghat, Central Government Office, Local Government Office & Public Undertaking Office (066, 067 & 068).

Central Government, Local Government & Public Undertaking Office, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Retail Shop of Chemist, Book and Stationery, Consumer Store (Upto 15 sqm each on ground floor), Canteen, Bank Extension Counter, Post Office Extension Counter.

International Conference Centre (069) :

International Conference Centre, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Residential Flat (For maintenance staff), Restaurant, Bank, Post & Telegraph Office, Library, Exhibition Centre.

Courts (070) :

Courts, Watch & Ward Residence (upto 20 sqm), Canteen, Retail Shop of Chemist and Stationery (Upto 15 sqm each), Library, Administrative Office, Bank, Post & Telegraph Office, Police Post, Lawyer's Chamber.

Government Land (071) :

(Use undetermined)

Use undetermined.

Hospital (072) :

Hospital, Residential Flat (Employees and service personnel) Institutional Hostel, Medical College, Retail Shops.

(Confectionery, grocery & general merchandise, books and stationery, chemist, barber, launderer, vegetable).

Health Centre and Nursing Home (073 & 074) :

Health Centre, Nursing Home, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm each), Chemist Shop (Upto 15 sqm each).

Dispensary (075) :

Dispensary, Soft Drink & Snack Stall.

Clinic (076) :

Clinic.

Clinical Laboratory (077) :

Clinical Laboratory, Soft Drink & Snack Stall.

Voluntary Health Service (078) :

Voluntary Health Service, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Administrative Office, Dispensary, Canteen.

Creche and Day Care Centre (079) :

Creche and Day Care Centre, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm).

Nursery and Kindergarten School (080) :

Nursery and Kindergarten School, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm).

Primary School (081) :

Primary School, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Books and Stationery Shop (Upto 15 sqm), Soft Drink and Snack Stall.

Secondary, Senior Secondary and Integrated School (082, 083 & 084) :

Secondary, Senior Secondary and Integrated School, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Books and Stationery and Chemist Shop (Upto 15 sqm), Soft Drink & Snack Stall, Canteen, Bank Extension Counter, Auditorium, Indoor Games Hall, Swimming Pool, Post Office Counter Facility.

Integrated Residential School and College (Including professional college) (085 & 086) :

School and College, Residential Flat (For maintenance staff), Institutional Hostel, Retail Shops of area 15 sqm each (Confectionery, grocery & general merchandise, books & stationery, Chemist, barber, launderer, vegetable), Canteen, Bank Extension Counter, Auditorium, Indoor Games Hall, Swimming Pool, Play Ground, Post Office Counter Facility.

Vocational Training Institute (087) :

Vocational Training Centre, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Hostel (Only in case of Government Centres), Books & Stationery Shop (Upto 15 sqm), Canteen, Library.

Social Welfare Centre (088) :

Social Welfare Centre, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Canteen, Exhibition-cum-Sale Counter.

Research and Development Centre (089) :

Research and Development Centre, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Residential Flat (For maintenance staff), Hostel, Canteen, Bank Extension Counter, Library, Post Office Counter Facility.

Library (090) :

Library, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Canteen, Exhibition and Art Gallery, Auditorium.

Technical Training Centre (091) :

Technical Training Centre, Residential Flat (For maintenance staff), Books & Stationery and Chemist Shops (Upto 15 sqm each), Canteen, Bank Extension Counter, Auditorium, Post Office Counter Facility.

Commercial and Secretarial Training Centre (092) :

Commercial and Secretarial Training Centre, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Canteen.

Music, Dance and Drama Training Centre (093) :

Music, Dance and Drama Training Centre, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Canteen, Auditorium.

Sports Training Centre (094) :

Sports Training Centre, Residential Flat (For maintenance staff), Retail Shops.

(Confectionery, grocery & general merchandise), Hostel, Bank, Post Office, Canteen, Indoor and Outdoor Stadium, Swimming Pool, Play Ground.

Motor Driving Training Centre (095) :

Motor Driving Training Centre, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Soft Drink & Snack Stall.

Children Traffic Park (096) :

Children Traffic Park, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Soft Drink & Snack Stall, Museum, Auditorium.

Museum, Exhibition Centre and Art Gallery, Auditorium and open Air Theatre (097, 098, 099 & 100) :

Museum, Exhibition Centre and Art Gallery, Auditorium and Open Air Theatre, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Canteen.

Community Hall (101) :

Community Hall, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Soft Drink & Snack Stall.

Fair Ground (102) :

Fair Ground, Residential Flat (For maintenance staff), Exhibition Centre (Temporary in nature), Restaurant, Soft Drink & Snack Stall, Police Post, Fire Post, Bank Extension Counter Facility, Post Office Counter Facility.

Cultural and Information Centre (103) :

Cultural and Information Centre, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Hostel, Canteen, Bank Extension Counter Facility, Auditorium (Upto 500 seating capacity), Library, Exhibition and Art Gallery.

Social and Cultural Institute (104) :

Social and Cultural Institute, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Soft Drink & Snack Stall, Restaurant, Canteen, Bank Extension Counter Facility, Auditorium, Library, Music, Dance and Drama Training Centre, Museum, Exhibition Centre and Art Gallery.

Reformatory and Orphanage (105 & 106) :

Reformatory and Orphanage, Residential Flat (For maintenance staff), Hostel, Personnel Service Shop (Upto 15 sqm).

Religious Premises/Building (107) :

(i) Temple, (ii) Mosque, (iii) Church, (iv) Gurudwara, (v) Synagogue, (vi) Ashram, (vii) Bathing Ghat, (viii) Gaushala (ix) Dargah & (x) Charitable Dispensary & Library.

Yoga Centre, Meditation, Spiritual and Religious Discourse Centre (108) :

Yoga Centre, Meditation, Spiritual and Religious Discourse Centre, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm) Hostel, Soft Drink & Snack Stall.

Police Post (109) :

Police Post.

Police Station (110) :

Police Station, Residential Flat (For maintenance staff).

District Police Office and Civil Defence & Home Guard (111 & 112) :

District Police Office and Civil Defence & Home Guard, Residential Flat (For maintenance staff), Hostel, Play Ground.

Forensic Science Laboratory (113) :

Forensic Science Laboratory.

Jail (114) :

Jail.

Fire Post (115) :

Fire Post.

Fire Station (116) :

Fire Station, Residential Flat (For maintenance staff), Hostel (For employees), Service Workshop.

Post Office, Post & Telegraph Office and General Post Office (117, 118 & 119) :

Post Office, Post & Telegraph Office and General Post Office, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Canteen.

Telephone Exchange (120) :

Telephone Exchange, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Canteen.

Radio and Television Station (121) :

Radio and Television Station, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm), Hostel, Canteen, Library.

Transmission Tower (122) :

Transmission Tower, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm).

Satellite and Tele-Communication Centre and Observatory & Weather Office (123 & 124) :

Satellite and Tele-Communication Centre and Observatory & Weather Office, Residential Flat (For maintenance staff), Canteen, Research Laboratory.

Burial Ground, Cremation Ground, Cemetery and Electric Crematorium (125, 126, 127 & 128) :

Burial Ground, Cremation Ground, Cemetery and Electric Crematorium, Retail Shops of Wood, Flowers and related materials, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm).

Orchard (129) :

Orchard, Watch & Ward and Maintenance Staff Residence (Upto 20 sqm).

All structures shall be temporary in nature.

Nursery (130) :

Nursery, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm).

All structures shall be temporary in nature.

Forest (131) :

Forest.

Dairy Farm (132) :

Dairy Farm, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm).

All structures shall be temporary in nature.

Poultry Farm (133) :

Poultry Farm, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm).

All structures shall be temporary in nature.

Piggery (134) :

Piggery Shed, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm).

All structures shall be temporary in nature.

Farm House (135) :

Farm House, Watch & Ward Residence (Upto 20 sqm).

All structures shall be temporary in nature.

Rural Centre (136) :

Rural Centre, Retail Shop, Repair Shop, Personnel Service Shop, Weekly Market, Bank, Commercial Office, Cinema, Restaurant, Local Government Office, Dispensary, Clinic, Clinical Laboratory, Hospital, Senior Secondary School, Library, Community Hall, Police Post, Fire Post, Post Office.

Notes :

(i) Park, Parking, Public Conveniences, Public Utility are permitted in all premises wherever needed.

(ii) In the case of Clubbing of Premises, respective uses are allowed.

(iii) In case of higher order use premises permitted, the lower order use premises in the same category are permitted e.g. if police station is permitted, the police post can also come in its place.

(iv) A structure which can be shifted from one place to another or removed as the case may be shall be considered as temporary structure.

8(4) Control for Building/Buildings within use premises :

The objective of these regulations is to provide control for building/buildings within use premises. The volume of building is determined by ground coverage, floor area ratio and maximum height permitted. The other controls have been laid out for provisions like basement, setbacks, parking standards and other aspects relevant for building permission excluding the internal arrangement which is covered and controlled by building bye-laws in force. These regulations have been framed for important use premises of residential, commercial, manufacturing, government and public & semi-public uses. The remaining use premises shall be examined by the Authority on the basis of actual requirements and other relevant norms in a specific case.

The development around Historical Monuments and Buildings shall be carried out in such a manner so as to enhance their significance.

The Regulations as given in Annexure IV shall apply to residential plots in existing development.

Parking standards have been recommended for certain premises. Wherever these are not provided the same shall be prescribed by the Authority depending upon the merits and requirements of an individual case.

Wherever the building regulations are given as per different categories of plots, the area to be covered and floor area need in no case be less than the permissible covered area and floor area, respectively, for the largest size of plot in the lower category.

Basement provision has been indicated wherever permitted with or without conditions. The mezzanine floor where provided shall be considered as a part of the total F.A.R. Maximum height of building would be taken from central line of the access road to top of the parapet. Structures like munity, water storage tank, etc., shall be so planned as to have setback from the parapet. The provision of setback for different size of plots for all categories of use premises shall be as per the following table:

S. No.	Setbacks			
	Front	Rear	Side(1)	Side(2)
1. Upto 60	0	0	0	0
2. Above 60 & upto 150	3	0	0	0
3. Above 150 & upto 300	3	3	0	0
4. Above 300 & upto 500	3	3	3	0
5. Above 500 & upto 1000	6	3	3	3
6. Above 1000 & upto 2000	9	3	3	3
7. Above 2000 & upto 4000	9	6	6	6
8. Above 4000 & upto 10,000	15	6	6	6
9. Above 10,000	15	9	9	9

(i) In case the permissible coverage is not achieved with setbacks shall be 2m×2m at corner adjacent to open the setbacks of the preceding category may be followed.

(ii) In single family (1.3 units) residential plots, rear setbacks shall be 2m×2m at corner adjacent to open courts of plots in rear and sides.

#### Residential Plot—Plotted Housing (001)

	(a) For Single Family Unit (1.3 unit)	(b) For Family Unit	Three Unit
Minimum Plot Size (sqm)	32	150	above 250
Maximum Plot Size (sqm)	80	250	350
Standard Plot Size (sqm)	72	180	—
Ground Coverage (%)	60	60	50
Floor Area Ratio	150	150	125
Maximum Height (m)	11	11	11

#### Other Controls :

(a) For Single Family Units :  
(1.33 unit) :

(i) One of the rear corners shall be open court of 2m×2m next to the open court of adjacent Plot. This condition shall be indicated in layout plan.

(ii) Plot front width to depth ratio shall be 1 : 2 to 3.

(iii) One regular kitchen and one kitchenette shall be permitted.

(iv) 10 per cent of the open space to be left unpaved for greenery with at least one small tree to be planted within the plot.

#### (b) For Three Family Unit :

(i) Plot front width to depth ratio shall be in the range of 1 : 2 to 3.

(ii) Three regular kitchens shall be permitted.

(iii) 10 per cent of the open space to be left unpaved for greenery with at least one small tree to be planted within the plot.

(c) For purposes of density calculations, the dwelling unit should be considered to accommodate 4.8 persons.

#### Residential Plot-Group Housing (002)

	(a) For plots 2000 to 4000 sqm	(b) For plots above 4000 sqm
1. Ground Coverage	33.33 %	30 %
2. Floor Area Ratio	100	150
3. Maximum Height	11m	26m

#### Other Controls :

(a) For plots 2000 to 4000 sqm

(i) Maximum number of storeys allowed—Three.

(ii) Density permissible shall be 120 DUs per hectare.

(iii) For land-scapping purpose 100 trees per hectare shall be planted and 40 per cent of open space shall be covered by greenery.

(iv) Parking shall be provided @ 0.28 car spaces per dwelling unit for dwelling units upto 50 sqm of floor area @ 0.55 car spaces per dwelling unit for dwelling units above 50 sqm & upto 90 sqm of floor area and @ 1.15 car spaces per dwelling unit for the dwelling units above 90 sqm of floor area.

The area under covered garages, if provided, shall be deducted from the total parking requirements.

(b) For plots above 4000 sqm

(i) Maximum number of storeys allowed—Eight.

(ii) Density permissible shall be 120 DUs per hectare.

(iii) For the purpose of land-scaping 100 trees per hectare shall be planted and 40 per cent of the open space shall be covered by greenery.

(iv) Minimum street width in front—16m

(v) Parking shall be provided @ 0.28 car spaces per dwelling unit for dwelling units upto 50 sqm of floor area, @ 0.55 car spaces per dwelling unit for dwelling units above 50 sqm & upto 90 sqm of floor area and @ 1.15 car spaces per dwelling unit for the dwelling units above 90 sqm of floor area.

The area under covered garages, if provided, shall be deducted from the total parking requirements.

(c) In case of bungalow area New Delhi and Civil Lines, separate regulations for redensification to be worked out, retaining the existing character.

#### FOREIGN MISSION (006)

Ground Coverage	25 %
Floor Area Ratio	75
Maximum Height	14m

## Other Controls :

(i) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage shall be allowed & if used for parking & services shall be excluded from F.A.R.

## HOSTEL

(007)

Minimum Plot Size	2000 sqm
Ground Coverage	33.33 %
Floor Area Ratio	100
Maximum Height	26m

## Other Controls :

(i) Maximum number of storeys allowed—Eight

(ii) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage shall be allowed for the purpose of parking & services only and shall not be counted in F.A.R.

(iii) Minimum ROW in front—22m.

(iv) Trees shall be planted at the rate of 125 trees per hectare & 50 per cent of the permissible open space shall be covered by greenery.

GUEST HOUSE, BOARDING HOUSE & LODGING HOUSE  
(008)

Minimum Plot Size	500 sqm
Ground Coverage	33.33 %
Floor Area Ratio	100
Maximum Height	14m

## Other Controls :

(i) Maximum number of storeys allowed—Four

(ii) Minimum R/W in front—22 m

(iii) 10% of the open space to be left unpaved for greenery with at least two trees on the plot upto 500 sqm and an additional one tree for every 100 sqm area of plot.

DHARAMSHALA, BARATGHAR AND NIGHT SHELTER  
(009, 010 & 011)

Minimum Plot Size	200 sqm
Ground Coverage	40 %
Floor Area Ratio	80
Maximum Height	11m

## Other Controls :

(i) Maximum number of storeys allowed—Two.

(ii) Minimum R/W in front—16M.

(iii) 10 per cent of the open space to be left unpaved for greenery and atleast two trees, on the plot upto 500 sqm & an additional one tree for every 100 sqm area of plot shall be planted.

CONVENIENCE SHOPPING  
(016)

Minimum Plot Size	800 sqm
Ground Coverage	40 %
Floor Area Ratio	40
Maximum Height	5m

## Other Controls :

(i) The structure shall be single storied.

(ii) The centre may have 25 to 30 formal shops and 15 to 20 informal shops including fruits and vegetable shops.

(iii) Parking shall be provided at the rate of 1.3 car spaces per 100 sqm of floor area.

## LOCAL SHOPPING CENTRE

(017)

Minimum Plot Size	3000 sqm
(a) Retail and Commerce	
Ground Coverage	35 %
Floor Area Ratio	100
Maximum Height	14m

## Other Controls :

(i) Maximum number of storeys allowed—Three.

(ii) 80 per cent plot area of the local shopping centre may be used for retail and commerce

(iii) The centre may have 55 to 65 formal shops and 25 to 30 informal shops including fruits and vegetable shops.

(iv) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage shall be allowed and if used for parking and services shall not be counted in F.A.R.

(v) Parking shall be provided at the rate of 1.7 car spaces per 100 sqm of floor area.

## (b) Service Centre

20 per cent plot area of the local shopping centre may be used for service centre. The regulations are given separately under the premises of service centre.

## COMMUNITY CENTRE

Minimum Plot Size	25000 sqm
(a) Retail and Commerce (cinema)	
Ground Coverage	25 %
Floor Area Ratio	100
Maximum Height	14m

## Other Controls :

(i) Maximum number of storeys allowed—Four.

(ii) One or two buildings may have height of 26 m for achieving a desirable urban form.

(iii) The centre may have 300 to 350 formal shops, 125 to 150 informal shops, 2 cinema and a hotel. The regulations for hotel are given separately under the premises of hotel.

(iv) 85 per cent plot area of the community centre may be used for retail and commerce (cinema).

(v) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage shall be allowed and if used for parking and services shall not be counted in F.A.R.

(vi) Trees shall be planted at the rate of 125 trees per hectare and 40 per cent of the open space shall be covered by greenery.

(vii) Parking shall be provided at the rate of 1.9 case space per 100 sqm. floor area of retail, 0.7 car space per 100 sqm floor area of commerce and 1 car space per 25 seats for cinema.

## (b) Fruits and Vegetable Market

Ground Coverage	40 %
Floor Area Ratio	40

## Other Controls :

(i) 5 per cent plot area of the community centre may be used for fruits and vegetable market.

(ii) The centre may have 35 to 45 formal shops and 40 to 50 informal shops .

(iii) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage shall be allowed and if used for parking and services shall not be counted in F.A.R.

(iv) Trees shall be planted at the rate of 2 trees per 100 sqm of plot and 40 per cent of open space shall be covered by greenery.

(v) Parking shall be provided at the rate of 0.7 car space per 100 sqm. of floor area.

## (c) Service Centre

10 per cent plot area of the community centre may be used for service centre. The regulations are given separately under premises of service centre.

The community centre may be planned by utilising coverage F.A.R. in an integrated manner.

## DISTRICT CENTRE

10 per cent to 20 per cent additional area shall be provided to afford open spaces in an integrated manner in the district centre and it shall not be counted for ground coverage and F.A.R.

## (a) Retail Shopping (cinema)

Ground Coverage	30%
Floor Area Ratio	75

## Other Controls :

- (i) Maximum number of storeys allowed—Sixteen.
- (ii) The centre may have 1600 to 2000 formal shops, 750 to 950 informal shops and 3 cinema halls.
- (iii) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage shall be allowed and if used for parking and services shall not be counted in F.A.R.
- (iv) Trees shall be planted at the rate of 125 trees per hectare and 40% of open space shall be covered by greenery.
- (v) Parking shall be provided at the rate of 2.2 car space per 100 sqm floor area of retail and 1 car space per 25 seats for cinema.

## (b) Commercial Office

Ground Coverage	25%
Floor Area Ratio	125

## Other Controls :

- (i) The centre may have 600 to 750 formal shops, 250 to 350 informal shops and 4 cinema halls.
- (ii) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage shall be allowed and if used for parking and services shall not be counted in F.A.R.
- (iii) Trees shall be planted at the rate of 125 trees per hectare and 40 per cent of open space shall be covered by greenery.
- (iv) Parking shall be provided at the rate of 0.7 car space per 100 sqm floor area of commercial office and 1 car space per 25 seats for cinema.

## (c) Service Centre

The regulations for service centre are given separately under the premises of service centre.

## (d) Facilities

It shall have Bus Terminal, Fire Post, Police Post, Telephone Exchange, Electric Sub-Station (ESS) and their regulations are given separately under respective premises.

## (e) Cultural Complex

Ground Coverage	25%
Floor Area Ratio	100

## Other Controls :

- (i) Trees shall be planted @ 125 trees per hectare and 40 per cent of open space shall be covered by greenery.

## (f) Hotel

The regulations are given separately under the premises of hotel.

The District Centre may be planned by utilising coverage and F.A.R. in an integrated manner.

## Sub Central Business District

Maximum height permitted shall be 26m and one or two buildings may have height of 50m.

The regulations for (a) Retail Shopping (Cinema), (b) Commercial Offices, (c) Service Centre, (d) Facilities, (e) Cultural Complex and (f) Hotel shall have as mentioned in the District Centre.

## (g) Wholesale/Warehousing

The regulations given separately under the premises of wholesale and warehousing shall be applicable.

## Commercial Plot—Retail and Commerce

## (a) Metropolitan City Centre

Ground Coverage	25%
Floor Area Ratio	250

## Other Controls :

(i) These regulations shall apply to Connaught Place and its extension/Metropolitan City Centre.

(ii) The size of the plot shall depend on the layout of commercial area and any sub division of the plot in Connaught Place and its extension shall not be permitted.

(iii) FAR permitted shall be subject to an urban design study.

(iv) In case of plots fronting 45m wide road the setbacks shall be—Front—15m, Rear—6m, Sides—4.5m.

For plots fronting 30m wide or less roads the setbacks shall be—Front—12m, Rear—6m, Sides—4.5m.

(v) Parking shall be provided @ 2.2 car spaces per 100 sqm. floor area of retail, 1 car space per 25 seats for cinema and 0.7 car space per 100 sqm floor area of commercial office.

## (b) Asaf Ali Road

The area shown as commercial strip in Delhi Gate—Ajmeri Gate scheme shall have following building control regulations.

Ground Coverage	80%
Floor Area Ratio	300
Maximum Height	20 m
Setbacks	Nil

## Other Controls :

(i) Maximum number of storeys permitted shall be five with the following distribution of F.A.R.

Ground floor	80
First floor	70

Second, third and fourth floor 50 each

(ii) Basement to the maximum extent of ground floor shall be permitted for services and maintenance and shall be excluded from F.A.R.

(iii) Parking shall be provided @ 2.2 car space per 100 sqm. floor area of retail trade, 1 car space per 25 seats for cinema and 0.7 car space per 100 sqm floor area of commercial office.

## Non Hierarchy Commercial Centres

## (a) Central Market—Lajpat Nagar

This complex would have existing ground coverage with two storeyed construction. No basement shall be permitted.

## (b) I.N.A. Market

The single storied municipal market at I.N.A. shall be retained. The other shops around the main municipal market may be reorganised in an extension block of similar character. The ground coverage shall be restricted to a maximum of 50 per cent

## (c) Sarojini Nagar Market

This market shall be retained as existing. No additions and alterations shall be permitted and the unauthorised encroachments shall be removed.

## (d) State Emporia on Baba Kharag Singh Marg :

This complex is already developed in accordance with plan, however, it appears disconnected. Single storeyed shopping

arcade connections should be provided to cater for handi-crafts shops.

(e) Patika Bazar—Connaught Place :

This is an underground shopping centre. There shall be no extension of the limits of the basement. No super structure shall be erected in the park on top of the market.

(f) Sen Nursing Home—Bahadur Shah Zafar Marg :

The extent of ground coverage and FAR as existing shall be retained.

(g) Kamla Market—Ajmeri Gate :

The existing municipal market shall be retained. The unauthorised constructions/structures beyond the plinth line of the municipal market shall be removed.

(h) Modern Shopping Centre—Siri Fort :

Ground Coverage	25%
Floor Area Ratio	50
Maximum Height	11m

Other Controls :

(i) Since this is intended to be a modern shopping centre of international standards, the interior may have play of levels, however, generally the number of storeys shall be restricted to two.

(ii) Two basements shall be permitted in addition to the F.A.R., one for shopping activity and another for parking and services like micro, mini, generators, etc.

(iii) 50 per cent of the open space shall be landscaped and should be integrated in a suitable form with interiors and terraces.

(i) Commercial Centre adjoining—Metropolitan Passenger Terminal, Okhla :

Ground Coverage	25%
Floor Area Ratio	100
Maximum Height	17m

Other Controls :

(i) Hotel and cinema shall be allowed in the commercial centre.

(ii) Maximum number of storeys allowed—Four.

(iii) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage shall be allowed and if used for parking and services shall not be counted in FAR.

(iv) Trees shall be planted @ 125 trees per hectare and 40 per cent of the open space shall be covered by greenery.

(v) Parking shall be provided @ 1.9 car spaces per 100 sqm floor area of retail and 0.7 car space per 100 sqm floor area of commerce. If cinema and hotels are provided in the commercial centre, then additional parking @ 2.4 car spaces per 100 sqm floor area of hotel and 1 car space per 25 seats for cinema should be provided.

(i) Commercial Centre—Laxmi Bai Nagar :

Ground Coverage	25%
Floor Area Ratio	100
Maximum Height	14m

Other Controls :

(i) The commercial centres shall mainly have commercial offices.

(ii) Maximum number of storeys allowed—Four.

(iii) Trees shall be planted @125 trees per hectare and 40% of the open space shall be covered by greenery.

(iv) Parking shall be provided @0.7 car space per 100 sqm floor area.

(k) Commercial Centre—Coperinious Rd;

Ground Coverage	25%
Floor Area Ratio	50
Maximum Height	11m

Other Controls :

(i) Maximum number of storeys allowed—Two.

(ii) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage shall be allowed and if used for parking and services shall not be counted in FAR.

(iii) Trees shall be planted @150 trees per hectare and 50% of the open space shall be covered by greenery. Existing trees should not be cut.

(iv) Parking shall be provided @ 0.7 car space per 100 sqm floor area.

(l) Commercial Centre—Nchru Nagar (near ring rail) :

Ground Coverage	25%
Floor Area Ratio	150
Maximum Height	26m

Other Controls :

(i) The commercial centre shall have commercial offices only.

(ii) Maximum number of storeys allowed shall be eight and one or two structures may be of sixteen storeys, wherein the maximum height may be relaxed to 50m.

(iii) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage shall be allowed and if used for parking and services shall not be counted in FAR.

(iv) Trees shall be planted @125 trees per hectare and 40% of the open space shall be covered by greenery.

(v) Parking shall be provided @ 0.7 car space per 100 sqm floor area.

(m) Press Area—Bahadur Shah Zafar Marg :

The area on the eastern side of Bahadur Shah Zafar Marg where newspaper press and offices are located shall be under Use Zone-C1 i.e. General Business & Commerce and shall have the following building control regulations:

Ground Coverage	80%
Floor Area Ratio	300
Maximum Height	20m
Setbacks	Nil

Other Controls :

(i) Maximum number of storeys permitted shall be five with the following distribution of F.A.R.:

Ground floor	80
First floor	70
Second, third and fourth floor	50 each

(ii) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage shall be permitted for services and maintenance and shall be excluded from FAR.

(iii) Parking shall be provided @0.7 car space per 100 sqm floor area.

Besides the above mentioned commercial centres, because of any special reasons, the Authority may declare any of the commercial centres/centre or part thereof as non-hierarchical commercial centre and prescribe such regulations as shall suit the function and environment.

**WHOLESALE TRADE/WAREHOUSING**

(Integrated development)

(019 & 020)

Minimum Plot Size	10000 sqm
Ground Coverage	20%
Floor Area Ratio	60
Maximum Height	14m

## Other Controls :

(i) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage shall be allowed and if used for parking and services shall not be counted in FAR.

(ii) Maximum number of storeys allowed—Three.

(iii) Trees shall be planted @150 trees per hectare and 20% of open space shall be covered by greenery.

(iv) Parking shall be provided @1.23 car spaces per 100 sqm floor area for the purpose of employees and visitors parking.

Additional parking @ space for 2 trucks per 100 sqm of floor area shall be provided for loading and unloading goods.

## HOTEL

(032)

Ground Coverage	30%
Floor Area Ratio	150
Maximum Height	50 m

## Other Controls :

(i) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage shall be allowed and if used for parking and services shall not be counted in FAR.

(ii) 5% of the F.A.R. can be used for the commercial space related to hotel function.

(iii) Trees shall be planted @125 trees per hectare and 40% of the open space shall be covered by greenery.

(iv) Parking shall be provided @2.4 car spaces per 100 sqm of floor area. Open parking shall be limited to the extent of 50% of the open area.

## FLATTED GROUP INDUSTRY

(034)

Minimum Plot Size	1000 sqm
Ground Coverage	20
Floor Area Ratio	120

## Other Controls :

(i) Maximum number of storeys allowed—Four.

(ii) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage shall be allowed and if used for parking and services shall not be counted in FAR.

(iii) Trees shall be planted @150 trees per hectare and 20% of the open space shall be covered by greenery.

## Service Centre (035) :

(a) As part of Local Shopping Centre :

Minimum Plot Size : 1000 sqm

Ground Coverage	25%
Floor Area Ratio	25
Maximum Height	5 m

## Other Controls :

(i) The structures shall be single storeyed.

(ii) The service centre may have 15 formal shops, 7 informal shops and 1 E.S.S.

(iii) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage shall be allowed and if used for parking and services shall not be counted in FAR.

(iv) Trees shall be planted @2 trees per 100 sqm and 20% of open space shall be covered by greenery.

## (b) As part of Community Centre :

Minimum Plot Size	6200 sqm
Ground Coverage	25%
Floor Area Ratio	50
Maximum Height	14 m

## Other Controls :

(i) Maximum number of storeys allowed—Two.

(ii) It may have 30 formal shops, 15 informal shops, 2 gas godown, 1 petrol pump, 1 E.S.S. and commercial offices on upper floor.

Cold storage shall be allowed with maximum height of 15m.

(iii) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage shall be allowed and if used for parking and services shall not be counted in FAR.

(iv) Trees shall be planted @150 trees per hectare and 20% of the open space shall be covered by greenery.

## (c) Service Centre as part of District Centre/Sub Central Business District Centre :

Minimum Plot Size	24000 sqm
Ground Coverage	25%
Floor Area Ratio	50
Maximum Height	14 m

## Other Controls :

(i) Maximum number of storeys allowed—Three.

(ii) The service centre may have 100 formal shops, 50 informal shops, 2 petrol pumps and commercial offices on upper floor.

Cold storage shall be allowed with maximum height of 15m.

(iii) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage shall be allowed and if used for parking and services shall not be counted in FAR.

(iv) Trees shall be planted @150 trees per hectare and 20% of the open space shall be covered by greenery.

## INDUSTRIAL PLOT SIZE AND SERVICE INDUSTRY (036)

Minimum Plot Size	100 sqm	
S. Plot Size (sqm)	Ground Coverage (%)	F.A.R.
1 to 100 to 400	60%	120
1. Above 100 and upto 1000	50%	120
2. Above 1000	40%	80

## Other Controls :

(i) Maximum floors allowed shall be basement, ground floor and first floor. Basement should be below ground floor and to the maximum extent of ground coverage and shall be counted in FAR.

(ii) Mezzanine shall not be allowed.

(iii) In case of service industry in Metropolitan City Centre, F.A.R. permitted shall be 150.

(iv) In plots upto 1000 sqm, trees shall be planted @2 trees per 100 sqm.

In case of plots above 1000 sqm. trees shall be planted @3 trees per 200 sqm and 20% of the open space shall be covered by greenery.

#### INDUSTRY SHOP NATURE

Minimum Plot Size	30 sqm.	Ground Coverage (%)	F.A.R.
30 to 50	100%	200	

#### Other Controls :

(i) Maximum floors allowed shall be ground floor and first floor.

(ii) Basement and mezzanine shall not be allowed.

#### EXTENSIVE INDUSTRY

(037)

Minimum Plot Size	400 sqm.	Ground Coverage (%)	F.A.R.
S. Plot Size (sqm)			
No.			
1. 400 to 4000	50%	50	
2. above 4000 and upto 12,000	45%	45	
3. above 12,000 and upto 28,000	40%	40	
4. above 28,000	30%	30	

#### Other Controls :

(i) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage allowed and shall be counted in F.A.R.

(ii) Mezzanine floor shall not be allowed.

(iii) In the plots upto 1000 sqm. trees shall be planted @2 trees per 100 sqm.

In case of plots above 1000 sqm trees shall be planted @3 trees per 200 sqm and 20% of the open space shall be covered by greenery.

#### GOVT. OFFICES INTEGRATED OFFICE COMPLEX

(066, 067, 068 & 070)

Minimum Plot Size	10000 sqm	Ground Coverage	25%
Floor Area Ratio	150		
Maximum Height	26 m		

#### Other Controls :

(i) The integrated office complex shall include Central Government Office, Local Government Office, Public Undertaking Office and Courts.

(ii) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage shall be allowed and if used for parking and services shall not be counted in F.A.R.

(iii) Trees shall be planted @125 trees per hectare and 40% of open space shall be covered by greenery.

(iv) Parking shall be provided @17 car spaces per 100 sqm floor area, and may be either covered or open

#### HOSPITAL

(072)

Minimum Plot Size	6000 sqm	Ground Coverage	25%
Floor Area Ratio	100		
Maximum Height	26m		

#### Other Controls :

(i) 25% of the total area may be used for the housing of essential staff. In such case ground coverage, F.A.R. and maximum height of the group housing shall be applicable to the area meant for housing.

(ii) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage shall be allowed and if used for parking and services shall not be counted in F.A.R.

(iii) Trees shall be planted @125 trees per hectare and 50% of the open space shall be covered by greenery.

(iv) Parking shall be provided @1 car space/5 beds for 80-200 beds hospital, @1 car space/6 beds for 200-500 beds hospital and @1 car space/7 beds for the hospital above 500 beds capacity.

(v) The front setback shall be 30 mt, minimum.

#### HEALTH CENTRE/NURSING HOME

(073 & 074)

Minimum Plot Size	20000 sqm	Ground Coverage	33.33%
Floor Area Ratio	100		
Maximum Height	14m		

#### Other Controls :

Trees shall be planted @2 trees per 100 sqm of plot area.

#### NURSERY SCHOOL

(080)

Minimum Plot Size	500 sqm	Ground Coverage	35%
Floor Area Ratio	70		
Maximum Height	11m		

#### Other Controls :

(i) Maximum number of storeys allowed—Two.

(ii) Trees shall be planted @2 trees per 100 sqm of plot area.

#### PRIMARY SCHOOL

(081)

Minimum Plot Size	30000 sqm	Ground Coverage	33%
Floor Area Ratio	100		

#### Other Controls :

(i) 50% of the area shall be used for play field with a minimum of 18m x 36m as effective play area and shall be indicated on plan.

(ii) F.A.R., Coverage shall be calculated with reference to the area meant for school building.

(iii) Trees shall be planted @125 trees per hectare and 50% of the open space shall be covered by greenery.

#### SECONDARY SCHOOL/SENIOR SECONDARY SCHOOL/INTEGRATED SCHOOL/INTEGRATED SCHOOL/RESIDENTIAL SCHOOL

(082, 083, 084 & 085)

Ground Coverage	30%
Floor Area Ratio	120
Maximum Height	14m

## Other Controls :

(i) Coverage & F.A.R. shall be calculated with reference to the area meant for the educational building.

(ii) 60% of the plot area, in Secondary School/Senior Secondary School/Integrated School shall be used for play field with a minimum of 67.5m x 26m as effective play area. The area for Secondary School Building/Senior School Building/Integrated School Building shall be shown separately on the plan.

(iii) 60% of the plot area, in case of Integrated Residential School, shall be used for play field and 15% of the plot area may be used for the housing of the essential staff. The coverage, F.A.R., Maximum Height, etc., of the group housing shall be applicable to the area meant for residential purposes.

(iv) Trees shall be planted @125 trees per hectare and 50% of the open space shall be covered by greenery.

## COLLEGE

(086)

Ground Coverage	25%
Floor Area Ratio	100
Maximum Height	14m

## Other Controls :

(i) Coverage and F.A.R. shall be calculated with reference to the area meant for the college building.

(ii) 60% of the plot shall be used for play field and shall be indicated on plan.

(iii) 25% of the area of plot may be used for housing of the staff and the regulations of group housing shall be applicable to such area.

(iv) Trees shall be planted @125 trees per hectare and 50% of the open space shall be covered by greenery.

## AUDITORIUM/COMMUNITY HALL

(099 &amp; 101)

Ground Coverage	35%
Floor Area Ratio	100
Maximum Height	17m

## Other Controls :

(i) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage shall be allowed and if used for parking and services shall not be counted in FAR.

(ii) Trees shall be planted @2 trees per 100 sqm of the plot and 50% of the open space shall be covered by greenery.

## RELIGIOUS PREMISES

(107)

Ground Coverage	35%
Floor Area Ratio	70
Maximum Height	11m

## Other Controls :

(i) Height of dome, bell tower, shikhar etc. together with the building shall not exceed 17 meters.

(ii) Parking may be provided in side the premises and shall be shown on the plan.

## Police Post (109) :

Ground Coverage	35%
Floor Area Ratio	70
Maximum Height	14m

## Other Controls :

Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage allowed and shall be considered in F.A.R. Police Station/Fire Post/Fire Station (110, 115 & 116):

Ground Coverage : 25%  
Floor Area Ratio : 100  
Maximum Height : 17m

## Other Controls :

(i) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage allowed and shall be counted in F.A.R.

(ii) 25% of the plot area may be used for housing the staff and the regulations of group housing shall be applicable to the area meant for housing.

(iii) Trees shall be planted @2 trees per 100 sqm of floor area.

## Post &amp; Telegraph Office/Head Post Office (118 &amp; 119) :

Ground Coverage : 25%  
Floor Area Ratio : 100  
Maximum Height : 17m

## Other Controls :

(i) Basement below ground floor and to the maximum extent of ground coverage allowed and shall be counted in F.A.R.

(ii) Trees shall be planted @2 trees per 100 sqm of floor area and 50% of the open space shall be covered by greenery.

## Clause 9.0:

## Special Area Regulations:

The Special Area as defined on the plan, to be declared under the Development Code, measures about 2600 hectares. The Special Area has been divided into four separate parts namely (a) Walled City, (b) Karol Bagh, (c) Specific Use Zone Areas and (d), Urban Renewal Areas. These four parts have been distinctly shown on the Special Area Plan.

## (a) Walled City.

## 1. Permission of uses/use activities in use premises.

(i) The noxious industries and hazardous trades (list given at annexure V) shall be shifted from the Walled City immediately within a maximum period of five years, to be replaced by other compatible uses.

(ii) The Public & Semi-Public uses and services like hospitals, dispensaries, colleges, schools, police stations, fire stations, post offices, local government offices, religious places etc. shall be retained in their present locations. Any change or additions thereof shall be in accordance with the overall policy frame prescribed in the plan.

## 2 Control for building/buildings within use premises.

The building permission for premises in the traditional areas shall conform to the following guidelines.

Ground Coverage : 80%  
Floor Area Ratio : 200  
Maximum Height : 12 mts  
Setbacks : Nil  
Plinth : 0.5 to 2.0m

## Other Controls :

(i) The building shall be permitted to be reconstructed practically in the same form and style as existing.

(ii) Construction of buildings including traditional decorative features shall be permitted with building materials like bricks or brick tiles, stone, cast iron and timber.

(iii) At the time of submission of building plans for proposed construction, existing plans of all floors alongwith elevations and sections, highlighting architectural features (like balconies, pillars, cornices, windows, projections, details of jallis in iron and stone carving) will be submitted by the applicant and to be followed in the new construction.

3. Within the Walled City, there are developments other than traditional belonging to colonial and post-independence period. The Building Control Regulations to be followed for respective developments shall be as under:

(i) Darya Ganj : The layout plan once accepted by the Authority and declared to be in conformity with the Development Code would form the basis for regulating developments. The building control regulations shall be the same as embodied in the chapter on Building Control Regulations for existing residential areas.

(ii) Lajpat Rai Market : The single storeyed market on either side of Chandni Chowk shall be retained.

(iii) The isolated use premises like School adjoining Jama Masjid, Presentation Convent School and Church, Church at Kashmere Gate, Municipal Offices at Old Hindu College Building Complex shall be retained with existing building volumes. Any additions or alterations shall be examined by the Authority within the overall policy frame of conservation.

#### (b) Karol Bagh :

(i) In the areas bounded by Faiz Road, Desh Bandhu Gupta Road, Swami Dayanand Saraswati Marg, Arya Samaj Road, Guru Nanak Road, Tank Road, Guru Ravidas Marg, (New Pusa Road), Road going upto Ramjas Road, Bankim Chandra Chatterji Marg, Road going upto Pusa Lane, Pusa Road, Gurudwara Road, Arya Samaj Road and back to Faiz Road, the uses other than residence namely retail, repair & personnel service shops, commercial offices, bank and local government office are permitted on ground floor of all plots facing roads not less than 18m R/W. These uses with similar conditions shall also be permitted on other side of Desh Bandhu Gupta Road upto one plot depth. The Public & Semi-Public uses and services like hospitals, dispensaries, colleges, schools, police station, fire stations, post offices, local government offices, religious places etc. shall be retained in their present locations. Any change or additions thereof shall be in accordance with the overall policy prescribed in the Plan.

(ii) In the area bounded by Desh Bandhu Gupta Road, Gurudwara Road, Tank Road and Saraswati Marg, the aforesaid uses are permitted on all plots provided adequate space is left for street widening as and when required in accordance with the detailed urban design project to be prepared for the area. The clause for Public & Semi-Public uses and services as prescribed for the Walled City shall apply to this area also.

#### 2. Control for building/buildings within use premises :

Ground Coverage : 80%

Floor Area Ratio : 200

Maximum Height : 11 mts

Setbacks : Nil

#### Other Controls :

The open court in each premises shall be so planned as to be adjacent to the open court in the premises at the back or on sides.

(c) Specific Use Zone Areas : The development in areas marked as specific use zone shall be governed by respective use zone regulations in the manner as is prescribed in the relevant clauses for Sub-Division and Building Control Regulations.

#### (d) Urban Renewal Areas (Conservative Surgery) :

The areas within the special areas, excluding the first three categories namely, (a) Walled City, (b) Karol Bagh and (c) Specific Use Zone Areas, are covered as urban renewal areas. The development in these areas shall be in accordance with the respective comprehensive redevelopment scheme to be prepared within the overall policy frame of the plan. These comprehensive redevelopment schemes may also include conservative surgery as a planning tool in certain areas where it is so required. In the special area plan, use zones have been marked in different pockets of the area covered under urban renewal. These pockets shall be planned for the respective use zones assigned. The redevelopment schemes for different use zones generally shall adopt regulations prescribed in the Development Code. However, the Authority may adopt suitable regulations in case where either it is not feasible or it is not advisable to adopt the general regulations prescribed.

(3) After Chapter II, the following "Plan Monitoring and Review" be added as Chapter III :

#### Plan Monitoring and Indicators of Change :

Plan monitoring has two main objectives :

(i) The socio-economic and functional efficiency of the performance of human settlements has to be monitored and evaluated so that changes required to improve the quality of life could be identified and put into action through the appropriate measures.

(ii) The Plan should be continuously made responsive to the emerging socio-economic forces.

To achieve this object there should be monitoring system in the plan implementation framework. There is reasonable possibility of arresting the unintended developments taking place in the city through effective monitoring. This is based on the following proposition :

(i) No long range urban development plan can be implemented as it is.

(ii) The Plan should be responsive to the happenings and emerging socio-economic and other forces during the plan implementation period.

(iii) Time-lags between the happenings and the emerging socio-economic forces and the plan responses create accentuating conditions of unintended growth.

(iv) There should be a monitoring frame to check the unintended growth needs during the plan frame.

Monitoring frame is required for : (i) to evaluate the achievement of physical targets prescribed in the plan and (ii) identification of physical and socio-economic change in the city to review the plan policies.

There could be a very large number of aspects in case of physical targets to judge the performance of various sectors. For systematic and precise working, physical targets for some selected aspects have been given in the following table. The physical targets be monitored yearly, 5 yearly or in the midterm (1992) as indicated against each.

## Monitoring frame for physical development :

Physical Programme	Unit	Target upto	Target upto	Period of
		1990	2001	Monitoring
1	2	3	4	5
<b>J. LAND ACQUISITION</b>	ha		27,000	1 Year
<b>II. LAND DEVELOPMENT</b>				
(a) Residential	ha	1,700	12,000	1 Year
(b) Industrial	ha	230	1,600	1 Year
<b>III. NEW HOUSING</b>				
(a) Site & Services	No. of sites	1,75 lakh	4.0 lakh	1 Year
(b) Partially /Fully built Agency Housing	Dwelling Unit (du)			1 Year
(c) Partially/Fully built Co-operative Housing	*du	269,000	697,000	1 Year
(d) Slum Housing	du	21,000	49,000	1 Year
(e) Employer Housing	du	23,000	65,000	1 Year
(f) Housing on Individual Plots	du	120,000	275,000	1 Year
(g) Unauthorised in-sit	du	56,000	130,000	
<b>IV. COMMUNITY FACILITIES</b>				
(1) General Hospital	†nos	7	21	5 Years
(2) Intermediate Hospital-A	nos	45	97	1 Year
(3) Intermediate Hospital-B	nos	35	79	1 Year
(4) Polyclinics	nos	20	45	1 Year
(5) Maternity & Child Welfare Centres	nos	45	112	1 Year
(6) Nursing Homes	nos	30	74	1 Year
(7) Dispensaries	nos	240	450	1 Year
(8) Primary Schools	nos	330	1060	1 Year
(9) Senior Secondary Schools	nos	226	725	1 Year
(10) Integrated Schools	nos	45	143	1 Year
(11) Colleges	nos	28	60	1 Year
(12) University Campus	nos	2	3	10 Years
(13) Engineering Colleges	nos		1	10 Years
(14) Medical College	nos	1	2	10 Years
(15) University	nos		1	10 Years
(16) Police Station	nos	32	79	1 Year
(17) Police Post	nos	60	135	1 Year
(18) Work-shop for police vehicles	nos	1	2	5 years
(19) Civil Defence Divisional Office	nos	24	75	1 Year
(20) Major Police Battalion	nos	2	4	5 Years
(21) Home Guards Zonal Office	nos	5	9	5 Years
(22) Home Guards District Office	nos	4	9	5 Years
(23) Fire Station/Sub-Fire Station	nos	20	39	1 Year
(24) Milk Dairies	nos	1	2	10 Years
(25) Milk Booth	nos	420	1340	1 Year
(26) Petroleum & Gas Filling Stations	nos	1	2	10 Years
(27) Gas Godowns	nos	75	149	1 Year
(28) Telephone Exchange	nos	10	15	5 Years
(29) Head Post Office + Delivery Office	nos	20	26	1 Year
(30) Head Post Office Administrative Office	nos	6	11	5 Years
(31) Department Telegraph Office	nos	6	14	5 Years
(32) Work-shop for P & T	nos	1	2	10 Years
(33) P & T Equipment Store	nos	1	1	10 Years
(34) Institute of National Importance for Research and Advance Studies	nos	1	3	10 Years
(35) Socio-Cultural Institutions	nos	3	10	10 Years
<b>V. CONSERVATION AND UPGRADING</b>				
(1) Walled City :				
(a) Tramways	Line Length (Km) Rolling Stock in Passenger Capacity		4	8
				5 Years

\*Dwelling Unit

†Numbers

1	2	3	4	5
(b) Shifting of Hazardous Industries	nos	400	700	1 Year
(c) Goods Terminal	nos	2	2	5 Years
(d) D.T.C. Bus Terminal	nos	2	4	5 Years
(e) Underground Parking	nos	3	9	5 Years
(f) Redevelopment of residential katchas	no. of Katchas	500	1000	1 Year
	no. of families	6,000	20,000	
(g) Improvement of physical and social infrastructure in areas	no. of families	18,000	60,000	1 Year
(h) Restoration & Conservation of City Wall	m.		4.16 km. (R)	1 Year
Conversation & Restoration of Walled City Gates	nos		5.20 km. (C)	1 Year
			7(R)	1 Year
			4 (C)	
(2) Urban renewal with conservative surgery for areas other than the Walled City in special area		352 ha.	528 ha.	1 Year
(3) Physical infrastructure in the resettlement of Colonies	no. of families	60,000	200,000	1 Year
(4) Physical infrastructure in the Unauthorised regularised colonies	no. of families	60,000	200,000	1 Year
(5) Physical infrastructure in the Urban Villages	no. of villages	80	120	1 Year

## VI. PUBLIC UTILITIES

(a) Augmentation of water treatment plants	mgd	371	421	1 Year
(b) Construction of new water treatment plants	mgd	200	300	10 Years
(c) Augmentation of Sewerage treatment plants	mgd	454	494	1 Year
(d) Construction of new sewerage treatment plants	mgd	50	250	10 Years
(e) Augmentation of power distribution system	mw	550	1850	1 Year
(f) Development of sanitary land fill sites	ha	200	200	5 Years
(g) Construction of repair work-shop site for Solid Waste vehicles	nos	3	3	5 Years
(h) Channelisation of River Yamuna—Development of Area thereof	ha	500	3,000	5 Years
(i) Re-modelling of existing drains for flood protection measures				5 Years
	Addl. Cusecs			

## VII. TRANSPORT

(a) Light Rail	Rail length (km)			
	Rolling Stock (in passenger capacity)	87	257	5 Years
(b) Construction of cycle tracks	km		120	1 Year
(c) Construction of Bus Terminal	nos	10	26	5 Years
(d) Construction of Railway Terminals	nos	5	9	5 Years
(e) Construction of Inter-state Bus Terminus	nos	2	4	5 Years
(f) Construction of Fly-overs/underbridges	nos	15	45	1 Year
(g) Rolling stocks on Roads i.e. D.T.C. buses	nos	—	—	1 Year
(h) Employment Centres along the Ring Railway	nos	—	—	5 Years

## VIII. RECREATION

(a) Divisional Sport Centres	nos	2	7	5 Years
(b) District Sport Centres	nos	44	84	1 Year
(c) Neighbourhood Parks	ha			1 Year
(d) Neighbourhood Play Areas	ha	480	720	1 Year
(e) District Level Children Parks	nos	7	11	5 Years
(f) Traffic Training Parks	nos	5	10	5 Years
(g) Picnic Huts	nos	5	9	5 Years
(h) Development of Lakes	ha	1	2	5 Years
(i) Conservation of Monuments		—	—	6 Years
(j) River Front Development	ha	—	—	5 Years
(k) Conservation of Ridge				1 Year

## IX. GOVERNMENT OFFICES

(a) Government Offices Complex	ha	24	84	5 Years
--------------------------------	----	----	----	---------

1	2	3	4	5	6
<b>X. INDUSTRY</b>					
(a) Extensive Industrial Area		ha	400	400	1 Year
(b) Light Industrial Area		no. of Units	16	35	1 Year
		Total. Estate			
(i) Specific Industries					
(ii) Electricals & Electronics		no. of U.I.T.'s	2	4	1 Year
(iii) Rubber, Plastic and Petroleum Products		no. of U.I.E.'s	2	4	1 Year
(iv) Metal and metal products (machines, tools, transport equipment and parts)		no. of U.I.E.'s	4	12	1 Year
(v) Furniture, Fixtures, other wood and paper products		no. of U.I.E.'s	2	5	1 Year
(vi) Cotton & Fibre Textile products		no. of U.I.E.'s	2	4	1 Year
(vii) Food and Beverages		no. of U.I.E.'s	1	1	1 Year
(viii) Chemical and Chemical products		no. of U.I.E.'s	1	1	1 Year
(ix) Miscellaneous Products		no. of U.I.E.'s	2	4	1 Year
<b>XI. TRADE &amp; COMMERCE</b>					
(a) Sub CBD's		nos	1	2	5 Years
(b) District Centres		nos	8	20	5 Years
(c) Community Centres		nos	59	103	1 Year
(d) Local Shopping Centres		nos	258	537	1 Year
(e) Convenience Shopping Centres		nos	677	1616	1 Year
(f) Metropolitan Centre		nos	1	4	10 Years
(g) Wholesale & Freight Complex		nos	3	6	5 Years
(h) Regional & local Wholesale Market		nos	3	6	5 Years
<b>XII. ENVIRONMENTAL IMPROVEMENT OF VILLAGES AND DEVELOPMENT OF CENTRAL VILLAGES</b>					
(a) Environment improvement of Villages		nos	60	120	1 Year
(b) Development of Central Villages		nos	5	11	5 Years
<b>XIII. CITY PERSONALITY—SPECIAL PROJECTS</b>					
(a) Retail Shopping Complex		nos	1	1	10 Years
(b) Modern Wholesale Shopping Complex		nos	1	3	5 Years
(c) Convention Centre		nos	1	1	10 Years
(d) International Centre for Higher Learning		nos	1	1	10 Years
(e) City and Regional Level Modern Recreational Area		nos	2	5	5 Years
(f) Centre for International Sports		nos	1	2	10 Years

The following would be the indicators of physical and socio-economic changes to be monitored periodically at 5 years interval.

(1) Demographic

(a) Population size—urban & rural

Population distribution in relation to holding capacity.

(b) Age Sex structure

(c) Density Pattern

(d) Household size

(e) Rate of Migration

(f) Identification of areas causing migration.

(2) Land Use

Wing-sheild survey and Land use survey analysis.

(3) Housing

Households in different types of housing—squatters, unauthorised, resettlement, general group housing, employer housing, slum rehousing, individual plotted housing, villages and traditional areas.

With socio-economic characteristics of Slum and Squatter settlements.

Person per room and rooms per household.

Households with essential services.

(4) Transport :

Percentage trips by public transport (Modal split),  
Cost of using and operating different modes.

Passenger capacity and distance travelled by public transport per year in relation to population.

(5) Environmental Nuisances.

(a) Air pollution

(b) Water pollution

(c) Noise

(6) Economic aspects

Distribution of households by income

Distrilbution of households by consumption expenditure

Employment

Participation rate

Employment in different sectors

Average number of employees per industrial unit.

Industry

Growth of different types of industrial units.

Construction

Value added by construction sector to G.N.P.

Building materials availability

By type—Residential, commercial and public buildings.

## Land Tenure &amp; Costs

Land values, prices, rents, taxes.

Land cost as per cent of total housing cost.

## (7) Social Infrastructure

## Health

Mortality rate and infant mortality rate.

Access of population to safe drinking water

Health services availability in beds 1,000 population

Geographical balance

Access to regular sewerage

Access to low cost sanitation Removal of solid waste per capita.

## Education

Number and capacity of educational institutions at different levels.

## Police &amp; Fire :

Distribution of police and fire services.

Recreational &amp; socio-cultural facilities.

Number and capacity of various facilities :

- (i) Play fields
- (ii) Stadium
- (iii) Swimming pools
- (iv) Theatres
- (v) Museum
- (vi) Libraries

## (8) Natural disasters.

Floods intensity, areas affected, population.

Any other natural disaster.

## Monitoring Unit :

Major part of data for physical targets and indicators could be collected from the secondary sources. A monitoring unit should be created which would be responsible for collection of primary and secondary data, its analysis and bringing the important changes to the notice of the authority comprehensively once in a year. Standard formats shall have to be worked out by this unit for the purpose of meaningful comparison and to monitor change.

## Plan Review :

The plan monitoring would provide sufficient material for any modifications required in the plan.

Any other aspects because of emerging socio-economics and physical forces could be taken up for study, to review the plan proposals. A comprehensive review encompassing all aspects should be taken up during 1992.

Policies indicate directions; it is the detailed development projects which ultimately create environment—good or bad. During the Plan implementation, all aspects of development i.e. housing, transport, work centres, recreation, infrastructure, etc. need study and research to make the plan effective in providing high quality living environment. DDA should be constantly doing these studies, research and monitoring work to make planning a firm instrument for the development of this 'Great city'.

## (4) The following be added after Chapter III as "Explanatory Notes":

In the preceding chapters:—

- (i) All data unless otherwise mentioned relates to the year 1981 which has been taken as the base year

for the Master Plan for Delhi (as proposed to be modified).

(ii) The expressions 'present' and existing with its grammatical variations unless the context requires a different or another meaning shall connote 1981.

(iii) DUA 81 unless the context requires a different or another meaning includes the area within the urbanisable limits prescribed in the Master Plan for Delhi in 1962. For purposes of computing holding capacity, the Patparganj Complex in East Delhi, Sultan Pur in West Delhi and part of Rohini have also been included.

(iv) Urban Extension (UE) is the area required outside the urbanisable limits of the Master Plan for Delhi to accommodate additional 40 lakh population by the year 2001.

## Schedule 1 to Development Code :

## Definition of Use Premises

## 001. Residential Plot—Plotted Housing :

A premises for one or more than one dwelling unit and may have on it one main building block and one accessory block for garage/garages and servant quarters.

## 002. Residential Plot—Group Housing :

A premises of size not less than 2000 sqm. comprising of residential flats with basic amenities like parking, park, convenience shops, public utility etc.

## 003 Residential Flat :

Residential accommodation for one family (one household) which may occur as part of group housing or independently.

## 004 Residence-cum-Work Plot :

A premises providing accommodation for one family (one household) and its workspace restricted to ground floor. These premises are allowed only in public housing schemes.

## 005. Residential Premises—Special Area :

A premises providing residential accommodation in special area with or without mixed use as given in special area regulations.

## 006 Foreign Mission :

A premises for the offices and other uses of a foreign mission as per the regulations in this regard.

## 007 Hostel :

A premises in which rooms, attached to 'Institutions' or otherwise, are let out on a long term basis.

## 008 Guest House, Boarding House and Lodging House :

Guest house is a premises for housing the staff of Govt., Semi-Govt., Public Undertaking and Private Limited Company for short durations.

Boarding house is a premises in which rooms are let out on a long term basis as compared to hotels.

Lodging house is a premises used for lodging of less than 50 persons.

## 009 Dharamshala and its Equivalent

A premises providing temporary accommodation upto one week on no profit basis.

## 010 Baratghar :

A premises used for marriage & other social functions and run by public agency

## 011 Night Shelter :

A premises providing night accommodation to individuals without any charges or with token charges. It may be run by Local Government or voluntary agencies.

## 012 Retail Shop :

A premises for sale of commodities directly to consumer with necessary storage.

## 013 Repair Shop :

A premises equivalent of a retail shop for carrying out repair of household goods, electronic gadgets, automobiles, cycles etc.

## 014 Personnel Service Shop :

A premises equivalent of a retail shop providing personnel services like tailor, barber etc.

## 015 Vending Booth :

A premises in the form of booth for sale of commodities of daily needs either through a mechanical installation or otherwise.

## 016 Convenience Shopping Centre :

A group of shops not exceeding 50 in number in residential area serving a population of about 5,000 persons.

## 017 Local Shopping Centre :

A group of shops not exceeding 75 in number in residential area serving a population of 15,000 persons.

## 018 Weekly Market :

A premises used once in a week by a group of informal shop-establishments in the form of a market. These weekly markets shift from one area to another on different days of the week.

## 019 Wholesale Trade :

A premises from where goods and commodities are sold and delivered to retailers. The premises includes storage & godown and loading & unloading facilities.

## 020 Storage, Godown and Warehousing :

A premises for exclusive use of storage of goods and commodities in a manner as per the requirements of respective commodities. The premises includes the related loading and unloading facilities by Road Transport or Rail Transport as the case may be.

## 021 Cold Storage :

A premises where perishable commodities are stored in covered space using mechanical and electrical device to maintain the required temperature etc.

## 022 Gas Godown :

A premises where cylinders of cooking gas or other gas are stored.

## 023 Oil Depot :

A premises for storage of petroleum products with all related facilities.

## 024 Junk Yard :

A premises for covered, semicovered or open storage including sale and purchase of waste goods, commodities and materials.

## 025 Commercial Office :

A premises used for offices of profit making organisations.

## 026 Bank :

A premises for offices to perform banking function and operation.

## 027 Motor Garage and Workshop :

A premises for servicing and repair of automobiles.

## 028 Cinema :

A premises with facilities for projection of movies and stills with a covered space to seat audience.

## 029 Drive-in-Cinema :

A cinema with facilities for projection of movies and stills for car audience including an auditorium for other audience.

## 030 Petrol Pump :

A premises for sale of petroleum products to consumers. It may include servicing of automobiles.

## 031 Restaurant :

A premises used for serving food items on commercial basis including cooking facilities. It may have covered or open space or both for sitting arrangement.

## 032 Hotel :

A premises used for lodging of 15 persons or more on payment with or without meals.

## 033 Motel :

A premises located near main highways and outside urbanisable limits for catering to the convenience of persons travelling by road.

## 034 Flattened Group Industry :

A premises having a group of small industrial units as given in annexure III having upto 50 workers with non-hazardous performance. These units may be located in multistoreyed buildings.

## 035 Service Centre :

A premises essentially having repair shops for automobiles, electrical appliances, building repairs etc. to provide essential services to neighbouring residential areas.

## 036 Industrial Plot—Light Industry :

A premises for one industrial unit as per the list given in annexure III having upto 50 workers with non-hazardous performance.

## 037 Industrial Plot—Extensive Industry :

A premises for one industrial unit, as per the list given in the annexure III having upto 50 workers in case of New Extensive Industrial units and 500 workers for existing units.

## 038 Industrial Premises—Extractive Industry :

A premises for carrying out quarrying or extraction of stone & subsoil material respectively.

## 039 Industrial Plot—Industry Specific Type :

A premises for an industrial unit within a group of such units for manufacturing of sophisticated products like electronic goods etc.

## 040 Park :

A premises used for recreational and leisure activities. It may have on it related landscaping, parking facilities, public toilet, fencing etc. It will include synonymous like lawn, open space, green etc.

## 041 Play Ground :

A premises used for outdoor games. It may have on it landscaping, parking facilities, public toilet, etc.

## 042 Outdoor Games Stadium :

A premises for outdoor games with pavilion building and stadium structure to seat spectators including related facilities for players.

## 043 Indoor Games Stadium :

A premises for indoor stadium with play area and spectators seating including related facilities for players.

## 044 Indoor Games Hall :

A premises providing enclosed space for indoor games including related facilities for players.

## 045 Shooting Range :

A premises with related facilities for shooting practice and/or sports.

## 046 Swimming Pool :

A premises with facilities for swimming and spectators seating, which shall vary with size, standard and purpose.

## 047 Recreational Club :

A premises used for gathering of a group of persons for social and recreational purposes with all related facilities.

## 048 Historical Monuments :

A premises having structures or ruins thereof, belonging to an age gone past.

## 049 National Memorial :

A premises having the tomb, samadhi or memorial dedicated to an important personality, including all related facilities for visitors.

## 050 Zoological Garden Acquarium :

A premises in the form of a garden or park or aquarium with a collection of animals, species and birds for exhibition and study. It shall include all related facilities.

## 051 Bird Sanctuary :

A premises in the form of a large park or forest for preservation and breeding of birds with all related facilities.

## 052 Botanical Garden :

A premises in the form of a garden with plantation for research and exhibition.

## 053 Specialised Park/Ground :

A premises having a park or ground for a designated use like public meeting grounds, fun park, wonder land etc.

## 054 Planetarium :

A premises with necessary facilities and equipments for studying planets.

## 055 Picnic Hut/Camping Site :

A premises for short duration stay, for recreational or leisure purpose, of a family, located within a tourist and/or recreational centre.

## 056 Flying Club :

A premises used for training and fun rides on gliders and other small aircrafts. It may include other activities like recreational club and indoor games.

## 057 Cargo and Booking Office :

A premises used for booking offices and storage of goods by an airline.

## 058 Railway Freight Godown :

A premises for storage of goods transported by the railways.

## 059 Railway Booking Office :

A premises used for the offices of railways for purpose of booking for passengers travel.

## 060 Road Transport Booking Office :

A premises used for the offices of a road transport agency. It may or may not include godown.

## 061 Parking :

A premises used for parking of vehicles. The public parking lots may be run on commercial or non-commercial basis.

## 062 Taxi &amp; Three Wheeler Stand :

A premises to be used for parking of intermediate public transport vehicles run on commercial basis. The parking lots may be run on commercial or non-commercial basis.

## 063 Bus Terminal :

A premises used by public transport agency to park the buses for short duration to serve the population. It may include the related facilities for passengers.

## 064 Bus Depot :

A premises used by a public transport agency or any other such agency for parking, maintenance and repair of buses. This may or may not include a workshop.

## 065 Public Utility Premises :

## (i) Overhead Tank

A premises having a overhead tank for storage and supply of water to its neighbouring areas. It may or may not include a pump house.

## (ii) Underground Tank.

A premises having an underground tank for storage and supply of water to its neighbouring areas. It may or may not include a pump house.

## (iii) Oxidation Pond :

A premises having a tank used for the oxidation process for sewerage and other waste.

## (iv) Septic Tank :

A premises having an underground tank for collection of sewerage and its consequent disposal.

## (v) Sewerage Pumping Station

A premises with a pumping station used for pumping sewerage on to a higher gradient.

## (vi) Public Toilet &amp; Urinal

A premises having latrine and urinals for use of public. It may or may not include drinking water facility.

## (vii) Electric Sub-Station

A premises having electrical installation & transformer for distribution of power.

## (viii) Dhallao and Dustbin

A premises used for collection of garbage for its onwards transportation to sanitary land-fill.

## (ix) Dhobi Ghat

A premises used for cleaning and drying of clothes/linen by washerman.

## 066 Central Government Office :

A premises used for the offices of Union Government.

## 067 Local Government Office :

A premises used for offices of local Government and Local Bodies.

## 068 Public Undertaking Office :

A premises used for the offices of a company established under the Act of public enterprises bureau.

## 069 International Conference Centre :

A premises having all facilities for a conference, meeting symposium etc., where a number of different countries will be participating.

## 070 Courts :

A premises used for the offices of judiciary.

## 071 Government Land :

(Use undetermined).

A premises of Government land for which the use is undetermined.

## 072 Hospital :

A premises providing medical facilities of general or specialised nature for treatment of indoor and outdoor patients.

## 073 Health Centre :

A premises having facilities for treatment of indoor and outdoor patients having upto 30 beds. The health centre may be managed by a public or a charitable institution on non-commercial basis. It includes family welfare centre.

## 074 Nursing Home :

A premises having medical facilities for indoor and outdoor patients having upto 30 beds. It shall be managed by a doctor or a group of doctors on commercial basis.

## 075 Dispensary :

A premises having facilities for medical advice and provision of medicines managed by public or charitable institutions.

## 076 Clinic :

A premises with facilities for treatment of outdoor patients by a doctor. In case of a polyclinic, it shall be managed by a group of doctors.

## 077 Clinical Laboratory :

A premises with facilities for carrying out various tests for confirmation of symptoms of a disease.

## 078 Voluntary Health Service :

A premises having medical facilities for treatment of outdoor patients and other like blood bank etc. by a voluntary institutions. This service may also take the form of temporary camp with charitable motive.

## 079 Creche and Day Care Centre :

A premises having nursery facilities for infants during day time. The centre may be managed by an individual or an institution on commercial or non-commercial basis.

## 080 Nursery and Kindergarten School :

A premises with facilities for training and playing for children preparatory to the school.

## 081 Primary School :

A premises having educational and playing facilities for students upto V standard.

## 082 Secondary School :

A premises having educational and playing facilities for students from VI to X standard. It shall include existing cases of middle school which are upto VIII standard for the purpose of this code.

## 083 Senior Secondary School :

A premises having educational and playing facilities for students from VII to XIIth standard.

## 084 Integrated School :

A premises having educational and playing facilities for students upto XIIth standard.

## 085 Integrated Residential School :

A premises having educational and playing facilities for students upto XIIth standard. It shall have boarding facilities for students and may have residence for faculty members.

## 086 College :

A premises with educational and playing facilities for students of under-graduate & post-graduate courses under a university. It includes all professional disciplines.

## 087 Vocational Training Institute :

A premises with training facilities for short-term courses for discipline, preparatory to the employment in certain profession and trade. It shall be run by public or charitable institution on non-commercial basis. It includes training-cum-work centre.

## 088 Social Welfare Centre :

A premises with facilities for welfare and promotion of community development. It shall be run by a public or charitable institution.

## 089 Research and Development Centre :

A premises providing facilities for research and development for any specific field.

## 090 Library :

A premises having a large collection of books for reading and reference for general public or specific class.

## 091 Technical Training Centre :

A premises with facilities for training in discipline of technical nature. It includes technical schools, industrial training institute etc.

## 092 Commercial and Secretarial Training Centre :

A premises having training facilities for stenography, correspondence, record keeping etc.

## 093 Music, Dance and Drama Training Centre :

A premises having facilities for imparting training and coaching for music, dance and dramatics.

## 094 Sports Training Centre :

A premises having facilities for training and coaching for different indoor & outdoor games including swimming. It shall also include centres for physical education.

## 095 Motor Driving Training Centre :

A premises having facilities for training of driving automobiles.

## 096 Children Traffic Park :

A premises in the form of a park with facilities for introducing and educating children about traffic and signalling.

## 097 Museum :

A premises with facilities for storage & exhibition of subjects illustrating antiques, natural history, art etc.

## 098 Exhibition Centre and Art Gallery :

A premises with facilities for exhibition and display of painting, photographs, sculptures, mosaics, ceramics, handicrafts or products of a specific class.

## 099 Auditorium :

A premises having an enclosed space to seat audience and stage for various performances like concerts, play, music recitals, functions, etc.

## 100 Open AIR Theatre :

A premises having facilities for audience seat and a stage for performance and open to sky.

## 101 Community Hall :

A premises having an enclosed space for various social and cultural activities of neighbourhood of 15,000 population.

## 102 Fair Ground :

A premises having facilities for exhibition and display and other cultural activities for a group of participants.

## 103 Cultural and Information Centre :

A premises with facilities for cultural and information services for an institution, state and country.

## 104 Social and Cultural Institute :

A premises with facilities for activities of socio-cultural nature run by a public, voluntarily or individual on primarily non-commercial basis.

## 105 Reformatory :

A premises with facilities for confinement and reform of offenders.

## 106 Orphanage :

A premises with facilities for boarding of children who are bereaved of parents. It may or may not have educational facilities.

## 107 Religious :

A premises dedicated to accommodation and service of code or other objects of religious nature. It may have different nomenclature in different religion like temple (all faiths), mosque, church, gurudwara, synagogue, ashram, bathing ghat, gaushala.

## 108 Yoga Meditation, Spiritual and Religious Discourse Centre :

A premises having facilities for self attainment, achieving higher quality of mind and body, spiritual and religious discourse etc.

## 109 Police Post :

A premises having facilities for a local police post of a temporary nature or on smaller scale as compared to a police station.

## 110 Police Station :

A premises having facilities for the offices of local police post.

## 111 District Police Office :

A premises having facilities for the offices of para-military forces.

## 112 Civil Defence and Home Guard :

A premises having facilities for offices and other functions of civilian organisation for internal defence.

## 113 Forensic Science Laboratory :

A premises containing facilities for application of medical knowledge to legal problems.

## 114 Jaij :

A premises with facilities for detension, confinement and reform of criminals under the law.

## 115 Fire Post:

A premises with lesser degree of facilities for fire fighting. The post may be attached to a specific premises with fire prone activities.

## 116 Fire Station :

A premises with facilities for fire fighting for a catchment area assigned to it. It may include residence of essential staff.

## 117 Post Office :

A premises with facilities for postal communication for use by the public.

## 118 Post and Telegraph Office :

A premises with facilities for postal and tele-communication for use by the public.

## 119 General and Head Post Office :

A premises with facilities for postal and tele-communication mail to and from a number of post offices attached to it.

## 120 Telephone Exchange :

A premises having facilities for central operation of telephone system for a designated area.

## 121 Radio and Television Station :

A premises with facilities for recording, broadcast and transmission of news and other programmes through the respective medium. It may include some hostel accommodation for guest artist, transmission facilities like towers.

## 122 Transmission Tower and Wireless Station :

A premises used for installation of a tower for communication purposes.

## 123 Satellite and Tele-Communication Centre :

A premises with facilities for research and development of satellite and tele-communication technology.

## 124 Observatory and Weather Office :

A premises with facilities for research and development of data relating to weather and forecasting thereof.

## 125 Burial Ground :

A premises with facilities for burying of dead bodies.

## 126 Cremation Ground :

A premises with facilities of performing last rites of dead bodies by burning.

## 127 Cemetery :

A premises with facilities for burying of dead bodies by christians community.

## 128 Electric Crematorium :

A premises with facilities for disposing of the dead body by an electric burner.

## 129 Orchard :

A premises with a thick growth of fruit trees. It may also include garden with fruit trees.

## 130 Plant Nursery :

A premises with facilities for rear and sale of young plants.

## 131 Forest :

A premises with thick natural flora. In case of Union Territory of Delhi, it shall include city forest which may have part natural flora and part man made flora.

## 132 Dairy Farm :

A premises with facilities for rearing and processing of dairy products. It may have temporary structure for sheds of animals and birds.

## 133 Poultry Farm :

A premises with facilities for rearing and processing of dairy products. It may have temporary structure for sheds of chickens.

## 134 Piggery :

A premises with facilities for rearing and processing of dairy products. It may have temporary structure for shed of pigs.

## 135 Farm House :

A premises having residential house in an agriculture farm. In case of Union Territory of Delhi, the area of the farm house shall not exceed 500 sqm.

## 136 Rural Centre :

A premises having facilities for different functions for a certain numbers of villages it caters to.

(5) The existing "Appendices" be deleted and the following Annexures be added in their stead :

ANNEXURE I  
FACILITY CENTRES AND SERVICE CENTRES  
(a) FACILITY CENTRES

Details of Facilities	No. of Facility Centre	Area (Hectare)
1	2	3
<b>PLANNING DIVISION 'B'</b>		
Socio Cultural Institutions, Intermediate Hospital 'A', Head Post Office & Administration Office, Head Post Office and Delivery Office . . . . .		
	F 1	10.50
<b>PLANNING DIVISION 'C'</b>		
Intermediate Hospital 'A', Intermediate Hospital 'B', Nursing Home, Head Post Office, Department of Telegraph Office . . . . .	F 2	5.00
General College, Intermediate Hospital 'B', Police Station, Head Post Office . . . . .	F 3	7.50
Intermediate Hospital 'A', Nursing Home. . . . .	F 4	7.00
Socio-Cultural Facilities . . . . .	F 5	9.00
Intermediate Hospital 'A', Nursing Home, Fire Station . . . . .	F 6	9.50
	F 7	4.50
<b>PLANNING DIVISION 'E'</b>		
College, Intermediate Hospital 'A', Intermediate Hospital 'B', General Hospital, Nursing Home (2 nos.) Telegraph Office, Police Station, Head Post Office . . . . .	F 8	16.00
ITI	F 9	2.20
Intermediate Hospital 'A' (2), Intermediate Hospital 'B' (2), Technical School B, Nursing Home (2 nos.), Fire Station, Head Post Office . . . . .	F 10	13.50
Intermediate Hospital 'A' (2 nos) Intermediate Hospital 'B' (2 nos), Fire Station, Head Post Office, Nursing Home (2 nos), Police Station, College . . . . .	F 11	14.50
College, Technical Education Centre 'A', Intermediate Hospital 'A', Intermediate Hospital 'B' (2 nos), Nursing Home (2 nos), Fire Station, Police Station, Telegraph Office, Head Post Office . . . . .	F 12	16.00
University Campus, Telephone Exchange, Nursing Home (2 nos), Police Station, Fire Station, Socio- Cultural. . . . .	F 13	23.55
Intermediate Hospital 'B' (2 nos). . . . .	F 14	2.10
Intermediate Hospital 'A', Nursing Home . . . . .	F 15	3.00

## 1

	2	3
College, Intermediate Hospital 'A', Intermediate Hospital 'A' (2 nos), Nursing Home (2 nos), Police Station, Fire Station . . . . .	F 16	11.50
Intermediate Hospital 'A', Intermediate Hospital 'B', Police Station, Fire Station, Nursing Home (2 nos.) . . . . .	F 17	6.75
College, General Hospital, Intermediate Hospital 'A' (2 nos.), Intermediate Hospital 'B' (2 nos.), Police Station, Nursing Homes (3 nos.) . . . . .	F 18	20.00
Intermediate Hospital 'A' (2 nos.) Intermediate Hospital 'B' (2 nos.), Head Post Office, Telegraph Office, College, Nursing Home . . . . .	F 19	12.50
Police Station, Head Post Office . . . . .	FC 20	1.60
Intermediate Hospital 'B'. . . . .	FC 21	1.00
College, Nursing Homes (2 nos). . . . .	FC 22	5.25
Intermediate Hospital 'A', Intermediate Hospital 'B' . . . . .	FC 23	3.75
College, Intermediate Hospital 'A', Nursing Homes (2 nos), Police Station . . . . .	FC 24	8.50
College, General Hospital, Nursing Homes (3 nos), Police Station, Telephone Exchange, Fire Station. . . . .	FC 25	14.40
College, Intermediate Hospital 'A', Nursing Home . . . . .	FC 26	7.30
<b>PLANNING DIVISION 'F'</b>		
Intermediate Hospital 'A', Intermediate Hospital 'B', Fire Station, Department of Telegraph, Head Post Office, Nursing Home . . . . .	FC 27	6.50
Intermediate Hospital 'A', Intermediate Hospital 'B', Nursing Homes (2 nos.) . . . . .	FC 28	4.25
ITI + Technical School + Coaching Centres, Intermediate Hospital 'A' (3 nos), Intermediate Hospital 'B' (2 nos), Police Station, Fire Station, Telephone Exchange, Department of Telegraph, Head Post Office, Nursing Home (4 nos.)	FC 29	20.00
Intermediate Hospital 'A', Intermediate Hospital 'B' (2 nos), Nursing Homes (2 nos.) . . . . .	FC 30	5.20
Intermediate Hospital 'A', Intermediate Hospital 'B', Fire Station . . . . .	FC 31	4.80
Intermediate Hospital 'A' (2 nos), Intermediate Hospital 'B', Police Station, Head Post Office . . . . .	FC 32	18.70
Socio-Cultural, Intermediate Hospital 'A' (2 nos.), Intermediate Hospital 'B' Head Post Office, Nursing Homes (3 nos.), Fire Station . . . . .	FC 33	12.00
<b>PLANNING DIVISION 'C'</b>		
General Hospital, Intermediate Hospital 'A', Intermediate Hospital 'B', Nursing Home, Police Station, Fire Station, Head Post Office . . . . .	FC 34	11.65

1	2	3	1	2	3	
Intermediate Hospital 'A', Intermediate Hospital 'B', Police Station, Nursing Homes (3 nos.) . . . . .	F 35	6.00	General Hospital, College, Police Station, Fire Station, Intermediate Hospital 'B' (2 nos), Nursing Homes (4 nos) . . . . .	FC 55	16.68	
Intermediate Hospital 'A', Nursing Homes (4 nos.) . . . . .	F 36	4.00	College, Police Station, Fire Station, Intermediate Hospital 'A' (2 nos), Intermediate Hospital 'B' (3 nos), Telephone Exchange, Technical Education Centre, Telegraph Office, Head Post Office + Administration Office, Nursing Homes (4 nos) . . . . .	FC 56	24.42	
Intermediate Hospital 'A', Nursing Homes (3 nos.) . . . . .	F 37	4.00	Police Station, Intermediate Hospital 'A' (2 nos.) Intermediate Hospital 'B' (2 nos), Nursing Homes (4 nos), College, Telephone Exchange, Fire Station, Head Post Office . . . . .	FC 57	35.00	
Intermediate Hospital 'A', Intermediate Hospital 'B', Police Station . . . . .	F 38	5.00	College, Intermediate Hospital 'A' (2 nos.) Intermediate Hospital 'B', Nursing Homes (2 nos), Police Station . . . . .	FC 58	12.00	
Police Station, Forensic Science Laboratory, Head Post Office . . . . .	F 39	2.40	College, Intermediate Hospital 'A' (2 nos.) Intermediate Hospital 'B' (2 nos), Nursing Homes (5 nos), Police Station, Jail, Fire Station, Head Post Office . . . . .	FC 59	37.00	
College, ITI+Polytechnic, Fire Station . . . . .	F 40	9.00	Police Station, Intermediate Hospital 'A', Nursing Homes (2 nos) . . . . .	FC 60	4.75	
Socio-Cultural, College, Telephone Exchange, Department of Telegraph, Police Station, General Hospital, Fire Station . . . . .	F 41	18.50	Intermediate Hospital 'A', Intermediate Hospital 'B' . . . . .	FC 61	4.00	
College, ITI— Technical School, General Hospital, Intermediate Hospital 'B', Nursing Homes (2 nos) . . . . .	F 42	15.50	(b) SERVICE CENTRES			
Police Station, Fire Station, University Campus, Intermediate Hospital 'B', (2 nos.) Department of Telegraph, Head Post Office . . . . .	F 43	13.20	No. of Service Centres			
College, Intermediate Hospital 'B', Nursing Homes (2 nos) . . . . .	F 44	6.00	No. of LPG Godowns			
College, Police Station, Fire Stations, Nursing Homes (2 nos) . . . . .	F 45	6.95	Area in Hectare			
College . . . . .	F 46	4.00	DIVISION 'B'			
Police Station, Fire Station, Nursing Homes (3 nos) . . . . .	F 47	3.20	S 1			
PLANNING DIVISION 'H'+Rohini College, Police Station . . . . .	FC 48	5.75	4			
Socio-Cultural Facilities . . . . .	FC 49	10.00	DIVISION 'D'			
General Hospital, Intermediate Hospital 'A', Intermediate Hospital 'B' (2 nos.) Nursing Homes (3 nos), Police Station, Telephone Exchange, Department of Telegraph, Head Post Office, College . . . . .	FC 50	20.00	S 2			
College, Police Station . . . . .	F 51	15.04	4			
General Hospital, College, Police Station, Fire Station, Intermediate Hospital 'A' (2 nos.), Intermediate Hospital 'B' (2 nos), Telephone Exchange, Department of Telegraph, Head Post Office, Nursing Homes (5 nos) . . . . .	F 52	22.35	DIVISION 'E'			
ITI+Polytechnic, Police Station, Intermediate Hospital 'A', Nursing Home, Head Post Office . . . . .	F 53	18.50	S 3			
General Hospital, College, Police Station, Fire Station, Intermediate Hospital 'A' (2 nos.), Intermediate Hospital 'B', Technical Education Centre, Head Post Office, Nursing Homes (4 nos) . . . . .	FC 54	5.542	4			
			S 4			
			S 5			
			S 6			
			S 7			
			S 8			
			S 9			
			S 10			
			S 11			
			DIVISION 'F'			
			S 12			
			4			
			DIVISION 'G'			
			S 13			
			2			
			S 14			
			4			
			S 15			
			4			
			S 16			
			4			
			S 17			
			4			
			DIVISION 'H'			
			S 18			
			6			
			S 91			
			6			
			5.50			
			5.00			

## ANNEXURE—IA

## Recommended Tree Plantation :

## (a) East Zone :

The following trees are recommended for Group Plantation in low-lying area.

1. Bamboo in clusters
2. *Casurina equisetifolia*
3. *Eucalyptus*
4. *Salix*.

The following trees are recommended for the purpose of Colour and Aesthetics.

1. *Callistemon lanceolatus*
2. *Lagerstroemia-flos-reginii*
3. *Peltophorum ferrugenum*.

The following trees are recommended in Woodland and Road Side Plantation.

1. *Dalbergia sissoo*
3. *Ficus religiosa*
3. *Ficus religiosa*
4. *Peltophorum ferrugenum*
5. *Terminalia arjuna*.

## (b) South Zone :

The following trees are recommended in Woodland and Road Side Plantation.

1. *Ailanthus excelsa*
2. *Alstonia scholaris*
3. *Anthocephalus cadamba*
4. *Azadirachta indica*
5. *Bassia latifolia*
6. *Cassia fistula*
7. *Cassia siamea*
8. *Dalbergia sissoo*
9. *Ficus infectoria*
10. *Ficus tsie*
11. *Polyalthia longifolia*
12. *Putranjiva roxburghii*
13. *Schleichera trijuga*
14. *Tamrindus indica*
15. *Terminalia arjuna*

The following trees are recommended in Parks and Gardens.

1. *Acacia auriculiformis*
2. *Bauhinia* sp.
3. *Bombax malabaricum*
4. *Cassia* sp.
5. *Chorisia speciosa*
6. *Colvillea racemosa*

7. *Crataeva religiosa*
8. *Delonix regia*
9. *Erythrina indica*
10. *Jacaranda mimosifolia*
11. *Lagerstroemia* sp.
12. *Mimusops elengii*
13. *Peltophorum ferrugenum*
14. *Plumeria alba* var
15. *Saraca indica*
16. *Tecoma argentea*.

## (c) West Zone :

The following trees are recommended in Woodland and Road Side Plantation.

1. *Alstonia scholaris*
2. *Azadirachta indica*
3. *Butea frondosa*
4. *Cassia fistula*
5. *Dalbergia sissoo*
6. *Diospyros montana*
7. *Ficus infectoria|glomerata*
8. *Pongamia glabra*
9. *Pterospermum acerifolium*
10. *Tamrindus indica*
11. *Terminalia arjuna*

The following trees are recommended in Parks and Gardens.

1. *Acacia auriculiformis*
2. *Bauhinia* var
3. *Cassia fistula*
4. *Cretaea religiosa*
5. *Delonix regia*
6. *Erythrina indica*
7. *Jacaranda mimosifolia*
8. *Lagerstroemia-flos regini*
9. *Mimusops elengii*
10. *Peltophorum ferrugenum*
11. *Plumeria alba* var
12. *Pterospermum acerifolium*
13. *Saraca indica*
14. *Tecoma argentea*
15. *Schleichera trijuga*.

(d) North East Zone : As per East Zone.

(e) North West Zone : As per West Zone.

**ANNEXURE II**  
Fixed Use in Different Residential Areas

**GROUP-I Residential Area**

(a) The following plotted areas developed prior to Master Plan :

1. New Rajender Nagar
2. Model Town
3. Rajouri Garden
4. Punjabi Bagh
5. Defence Colony
6. Kailash, Greater Kailash and Extension
7. Nizamuddin
8. Golf Link
9. Sunder Nagar
10. Hauz Khas, Enclave and extension
11. Jangpura West
12. Jorbagh
13. Diplomatic Enclave
14. Green Park

(b) All plotted areas general and co-operative house building plotted areas sanctioned after 1960.

(c) Any other areas not covered in Group-II and column a & b of Group-I.

**GROUP-II Residential Area**

(a) Rehabilitation plotted residential areas and other plotted residential areas with commercial penetration.

1. Roop Nagar
2. Kamla Nagar
3. Shakti Nagar
4. Rajender Nagar
5. Patel Nagar
6. Gandhi Nagar
7. Krishan Nagar
8. Gieeta Colony
9. Shahdara
10. Rohtas Nagar
11. Balbir Nagar
12. Rana Pratap Bagh
13. Timarpur
14. Shivaji Park
15. Moti Nagar
16. Mansarovar Garden
17. Vijay Nagar
18. Ramesh Nagar
19. Kingsway Camp
20. Multan Nagar
21. Kirti Nagar
22. Tilak Nagar
23. Indrapuri
24. Kalkaji
25. Shahdara Town
26. Lajpat Nagar
27. Malviya Nagar

(b) All I.I. & Resettlement Colonies

(c) All Urban Villages

**GROUP-III Residential Area**

Unauthorised colonies regularised from time to time.

**ANNEXURE III**

Classification of Industries

A. The following manufacturing units are permitted as household industry ; in service centre as part of Local Shopping Centre, Community Centre, District Centre and

Sub Central Business District; in Light & Service Industry Use Zone-M1, Flattened Group Industry; and Extensive Industry Use Zone-M2.

1. Agarbatti & Similar Products
2. Assembly & repair of electrical gadgets
3. Assembly & repair of electronic goods
4. Assembly & repair of sewing machines
5. Basic works
6. Blacksmithy
7. Block making & photoenlarging
8. Biscuit, pappey, cakes and cookies making
9. Button making, fixing of button & hooks.
10. Calico & Textile product
11. Cane & bamboo products
12. Clay & modelling
13. Coir & jute products
14. Cardboard boxes
15. Candles
16. Copper & brass art wares
17. Cordage, rope & twine making
18. Carpentry
19. Contact lens
20. Canvas bags & holdalls making
21. Candies, sweets, rasmalai etc. (when not canned)
22. Cotton/silk printing (by hand)
23. Dari & carpet weaving
24. Detergent (without bhatti)
25. Embroidery
26. Framing of pictures and mirrors
27. Fountain pens, ball pens & felt pens
28. Gold and Silver thread, kalabattu
29. Hosiery products
30. Hats, caps, turbans including embroideries
31. Ivory carving
32. Ink making for fountain pen
33. Jewellery items
34. Khadi & handloom
35. Lace products
36. Leather footwear
37. Leather & texine made ups
38. Production of following items
  - (i) Blanco cakes
  - (ii) Brushes
  - (iii) Crayons
  - (iv) Kulfi & confectionery
  - (v) Jam, jellies & fruit preserves
  - (vi) Musical instruments (including repairs)
  - (vii) Lace work and like
  - (viii) Ornamental leather goods like purses, hand bags
  - (ix) Small electronic components
39. Name plate making
40. Paper stationery items and book binding
41. Pith hat, garlands of flowers & pith
42. P.V.C. products (with one moulding machine)
43. Papier machine
44. Perfumery & cosmetics
45. Photosetting
46. Photostat & cyclostyling
47. Preparation of Vadi, Papad etc.
48. Processing of condiments, spices, groundnuts and dal etc.
49. Pan masala
50. Repair of watches & clocks
51. Rakhee making
52. Stone engraving
53. Sports goods
54. Surgical bandage rolling and cutting

55. Stove pins, safety pins & aluminium buttons (by hand press)  
 56. Silver foil making  
 57. Saree full making  
 58. Tailoring  
 59. Thread balls & cotton fillings  
 60. Toys & dolls  
 61. Umbrella assembly  
 62. Village pottery industry (without bhatti)  
 63. Village oil ghat  
 64. Velvet embroidered shoes/shawls  
 65. Vermicelli and macaroni  
 66. Wood carving & decorative wood wares  
 67. Wool balling & lachee making  
 68. Wooden/cardboard jewellery boxes (subject to no objection certificate from fire department)  
 69. Wool knitting (with machine)  
 70. Zari Zardozi

B. The following manufacturing units are permitted in service centre as part of Local Shopping Centre, Community Centre, District Centre and Sub Central Business District; in Light & Service Industry Use Zone-M1, Flatted Group Industry and Extensive Industry Use Zone-M2

71. Aluminium furniture  
 72. Air conditioner's parts  
 73. Aluminium sheets  
 74. Aluminium doors/windows/fittings  
 75. Assembly & repair of cycles  
 76. Atta chukki and spices & dal grinding  
 77. Auto parts  
 78. Belts and buckles  
 79. Bulbs  
 80. Bread and backeries (restricted)  
 81. Cloth dying  
 82. Cotton ginning  
 83. Cotton & silk screen printing  
 84. Cycle chain  
 85. Cycle locks  
 86. Dal mills  
 87. Diamond cutting & polishing work  
 88. Electric fittings (switch, plug, pin etc.)  
 89. Electroplating minaplating, engraving  
 90. Electronics goods mannfacturing (large scale)  
 91. Elastic products  
 92. Electric motor and parts  
 93. Electric press assembling  
 94. Engineering works  
 95 Grinders  
 96. Foundary (small job works)  
 97. Ico-cream  
 98. Ice boxes and body of the coolers  
 99. Iron grills and door making  
 100. Jute products  
 101. Kev rings  
 102. Knife making  
 103. Marbles stone items  
 104. Machine tools  
 105. Mixers  
 106. Metal letter cutting  
 107. Motor winding works  
 108. Oil Industry  
 109. Powerlooms  
 110. Photographs, printing (including sign-board painting)  
 111. Printing press (provided not creating problem)  
 112. Repair of small domestic appliances and gadgets (like room heater, room coolers, hot plates etc.)  
 113. Rubber stamps  
 114. Sanitary goods

115. Screws and nails  
 116. Screen printing  
 117. Scissors making  
 118. Shoe-laces  
 119. Soap making  
 120. Spectacles and optical frames  
 121. Steel furniture  
 122. Steel lockers  
 123. Steel springs  
 124. Steel almirahs  
 125. Stamp pads  
 126. Surgical instruments and equipments  
 127. Table lamps & shades  
 128. Timber cutting  
 129. Tin box making  
 130. Transformer covers  
 131. T.V., radio, cassette recorders etc.  
 132. T.V./radio/transister cabinets  
 133. Tyre retreading  
 134. Typewriter parts manufacturing and assembling  
 135. Water meters repairing  
 136. Water tanks  
 137. Welding works  
 138. Wire knitting  
 139. Wooden furniture works

C. The following manufacturing units are permitted in Service Centre as part of Community Centre, District Centre and Sub Central Business District; in Light & Service Industry Use Zone-M1, Flatted Group Industry and Extensive Industry Use Zone-M2

140. Brass fittings  
 141. Castings (industrial)  
 142. Copper metal parts  
 143. Dies for plastic mouldings  
 144. Glass work (assembly type)  
 145. Hinges and hardwares  
 146. Locks  
 147. Lamps & burners  
 148. Milk cream separators  
 149. Polishing of plastic parts  
 150. Steel leaf spring manufacturing  
 151. Utensils

D. The following manufacturing units are permitted in Service Centre as part of District Centre and Sub Central Business District; in Light & Service Industry Use Zone-M1, Flatted Group Industry and Extensive Industry Use Zone-M2

152. Brief cases & bags  
 153. Decorative goods  
 154. Denting & painting of vchicles  
 155. Ice-factory  
 156. Metal containers  
 157. Rolling shutters

E. The following manufacturing units are permitted in Light & Service Industry Use Zone-M1, Flatted Group Industry & Extensive Industry Use Zone-M2

158 Aerated water and fruit beverages  
 159. Agriculture equipments repairing  
 160. Arms parts  
 161. Aluminium-wares, moulds of cakes & pastry  
 162. Attachee, suitcases and briefcases  
 163. Automobile services and repair workshop  
 164. Battery charging  
 165. Blower fans  
 166. Brushes and brooms  
 167. Brass work (pipes)

168. Builders' hardwares  
 169. Button clips  
 170. Buckets  
 171. Confectionery candies and sweets  
 172. Cold storage and refrigeration  
 173. Cement products  
 174. Copper-ware and utensils  
 175. Cutlery  
 176. Conduit pipes  
 177. Drugs and medicines  
 178. Door shutters and windows  
 179. Electric lamp shades, dixtures  
 180. Electrical appliances (room heaters, lamps etc.)  
 181. Fabrication (like trusses and frames)  
 182. Fluorescent light fitting (including neon-signs)  
 183. Fruit canning  
 184. Grinding works  
 185. Household utensils (Welding, soldering, patching and polishing)  
 186. Household/kitchen appliances  
 187. Hand tools  
 188. Helmets  
 189. Iron foundaries  
 190. Industrial fastners  
 191. Interlocking and buttoning  
 192. Ink making  
 193. Laboratory porcelain, dental porcelain wares  
 194. Laundry, drycleaning and dying  
 195. Lantern, torches and flash lights  
 196. Manufacturing of trunks and metal boxes  
 197. Metal polishing  
 198. Milkcream machines  
 199. Milk testing equipments  
 200. Miscellaneous machine parts  
 201. Nuts, bolts, pulleys, chains and gears  
 202. Optical instruments  
 203. Oil stoves, pressure lamps and accessories  
 204. Printing book binding, embossing and photograms etc.  
 205. Padlock and pressed locks  
 206. Precision instruments of all kinds  
 207. Plastic jigs, dixtures and metal embossing  
 208. Photography goods  
 209. Paper cutting machines  
 210. Pressure cookers  
 211. Rings and eyelets  
 212. Rezor blades  
 213. Stationery items (including educational & school drawing instruments)  
 214. Steel wire products  
 215. Sheet metal works  
 216. Shoe making and repairing  
 217. Shoe grindery  
 218. Safety pins  
 219. Stapler pins  
 220. Tobacco products (cigarette end bidies)  
 221. Tin products  
 222. Tailoring materials  
 223. Truck and bns (body building)  
 224. Telephone parts  
 225. Thermometers  
 226. Upholstery springs and other springs  
 227. Wax polishing  
 228. Watch and clock parts  
 229. Washing soap  
 230. Water mefers  
 231. Zip fastners

F. The following manufacturing units are permitted in Extensive Industry Use Zone-M-2.

232. Automobile parts & casting  
 233. Acids & Chemicals (small scale)  
 234. Agriculture appliances & implements (medium scale)  
 235. Aluminium products  
 236. Aluminium anodising  
 237. Ancillary industries of the slaughter house  
 238. Auto electroplated accessories  
 239. Automobile leaf springs (large scale)  
 240. Battery boxes  
 241. Batteries & accessories  
 242. Cattle feed  
 243. Ceramics & potteries  
 244. Centrifugal pumps & small turbines  
 245. Concrete & mosaic products  
 246. Collapsible gates, railing & grills  
 247. Cotton ginning (large scale)  
 248. Duree and carpets (large scale)  
 249. Disinfccants & insecticides (small scale)  
 250. Dyeing, bleaching, finishing processing cloth (including mercerising calendering, glazing etc.)  
 251. Electrical motors, transformers and generators  
 252. Electroplating (large scale)  
 253. Enamel ware  
 254. Expanded metals  
 255. Fire fighting equipments  
 256. Fluorescent lights  
 257. Flour mill  
 258. Footwears  
 259. Foam piles  
 260. Fuel gases (including by-products)  
 261. Galvanises buckets  
 262. Glass products (small scale)  
 263. Grease, oil etc.  
 264. C.I., malleable pipe fittings  
 265. Hand press  
 266. Hume pipes (small scale)  
 267. Hydraulic press  
 268. Iron foundaries (medium scale)  
 269. Iron pipes  
 270. Iron hammers  
 271. Lathe machines  
 272. Leather upholstery and other leather goods  
 273. Nickle polishing  
 274. Paints & varnishes  
 275. Plastic products (large scale)  
 276. Plastic dye  
 278. Polish work  
 277. Paper products  
 279. Processing of clay & other earths  
 280. P.V.C. Compounds  
 281. Polythene bags  
 282. Refrigerators & airconditioners  
 283. Rail coupling parts  
 284. Rubber goods (small scale)  
 285. Electric fans  
 286. Saw mills & wood work  
 287. Small machine & machine tools  
 288. Sprayers (hand & foot)  
 289. Structural steel fabrications  
 290. Sheet bending press  
 291. Speedometers  
 292. Steel re-rolling mills (small scale)  
 293. Steel casting  
 294. Steel wire drawings  
 295. Stone crusher parts  
 296. Scissors making  
 297. Spice factory

- 298. Surgical goods
- 299. Tarpaulin & tent cloth
- 300. Textiles mills (medium scale)
- 301. Toilet soap
- 302. Tractor parts
- 303. Typewriters
- 304. Umbrella ribs
- 305. Utensils
- 306. Vacuum flasks
- 307. Veneer of plywood
- 308. Water proof textile products
- 309. Wire drawing, coating and electric cables
- 310. Wire netting
- 311. Wine making
- 312. Wooden structural goods
- 313. Writing & marking ink
- 314. X-ray machines
- 315. Zinc polishing

The following conditions shall apply to respective class of industry.

**Class A**

Nos. 1 to 70.

These industrial units are permitted in residential premises with the following conditions.

Maximum number of workers—

Power load—upto 1 KW.

**Class A & B**

Nos. 1 to 139

These industrial units are permitted in service centre (local shopping) with the following conditions.

Maximum number of workers—5

Power load—upto 3 KW

**Class A, B & C**

Nos. 1 to 151.

These industrial units are permitted in service centre (community centre) with the following conditions.

Maximum number of workers—9

Power load—upto 3 KW.

**Class A, B, C & D**

Nos. 1 to 157

These industrial units are permitted in service centre (district centre Sub CBD with the following conditions.

Maximum number of workers—19

Power load—upto 5 KW.

**Class A, B, C, D & E**

Nos. 1 to 231.

(I) These units are permitted in the light industrial areas with the following conditions.

Maximum number of workers—50 Power load—upto 30 KW.

(II) These units are permitted in Flatted Group Industrial area also with the following conditions.

Maximum number of workers—50

Power load—upto 30 KW.

The industrial units permitted under Flatted Group Industry units shall not have excessive,

(i) Vibrations

(ii) Solid and liquid waste

(iii) Movement of raw material/finished products

**Class A, B, C, D, E & F**

Nos. 1 to 315.

These units are permitted in Existing Industrial areas with the following conditions.

Maximum number of workers in,

Existing units—500

New units—50

**ANNEXURE III-G**

**INDUSTRIES PERMITTED IN INDUSTRIAL AREA IN RURAL USE ZONE**

- 1. Activated carbon
- 2. Barley malt and extract
- 3. Ber candy and guava fruit bar
- 4. Cattle feed
- 5. Citrus fruit concentrate
- 6. Confectionery
- 7. Dal milling
- 8. Dehydrated vegetables
- 9. Eucalyptus oil
- 10. Flour Milling
- 11. Fuel briquettes
- 12. Grading waxing and polishing of malta
- 13. Grape vinger and juice
- 14. Ground nut oil
- 15. Guar split
- 16. Gur and khandsari
- 17. Handmade paper
- 18. Ice-cream
- 19. Lactic and oxalic acids
- 20. Milling pulses
- 21. Mustard oil and powder
- 22. Pasturised milk and its products
- 23. Pickles, Chutneys and Murabba
- 24. Poultry feed
- 25. Processed fruit and vegetables products
- 26. Pycolysed glucose and starch
- 27. Rapeseed oil
- 28. Red chillis oleoresin
- 29. Rice milling
- 30. Sesame oil
- 31. Spice grinding
- 32. Sugarcane wax
- 33. Straw boards
- 34. Surgical bandage
- 35. Tomato ketchup and vegetable sauce
- 36. Weaning food

37. The industrial units given in his annexure under part A with serial numbers 1 to 70 shall also be permitted.

**ANNEXURE III-H**

**INDUSTRIES PROHIBITED WITHIN UNION TERRITORY OF DELHI**

**(a) HAZARDOUS/NOXIOUS INDUSTRIAL UNITS**

CELLULOOSIC PRODUCTS	Characteristics
1. Carbon black and carbon blacks of all kinds	Fire hazard
2. Crude oil refining, processing and cracking, petroleum jelly, neptaha Cracking including gas packing etc.	Inflammable fumes and noise
3. Fuel oils, illuminating oils and other oils such as stchetic oil, shale oil, lubricants.	Fire hazard
4. Industrial alcohol	Unpleasant smell
5. Matches	Fire hazard
6. Newsprint	Unpleasant smell, contaminated waste water, fire hazard

7. Paints, enamels, colours, varnish (other than litho varnish) varnish removers, turpentine and turpentine substitutes

8. Petroleum-coke, graphite production

9. Printing ink

10. Rayon fibre, waste products, may-phane paper etc., cellulose nitrate, celluloid articles, scraps and solution

#### CEMENT AND REFRactories

1. Enamelling vitreous

2. Glass furnaces (more than 3 ton capacity)

3. Heavy metal forging (using steam and power hammer)

4. Mechanical stone crushing

5. Portland cement

6. Refractories

#### EXPLOSIVES AND AMMUNITION

1. Explosives or their ingredients such as fire-works, gunpowder, gun cotton etc.

2. Industrial gelatine nitro glycerine and fulminate

#### FERTILISERS

1. Nitrogenous and phosphatic fertilisers; except mixing of fertilisers for compounding (large scale)

#### FRUITS

1. Abattoirs

2. Alcohol distillery, breweries and potable spirits

3. Sewer refining

4. Vegetable oil

#### INORGANIC CHEMICAL INDUSTRIES

1. Acid-sulphuric acid, nitric acid, acetic acid, hydrochloric acid, phosphoric acid, battery acid, bengalic acid, carbolic acid, chlorosulphuric acid etc.

2. Alkalies-caustic soda, caustic potash, soda-ash etc.

3. Carbon-disulphide, ultra-marine blue, chlorine-hydrogen etc.

4. Mineral salts (which involves use of acids)

#### LEATHER AND OTHER ANIMAL PRODUCTS

1. Animal and fish oils

2. Bone-grist, bone-meal, bone powder or storage of bones in open

3. Glandular extraction

4. Glue and gelatine from bones and flesh

5. Leather tanning

Fire hazard

Fire hazard

Fire hazard

Fire hazard

Smoke

Fire hazard

Noise, smoke, vibration

Dust, slurry, noise

Dust

Smoke

Fire hazard

Fire hazard

Fire, noise noxious gases and dust

Obnoxious smell waste water

Noise, fire hazard, unpleasant smell due to oxygen

Unpleasant smell fire hazard

Noise, unpleasant smell

#### METALLURGICAL INDUSTRIES

1. Blast furnaces

2. Roasting of ore sulphide oxides of mixtures

3. Sintering, smelting

#### ORGANIC CHEMICAL INDUSTRIES

1. Acetylides, phridines iodoform, chloroform, B-nephthol etc.

2. Compressed permanent liquified and dissolved industrial gases

3. Dyes and dye-stuff intermediates

4. Insecticides, pesticides, fungicides

5. Organic solvent, chlorinated minerals, methanol, aldehydes, methylated spirits

6. Phenols and related industries based on coal-tar distillation

7. Polythylene, P.V.C., resine, nylon

8. Synthetic detergents

9. Synthetic rubber

#### PAPER AND PAPER PRODUCTS

Mfg. of paper pulp, paper board and straw boards (large scale)

#### POISONS

Ammonium-sulphoajanide, arsenic and its compounds, barium carbonate, barium cyanide, barium ethyle sulphate, barium acetate, cinnabar, copper sulphocyanide, ferrocyanide, hydro-cyanide, hydro-cyanic acid, potassium bicarbonate, potassium-cyanide, prussiate of potash, pynogallic acid silver cyanide.

#### RADIOACTIVE ELEMENTS

Thorium, radium and similar isotopes and recovery of rare-earth

#### RUBBER INDUSTRIES

Reclamation of rubber and production of tyres, rubber solutions containing mineral naphtha, rubber waste

#### TEXTILES

1. Clean rags, oily and greasy rags

2. Flax yard and other fibres

3. Oil sheets and water proof clothings

4. Textile finishing bleaching and dying

5. Wool spinning

#### WOOD AND WOOD PRODUCTS

Distillation of wood, seasoning and curing

#### MISCELLANEOUS

Calcium carbide, phosphorus, aluminium dust paste and powder, copper, zinc etc.(electrothermal industries)

Noise, dust smoke and fire hazard

Noise, dust smoke and fire hazard

Noise, dust smoke and fire hazard.

Fire hazard, smell

Fire hazard

Acidic liquid effluent

Unpleasant smell, dusty and fire hazard

Fire hazard unpleasant smell

Fire hazard

Fire hazard

Liquid effluent with unpleasant smell

Contamination of food if stored on same floor or on floors above, fire hazard

Radiation hazard

Unpleasant smell, dust fire

Fire hazard

Fire hazard

Fire hazard

Acidic waster water

Impure liquid waste due to washing

Fire hazard, obnoxious gases readily ignitable

(b) Heavy and Large Industries

1. Agricultural implements (large scale)
2. Air and gas compressor
3. Aircraft building
4. Automobiles and coach building
5. Bicycles (large scale)
6. Conveyors and conveying equipments
7. Cotton textile (large scale)
8. Cranes and hoists
9. Diesel engines
10. Earth moving machinery
11. Electrical steel sheets and stampings
12. Electric wires and cables (large scale)
13. Foundaries (heavy)
14. Central industrial machinery (such as hydraulic equipments, drilling equipments, boilers etc.)
15. Heavy iron and steel forging
16. Hume pipes (large scale)
17. Industrial trucks, trailers, stakers etc.
18. Lifts
19. Locomotives and wagons
20. Motor cycles and scooters
21. Optical glass
22. Other primary metal industries (e.g. cold rolled sheet, alloy sheet etc.)
23. Power driven pump and pumping equipments
24. Sewing machines (large scale)
25. Sluice gates and gearings
26. Special industrial machinery
27. Steam engines
28. Steel pipes and tubes
29. Steel chains
30. Steel works, rolling and re-rolling mills
31. Structural steel fabrication (large scale)
32. Sugar
33. Telephone equipments
34. Tractors and agricultural machinery (power driven)
35. Under frames and chassis
36. Water turbines
37. Wire ropes
38. Woollen textiles (large scale)

#### ANNEXURE IV

#### REGULATIONS FOR EXISTING RESIDENTIAL AREAS

##### (a) Minimum Plot Size

The minimum size of an individual residential plot for a two storey, two family dwelling should be 125 sq. yards (104.51 sqm). In the case of low cost housing for low income groups and slum rehousing the minimum plot size could be 80 sq. yards (66.88 sqm) for two dwelling units one on each floor and about 33 sqm for single for single dwelling unit—two storeys without barsati.

##### (b) Plot Coverage

The plot coverage shall be as follows :

	Coverage on each floor
1. Upto 300 sq. yards (250.83 sqm)	60%
2. Above 300 sq. yards (250.83 sqm) and not exceeding 600 sq. yards (501.66 sqm)	50%
3. Above 600 sq. yards (501.66 sqm) and not exceeding 1,200 sq. yards (1003.32 sqm)	40% <sup>1</sup>
4. Above 1,200 sq. yards (1003.32 sqm)	33.1/3% :

Provided that in the areas which, prior to the establishment of the Municipal Corporation of Delhi, were included within the jurisdiction of the Delhi Municipal Committee, the permissible plot coverage for plots not exceeding 200 sq. yards (167.22 sqm.) shall be as under :

- (i) Not exceeding 100 sq. yards (83.61 sqm.) 75 per cent on each floor.
- (ii) Above 100 sq. yards (83.61 sqm.) and not exceeding 200 sq. yards (167.22 sqm.) 66-2/3 per cent on each floor.

The area to be covered area in no case be less than the permissible covered area for the largest size plot in the lower category. For example, the area to be covered in a plot of 1028.44 sqm (1230 sq. yards) will be 40 per cent of 1003.36 sqm (1,200 sq. yards) i.e. 401.34 sqm (480 sq. yards) and not 1/3rd of 1028.44 sqm (1230 sq. yards) which is only 342.81 sqm. (410 sq. yards).

##### (c) Floors

In individual residential plots, normally only two storeyed buildings may be allowed plus provision of barsati floor at the top. In individual plots exceeding 200 sq. yards, a building raised on stilts may be permitted, provided the stilts floor shall be treated as one of the main floors of the building. In individual plots of 300 sq. yards (250.83 sqm.) and above with front on roads with a right of way of 80 ft. (24.38 sqm) and above full three storeyed construction with barsati on top may be allowed, where a barsati is permitted, not more than 50 per cent of the covered area on the ground floor or the floor immediately below the barsati or 1000 sq. ft. (92.9 sqm) whichever is less, should be allowed to be covered including the area covered by a stair-case leading to the barsati. The barsati may be enclosed. For the purpose of density calculation barsati floor is reckoned as a dwelling unit.

##### (d) Setback Lines

The following setback lines are prescribed depending upon the depth of plot for individual plots :

###### (i) Front Setback

Depth of plot	Min. set back required from plot line
1. Upto 60 ft (18.28 m)	10 ft (3.04 m)
2. Above 60 ft (18.28 m) and not exceeding 90 ft (27.43 m)	15 ft (4.57 m)
3. Above 90 ft (27.43 m) and not exceeding 120 ft (36.57 m)	20 ft (6.08 m)
4. Above 120 ft (36.57 m) and not exceeding 150 ft (45.72 m)	25 ft (7.61 m)
5. Above 150 ft (45.72 m) and not exceeding 200 ft (60.96m)	30 ft (9.14 m)
6. Above 200 ft (60.96 m)	40 ft (12.16 m)

###### (ii) Rear Set Back Line

Besides the front set back line, set back should also be provided at the rear of the plots according to Municipal bye-law, subject to height restrictions to allow sufficient light and air circulation.

###### (iii) Side Set Back Line

Side set backs of at least 10 ft. (3.04 m) from plot line on each side should be left on detached plots.

In semi-detached plots side set back on one side should be at least 10.0' (3.04m) from the plot line to the building line.

For row housing, corner plots should be suitably set back from the road right of way, according to traffic requirements.

Where garages are to be provided in order to allow for easy turn of motor vehicles, the garages should be set back 15 ft (4.57 sqm) from the centre line of the service lane.

(1) The number of servants quarters in various sizes of plots will be reckoned as under :

(i) Plots upto 300 sq. yards (250.83 sqm).

(ii) Plots above 306 sq. yards (250.83 sqm) One servants' quarter per dwelling unit.

(2) Each servants quarter shall comprise one habitable room of area not more than 120 sq ft (11.14 sqm) floor area, exclusive of cooking verandah, bathroom and lavatory.

(3) For the purpose of density calculation, the number of persons—per servants' quarter will be reckoned as 2.

#### ANNEXURE V

(a) List of Manufacturing Units (types) to be shifted immediately from Walled City to Industrial Areas.

1. Electric cable and wire
2. Plastic, P.V.C. and rubber goods
3. Electroplating including different types of metal polishing.
4. Paint
5. Dye
6. Acid and chemicals
7. Spice grinding
8. Grease
9. Card Box (large size)
10. Battery box
11. Tobacco processing
12. Metal box (large size)
13. Any other noxious type manufacturing & processing unit.

(b) The following trades shall be shifted to the areas specifically marked for respective trades :

1. P.V.C. wholesale market (may be shifted at Patparganj, subject to a detailed study).
2. Trade dealing with hazardous chemicals.
3. Dairies.
4. Large godowns/warehouses (to be shifted in a phased manner).
5. Fruit and vegetable market (Phool Mandi).

#### ANNEXURE VI

##### Summary of main proposals

###### 1. Regional and Sub-regional frame :

Delhi's population is growing at a very rapid pace, creating complex problems of urban development and management; if part of this growth could be channelised into other cities the smaller ones, it could provide relief to the core city and will prove to be a source of strength to the smaller settlements. In this context, for the balanced regional development, the Ministry of Works & Housing of the Union Govt. are co-ordinating the efforts of Delhi and the adjoining States through a plan for the National Capital Region (NCR) which includes some parts of Haryana, U.P. and Rajasthan besides the Union Territory of Delhi.

At sub-regional level Delhi Metropolitan Area (DMA), including the Union Territory of Delhi, should be considered as one urban agglomeration for the purpose of planning. Thus the regional context i.e. DMA & NCR concepts and plans have become more important today than they were in 1962. In the Plan the policies for the balanced development of the NCR have been stated and the Delhi Metropolitan Area has been redefined, taking into consideration the urban settlement at the doorsteps of Delhi and the Ridge in the South which extends to Haryana.

###### 2. Population and Employment

At the present rate of growth Delhi's population would be 144.26 lakhs in urban areas and 5.27 lakhs in rural areas by the year 2001. Though regional development has lagged behind, but considering the positive actions which would

be taken in this respect, population for the Union Territory of Delhi has been projected to be 121.73 lakhs in urban areas and 6.37 lakhs in rural areas. The present employment of 11 lakh would increase to about 49 lakh by the year 2001. Land and infrastructural provision would be required to accommodate this employment. To restrict the rapid growth of population, only essential Central Government Offices which serve the Ministries of the Government of India and only the liaison offices of the Undertakings should be located in Delhi. The Quasi-Government employment needs to be judiciously distributed in the regional towns and the counter magnets which are part of the National Capital Region.

Also to contain the trend of increasing employment in industrial sector, only non-polluting industries employing not more than 50 workers should be allowed in Delhi Urban Area.

To accommodate the 122 lakh urban population by the year 2001 a two-pronged strategy has been recommended :

(i) To increase the population holding capacity of DUA-81 by about 3 million.

(ii) Extension of urbanisable limits to accommodate additional 4 million (approximate) population.

###### 3. Shelter

Emphasis should be both on the development of new housing areas as well as on conservation, improvement and revitalisation of the existing residential areas. About 16.2 lakh new housing units are required in the next two decades, as given in the main text.

Housing cooperatives in Delhi, which are an overlapping sector between public and private, have been a reasonable success and should be further encouraged.

Earlier the plan had proposed general public housing in the form of two family development alongwith multi-family (Group Housing). Recently the two family plotted development has been permitted a third family unit on the Barsi floor. Surveys/studies have indicated that plotted development for a long time remain only single storey built and also that group housing in the overall study design has a very marginal intensive use of land. Further relating housing to (i) Affordability, (ii) Efficiency of land utilisation (Landuse intensity), (iii) Equity (Social distribution of Land), the most appropriate type of general housing would be partially built plotted housing on individual plots of 70 to 80 sqm. Part of housing could be provided in the form of three family plots developed into walk up dwelling units, varying from 150 sqm to 250 sqm and multi-family housing. Cooperatives for general housing should be given a bigger role and small cooperatives with individual housing on plotted basis could also be introduced.

###### 4. Conservation, revitalisation and Environmental improvement

Conservation and revitalisation is required in case of traditional areas like the walled city. This requires : (i) shifting of noxious and hazardous industries and trades and delimitation of non-residential activities, (ii) Upgrading of physical and social infrastructure, (iii) Introduction of transport modes of medium capacity and medium speed and management and regulation to traffic, (iv) Conservation and restoration of historical buildings, (v) Revitalisation of organic residential areas.

4A. Resettlement Colonies : Immediate need of resettlement colonies is provision of individual services i.e. water, sewerage and electricity. Non-Govt. organisations should supplement social action of Govt. departments and income supplementation programmes specially for women should also be undertaken. Regular sewerage may not be possible immediately in many areas because of non-availability of connecting line or financial constraints. In such cases, the low cost sanitation through two pit method on individual or collective basis should be adopted. For construction of dwellings in resettlement colonies by individual families, system of institutional financing for this category is needed.

4B. Unauthorised Colonies : Unauthorised colonies are generally the result of lack of discipline and serious shortage

of housing. The house owners of such colonies which have been considered for regularisation could be asked to form societies and come forward with plans for improvement of the target group.

4C. Urban Villages : These old settlements should be provided with basic services and amenities while preserving to the extent possible their traditional life style.

#### 5. Industry

According to the existing regulations, a large number of existing industrial units are non-conforming located as these are in the residential and commercial use zones. Thus the overall question of conforming/non-conforming and overall compatibility of industries has been studied in detail. It is now recommended that (a) industrial units which are of compatible nature may continue in the residential areas and similar type of new industrial units could also be permitted (b) Industrial units which are highly incompatible should be immediately (maximum period 5 years) shifted from the residential and commercial areas to planned estates (c) Industrial units of intermediate category which are neither compatible nor highly incompatible may continue for the present but they should be offered alternative allotments in the industrial area and position reviewed at 2 stages after 5 years and 10 years (d) No new extensive industries should be permitted in Delhi.

#### 6. Trade & Commerce

To accommodate requirements of shopping-cum-commercial offices and other related activities like Cinemas, Hotels, and ancillary facilities, the five tier system of commercial areas ranging from CBD to convenience shopping with some modifications has been retained. Besides the CBD in the Old City, Connaught Place and Karol Bagh two sub-CBDs, one in the Trans Yamuna area and other in the urban extension, are proposed. Besides five district centres already in different stages of development, 20 new district centres have been envisaged, 14 in the existing urban limits and six in the urban extension.

6A. Wholesale Trade : For wholesale trade, four regional wholesale markets in different directions have been proposed. The wholesale markets have to be integrated with freight complexes, so that wholesale business could be operated more efficiently and in a better environment. To effectuate decentralisation, 11 regional-cum-local wholesale markets as secondary wholesale markets are recommended to be developed in different planning divisions.

#### 7. Transportation

Keeping in view the physical forms obtainable in the existing urban areas like, Old Delhi, New Delhi and contemporary developments, as also the projected rate of trip generation, a multi mode transportation system, consisting of ring rail, light rail and Bus transport inter-linking various parts is proposed.

New modes proposed for the intracity passenger movement is the light railway, which has a capacity upto 20,000 passengers per hour. In the existing urban area and in the urban extension about 200 km. of light rail would be required by the year 2001.

For the Central congested areas of the Walled City, re-introduction of tramways along select number of routes is recommended. However, introduction of trams in this area should be supported by a restraint on the use of private modes of transport and provision of parking at interchange points.

To provide safe environment for bicycle movement in certain corridors, fully segregated cycle tracks need to be provided by adjusting existing road sections and making use of land available by the side of Nullah.

For inter-city passenger movement, four metropolitan passenger terminals on major rail linkages have been recommended. All these Metropolitan Passenger Terminals would have one inter-state bus terminus each and would be linked with different parts of the city through light rail and bus transportation. Another bus terminus has been proposed near Daula Kaun.

7A. Goods Movement : For the integration of goods movement through road and rail, freight complexes consisting of wholesale markets warehousing, trucks and rail transport terminals have been recommended on four major rail road links close to the proposed Metropolitan Passenger Terminals.

7B. Metropolitan Transport Authority : To run a multi-model complex transportation system for Delhi on national lines, Delhi needs a unified single transport authority.

#### 8. Physical Infra structure

8A. Water Supply : Delhi would need additional water supply to the extent of 671 million gallons per day (MGD) by the year 2001. This is expected from Tehri Dam in U.P., Kishau and Lakhwari and Giri Dams in Himachal Pradesh and through exchange of water with Haryana. The supply system would require enhancement of the existing four water treatment plants and construction of a new treatment plant.

8B. Sewerage : To serve entire population with sewerage, the existing sewerage capacity of 118 MGD would be required to be augmented to 900 MGD with the availability of water. This would require enhancement of the capacity of our existing sewerage treatment plants and construction of three new sewerage treatment plants including Rithala plant which is in the process. The areas where immediate regular sewerage is not possible intermediate low cost sanitation system should be adopted as a short range provision.

8C. Power : Delhi's requirement of power by the year 2001 is estimated to be 2500 MW. For additional requirement it would have to bank upon the northern power grid. To meet the targetted demand of 2500 MW by the year 2001, the power distribution network would be required to be taken over to 400 KV grid from existing 220 KV grid.

8D. Solid Waste Management : Solid waste generated in different parts of Delhi would increase from 2300 tons per day in 1981 to 6735 tons per day in 2001. Considering the nature of solid waste and the economy of its disposal, major part of solid waste has been proposed to be disposed off in sanitary land fill. No new site for compost plant has been proposed. It is recommended that the experience of the existing two compost plants with MCD and NDMC be reviewed in 1992 and if necessary policy could be modified.

#### 9. Social Infrastructure

9A. Health : Two tier system in the form of general hospital and health centre earlier proposed did not satisfy the full requirements of health needs, thus a six-tier system has been evolved consisting of (i) general Hospital (500 beds), (ii) Intermediate Hospital category A (200 beds), (iii) Intermediate Hospital category B (80 beds), (iv) Poly-clinic with some observation beds, (v) Nursing home and child welfare and maternity centre and (vi) Dispensary.

9B. Education : Besides land reservation for normal education facilities, land would also be reserved for technical and professional education institutions and also for central and integrated schools to overcome the present shortcomings.

9C. Telecommunications : Reservations of land for telephone exchanges has been proposed so as to increase the telephones per hundred population from 3.37 in 1981 to 10 in the year 2001. Revised standards have been worked out for infrastructure (social) including postal facilities, police, milk distribution, etc.

9D. Facilities and service centres : To accommodate facilities in groups in the existing urban areas facility centres have been proposed. Similarly, to accommodate the additional need of repair and service shops, service centre concept has been evolved.

#### 10. Environment

10A. Natural Features : Two major natural features in Delhi area, the Ridge and River Yamuna. Though part of the Ridge in Delhi has been erased, the total Ridge area since available is about 8000 Hect. This should be conserved with utmost care and should be afforested with indigenous species with minimum of artificial landscape.

River Yamuna now has a high level of pollution, which is mainly from the untreated sewerage and waste from industrial areas. Strict enforcement of water pollution Act is needed to keep the river clean. Channelisation of the river as proposed shall provide scope for a major river front development scheme and also promote amelioration of the environment.

**10B. Lung Spaces :** Part of the areas reserved for parks within DUA-81 are recommended to be developed for intensive recreational activities such as special children parks, picnic areas, etc. Atleast 30 per cent of the district parks area should be developed as woodland for ecological stability. Due emphasis is given on the development of sports facilities for all age groups in the form of neighbourhood play area, district and divisional sports centres.

**10C. Replantation :** There are large number of trees in parks, which have completed their full span of life. This is specially true of the trees in New Delhi area. Replantation as a cyclic process is recommended.

**10D. Urban aesthetics and conservation of city's past :** Delhi has a tradition of Urban Design, which has been lost in recent past. Four-pronged policy—(i) Identification of areas of significant natural and built environment for special treatment (ii) Visual integration of various parts of the city (iii) Conservation of city's past (iv) Policy for tall buildings and major urban projects has been worked out to revive the same.

The central part of Delhi has well developed social and cultural institutions, for the city's expansion. With the increasing population additional areas for social and culture activities have been earmarked. Areas along Central Vista from Janpath to National Stadium needs to be continued to be reserved for social and cultural institutions.

**10E. Water and air pollution :** Water and air pollution, based on available studies, is increasing. In case of water pollution, diversion of discharge of waste water from major drains into the sewerage system to be followed by adequate waste water treatment has been recommended. Six areas have been identified to be declared 'Pollution Control Areas'.

#### 11. Special Area

The walled city and its extension and Karol Bagh and the area in between has been earmarked as special area for the purpose of development. This area cannot be developed on the basis of normal regulations. Special regulations have been worked out for this area and incorporated into the Development Code.

#### 12. Rural Area

The rural area of Delhi being in the periphery of major metropolis has a special significance. The households in the rural areas of Union Territory of Delhi have higher level of education and income compared to rural areas in adjoining states. The area is also attracting migrants; 20 per cent of rural Delhi households are migrant households mainly from Haryana and U.P. The area needs to be provided with a reasonably high level of infrastructure and good road linkages with the city. Based on the population, linkages and growth rate, certain villages have been identified for the location of major health facilities, markets, schools and rural industries.

#### 13. Modernisation and City's Personality

A city belonging to this age should have (i) efficient transportation and communication system (ii) Convention and exhibition centres (iii) shopping arcades, amusement parks and (iv) places for comfortable living for the visitors. The city should provide all these and should also reflect its traditions and heritage, its culture and its warmth to the visitors and its inhabitants.

#### 14. Land use plan

The existing land use plan has been modified on the basis of the following : (i) Policies enunciated for different sectors (ii) Requirement of additional physical and social infrastructure, transportation and employment centres

(iii) Restricting of land uses along the ring rail (iv) Modifications in the land uses already approved (v) Restructuring in land use required based on the studies for the Perspective 2001 and considering inter relationship of urban activities and their effect on the environment and image of the city.

#### 15. Mixed Land Use

Concept of mixed land use has been introduced in the plan by (i) Permitting shopping and household industry in compatible residential areas and (ii) Introducing intended mixed use on residential plots by allowing shop/household industry on the ground floor and residence above.

#### 16. Zonal (Divisional) Plans

The Union Territory of Delhi is divided into 15 zones (divisions). The zonal (divisional) plans would provide further detailed policy of the plan as necessary and act as a link between the layout plan and the Master Plan.

#### 17. Development Code

It is systematic code to decide the use activities (uses) in two levels (i) Conversion of use zone into use premises (layout); and (ii) Permission of use activities in the use premises. It also gives regulations for sub-division of use zone into use premises and control of buildings within use premises.

#### 18. Plan Monitoring and Review

**18A. Plan Monitoring :** No long range urban development plan can be implemented unless it is responsive to the happenings and emerging socio-economic and other forces during the plan implementation period. Time lags between the happenings and emerging socio-economic forces and the plan responses creates accentuating conditions of unintended growth. The respective plan to check the unintended growth needs a scientific monitoring frame. Monitoring frame is required for (i) evaluating the achievement of physical targets prescribed in the plan and (ii) identification of physical and socio-economic changes to review the plan policies.

**18B. Plan Review :** The plan monitoring would provide sufficient material for any modification required in the plan. Any other aspects out of emerging socio-economic and physical forces could be taken up for study to review the plan proposals. A comprehensive review encompassing all aspects should be taken up in 1992.

**18C. Constant study and Research :** Policies indicate directions; detailed development projects ultimately create environment—good or bad. During the plan implementation all the aspects of development i.e. housing, transport, work centres, recreation, infrastructure, etc., need constant study and research to make the plan effective in providing high quality living environment. The DDA should constantly do the studies, research and monitoring work to make planning a firm instrument for the development of this city.

(6) The "Maps" appended to the plan substituted by the drawings (Plans) with following headings : 1. National Capital Region, 2. Delhi Metropolitan Area, 3. Walled City Existing Land Use-1981, 4. Walled City-Shahjahanabad : Conservation and Transport net Work, 5. Transport Net Work, 6. Utilities, 7. Areas of Landscape Significance, 8. Areas of Visual Significance, 9. Archaeological Heritage, 10. Existing Land Use 1981-82, 11. Land Use Plan, 12. Special Area and 13. Union Territory of Delhi—Zones (Divisions).

The above mentioned drawings (plans) incorporating the proposed modifications will be available for inspection at the office of the Authority, Vikas Minar, Indraprastha Estate, New Delhi, on all working days except Saturdays within the period referred to above.

[F. 20(22)184-MPI]

M. P. LAIN, Secy.

Delhi Development Authority

